# परीक्षा अध्ययन
# 2023

XII

## बही ता

- नवीनतम् ब्लू प्रिण्ट पर अ ... र सेट आदर्श प्रश्न-पत्र (हल सहित)
- बोर्ड परीक्षा प्रश्न-प ... )20 व 2022 सहित




शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी

# परीक्षा अध्ययन 2023

कक्षा XII

## मुख्य आकर्षण

- सफलता एवं उच्चतम अंक प्राप्त करने का एक सरल साधन
- नवीन ब्लू प्रिण्ट पर आधारित आदर्श प्रश्न-पत्र के चार सेट हल सहित
- निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित परीक्षोपयोगी प्रश्नों के स्पष्ट एवं सटीक उत्तर
- बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र 2019, 2020 एवं 2022 सहित
- 2023 बोर्ड परीक्षा के लिए एक उत्कृष्ट पुस्तक

**बहीखाता**

बोर्ड द्वारा कम किए गए पाठ्यक्रम पर आधारित

वरिष्ठ एवं अनुभवी शिक्षकों की समिति द्वारा रचित

**2023 परीक्षा हेतु मान्य नवीन प्रश्न-पत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन**

| क्र. | प्रश्न का स्वरूप | कुल प्रश्न | आबण्टित अंक | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 5 (32) | 1 | 32 |
| 2. | अति लघु उत्तरीय प्रश्न (सभी प्रश्नों में विकल्प) | 10 | 2 | 20 |
| 3. | लघु उत्तरीय प्रश्न (सभी प्रश्नों में विकल्प) | 4 | 3 | 12 |
| 4. | विश्लेषणात्मक प्रश्न (सभी प्रश्नों में विकल्प) | 4 | 4 | 16 |
| | कुल प्रश्न | 18 + 5 = 23 | | पूर्णांक : 80 |


शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी

पुस्तक प्रकाशक, खजूरी बाजार, इन्दौर

[ मूल्य : ₹ 100·00

# 2023 बोर्ड परीक्षा हेतु मान्य नवीन ब्लू प्रिण्ट

## बहीखाता : कक्षा XII

समय : 3 घण्टा] [पूर्णांक : 80

| क्र. सं. | इकाई एवं विषयवस्तु | इकाई पर आबंटित अंक | वस्तुनिष्ठ प्रश्न | अंकवार प्रश्नों की संख्या | | | कुल प्रश्न |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 अंक | 2 अंक | 3 अंक | 4 अंक | |
| I. | साझेदारी फर्म एवं कम्पनी का लेखांकन | | | | | | |
| 1. | साझेदारी लेखांकन–आधारभूत अवधारणाएँ | 12 | 06 | 01 | — | 01 | 02 |
| 2. | A–साझेदारी फर्म का पुनर्गठन | 06 | 03 | — | 01 | — | 01 |
| | B–साझेदार का प्रवेश | 06 | 03 | — | 01 | — | 01 |
| 3. | A–साझेदार की निवृत्ति/मृत्यु | 08 | 02 | 01 | — | 01 | 02 |
| | B–साझेदारी फर्म का विघटन | 04 | 02 | 01 | — | — | 01 |
| 4. | A–अंश पूँजी के लिए लेखांकन | 16 | 04 | 04 | – | 01 | 05 |
| | B–ऋणपत्रों का निर्गमन | 08 | 03 | 01 | 01 | — | 02 |
| II. | वित्तीय विवरण विश्लेषण | | | | | | |
| 5. | A–कम्पनी के वित्तीय विवरण, वित्तीय विवरणों का विश्लेषण | 08 | 05 | — | 01 | — | 01 |
| | B–लेखांकन अनुपात | 04 | 02 | 01 | — | — | 01 |
| 6. | रोकड़ प्रवाह विवरण | 08 | 02 | 01 | — | 01 | 02 |
| | **कुल योग** | **80** | **5(32)** | **10** | **4** | **4** | **18 + 5 = 23** |

**निर्देश :** (1) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। *सही विकल्प* 06 अंक, *रिक्त स्थान* 07 अंक, *सही जोड़ी* 06 अंक, *एक वाक्य में उत्तर* 07 अंक, *सत्य असत्य* 06 अंक, सम्बन्धी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान इकाई/उप-इकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी–

| | | |
|---|---|---|
| अति लघु उत्तरीय प्रश्न | 02 अंक | लगभग 30 शब्द |
| लघु उत्तरीय प्रश्न | 03 अंक | लगभग 75 शब्द |
| विश्लेषणात्मक | 04 अंक | लगभग 120 शब्द |

(2) 40 प्रतिशत *वस्तुनिष्ठ प्रश्न*, 40 प्रतिशत *पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न*, 20 प्रतिशत *विश्लेषणात्मक प्रश्न* होंगे।

# विषय-सूची


| *अध्याय* | | *पृष्ठ संख्या* |
|---|---|---|
| ☐ | आदर्श प्रश्न-पत्र, सेट—I (हल सहित) : 2023 | 5 – 10 |
| ☐ | आदर्श प्रश्न-पत्र, सेट—II (हल सहित) : 2023 | 10 – 15 |
| ☐ | आदर्श प्रश्न-पत्र, सेट—III (हल सहित) : 2023 | 16 – 22 |
| ☐ | आदर्श प्रश्न-पत्र, सेट—IV (हल सहित) : 2023 | 22 – 28 |
| | **भाग (क) : अलाभकारी संगठनों, साझेदारी फर्मों तथा कम्पनियों के लिए लेखांकन** | |
| 1.* | अलाभकारी संगठनों के वित्तीय विवरण | — |
| 2. | साझेदारी लेखे | 29 – 46 |
| 3. | साझेदारी का पुनर्गठन : लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन | 46 – 51 |
| 4. | नये साझेदार का प्रवेश | 52 – 68 |
| 5. | साझेदार का अवकाश ग्रहण/मृत्यु | 68 – 78 |
| 6. | साझेदारी फर्म का समापन | 78 – 95 |
| 7. | अंश पूँजी लेखे | 96 – 113 |
| 8. | ऋणपत्र सम्बन्धी लेखे | 114 – 125 |
| | **भाग (ख) : वित्तीय विवरण विश्लेषण** | |
| 9. | कम्पनी के वित्तीय विवरण | 125 – 139 |
| 10. | वित्तीय विवरणों का विश्लेषण | 140 – 143 |
| 11. | लेखांकन अनुपात | 144 – 162 |
| 12. | रोकड़ प्रवाह विवरण | 162 – 182 |
| ☐ | **बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2019** | 183 – 187 |
| ☐ | **बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2020** | 187 – 194 |
| ☐ | **बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2022** | 194 – 198 |


नोट— तारांकित (*) अध्याय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा शैक्षिक सत्र : 2022-23 के लिए पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है।

# बोर्ड द्वारा वार्षिक/बोर्ड परीक्षा 2023 के लिए कम किये गये पाठ्यक्रम के पाठ्य-बिन्दु

| क्र. सं. | पूर्व अध्याय | अध्याय | विवरण |
|---|---|---|---|
| 1. | भाग-1 : 1 | अलाभकारी संगठन के लेखे | सम्पूर्ण अध्याय हटाया गया |
| 2. | भाग-2 : 2 | ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन | ऋणपत्रों का मोचन (शोधन) पूर्णत: हटाया गया। |
| 3. | भाग-2 : 4 | वित्तीय विवरणों का विश्लेषण | तुलनात्मक विवरण एवं समरूप विवरण पूर्णत: हटाया गया। |

# नये जोड़े गये पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

| क्र. सं. | पूर्व अध्याय | अध्याय | विवरण |
|---|---|---|---|
| 1. | भाग-2 : 5 | लेखांकन अनुपात | 1. Debt to Capital Employed Ratio (ऋण पूँजी विनियोजन अनुपात)<br>2. Fixed Assets Turnover Ratio (स्थायी सम्पत्ति आवर्त अनुपात)<br>3. Net Assets Turnover Ratio (शुद्ध सम्पत्ति आवर्त अनुपात) |

# बहीखाता : कक्षा XII

## आदर्श प्रश्न-पत्र : सेट—I

समय : 3 घण्टा ] [ पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। *सही विकल्प* 06 अंक, *रिक्त स्थान पूर्ति* 07 अंक, *सत्य/असत्य* 06 अंक, *जोड़ी मिलाइए* 06 अंक व *एक शब्द/वाक्य में उत्तर* 07 अंक के हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 6 से 23 में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 30 शब्द है तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 19 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर की शब्द-सीमा 75 शब्द है तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक विश्लेषणात्मक प्रश्न हैं जिनके उत्तर की शब्द-सीमा 120 शब्द है तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

---

**प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए—** $1 \times 6 = 6$

**(i) साझेदारी संलेख तैयार किया जाना—**

(अ) अनिवार्य है, (ब) ऐच्छिक है,

(स) अंशत: अनिवार्य है, (द) अनावश्यक है।

**(ii) पुनर्मूल्यांकन खाता बनाते हैं—**

(अ) फर्म के विघटन पर (ब) फर्म के लाभ होने पर,

(स) नये साझेदार के प्रवेश पर, (द) व्यवसाय बन्द करने पर।

**(iii) अवशिष्ट याचना पर सारणी 'A' के अनुसार ब्याज की दर होती है—**

(अ) 6% वार्षिक, (ब) 10% वार्षिक,

(स) 8% वार्षिक, (द) 5% वार्षिक।

**(iv) कौन-सी मद चालू सम्पत्ति नहीं है ?**

(अ) देनदार, (ब) स्टॉक,

(स) अदत्त व्यय, (द) पूर्वदत्त व्यय।

**(v) तरल अनुपात का प्रमाप है—**

(अ) 2 : 1, (ब) 1 : 1,

(स) 3 : 1, (द) इनमें से कोई नहीं।

(vi) निम्न में से कौन-सी मद गैर-रोकड़ मद है ?
(अ) वार्षिक ह्रास, (ब) कर का भुगतान,
(स) ब्याज का भुगतान, (द) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर–(i) (ब), (ii) (स), (iii) (ब), (iv) (स), (v) (ब), (vi) (अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) गुणनफल विधि द्वारा ..... पर ब्याज की गणना की जाती है।
(ii) साझेदारी का ..... साझेदारों के बीच सम्बन्धों का परिवर्तन है।
(iii) दायित्वों में कमी फर्म का ..... होता है।
(iv) प्राप्ति का अनुपात = नया अनुपात – ..... अनुपात।
(v) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक ..... है।
(vi) फर्नीचर को चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष में ..... शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाते हैं।
(vii) लेखांकन प्रमाप-3 के अनुसार रोकड़ क्रियाओं को ..... भागों में बाँटा गया है।
उत्तर–(i) आहरण, (ii) पुनर्गठन, (iii) लाभ, (iv) पुराना, (v) कृत्रिम व्यक्ति, (vi) मूर्त सम्पत्तियाँ/गैर-चालू सम्पत्ति, (vii) तीन।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए– $1 \times 6 = 6$

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| (i) केवल व्यक्ति ही | (अ) फर्म के समापन पर खोला जाता है |
| (ii) लाभ (नफे) का अनुपात | (ब) पूँजीगत लाभ |
| (iii) वसूली खाता | (स) चालू दायित्व |
| (iv) पूर्वाधिकार अंश | (द) साझेदार बन सकता है |
| (v) ऋणपत्रों पर प्रीमियम | (य) नया अनुपात – पुराना अनुपात |
| (vi) अदत्त व्यय | (र) पूँजी वापसी की प्राथमिकता |

उत्तर–(i)→(द), (ii)→(य), (iii)→(अ), (iv)→(र), (v)→(ब), (vi)→(स)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) ख्याति के मूल्यांकन का आधार क्या है ?
(ii) फर्म द्वारा साझेदारों की पूँजी पर ब्याज कब दिया जाता है ?
(iii) क्या लाभानुपात में परिवर्तन के लिए ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है।
(iv) क्या साझेदारी के विघटन पर फर्म का विघटन आवश्यक है ?
(v) कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं ?
(vi) किन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है।
(vii) वे दायित्व जिनका भुगतान एक वर्ष के अन्दर किया जाता है, कहलाते हैं।
उत्तर–(i) क्रय के वर्ष व लाभ का रूप, (ii) साझेदारी संलेख में वर्णित होने पर, (iii) ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है, (iv) नहीं, (v) प्रवर्तक, (vi) वाहक ऋणपत्र, (vii) चालू दायित्व।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य बताइए– $1 \times 6 = 6$

(i) ख्याति, एक अमूर्त सम्पत्ति है।

(ii) पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति एवं दायित्वों के मूल्यों में परिवर्तन होने पर खोला जाता है।

(iii) सेवानिवृत/मृत साझेदार को राशि का भुगतान एकमुश्त या किस्तों पर ब्याज सहित किया जाता है।

(iv) ऋणपत्रधारी को कम्पनी का अंशधारी भी कहते हैं।

(v) लाभांश का भुगतान पूँजी में से बाँटा जा सकता है।

(vi) स्टॉक में वृद्धि से तरल अनुपात में कमी होगी।

उत्तर–(i) सत्य, (ii) सत्य, (iii) सत्य, (iv) असत्य, (v) असत्य, (vi) असत्य।

**प्रश्न 6. ख्याति से क्या आशय है ?** 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 32 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति से क्या आशय है ?**

उत्तर–पृष्ठ संख्या 32 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 7. साझेदार की मृत्यु पर देय रकम की गणना कैसे करते हैं ?** 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 70 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**फर्म से साझेदार की निवृत्ति का क्या आशय है ?**

उत्तर–पृष्ठ संख्या 70 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 8. साझेदारी का समापन किसे कहते हैं ?** 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 80 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**वसूली खाते की प्रकृति समझाइए।**

उत्तर–पृष्ठ संख्या 81 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 9. संचित पूँजी क्या होती है ?** 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**साधारण अंशों के कोई दो लक्षण बताइए।**

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, लघु उत्तरीय प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 10. अंशों के हरण का अंशधारी पर प्रभाव लिखिए।** 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**पूर्वाधिकार अंशों की कोई दो विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 11. अंश प्रीमियम का उपयोग किन कार्यों के लिए किया जा सकता है? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

'कम्पनी' शब्द का क्या अर्थ है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 12. असंचयी पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

*अथवा*

श्रम साध्य साधारण अंश से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 101 पर, प्रश्न संख्या 13 का उत्तर देखें।

प्रश्न 13. ऋणपत्रधारी की वैधानिक स्थिति बताइए। 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ऋणपत्रों का निर्गमन कब किया जाता है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

प्रश्न 14. सकल लाभ अनुपात से क्या आशय है ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

चालू अनुपात की गणना कैसे की जाती है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

प्रश्न 15. रोकड़ प्रवाह क्या है ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

गैर-रोकड़ मदें क्या हैं ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

प्रश्न 16. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर ख्याति का समायोजन किस प्रकार होता है ? 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 48 पर, लघु उत्तरीय प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

साझेदारी फर्म के पुनर्गठन की कोई तीन विधियाँ समझाइए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 48 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 17. त्याग अनुपात क्या है ? इसकी गणना क्यों की जाती है ? 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 55 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अनिल और विशाल साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 में करते हैं। वे सुमित को नये साझेदार के रूप में $\frac{1}{5}$ भाग के लिए प्रवेश देते हैं। अनिल, विशाल और सुमित के नये लाभ-विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 58 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 18. कमल लि. ने 8,000, 13% ऋणपत्र ₹ 100 वाले निर्गमित किये। इन ऋणपत्रों पर समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। जर्नल प्रविष्टि कीजिए। 3

उत्तर–पृष्ठ संख्या 122 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ऋणपत्र एवं अंशपत्र में कोई तीन अन्तर लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 118 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 19. वित्तीय विश्लेषण की सीमाएँ लिखिए। 3

उत्तर–पृष्ठ संख्या 142 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय विश्लेषण की तकनीकों को बताइए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 141 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 20. काजल एवं कामिनी एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ एवं हानि के विभाजन के साझेदार हैं। वे राहुल को 1/4 भाग के लिए साझेदार बनाते हैं और लाभ में से कम-से-कम ₹ 50,000 देने की गारण्टी देते हैं। 31 मार्च, 2015 को फर्म को ₹ 1,60,000 का लाभ हुआ। इसके लिए लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए। 5

उत्तर–पृष्ठ संख्या 39 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

राजेश, सुनील और तरुण साझेदार हैं जो $\frac{1}{2}:\frac{1}{4}:\frac{1}{4}$ में लाभ बाँटते हैं। उनकी पूँजी ₹ 12,000, ₹ 8,000, और ₹ 6,000 है। पूँजी पर 5% ब्याज दिया जाता है, आहरण पर 5% ब्याज लिया जाता है। तरुण ₹ 3,000 वार्षिक वेतन पाता है, सुनील कुल बिक्री पर 1% कमीशन पाता है।

वर्ष 2017 का लाभ समायोजन के पूर्व ₹ 11,500 था। कुल विक्रय ₹ 1,40,000 था। आहरण ₹ 4,000, ₹ 5,600 और ₹ 6,000 थे जिन पर क्रमशः ₹ 80, ₹ 100 और ₹ 120 ब्याज हुआ।

लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 41 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

प्रश्न 21. साझेदार रजत 31 मार्च, 2014 को फर्म से निवृत्त हो गया। उस दिन उसके पूँजी खाते का शेष ₹ 20,000 था। यह व्यवस्था की गयी कि इसका भुगतान ₹ 5,000 की वार्षिक किस्तों में किया जायेगा। अदत्त राशि पर 5% ब्याज लगाया जाए। पहली किस्त 31 मार्च, 2015 को दी गई थी और आगामी भुगतान प्रति वर्ष 31 मार्च को किये गये। फर्म की पुस्तकों में रजत का ऋण खाता दर्शाइए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 73 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

त्याग अनुपात व लाभ-प्राप्ति अनुपात में अन्तर बताइए। (कोई पाँच)

उत्तर–पृष्ठ संख्या 73 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 22. कुमार लिमिटेड ने भानु ऑयल लिमिटेड से ₹ 6,30,000 की सम्पत्तियाँ क्रय की। कुमार लिमिटेड ने समझौते के अनुसार ₹ 100 वाले पूर्णदत्त अंशों का निर्गमन किया। कौन-सी रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जायेगी यदि अंशों का

(i) सममूल्य पर निर्गमन हो और

(ii) 20% प्रीमियम पर हो। 4

उत्तर—पृष्ठ संख्या 110 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

*अथवा*

पूर्वाधिकार अंशों तथा समता अंशों में अन्तर बताइए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 101 पर, प्रश्न संख्या I का उत्तर देखें।

प्रश्न 23. निम्न सूचनाओं से अप्रत्यक्ष विधि से संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए— 4

| | ₹ |
|---|---|
| शुद्ध लाभ | 7,500 |
| वेतन | 5,000 |
| प्लाण्ट पर ह्रास | 1,800 |
| प्लाण्ट के विक्रय पर हानि | 700 |
| ब्याज प्राप्त | 2,500 |
| विनियोगों के विक्रय पर लाभ | 2,500 |
| चालू दायित्व में वृद्धि | 20,000 |
| चालू सम्पत्ति में वृद्धि | 10,000 |

उत्तर—पृष्ठ संख्या 170 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

संचालन क्रियाओं एवं विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में किन-किन मदों को शामिल किया जाता है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 170 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

## आदर्श प्रश्न-पत्र : सेट—II

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए— $1 \times 6 = 6$

(i) आहरण पर ब्याज है—

(अ) फर्म की हानि, (ब) साझेदारों की आय,

(स) फर्म की आय, (द) इनमें से कोई नहीं।

(ii) सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य कहलाता है—

(अ) औसत लाभ, (ब) सामान्य लाभ,

(स) आकस्मिक लाभ, (द) अधिलाभ।

(iii) पुनर्मूल्यांकन पर होने वाला लाभ किस अनुपात में बाँटा जाता है ?
(अ) नये लाभ-हानि अनुपात, (ब) पुराना लाभ-हानि अनुपात,
(स) त्याग अनुपात, (द) प्राप्ति अनुपात।

(iv) वसूली खाता है–
(अ) व्यक्तिगत खाता, (ब) नाममात्र का खाता,
(स) लाभ-हानि खाता, (द) साझेदार का खाता।

(v) स्थायी सम्पत्तियों पर किया गया व्यय होता है–
(अ) पूँजीगत व्यय, (ब) आयगत व्यय,
(स) स्थगित आयगत व्यय, (द) इनमें से कोई नहीं।

(vi) तरल अनुपात में तरल सम्पत्ति है–
(अ) केवल रोकड़, (ब) रोकड़ व बैंक में रोकड़,
(स) शुद्ध चालू सम्पत्ति, (द) चालू सम्पत्ति - स्टॉक।

उत्तर–(i) (स), (ii) (द), (iii) (ब), (iv) (ब), (v) (अ), (vi) (द)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) साझेदारी का जन्म ..... से होता है।
(ii) प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात - .....
(iii) फर्म के विघटन के पश्चात साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं।
(iv) ..... कम्पनी के स्थायी माने जाते हैं।
(v) व्यवसाय की वित्तीय स्थिति की जानकारी उसके ..... से प्राप्त होती हैं।
(vi) आदर्श चल अनुपात ..... माना जाता है।
(vii) दीर्घकालीन सम्पत्तियों का क्रय-विक्रय ..... क्रिया है।

उत्तर–(i) अनुबन्ध/ठहराव/समझौता, (ii) पुराना अनुपात, (iii) व्यवसाय, (iv) समता अंशधारी, (v) वित्तीय विवरण, (vi) 2 : 1, (vii) विनियोग।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए– $1 \times 6 = 6$

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| (i) ख्याति का मूल्यांकन | (अ) अंश हरण खाता |
| (ii) त्यागी साझेदार | (ब) चालू सम्पत्ति |
| (iii) अंशों के हरण पर जब्त राशि | (स) विनियोग क्रिया |
| (iv) ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती | (द) कृत्रिम सम्पत्ति |
| (v) पूर्वदत्त व्यय | (य) क्षतिपूर्ति |
| (vi) स्थायी सम्पत्ति का क्रय | (र) औसत लाभ |

उत्तर–(i) → (र), (ii) → (य), (iii) → (अ), (iv) → (द), (v) → (ब), (vi) → (स)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) पूँजी खाता जिसका अन्तिम शेष प्रतिवर्ष बदलता रहता है उसे क्या कहते हैं ?

(ii) लेखांकन प्रमाप 26 किससे सम्बन्धित है ?

(iii) साझेदार की मृत्यु पर भुगतान किसको किया जाता है ?

(iv) जब अंशों को उसके अंकित मूल्य से अधिक पर निर्गमित किया जाता है तो अधिक राशि क्या कहलाती है ?

(v) ऋणपत्र का प्रतिफल क्या कहलाता है ?

(vi) वित्तीय विवरणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना क्या कहलाता है ?

(vii) प्रारम्भिक व्यय को किस वित्तीय विवरण में दर्शायेंगे ?

उत्तर—(i) परिवर्तनशील पूँजी खाता, (ii) ख्याति, (iii) उत्तराधिकारी को, (iv) अंशों पर प्रीमियम, (v) ब्याज, (vi) वित्तीय विश्लेषण, (vii) आर्थिक चिट्ठा।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य बताइए— $1 \times 6 = 6$

(i) साझेदारी फर्म में साझेदारी अधिनियम, 1932 लागू होता है।

(ii) साझेदारी ठहराव में किया गया परिवर्तन फर्म का पुनर्गठन कहलाता है।

(iii) साझेदार के प्रवेश पर ख्याति की राशि को पुराने व नये साझेदार के मध्य बाँटा जाता है।

(iv) नया अनुपात - पुराना अनुपात = लाभ-प्राप्ति अनुपात।

(v) एक निजी कम्पनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।

(vi) ऋणपत्र अल्पकालीन ऋण की प्रकृति के होते हैं।

उत्तर—(i) सत्य, (ii) सत्य, (iii) असत्य, (iv) सत्य, (v) सत्य, (vi) असत्य।

**प्रश्न 6. ख्याति की प्रकृति समझाइए।** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 34 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**लाभ-हानि नियोजन खाता किसे कहते हैं ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 32 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 7. साझेदार की मृत्यु पर देय रकम का भुगतान किसको किया जाता है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 70 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**निवृत्त साझेदार को वार्षिकी द्वारा भुगतान विधि क्या है ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 70 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 8. वसूली खाता कब बनाया जाता है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 80 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**वसूली खाते के लाभ-हानि को किस अनुपात में बाँटते हैं ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 81 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 9. अंशों द्वारा सीमित कम्पनी से क्या आशय है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 97 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

न्यूनतम अभिदान क्या है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

प्रश्न 10. अग्रिम याचना किसे कहते हैं ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

समता अंशों की विशेषताएँ लिखिए। (कोई दो)

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, लघु उत्तरीय प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 11. अंश प्रीमियम से क्या आशय है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

कम्पनी की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 12. अति अभिदान क्या है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

संचयी पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

प्रश्न 13. नग्न ऋणपत्र क्या होते हैं ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

प्रीमियम पर ऋणपत्रों के निर्गमन का क्या आशय है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

प्रश्न 14. त्वरित अनुपात क्या है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

बेचे गये माल की लागत किस प्रकार ज्ञात करते हैं ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 15. रोकड़ तुल्य से आप क्या समझते हैं ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय क्रियाओं से क्या आशय है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 16. त्याग का अनुपात क्या है ? 3

उत्तर–पृष्ठ संख्या 48 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

लाभ-प्राप्ति का अनुपात किसे कहते हैं ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 48 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 17. लेखांकन प्रमाप-26 के अनुसार नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति के सम्बन्ध में क्या प्रावधान हैं ? 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 55 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

'A' और 'B' 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। उन्होंने 'C' को 1/4 हिस्से हेतु प्रवेश देने का निश्चय किया। सभी साझेदार ('A' एवं 'B') अपना अनुपात पूर्वानुसार ही रखना चाहते हैं। 'C' ख्याति के रूप में माल लाना चाहता है। 'C' अपने हिस्से की ख्याति हेतु सहमत हो गया, फर्म की कुल ख्याति ₹ 12,000 है।

नई फर्म की बही में ख्याति हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 58 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 18. ऋणपत्र के चार प्रकारों का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 117 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

एक्स वाई जेड इन्डस्ट्रीज लि. ने प्रति ऋणपत्र ₹ 100 पर 2,000, 10% ऋणपत्रों को ₹ 10 प्रीमियम पर निर्गमित किया जो निम्नानुसार देय है :

आवेदन पर ..... ₹ 50

आबंटन पर ..... ₹ 60

सभी राशियाँ समय पर प्राप्त हो गयीं। कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 124 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 19. वित्तीय विवरण के विश्लेषण के उद्देश्य लिखिए। 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 130 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय विवरणों की सीमाएँ लिखिए। (कोई तीन)

उत्तर—पृष्ठ संख्या 132 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 20. रवि एवं रोहित बराबर के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 40,000 तथा ₹ 80,000 थी। वर्ष के अंत में खाते तैयार करने के बाद पता चला कि साझेदारों को पूँजी पर 5% वार्षिक दर से ब्याज नहीं दिया गया, जबकि संलेख में देना तय था। यह तय किया गया कि अगले वर्ष के आरंभ में एक समायोजन प्रविष्टि तैयार की जाए। आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए। 4

उत्तर—पृष्ठ संख्या 42 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

सीता और गीता एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2017 को उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 60,000 और ₹ 50,000 है। उन्हें पूँजी पर $7\frac{1}{2}$ % प्रतिवर्ष ब्याज दिया जाना है। सीता ने 1 जुलाई, 2017 को ₹ 16,000 फर्म को ऋण दिया है। गीता ₹ 8,000 वार्षिक वेतन पाने की अधिकारी है। 31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त वर्ष का लाभ उपर्युक्त समायोजन के पूर्व ₹ 18,000 था। लाभालाभ नियोजन लेखा बनाइए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 43 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

प्रश्न 21. श्योपुर की फर्म अग्रवाल एण्लायन्सेज के तीन साझेदार गर्ग, प्रधान एवं जैन हैं। वे 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। प्रधान ने 31 दिसम्बर, 2017 को अवकाश ग्रहण किया। इस दिन साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमशः ₹ 6,000, ₹ 5,000 और ₹ 4,000 थे। उसके भाग की ख्याति का मूल्य ₹ 4,500 आँका गया। पुनर्मूल्यांकन के आधार पर मशीन ₹ 1,200 तथा स्कन्ध ₹ 800 से कम कर दिया गया। संदिग्ध ऋणों के लिए ₹ 280 संचित किये गये। लेनदारों की राशि ₹ 600 कम कर दी गई और पेटेन्ट जिसका पुस्तकीय मूल्य ₹ 300 था, निर्मूल्य हो गया।

लाभ-हानि समायोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 74 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

फर्म से अवकाश लेने वाले साझेदार को देय राशि की गणना आप किस प्रकार करेंगे ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 72 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 22. मोहन लिमिटेड की अधिकृत पूँजी ₹ 2,00,000 है जो ₹ 10 वाले ₹ 20,000 समता अंशों में विभाजित है। कम्पनी ने ₹ 10,000 समता अंश निर्गमित किये तथा जनता से ₹ 8,000 अंशों के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त हुए। राशियाँ इस प्रकार से देय हैं–₹ 2 आवेदन पर; ₹ 3 आबंटन पर; ₹ 2 प्रथम याचना पर तथा ₹ 3 द्वितीय याचना पर।

मोहन लिमिटेड कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 108 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अंश और स्कन्ध में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 102 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 23. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने का महत्व लिखिए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 167 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय क्रियाकलापों से प्रमुख रोकड़ अंतर्वाह एवं बहिर्वाह की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 168 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

## आदर्श प्रश्न-पत्र : सेट—III

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए— $1 \times 6 = 1$

(i) साझेदारी संलेख के अभाव में ऋण पर ब्याज दिया जाता है—
(अ) 6%, (ब) 8%,
(स) 9%, (द) 12%.

(ii) विद्यमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन के कारण होगा—
(अ) साझेदारी फर्म का पुर्नगठन, (ब) साझेदारी फर्म का समापन,
(स) साझेदारी का समापन, (द) साझेदारी का विलय।

(iii) साझेदार के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन से हुए लाभ को अन्तरित किया जाता है—
(अ) सभी साझेदारों के पूँजी खाते में, (ब) नये साझेदारों के पूँजी खाते में,
(स) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में, (द) लाभ-हानि खाते में।

(iv) अग्रिम याचना पर कम्पनी ब्याज किस दर से देती है ?
(अ) 6% वार्षिक, (ब) 12% वार्षिक,
(स) 5%, (द) 5% वार्षिक।

(v) ऋणपत्रधारी कम्पनी के होते हैं—
(अ) स्वामी, (ब) लेनदार,
(स) देनदार, (द) कर्मचारी।

(vi) यदि चालू दायित्व ₹ 3,00,000 है व चालू अनुपात 1 : 5 : 1 है, तो चालू सम्पत्ति होगी—
(अ) ₹ 4,00,000, (ब) ₹ 3,50,000,
(स) ₹ 4,50,000, (द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(i) (अ), (ii) (अ), (iii) (स), (iv) (ब), (v) (ब), (vi) (स)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— $1 \times 7 = 7$

(i) ख्याति पर ..... नहीं लगाया जाता है।
(ii) स्थायी पूँजी खाते में ..... खाता भी बनाते हैं।
(iii) किसी नये साझेदार के प्रवेश पर परिसम्पत्तियों में हुई मूल्य वृद्धि को ..... खाते में क्रेडिट किया जाता है।
(iv) कम्पनी के समापन पर ..... अंशधारियों को पूँजी सबसे पहले लौटायी जाती है।
(v) ऋणपत्र, ऋण का एक लिखित ..... है।
(vi) आधिक्य, आर्थिक चिट्ठे में ..... मद के अन्तर्गत दर्शाते हैं।

(vii) चालू दायित्व वे दायित्व होते हैं जो ..... वर्ष के अन्दर भुगतान किये जाते हैं।

उत्तर–(i) ह्रास, (ii) साझेदारों का चालू, (iii) पुनर्मूल्यांकन, (iv) पूर्वाधिकार, (v) प्रमाण-पत्र, (vi) संचय एवं आधिक्य, (vii) एक।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए– $1 \times 6 = 6$

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| (i) साझेदारी संलेख बनाना | (अ) सत्य एवं उचित |
| (ii) पुराना अनुपात - नया अनुपात | (ब) चालू दायित्व |
| (iii) वसूली खाते में सम्पत्तियाँ | (स) पूँजीगत संचय |
| (iv) अंश हरण खाते का शेष | (द) पुस्तक मूल्य पर दर्शायी जाती है |
| (v) आर्थिक चिट्ठा | (य) अनिवार्य नहीं है |
| (vi) लेनदार | (र) त्याग अनुपात |

उत्तर–(i)→(य), (ii)→(र), (iii)→(द), (iv)→(स), (v)→(अ), (vi)→(ब)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) साधारण साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों की अधिकतम संख्या कितनी होती है ?

(ii) त्याग अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है ?

(iii) अविका, याही एवं खुशी लाभ का भाग 5 : 3 : 2 में बाँटते हुए साझेदार हैं। याही फर्म से सेवानिवृत्त है। नया लाभ वितरण अनुपात क्या होगा ?

(iv) सभी साझेदारों का दिवालिया होना किस प्रकार का समापन है ?

(v) उस ऋणपत्र का नाम बताइए जिसका भुगतान केवल कम्पनी के समापन पर किया जाता है।

(vi) दो अवधि के आर्थिक चिट्ठे के अन्दर दिया जाने वाला लाभांश क्या कहलाता है ?

(vii) ऋणपत्रों का शोधन किस प्रकार की क्रिया का रोकड़ बहाव है।

उत्तर–(i) 100, (ii) ख्याति को बाँटने के लिए, (iii) 5 : 2, (iv) अनिवार्य समापन, (v) अशोधनीय ऋणपत्र, (vi) अन्तरिम लाभांश, (vii) वित्तीय क्रियाएँ।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य बताइए– $1 \times 6 = 6$

(i) ख्याति एक बिक्री योग्य सम्पत्ति है।

(ii) किसी साझेदार की मृत्यु पर साझेदारी का पुनर्गठन हो सकता है।

(iii) ख्याति की राशि पर निवृत्त साझेदार का कोई अधिकार नहीं होता है।

(iv) अंश प्रीमियम एक पूँजीगत लाभ है।

(v) माँग पर देय ऋणों को चिट्ठे में चालू दायित्वों में दर्शाया जाता है।

(vi) वार्षिक ह्रास गैर-रोकड़ मद है।

उत्तर—(i) सत्य, (ii) सत्य, (iii) असत्य, (iv) सत्य, (v) सत्य, (vi) सत्य।

**प्रश्न 6. ख्याति की दो विशेषताएँ लिखिए।** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 39 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**स्थायी पूँजी खाते से क्या आशय है ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 32 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 7. साझेदार के अवकाश ग्रहण पर प्राप्ति अनुपात की गणना क्यों की जाती है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 70 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**सेवानिवृत्त साझेदारों को भुगतान करने की दो विधियाँ लिखिए।**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 71 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 8. साझेदारी फर्म के समापन से क्या आशय है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 80 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**वसूली खाता क्या है ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 81 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 9. कम्पनी की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**अंशों के हरण की दो वैध दशाओं को लिखिए।**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 10. परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या आशय है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**अशोधनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 10 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 11. अभागयुक्त पूर्वाधिकार अंश क्या है ?** 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 9 का उत्तर देखें।

*अथवा*

**प्रविवरण के दो उद्देश्य बताइए।**

उत्तर—पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 11 का उत्तर देखें।

प्रश्न 12. अति-अभिदान क्या है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 99 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

उन मुख्य श्रेणियों का नाम लिखिए जिनमें कम्पनी की अंश पूँजी वर्गीकृत होती है।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 103 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 13. कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार ऋणपत्र को परिभाषित कीजिए। 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अशोध्य ऋणपत्र किसे कहते हैं ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

प्रश्न 14. दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 128 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

*अथवा*

लेखांकन अनुपात के कोई दो लाभ या उपयोग लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

प्रश्न 15. कब विनियोग रोकड़ तुल्य माना जाता है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 165 पर, प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।

*अथवा*

रोकड़ प्रवाह विवरण में "रोकड़" शब्द से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 16. 'अ', 'ब' तथा 'स' एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ-हानि को 3/8, 3/8 व 2/8 के अनुपात में बाँटते हैं। 1 जनवरी, 2017 से उन्होंने लाभ-हानि को समान अनुपात में बाँटने का निर्णय लिया। 'अ', 'ब' व 'स' के मध्य लाभ-हानि अनुपात परिवर्तन के कारण त्याग व प्राप्ति अनुपात की गणना कीजिए। 3

उत्तर–पृष्ठ संख्या 50 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

साझेदारी फर्म के पुनर्गठन के प्रकार लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 48 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 17. फर्म में नये व्यक्ति को साझेदार क्यों बनाया जाता है ? 3

उत्तर–पृष्ठ संख्या 54 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

आगे दिया गया चिट्ठा अ और ब का है जो 31 मार्च, 2017 को साझेदारी व्यापार चला रहे हैं तथा 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं।

चिट्ठा

(31 मार्च, 2017 को)

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| देय विपत्र | | 10,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 10,000 |
| विविध लेनदार | | 58,000 | बैंकस्थ रोकड़ | 40,000 |
| अदत्त व्यय | | 2,000 | विविध देनदार | 60,000 |
| पूँजी | | | स्टॉक | 40,000 |
| अ : | 1,80,000 | | संयंत्र एवं मशीनरी | 1,00,000 |
| ब : | 1,50,000 | 3,30,000 | भवन | 1,50,000 |
| | | 4,00,000 | | 4,00,000 |

उक्त तिथि को स को निम्न शर्तों पर साझेदार बनाया :

(1) स फर्म में $\frac{1}{4}$ भाग के लिए ₹ 1,00,000 और ख्याति के लिए ₹ 60,000 लायेगा।

(2) संयंत्र का मूल्य ₹ 1,20,000 आंका गया और भवन के मूल्य में 10% की वृद्धि हुई।

(3) स्टॉक ₹ 4,000 से कम किया गया।

(4) देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान बनाया जायेगा।

(5) ₹ 1,000 के लेनदारों का अभिलेखन नहीं हुआ।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 62 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 18. ऋणपत्रों के आवश्यक लक्षण लिखिए।** 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ऋणपत्र एवं अंश के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई तीन)

उत्तर—पृष्ठ संख्या 118 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 19. वित्तीय विश्लेषण की कोई तीन सीमाओं की चर्चा कीजिए।** 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 142 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय विवरण की उपयोगिता या महत्व लिखिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 131 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

**प्रश्न 20. कुमुद, सुमुद तथा कीर्ति ने 1-4-2016 को साझेदारी प्रारम्भ की। उनका लाभालाभ अनुपात क्रमशः 4 : 3 : 3 है। कुमुद ने व्यक्तिगत रूप से कीर्ति को गारंटी दी है कि पूँजी पर 5% वार्षिक ब्याज लगाने के बाद उसका लाभ का भाग ₹ 40,000 से कम किसी भी वर्ष में नहीं होगा। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 3,00,000,**

₹ 2,00,000, ₹ और ₹ 1,50,000 थी। 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ ₹ 1,60,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 40 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

साझेदारी की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 34 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

प्रश्न 21. संजय, मनोज व शेखर एक फर्म में साझेदार हैं। वे अपना लाभ-हानि 1 : 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था–

चिट्ठा

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| पूँजी : | | | भवन | 60,000 |
| संजय | 24,000 | | फर्नीचर | 16,000 |
| मनोज | 20,000 | | देनदार | 20,000 |
| शेखर | 16,000 | 60,000 | रोकड़ | 4,000 |
| सामान्य संचय | | 18,000 | | |
| लेनदार | | 22,000 | | |
| | | 1,00,000 | | 1,00,000 |

शेखर ने 1 जनवरी, 2018 को अवकाश ग्रहण किया। फर्म की ख्याति ₹ 30,000 आँकी गई है। शेखर को दी जाने वाली राशि उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कीजिए। उक्त विवरण से साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 75 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

'अ', 'ब' और 'स' 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। 31 दिसम्बर, 2016 को उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 4,800; ₹ 2,500 और ₹ 1,500 है।

28 फरवरी, 2017 को 'अ' की मृत्यु हो गयी। उसका पूँजी खाता इन समायोजनों को ध्यान में रखते हुए तैयार कीजिए–

(i) फर्म के साझेदारों का ₹ 5,400 का संयुक्त बीमा है।

(ii) पूँजी पर 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देय है।

(iii) 'अ' की मृत्यु तिथि तक उसका आहरण ₹ 600 है।

(iv) ख्याति का मूल्य पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के दुगुने के बराबर होगा। पिछले 3 वर्षों का लाभ क्रमशः ₹ 4,600; ₹ 3,700 और ₹ 4,300 था।

(v) चालू वर्ष के लिए 'अ' के लाभ का भाग पिछले तीन वर्षों के औसत के अनुसार निकाला जाय।

'अ' के प्रतिनिधि को दी जाने वाली राशि निकालिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 77 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

प्रश्न 22. अंशों के निर्गमन सम्बन्धी जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 104 पर, प्रश्न संख्या 6 का उत्तर देखें। 4

*अथवा*

सोनल के पास बिट्टू लिमिटेड के ₹ 20 वाले 50 समता अंश थे जो 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये थे। उसमें ₹ 6 आवेदन में, ₹ 6 आबंटन में दिये, किन्तु प्रथम याचना के ₹ 5 व अन्तिम याचना के ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका। उसके अंशों का हरण कर लिया गया। अंश हरण की जर्नल प्रविष्टि लिखिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 113 पर, प्रश्न संख्या 13 का उत्तर देखें।

प्रश्न 23. रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या हैं ? 4

उत्तर—पृष्ठ संख्या 167 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

निम्न सूचनाओं से संचालन क्रियाओं से प्राप्त रोकड़ की गणना कीजिए—

| विवरण | 31-03-17 | 31-03-18 |
|---|---|---|
| | ₹ | ₹ |
| लाभ-हानि खाता | 1,20,000 | 1,10,000 |
| देनदार | 62,000 | 50,000 |
| अदत्त किराया | 42,000 | 24,000 |
| पूर्वदत्त बीमा | 4,000 | 8,000 |
| लेनदार | 38,000 | 26,000 |
| ख्याति | 76,000 | 80,000 |

उत्तर—पृष्ठ संख्या 171 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

## आदर्श प्रश्न-पत्र : सेट—IV

**प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए—** $1 \times 6 = 6$

**(i) निम्न में से कौन-सा रोकड़ प्रवाह का प्रयोग नहीं है ?**

(अ) दीर्घकालीन ऋणों में वृद्धि, (ब) ऋणपत्रों का शोधन,
(स) विनियोगों का क्रय, (द) संचालन पर हानि।

**(ii) निम्न में से कौन-सा वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उपकरण नहीं है ?**

(अ) तलपट, (ब) तुलनात्मक विवरण,
(स) अनुपात विश्लेषण, (द) सम आकार विवरण।

**(iii) साझेदारी फर्म के समापन पर अवितरित लाभों व संचयों को हस्तान्तरित किया जाता है—**

(अ) रोकड़ खाते में, (ब) बैंक खाते में,
(स) साझेदारों के पूँजी खाते में, (द) ऋण खाते में।

(iv) किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति पर उसके पूँजी खाते को जमा किया जायेगा—
(अ) उसके भाग की ख्याति के साथ,
(ब) फर्म की ख्याति के साथ,
(स) शेष साझेदारों के भाग की ख्याति के साथ,
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(v) 'अ' व 'ब' दो साझेदार हैं जो लाभ-हानि को 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। भविष्य में समान अनुपात रखना तय किया गया। किस साझेदार द्वारा किस मात्रा में त्याग किया जायेगा—
(अ) अ द्वारा त्याग 1/10, (ब) ब द्वारा त्याग 1/5,
(स) अ द्वारा त्याग 1/5, (द) ब द्वारा त्याग 1/10.

(vi) औसत लाभ द्वारा ख्याति की गणना में पूर्व वर्ष की हानियों को—
(अ) जोड़ते हैं, (ब) घटाते हैं,
(स) कुछ नहीं करते, (द) दो बार घटाते हैं।

उत्तर—(i) (अ), (ii) (अ), (iii) (स), (iv) (अ), (v) (द), (vi) (ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— $1 \times 7 = 7$

(i) माँगी गयी पूँजी में से ..... की रकम घटाकर दिखायी जाती है।
(ii) ऋणपत्रधारी को ..... देने का अधिकार नहीं होता है।
(iii) अंशों का हरण करने से पूर्व उसकी सूचना देना ..... है।
(iv) फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष को ..... खाते में हस्तान्तरित करते हैं।
(v) पुनर्मूल्यांकन खाता ..... का खाता है।
(vi) त्याग अनुपात = ..... – नया अनुपात।
(vii) ख्याति एक ..... सम्पत्ति है।

उत्तर—(i) अदत्त याचना, (ii) मत, (iii) अनिवार्य, (iv) वसूली, (v) नाममात्र, (vi) पुराना अनुपात, (vii) अमूर्त।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए— $1 \times 6 = 6$

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| (i) स्थायित्व कोष | (अ) सुरक्षित ऋणपत्र |
| (ii) ऋणपत्रधारी | (ब) कम्पनी का समापन |
| (iii) सम्पत्ति बन्धक | (स) कानूनी उत्तराधिकारी |

(iv) समता अंशधारी — (द) स्वामित्व अनुपात
(v) संचित पूँजी — (य) कम्पनी के स्वामी
(vi) साझेदार की मृत्यु पर उसके हिस्से का भुगतान — (र) कम्पनी के ऋणदाता

उत्तर—(i) → (द), (ii) → (र), (iii) → (अ), (iv) → (य), (v) → (ब), (vi) → (स)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए— $1 \times 7 = 7$

(i) ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ कौन-सी क्रियाओं का रोकड़ प्रवाह है ?
(ii) तरलता अनुपात में किस प्रकृति की सम्पत्तियों को शामिल करते हैं ?
(iii) लाभ-हानि खाते का शेष क्या कहलाता है ?
(iv) पुनर्मूल्यांकन खाते की लाभ-हानि को साझेदारों में किस अनुपात में बाँटा जाता है ?
(v) क्या लाभानुपात में परिवर्तन के लिए ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है ?
(vi) साझेदारों द्वारा व्यवसाय से निजी प्रयोग के लिए निकाली गयी पूँजी क्या कहलाती है ?
(vii) वे व्यक्ति जो एक-दूसरे के साथ साझेदारी में सम्मिलित हुए हैं, सामूहिक रूप से क्या कहलाते हैं ?

उत्तर—(i) संचालन क्रियाओं का, (ii) तरल सम्पत्ति, (iii) आधिक्य/कमी, (iv) पुराना लाभ-हानि अनुपात, (v) ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है, (vi) आहरण, (vii) साझेदार।

@mpbsePDF

प्रश्न 5. सत्य/असत्य बताइए— $1 \times 6 = 6$

(i) वित्तीय विश्लेषण विवरणों को बनाना कानूनन अनिवार्य नहीं है।
(ii) आर्थिक चिट्ठा व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को केवल वर्ष के अन्तिम दिन की स्थिति ही को दर्शाता है।
(iii) कम्पनी में अंशधारियों का दायित्व असीमित होता है।
(iv) पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति के विक्रय पर बनाया जाता है।
(v) साझेदारी संलेख बनाना अनिवार्य है।
(vi) साझेदारी अनुबन्ध सदैव लिखित होंता है।

उत्तर—(i) सत्य, (ii) सत्य, (iii) असत्य, (iv) असत्य, (v) असत्य, (vi) असत्य।

प्रश्न 6. लाभ-हानि नियोजन खाता किसे कहते हैं ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 32 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ख्याति उत्पन्न होने के दो कारण लिखिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 37 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 7. निवृतभागी को देय राशि के भुगतान की दो विधियों के नाम लिखिए। 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 77 पर, प्रश्न संख्या । का उत्तर देखें।

*अथवा*

साझेदार के अवकाश ग्रहण करने के क्या कारण हो सकते हैं ? (कोई दो)

उत्तर–पृष्ठ संख्या 72 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 8. वसूली खाते में हस्तान्तरित न किए जाने कोई दो मद लिखिए। 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 80 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

साझेदारी समापन के कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 82 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 9. अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या आशय है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

*अथवा*

शोधनीय अंशों से क्या आशय है ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 10 का उत्तर देखें।

प्रश्न 10. भागयुक्त पूर्वाधिकार अंश क्या है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 100 पर, प्रश्न संख्या 9 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अंश प्रमाण-पत्र व अंश अधिपत्र में अन्तर कीजिए। (कोई दो)

उत्तर–पृष्ठ संख्या 101 पर, प्रश्न संख्या 12 का उत्तर देखें।

प्रश्न 11. कर्मचारी स्कन्ध विकल्प योजना से क्या आशय है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 101 पर, प्रश्न संख्या 13 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अंशों के हरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–पृष्ठ संख्या 103 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

प्रश्न 12. साधारण अंशों के लक्षण बताइए। 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

पूर्वाधिकार अंशों की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 98 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 13. ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है ? 2

उत्तर–पृष्ठ संख्या 115 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ऋणपत्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 116 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 14. शुद्ध लाभ अनुपात का क्या महत्व है ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 146 पर, प्रश्न संख्या 8 का उत्तर देखें।

*अथवा*

तरल सम्पत्ति से क्या आशय है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 147 पर, प्रश्न संख्या 9 का उत्तर देखें।

प्रश्न 15. रोकड़ बहाव विवरण किसे कहते हैं ? 2

उत्तर—पृष्ठ संख्या 164 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ के स्त्रोतों को लिखिए। (कोई दो)

उत्तर—पृष्ठ संख्या 165 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 16. A तथा B क्रमशः 1 : 3 के अनुपात में एक फर्म में साझेदार हैं। वे भविष्य में अपना लाभ-विभाजन बराबर-बराबर रखने का निर्णय करते हैं। प्रत्येक साझेदार का नफे या त्याग का भाग ज्ञात कीजिए। 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 51 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

X, Y तथा Z $\frac{4}{8}:\frac{3}{8}:\frac{1}{8}$ के अनुपात में लाभ बाँटने वाले साझेदार हैं। भविष्य में साझेदारों ने $\frac{5}{12}:\frac{4}{12}:\frac{3}{12}$ के अनुपात में लाभ बाँटने का निश्चय किया। अनुपात परिवर्तन के कारण प्रत्येक साझेदार को प्राप्त लाभ और त्याग की गणना कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 50 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 17. कौन-कौन सी दशाओं में पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार किया जाता है? 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 54 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

अनिल और विशाल साझेदार है। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 में करते हैं। वे सुमित को नये साझेदार के रूप में $\frac{1}{5}$ भाग के लिए प्रवेश देते हैं। अनिल, विशाल और सुमित के नये लाभ-विभाजन अनुपात की गणना कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 58 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 18. ऋणपत्रों के निर्गमन पर की जाने वाली प्रविष्टियाँ लिखिए। 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 119 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

ऋणपत्रों का निर्गमन करने का क्या उद्देश्य है ?

उत्तर—पृष्ठ संख्या 117 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 19. वित्तीय विश्लेषण के महत्व का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर—पृष्ठ संख्या 143 पर, प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

*अथवा*

वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 142 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

प्रश्न 20. साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम लिखिए। 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 37 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

राजेश, सुनील और तरुण साझेदार हैं जो $\frac{1}{2}:\frac{1}{4}:\frac{1}{4}$ में लाभ बाँटते हैं। उनकी पूँजी ₹ 12,000, ₹ 8,000, और ₹ 6,000 है। पूँजी पर 5% ब्याज दिया जाता है, आहरण पर 5% ब्याज लिया जाता है। तरुण ₹ 3,000 वार्षिक वेतन पाता है, सुनील कुल बिक्री पर 1% कमीशन पाता है।

वर्ष 2017 का लाभ समायोजन के पूर्व ₹ 11,500 था। कुल विक्रय ₹ 1,40,000 था। आहरण ₹ 4,000, ₹ 5,600 और ₹ 6,000 थे जिन पर क्रमशः ₹ 80, ₹ 100 और ₹ 120 ब्याज हुआ।

लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

उत्तर–पृष्ठ संख्या 41 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

प्रश्न 21. निवृतमान साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार की जाती है ? 4

उत्तर–पृष्ठ संख्या 72 पर, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।

*अथवा*

मनोज, सुरेश और सोनू जो समान साझेदार हैं, का 31 दिसम्बर, 2016 को चिट्ठा निम्नलिखित था–

| देयताएँ | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| ऋणदाता | 2,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 300 |
| सामान्य संचिति | 3,300 | बैंक | 5,000 |
| पूँजी : | | ऋणी | 6,000 |
| मनोज | 10,000 | स्कन्ध | 4,000 |
| सुरेश | 5,000 | भवन | 10,000 |
| सोनू | 5,000 | | |
| | 25,300 | | 25,300 |

31 मार्च, 2017 को सुरेश की मृत्यु हो गयी। समझौते के अनुसार मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को निम्नलिखित अधिकार थे–

(अ) मृत साझेदार की पूँजी।

(ब) मृत साझेदार के अंश की ख्याति जो पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के दुगुने पर आधारित थी।

(स) पिछले अन्तिम खाते से मृत्यु-तिथि तक का लाभांश जिसकी गणना पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर करनी थी।

(द) पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमश: ₹ 5,000, ₹ 7,000 और ₹ 6,000 थे।

सुरेश का खाता बनाइए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 76 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

प्रश्न 22. अंश हरण की पद्धति को संक्षेप में लिखिए। 4

उत्तर—पृष्ठ संख्या 103 पर, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर देखें।

*अथवा*

एक कम्पनी ने ₹ 10 वाले 2,000 अंश इस प्रकार निर्गमित किये : आवेदन पर ₹ 3 प्रति अंश, आबंटन पर ₹ 3 प्रति अंश तथा याचना पर ₹ 4 प्रति अंश। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गईं, किन्तु 300 अंशों के एक धारी ने याचना राशि नहीं चुकाई। अत: संचालकों ने उसके अंश जब्त कर लिये तथा इन अंशों को ₹ 2,800 में नकद बेच दिया।

कम्पनी की पुस्तकों में अंश हरण, पुनर्निर्गमन एवं हस्तान्तरण के जर्नल के लेखे कीजिए।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 111 पर, प्रश्न संख्या 11 का उत्तर देखें।

प्रश्न 23. रोकड़ बहाव विवरण तथा रोकड़ बजट में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर—पृष्ठ संख्या 166 पर, प्रश्न संख्या 5 का उत्तर देखें।

*अथवा*

निवेश (या विनियोग) क्रियाकलापों से रोकड़ अन्तर्वाह एवं बहिर्वाह की व्याख्या करें।

उत्तर—पृष्ठ संख्या 168 पर, प्रश्न संख्या 4 का उत्तर देखें।

❑

## भाग (क) : अलाभकारी संगठनों, साझेदारी फर्मों तथा कम्पनियों के लिए लेखांकन

# अध्याय 1

# अलाभकारी संगठनों के वित्तीय विवरण

विशेष : माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा शैक्षिक सत्र : 2022-23 के लिए यह अध्याय पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है।

# अध्याय 2

# साझेदारी लेखे

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. साझेदार का दायित्व होता है—
   (अ) सीमित, (ब) असीमित,
   (स) पूँजी तक सीमित, (द) इनमें से कोई नहीं।
2. आहरण पर ब्याज है—
   (अ) फर्म की हानि, (ब) साझेदारों की आय,
   (स) फर्म की आय, (द) इनमें से कोई नहीं।
3. साझेदारी संलेख के अभाव में ऋण पर ब्याज दिया जाता है—
   (अ) 6%, (ब) 8%,
   (स) 9%, (द) 12%.

4. ख्याति— (2022)
(अ) एक चल सम्पत्ति है, (ब) एक स्थायी सम्पत्ति है,
(स) एक मूर्त सम्पत्ति है, (द) एक कृत्रिम सम्पत्ति है।

5. औसत लाभ द्वारा ख्याति की गणना में पूर्व वर्ष की हानियों को—
(अ) जोड़ते हैं, (ब) घटाते हैं,
(स) कुछ नहीं करते, (द) दो बार घटाते हैं।

6. सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य क्या कहलाता है ? (2020)
(अ) औसत लाभ, (ब) सामान्य लाभ,
(स) आकस्मिक लाभ, (द) अधिलाभ।

7. साझेदारी का अनिवार्य अंग है— (2022)
(अ) हानि को बाँटना, (ब) हानि तथा लाभ दोनों को बाँटना,
(स) लाभों को बाँटना, (द) सम्पत्तियों को बाँटना।

8. साझेदारी संलेख तैयार किया जाना— (2019)
(अ) अनिवार्य है, (ब) ऐच्छिक है,
(स) अंशत: अनिवार्य है, (द) अनावश्यक है।

उत्तर—1. (ब), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (ब), 6. (द), 7. (ब), 8. (ब)।

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. स्थायी पूँजी पद्धति में ..... खाता भी बनाते हैं।
2. साझेदारी फर्म का पंजीयन ..... है।
3. साझेदारी का जन्म ..... से होता है। (2019)
4. गुणनफल विधि द्वारा ..... पर ब्याज की गणना की जाती है। (2020)
5. साझेदारों का चालू खाता तब खोला जाता है जब ..... ।
6. ख्याति एक.....सम्पत्ति है।
7. ख्याति पर.....नहीं लगाया जाता है।

उत्तर—1. साझेदारों का चालू, 2. ऐच्छिक, 3. अनुबंध/ठहराव/समझौता, 4. आहरण, 5. साझेदारों की पूँजी स्थिर रहती है, 6. अमूर्त/स्थायी, 7. ह्रास।

## ☞ सत्य/असत्य

1. किसी साझेदार का ऋण आन्तरिक दायित्व होता है।
2. साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों को पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज पाने का अधिकार होता है।
3. साझेदारी फर्म में साझेदारी अधिनियम, 1932 लागू होता है। (2019)
4. साझेदारी संलेख बनाना अनिवार्य है।
5. साझेदारी अनुबन्ध सदैव लिखित होता है। (2022)
6. ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है। (2019)

7. ख्याति एक बिक्री योग सम्पत्ति है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य, 6. सत्य, 7. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | | 'ख' |
|---|---|---|
| 1. साझेदारी संलेख बनाना | (2022) | (अ) साझेदार का ऋण |
| 2. चालू पूँजी खाते | | (ब) स्थायी पूँजी खाते |
| 3. स्थिर पूँजी खाता | | (स) चालू पूँजी खाता |
| 4. फर्म का आन्तरिक दायित्व | (2022) | (द) अनिवार्य नहीं है |
| 5. केवल व्यक्ति ही | (2020) | (य) साझेदार बन सकते हैं |
| 6. ख्याति का मूल्यांकन | (2022) | (र) औसत लाभ |

उत्तर—1. → (द), 2. → (ब), 3. → (स), 4. → (अ), 5. → (य), 6. → (र)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. पूँजी खाता, जिसका अंतिम शेष प्रति वर्ष बदलता रहता है, उसे क्या कहते हैं ?
2. साझेदारों द्वारा व्यवसाय में निजी प्रयोग के लिये निकाली गयी पूँजी क्या कहलाती है ?
3. वे व्यक्ति जो एक-दूसरे के साथ साझेदारी में सम्मिलित हुए हैं, सामूहिक रूप से क्या कहलाते हैं ?
4. साधारण साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों की अधिकतम संख्या कितनी होती है ?
5. फर्म द्वारा साझेदारों की पूँजी पर ब्याज कब दिया जाता है ? (2020)
6. ख्याति के मूल्यांकन का आधार क्या है ? (2022)
7. कौन-सी ख्याति हमेशा बदलती रहती है। (2022)

उत्तर—1. परिवर्तनशील पूँजी खाता, 2. आहरण, 3. साझेदार, 4. 100, 5. साझेदारी संलेख में वर्णित होने पर, 6. क्रय के वर्ष व लाभ का रूप, 7. चूहा ख्याति।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदारी से क्या आशय है ?**

उत्तर—जब दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी समझौते के अनुसार वैधानिक व्यापार के संचालन से प्राप्त लाभ-हानि को आपस में बाँटने को सहमत हो जाते हैं तो इस प्रकार की व्यापारिक व्यवस्था को साझेदारी कहते हैं।

**प्रश्न 2. साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा लिखिए।** (2022)

उत्तर—भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 4 के अनुसार "साझेदारी उन व्यक्तियों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध है जो किसी ऐसे व्यवसाय के लाभों को बाँटने के लिये

सहमत हुये हैं जिसका संचालन उन सभी के द्वारा या उन सभी की ओर से किसी एक के द्वारा किया जाता है।"

**प्रश्न 3. परिवर्तनशील पूँजी खाते से क्या आशय है ?**

**उत्तर**—परिवर्तनशील पूँजी खाते के अन्तर्गत केवल एक पूँजी खाता खोला जाता है जिसमें पूँजी के लेखे के साथ साझेदारों से सम्बन्धित अन्य सभी व्यवहारों का लेखा भी इसमें किया जाता है।

**प्रश्न 4. स्थायी पूँजी खाते से क्या आशय है ?**

**उत्तर**—स्थायी पूँजी खाते के अन्तर्गत साझेदारी की पूँजी सदैव स्थिर रहती है और साझेदारों से सम्बन्धित अन्य व्यवहारों का लेखा 'साझेदारों के चालू खाते' में किया जाता है।

**प्रश्न 5. लाभ-हानि नियोजन खाता किसे कहते हैं ?** (2022)

**उत्तर**—साझेदारी व्यवसाय की दशा में साझेदारी संगठन के शुद्ध लाभ व हानि को लाभ-हानि नियोजन खाते में हस्तान्तरित करते हैं जो साझेदारों के मध्य लाभ या हानि का वितरण दर्शाने हेतु तैयार करते हैं।

**प्रश्न 6. ख्याति से क्या आशय है ?**

**उत्तर**—लेखांकन के दृष्टिकोण से ख्याति से तात्पर्य किसी संस्था द्वारा अन्य संस्थाओं की अपेक्षाकृत अधिक लाभ अर्जित करने की क्षमता को ख्याति कहते हैं।

**प्रश्न 7. बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति को समझाइए।**

**उत्तर**—बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति हमेशा फर्म के साथ बनी रहती है, चाहे कितने ही स्वामी क्यों न बदल जायें। यह ख्याति अपने स्थान से परिवर्तित नहीं होती। अत: इसे 'स्थानीय ख्याति' भी कहते हैं।

**प्रश्न 8. कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति से क्या आशय है ?**

**उत्तर**—कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति से आशय उस ख्याति से होता है जो व्यापार के मालिक के साथ बनी रहती है। यह ख्याति मालिक का साथ नहीं छोड़ती।

**प्रश्न 9. ख्याति की दो विशेषताएँ लिखिए।** (2022)

**उत्तर**—*दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 7 देखें।*

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदार के क्या-क्या अधिकार होते हैं ?** (2019)

**उत्तर**—साझेदार के अधिकार निम्न हैं—

**(1) व्यवसाय के संचालन का अधिकार**—सभी साझेदारों को साझेदारी व्यवसाय के संचालन में भाग लेने का अधिकार होता है, क्योंकि साझेदारी व्यवसाय साझेदारों का व्यवसाय है।

**(2) पुस्तकें देखने का अधिकार**—सभी साझेदारों को साझेदारी व्यवसाय की पुस्तकों को देखने व उसकी प्रति प्राप्त करने का अधिकार है।

(3) लाभ पाने का अधिकार—साझेदारों को यह अधिकार है कि फर्म के द्वारा कमाये गये लाभ में समान रूप से उसे प्राप्त करें, साथ ही अगर हानि हो, तो उस हानि को भी समान रूप से वहन करें।

**प्रश्न 2. चालू पूँजी खाता कब खोला जाता है ? इनमें कौन-सी मदें दर्शायी जाती हैं ?**

*अथवा*

**साझेदारों के चालू खाते में किन-किन मदों का लेखा किया जाता है ?**

उत्तर—चालू पूँजी खाता तब खोला जाता है जबकि साझेदारों की पूँजी स्थायी रहती है। साझेदारों की पूँजी में कोई परिवर्तन नहीं किया जाता है या उसमें कोई कमी या वृद्धि नहीं की जाती है। साझेदारों के चालू पूँजी खाते में निम्नलिखित लेखे किये जाते हैं—

(1) पूँजी पर ब्याज,
(2) आहरण पर ब्याज,
(3) साझेदारों का वेतन,
(4) लाभ-हानि का लेखा,
(5) अन्य लाभ का लेखा आदि।

**प्रश्न 3. स्थायी पूँजी खाता तथा परिवर्तनशील पूँजी खाते में अन्तर बताइए।**

*अथवा*

**स्थिर पूँजी एवं परिवर्तनशील पूँजी खाते में कोई तीन अन्तर लिखिए।**

**(2019, 20)**

उत्तर— **स्थायी एवं परिवर्तनशील पूँजी खाते में अन्तर**

| अन्तर का आधार | स्थायी पूँजी खाता | परिवर्तनशील पूँजी खाता |
|---|---|---|
| 1. विषय सामग्री | इस खाते में केवल पूँजी का लेखा किया जाता है। | इस खाते में पूँजी के अलावा पूँजी पर ब्याज, कमीशन, आहरण व उस पर ब्याज, लाभ, वेतन आदि का लेखा किया जाता है। |
| 2. स्थिरता | इनमें पूँजी सदैव स्थिर रहती है। | इसमें पूँजी परिवर्तित होती रहती है। |
| 3. चालू खाते की आवश्यकता | इसको बनाने के बाद चालू खाता अलग से रखने की आवश्यकता होती है। | इसको बनाने के बाद चालू खाता बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। |
| 4. शेष | इस खाते का शेष सदैव क्रेडिट रहता है। | इस खाते का शेष डेबिट भी हो सकता है। |

**प्रश्न 4. फर्म में साझेदारों का दायित्व किस प्रकार का होता है ? समझाइए।**

उत्तर—फर्म में साझेदारों का दायित्व असीमित होता है। असीमित उत्तरदायित्व से तात्पर्य है कि फर्म को हानि होने पर व फर्म के बन्द होने पर प्रत्येक साझेदार को निजी रूप से और अतिरिक्त रकम लाकर फर्म के लेनदारों व अन्य ऋणों व दायित्वों का भुगतान करना होगा।

**प्रश्न 5. साझेदारी की मुख्य चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (2019, 20)

*अथवा*

**साझेदारी व्यवसाय के लक्षण बताइए।**

*अथवा*

**साझेदारी क्या है ? इसकी प्रमुख विशिष्टताओं की व्याख्या करें।**

**उत्तर**—जब दो या दो से अधिक व्यक्ति मिलकर सामूहिक रूप से वैधानिक समझौते के अनुसार किसी वैध व्यवसाय का संचालन करते हुए उस व्यापार के लाभ-हानि का आपस में विभाजन करते हैं, तो उसे साझेदारी कहते हैं।

एक साझेदारी फर्म की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

**(1) साझेदारों की संख्या**—साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों का संगठन होता है। इसमें बैंकिंग व्यवसाय हेतु अधिकतम 10 तथा गैर-बैंकिंग हेतु अधिकतम 20 व्यक्ति होते हैं।

**(2) वैध अनुबन्ध का होना**—साझेदारी का सम्बन्ध अनुबन्ध द्वारा होता है। यह लिखित अथवा मौखिक दोनों प्रकार का हो सकता है।

**(3) लाभ-हानि विभाजन**—साझेदारी का उद्देश्य केवल लाभ विभाजन ही नहीं है अपितु हानि भी साझेदारों को वहन करनी पड़ सकती है।

**(4) असीमित दायित्व**—साझेदारों के दायित्व असीमित होते हैं। यदि साझेदारी के ऋणों को चुकाने के लिये फर्म की सम्पत्तियाँ अपर्याप्त हों तो साझेदार की व्यक्तिगत सम्पत्ति का उपयोग कर सकते हैं।

**(5) एजेन्सी के सम्बन्ध**—साझेदारों के परस्पर सम्बन्ध एजेन्सी वाले होते हैं। साझेदार समस्त कार्य फर्म की ओर से करता है और उसके द्वारा किये गये समस्त कार्यों के लिये फर्म तथा अन्य साझेदारों को भी उत्तरदायी बनाता है।

**प्रश्न 6. ख्याति की प्रकृति समझाइए।**

**उत्तर**—ख्याति अन्य व्यापारिक सम्पत्ति के समान एक सम्पत्ति है। ख्याति व्यापार की एक स्थायी सम्पत्ति है और अन्य सम्पत्ति के समान लाभ अर्जित करने में सहायक होती है। ख्याति को अमूर्त या अदृश्य सम्पत्ति मानते हैं, क्योंकि इसका कोई भौतिक स्वरूप नहीं होता। ख्याति अन्य सम्पत्तियों की तरह विक्रय योग्य होती है। व्यवसाय के विक्रय पर ख्याति का भी मूल्य निर्धारण कर इसका मूल्य वसूला जा सकता है।

**प्रश्न 7. ख्याति की गणना के लिये औसत लाभ की गणना किस प्रकार की जाती है ?**

**उत्तर**—ख्याति की गणना के लिये औसत लाभ की गणना के लिये निर्धारित किये गये वर्षों के लाभों को जोड़ा जाता है और यदि इन वर्षों में कोई हानि होती है, तो इसे औसत लाभ की गणना में से घटा दिया जाता है। समस्त वर्षों के लाभ व हानि को समायोजित करने के उपरान्त कुल लाभ को कुल वर्षों से विभाजित कर औसत लाभ प्राप्त किया जाता है।

**प्रश्न 8. ख्याति की गणना में अधिलाभ से क्या आशय है ? इसकी किस प्रकार गणना करते हैं ?**

उत्तर—औसत लाभ पर सामान्य लाभ का आधिक्य अधिलाभ है। अधिलाभ उस अतिरेक लाभ को दर्शाता है जो एक व्यवसाय सामान्य परिस्थिति में सामान्य लाभ के ऊपर अर्जित करता है। सूत्र के रूप में—

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ

सामान्य लाभ की गणना विनियोजित पूँजी पर निर्धारित लाभ की दर से निकाली जाती है। औसत लाभ गत निर्धारित वर्षों का जोड़कर निर्धारित वर्षों से विभाजित कर प्राप्त किया जाता है।

**प्रश्न 9. सामान्य लाभ तथा अधिलाभ में क्या अन्तर है ?**

उत्तर—सामान्य लाभ वह लाभ है जो व्यापार में विनियोजित की गयी पूँजी पर एक अनुमानित निर्धारित लाभ की दर से निकाला जाता है। यह वह लाभ है जो व्यापारी सामान्य परिस्थितियों में व्यापार से मिलने की आशा करता है। इसके विपरीत औसत लाभ का सामान्य लाभ पर आधिक्य अधिलाभ है जहाँ औसत लाभ गत वर्षों के कुल लाभ को निर्धारित वर्षों की संख्या से भाग कर निर्धारित किया जाता है।

**प्रश्न 10. औसत लाभ तथा अधिलाभ में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर—औसत लाभ गत वर्षों के निर्धारित लाभों को जोड़कर व उसमें से यदि किसी वर्ष हानि हो तो उसे घटा दिया जाता है। इस प्रकार जोड़े गये कुल लाभ को लिये गये वर्षों की संख्या से विभाजित कर औसत लाभ निकाला जाता है, जबकि औसत लाभ का सामान्य पर आधिक्य अधिलाभ कहलाता है अर्थात् अधिलाभ वह लाभ है जो एक व्यवसाय सामान्य परिस्थिति में सामान्य लाभ के ऊपर अर्जित करता है।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदारी संलेख से आप क्या समझते हैं ? संलेख तैयार करते समय इनमें कौन-कौनसी बातों का उल्लेख आप आवश्यक मानते हैं ? समझाइए।**

*अथवा*

**साझेदारी संलेख में लिखी जाने वाली चार बातें लिखिए।**

उत्तर—साझेदारी व्यवसाय को चलाने के लिये साझेदारी के मध्य किये गये आपसी समझौते के द्वारा तय की गई शर्तों को ही साझेदारी संलेख कहते हैं। यह लिखित अथवा मौखिक दोनों प्रकार का हो सकता है।

साझेदारी संलेख में सभी साझेदार अपनी-अपनी सहमति के अनुसार किसी बात का उल्लेख कर सकते हैं, परन्तु फिर भी कुछ बातें ऐसी होती हैं जिनका उल्लेख प्राय: सभी संलेखों में होता है—

(1) साझेदारी फर्म का नाम, पता, कार्यक्षेत्र एवं व्यवसाय की प्रकृति का उल्लेख।
(2) प्रत्येक साझेदारों के नाम व उनके पते तथा उनके व्यक्तिगत व्यवसाय।
(3) प्रत्येक साझेदारों के द्वारा लगायी गयी पूँजी और उसका स्वरूप।
(4) साझेदारों द्वारा लगायी गयी पूँजी व उनके द्वारा किये गये आहरण तथा ब्याज का निर्धारण।

(5) फर्म के लाभ-हानि वितरण के अनुपात का निर्धारण।

(6) साझेदारों को दिये जाने वाले पारिश्रमिक, वेतन, कमीशन आदि का निर्धारण।

(7) फर्म की ख्याति के मूल्यांकन की विधि।

(8) नये साझेदार के प्रवेश एवं निवृत्ति अथवा मृत्यु के समय की व्यवस्था का उल्लेख।

(9) साझेदार द्वारा फर्म को पूँजी के अतिरिक्त राशि अथवा ऋण देने पर ब्याज दर का निर्धारण।

(10) साझेदार के प्रवेश, अवकाश व मृत्यु आदि पर ख्याति का मूल्यांकन किस प्रकार होगा।

(11) बैंक खाते को संचालित करने का अधिकार किन्हें होगा।

(12) दिवालिया की स्थिति में हिसाब-किताब का निबटारा किस प्रकार होगा।

(13) खातों का अंकेक्षण।

(14) साझेदारों के मध्य विवाद की स्थिति में निपटारे की व्यवस्था।

(15) किन-किन परिस्थितियों में साझेदार फर्म को विघटित कर सकेगा आदि।

**प्रश्न 2. साझेदारी में बन्द खातों के समायोजन से क्या आशय है ?**

*अथवा*

**साझेदारों के पूँजी खातों में भूल सुधारों का लेखा कब और क्यों किया जाता है ? समझाइए।**

**उत्तर**—कभी-कभी साझेदारों के पूँजी खाते बन्द होने के पश्चात् यह पता चलता है कि खाते में कुछ लेखे अशुद्ध कर दिये गये हैं अथवा कुछ लेखे करने चाहिए थे, वे छूट गये हैं या फिर जो लेखे नहीं करने चाहिए थे, वे भूलवश कर दिये गये हैं। ऐसी परिस्थिति में उन खातों में परिवर्तन करने के बजाय सुधार के लेखे कर दिये जाते हैं जिनके प्रभाव से अशुद्धियाँ ठीक हो जाती हैं। ये छूट जाने वाले लेखे निम्न प्रकार के हो सकते हैं—

(1) साझेदारी संलेख में पूँजी पर ब्याज लगाने का प्रावधान होने पर भी न लगाया हो अथवा भिन्न दर से लगा दिया हो।

(2) संलेख में पूँजी पर ब्याज का प्रावधान न होने पर लगा दिया हो।

(3) संलेख में आहरणों पर ब्याज का प्रावधान न होने पर ब्याज लगा दिया हो अथवा प्रावधान होने पर न लगाया हो अथवा भिन्न दरों में लगा दिया हो।

(4) किसी साझेदार को वेतन, कमीशन अथवा पारिश्रमिक दिया जाना हो जो न दिया गया हो या फिर गलत वितरित कर दिया गया हो।

(5) लाभ-हानि का वितरण गलत अनुपात में कर दिया गया हो।

(6) साझेदार की ओर से किया गया व्यय फर्म का व्यय मान लिया गया हो।

उपर्युक्त समायोजनों के लेखे जर्नल प्रविष्टियों के माध्यम से सुधारे जाते हैं। सुधार के बाद सुधरा हुआ लाभ-हानि खाता तैयार करना चाहिए और नए बने लाभ-हानि खातों के अनुसार साझेदारों के खातों में आवश्यक समायोजन करना चाहिए।

प्रश्न 3. साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम लिखिए।

*अथवा* (2019, 22)

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के उन प्रमुख प्रावधानों की व्याख्या करें जो साझेदारी विलेख के अनुपस्थित होने की दशा में लागू होते हैं।

उत्तर—साझेदारी संलेख के अभाव में निम्नलिखित नियम लागू किये जाते हैं—

(1) व्यापार संचालन में सभी साझेदारों को भाग लेने का अधिकार है।

(2) लाभ-हानि का वितरण समान अनुपात में किया जायेगा।

(3) पूँजी पर किसी भी प्रकार का कोई ब्याज नहीं मिलेगा।

(4) किसी भी साझेदार द्वारा फर्म को दिये गये ऋण पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज मिलेगा।

(5) प्रत्येक साझेदार व्यापार के कार्य को पूर्णनिष्ठा व ईमानदारी से निभायेंगे।

(6) साझेदारों के आपसी मतभेद को बहुमत से निपटाया जायेगा।

(7) समस्त साझेदारों की अनुमति से नये साझेदार का प्रवेश।

(8) फर्म की बहियों के निरीक्षण का अधिकार समस्त साझेदारों को होना।

(9) फर्म की सम्पत्तियों का प्रयोग फर्म के कार्यों में होना।

**प्रश्न 4. ख्याति उत्पन्न होने के कारण लिखिए।** (2019)

*अथवा*

**ख्याति की उत्पत्ति के कारण बताइए।**

*अथवा*

**ख्याति को प्रभावित करने वाले तत्व कौन-से हैं ?**

उत्तर—किसी भी व्यापार की ख्याति कई बातों पर निर्भर करती है। ख्याति उत्पत्ति के निम्नलिखित कारण होते हैं—

**(1) फर्म की स्थिति व नाम**—फर्म की स्थिति अच्छी जगह पर होने से भी फर्म का आकर्षण बढ़ जाता है और इस कारण उसे प्रसिद्धि प्राप्त हो जाती है। स्थिति के कारण प्राप्त ख्याति स्थानीय ख्याति कहलाती है।

**(2) व्यवहार कुशलता**—व्यापार के स्वामी की कार्यकुशलता, ग्राहकों के साथ मधुर व्यवहार भी ख्याति उत्पन्न करने में काफी सहायक होते हैं।

**(3) विज्ञापन**—आधुनिक युग में ख्याति उत्पन्न करने में प्रमुख साधन विज्ञापन है। इसकी सहायता से ख्याति उत्पन्न होती है।

**(4) ग्राहकों को सुविधाएँ**—माल बेचने और उसके वितरण की सुविधाएँ होने से ग्राहक आकर्षित होते हैं और ग्राहकों की संख्या में वृद्धि होती है।

**(5) माल की किस्म**—उत्पादक द्वारा उचित मूल्य पर ग्राहकों को अच्छा माल प्रदान करना भी व्यवसाय की ख्याति को बढ़ाता है। माल के भाव में विभिन्नता एवं मिलावट न होना ग्राहकों में विश्वास उत्पन्न कर ख्याति बढ़ाता है।

**(6) एकाधिकार**—वस्तुओं को बेचने का एकाधिकार प्राप्त होने पर भी फर्म की ख्याति बढ़ती है, क्योंकि ग्राहक उस विशेष वस्तु के क्रय हेतु बार-बार उसी दुकान पर आता है।

**प्रश्न 5. ख्याति कितने प्रकार की होती है ? लिखिए।**

उत्तर—साधारणतया ख्याति का कोई विशेष प्रकार नहीं होता। हस्तान्तरण की दृष्टि से ख्याति को निम्न प्रकार से बाँटा जाता है—

**(1) बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति**—इस प्रकार की ख्याति में यह माना जाता है कि फर्म के कितने ही स्वामी बदल जायें पर व्यवसाय की ख्याति मालिक के व्यक्तिगत गुणों से प्रभावित न होकर व्यवसाय की स्थिति पर निर्भर करती है। यह ख्याति बिल्ली के स्वभाव की ख्याति की तरह है क्योंकि बिल्ली अपनी जगह नहीं बदलती चाहे मकान के कितने ही स्वामी बदल जायें।

**(2) कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति**—कुत्ता स्वभाव से स्वामिभक्त होता है और जहाँ-जहाँ मालिक जाता है कुत्ता उसके पीछे जाने का प्रयत्न करता है। अत: इस प्रकार की ख्याति में जब तक व्यापार का स्वामी व्यापार में रहता है तब तक उसमें ख्याति रहती है और जब स्वामी व्यापार को छोड़ देता है तो ख्याति भी मालिक के साथ-साथ चली जाती है।

**(3) चूहे के स्वभाव वाली ख्याति**—चूहे का स्वभाव है कि वह एक जगह स्थायी रूप से नहीं रहता है। इसी प्रकार व्यापार की ख्याति भी स्थायी नहीं रहती और बार-बार परिवर्तित होती रहती है। इस प्रकार की ख्याति उस फर्म में पायी जाती है जो किसी विशेष कारणवश या किसी वस्तु विशेष के महत्व के कारण प्राप्त होती है और इस कारण ग्राहक आकर्षित होते हैं। यदि यह कारण किसी और फर्म को प्राप्त हो जाता है तो ग्राहक उस अन्य फर्म से सम्बन्ध बना लेते हैं।

**प्रश्न 6. ख्याति के मूल्यांकन की विधियों की व्याख्या करें।**

*अथवा*

**अधिलाभ के आधार पर ख्याति की गणना की विधि को समझाइए।**

उत्तर—ख्याति की गणना करने की प्राय: निम्नलिखित विधियाँ हैं—

(1) औसत लाभ पर आधारित विधि,

(2) अधिलाभ पर आधारित विधि,

(3) पूँजीकरण विधि,

(4) वार्षिकी विधि।

**(1) पिछले वर्ष के औसत लाभ के आधार पर ख्याति की गणना**—इस विधि के अनुसार ख्याति का मूल्यांकन पिछले कई वर्षों के औसत लाभ के आधार पर किया जाता है। इस विधि में पिछले तीन या चार वर्ष के लाभों को जोड़कर और यदि हानि हो तो घटाकर उसे वर्षों की संख्या से भाग देकर औसत लाभ ज्ञात किया जाता है। इस औसत लाभ को ख्याति के लिए दिये गये क्रय संख्या से गुणा कर ख्याति ज्ञात की जाती है।

**(2) अधिलाभ के आधार पर**—इस विधि के अन्तर्गत औसत लाभ की तुलना उस व्याज से की जाती है जो प्रचलित ब्याज की दर से विनियोजित पूँजी पर निकाला जाता है। इस व्याज से औसत लाभ का जितना आधिक्य आता है, उसे अधिलाभ कहा जाता है। इस अधिलाभ को दो या तीन वर्षों से गुणा कर ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है।

(3) पूँजीकरण विधि—इस विधि द्वारा बचायी गयी पूँजी ही ख्याति है। यदि फर्म अन्य फर्म के मुकाबले कम पूँजी लगाकर अधिक लाभ कमाती है, तो पूँजी में बचत ख्याति मानी जायेगी। इस विधि द्वारा ख्याति की गणना करने के दो सूत्र हैं—

(i) औसत लाभ का पूँजीकरण,

(ii) अधिलाभ का पूँजीकरण।

औसत लाभ के पूँजीकरण विधि के अन्तर्गत पूँजीकृत औसत लाभ का वास्तविक विनियोजित पूँजी पर आधिक्य ख्याति मानते हैं। अधिलाभ विधि के अन्तर्गत ख्याति वह राशि होगी, जो अधिलाभ के पूँजीकरण द्वारा प्राप्त होती है।

**प्रश्न 7. ख्याति की विशेषताएँ लिखिए।** (2019)

उत्तर—ख्याति की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) ख्याति एक अमूर्त एवं अदृश्य सम्पत्ति है।

(2) ख्याति क़िसी व्यवसाय की अन्य संस्थाओं के अपेक्षाकृत अधिक लाभ कमाने की क्षमता का सूचक है।

(3) लेखांकन की दृष्टि से ख्याति को पुस्तकों में से अपलिखित कर दिया जाता है।

(4) ख्याति स्वयं अर्जित सम्पत्ति है जिसका मूल्यांकन कर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

(5) लेखांकन प्रमाप-10 के अनुसार केवल क्रय की गयी ख्याति को पुस्तकों में दर्शाया जाना चाहिए।

(6) ख्याति चूँकि एक स्थायी सम्पत्ति है और इसे बिक्री योग्य मानते हैं।

(7) ख्याति पर ह्रास नहीं लगाया जा सकता।

(8) ख्याति विभिन्न प्रकार की होती है, जैसे—कुत्ते के स्वभाव, बिल्ली के स्वभाव, चूहे के स्वभाव की ख्याति।

(9) ख्याति का मूल्य विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है, जैसे फर्म का स्थान, माल की गुणवत्ता, एकाधिकार की स्थिति, स्वामी की व्यवहार कुशलता।

## क्रियात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. काजल एवं कामिनी एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ एवं हानि के विभाजन के साझेदार हैं। वे राहुल को 1/4 भाग के लिए साझेदार बनाते हैं। और लाभ में से कम से कम ₹ 50,000 देने की गारंटी देते हैं। 31 मार्च, 2015 को फर्म को ₹ 1,60,000 का लाभ हुआ। इसके लिए लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।** (2020)

**Sol. Profit & Loss Appropriation Account**
**(For the year ending 31st March, 2015)**

| Particulars | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| To Profit transferred to Kajal Capital a/c | 72,000 | By Net Profit as Per Profit & Loss a/c | 1,60,000 |
| (–) To Rahul | 6,000 | | |
| | 66,000 | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| To Profit Transferred to Kamini Capital a/c | 48,000 | | | |
| (–) To Rahul | 4,000 | 44,000 | | |
| To Rahul Capital a/c | 40,000 | | | |
| (+) From Kajal | 6,000 | | | |
| (+) From Kamini | 4,000 | 50,000 | | |
| | | 1,60,000 | | 1,60,000 |

Calculation of New Profit Sharing Ratio

$$\text{Rahul's share} = \frac{1}{4}$$

$$\text{Remaining share} = 1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$$

$$\text{Kajal's share} = \frac{3}{4} \times \frac{3}{5} = \frac{9}{20}$$

$$\text{Kamini's share} = \frac{3}{4} \times \frac{2}{5} = \frac{6}{20}$$

$$\text{Rahul's share} = \frac{1}{4} \times \frac{5}{5} = \frac{5}{20}$$

New Profit Sharing Ratio = 9 : 6 : 5

Profit distributable 1,60,000

$$\text{Kajal} = 1,60,000 \times \frac{9}{20} = ₹\ 72,000$$

$$\text{Kamini} = 1,60,000 \times \frac{6}{20} = ₹\ 48,000$$

$$\text{Rahul} = 1,60,000 \times \frac{5}{20} = ₹\ 40,000$$

Rahul's share is ₹ 40,000 which is less than guaranteed amount of ₹ 50,000, therefore difference of ₹ 10,000 will be borne by Kajal & Kamini in 3 : 2 ratio.

प्रश्न 2. कुमुद, सुमुद तथा कीर्ति ने 1-4-2016 को साझेदारी प्रारम्भ की। उनका लाभालाभ अनुपात क्रमश: 4 : 3 : 3 है। कुमुद ने व्यक्तिगत रूप से कीर्ति को गारंटी दी है कि पूँजी पर 5% वार्षिक ब्याज लगाने के बाद उसका लाभ का भाग ₹ 40,000 से कम किसी भी वर्ष में नहीं होगा। उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 3,00,000, ₹ 2,00,000, ₹ और ₹ 1,50,000 थी। 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ ₹ 1,60,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये। (2022)

हल : **Profit & Loss Appropriation A/c**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Interest on Capital : | | | By Net Profit a/c | 1,60,000 |
| Kumud | 15,000 | | | |
| Sumud | 10,000 | | | |
| Kirti | 7,500 | 32,500 | | |
| To Profit Transferred to Partners' Capital a/c : | | | | |
| Kumud (51,000 – 1,750) | | 49,250 | | |
| Sumud | | 38,250 | | |
| Kirti (38,250 + 1,750) | | 40,000 | | |
| | | 1,60,000 | | 1,60,000 |

प्रश्न 3. राजेश, सुनील और तरुण साझेदार हैं जो $\frac{1}{2}:\frac{1}{4}:\frac{1}{4}$ में लाभ बाँटते हैं। उनकी पूँजी ₹ 12,000, ₹ 8,000, और ₹ 6,000 है। पूँजी पर 5% ब्याज दिया जाता है, आहरण पर 5% ब्याज लिया जाता है। तरुण ₹ 3,000 वार्षिक वेतन पाता है, सुनील कुल बिक्री पर 1% कमीशन पाता है।

वर्ष 2017 का लाभ समायोजन के पूर्व ₹ 11,500 था। कुल विक्रय ₹ 1,40,000 था। आहरण ₹ 4,000, ₹ 5,600 और ₹ 6,000 थे जिन पर क्रमशः ₹ 80, ₹ 100 और ₹ 120 ब्याज हुआ।

लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

हल : **Profit & Loss Appropriation Account**
**(For the year ending on 31st Dec., 2017)**

| Particulars | | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| To Interest on Capital : | | | By Balance b/d | | 11,500 |
| Rajesh | 600 | | By Interest on Drawings : | | |
| Sunil | 400 | | Rajesh | 80 | |
| Tarun | 300 | 1,300 | Sunil | 100 | |
| To Salary (Tarun) | | 3,000 | Tarun | 120 | 300 |
| To Commission | | 1,400 | | | |
| To Profit : | | | | | |
| Rajesh | 3,050 | | | | |
| Sunil | 1,525 | | | | |
| Tarun | 1,525 | 6,100 | | | |
| | | 11,800 | | | 11,800 |

प्रश्न 4. रवि एवं रोहित बराबर के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 40,000 तथा ₹ 80,000 थी। वर्ष के अंत में खाते तैयार करने के बाद पता चला कि साझेदारों को पूँजी पर 5% वार्षिक दर से ब्याज नहीं दिया गया, जबकि संलेख में देना तय था। यह तय किया गया कि अगले वर्ष के आरंभ में एक समायोजन प्रविष्टि तैयार की जाए। आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए। (2020)

हल :

| Partners | Adjustment | | Difference | |
|---|---|---|---|---|
| | Amount Actually Credited | Amount to be Credited | Dr. | Cr. |
| | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ |
| Ravi | 3,000 | 2,000 | 1,000 | — |
| Rohit | 3,000 | 4,000 | — | 1,000 |
| | 6,000 | 6,000 | 1,000 | 1,000 |

**Journal Entry**

| Date | Particulars | L. F. | Amount (Dr.) | Amount (Cr.) |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Ravi's Capital a/c Dr. | | 1,000 | |
| | To Rohit's Capital a/c | | | 1,000 |
| | (Being adjustment of interest on capital adjusted) | | | |

प्रश्न 5. जय, विजय और संजय एक फर्म में साझेदार हैं, जो 2 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि का विभाजन करते हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 28,800, ₹ 19,200 तथा ₹ 14,400 है। साझेदारों को पूँजी पर 5% वार्षिक ब्याज दिया जाता है। संजय को ₹ 7,200 वार्षिक वेतन मिलता है तथा विजय को सकल विक्रय पर 3% कमीशन मिलता है। फर्म का लाभ ₹ 27,600 है। सकल विक्रय ₹ 3,36,000 है। उनके आहरणों पर ब्याज क्रमशः ₹ 192, ₹ 240 तथा ₹ 288 था।

लाभ-हानि वितरण खाता बनाइए।

हल : **Profit & Loss Appropriation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| To Interest on Capital : | | | By Balance b/d | | 27,600 |
| Jai | 1,440 | | By Interest on Drawings : | | |
| Vijay | 960 | | Jai | 192 | |
| Sanjay | 720 | 3,120 | Vijay | 240 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To Salary (Sanjay) | | 7,200 | Sanjay | 288 | 720 |
| To Commission (Vijay) | | 10,080 | | | |
| To Profit : | | | | | |
| Jai | 3,960 | | | | |
| Vijay | 1,980 | | | | |
| Sanjay | 1,980 | 7,920 | | | |
| | | 28,320 | | | 28,320 |

प्रश्न 6. सीता और गीता एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2017 को उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 60,000 और ₹ 50,000 है। उन्हें पूँजी पर $7\frac{1}{2}$% प्रतिवर्ष ब्याज दिया जाता है। सीता ने 1 जुलाई, 2017 को ₹ 16,000 फर्म को ऋण दिया है। गीता ₹ 8,000 वार्षिक वेतन पाने की अधिकारी है। 31 दिसम्बर, 2017 को समाप्त वर्ष का लाभ उपर्युक्त समायोजन के पूर्व ₹ 18,000 था। लाभालाभ नियोजन लेखा बनाइए।

हल : **Profit & Loss Appropriation Account**
**(For the year ending on 31st Dec., 2017)**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Interest on Capital : | | | By Balance b/d | 18,000 |
| Sita | 4,500 | | | |
| Gita | 3,750 | 8,250 | | |
| To Interest on Loan | | | | |
| @ 6% for 6 month (Sita) | | 480 | | |
| To Salaries (Gita) | | 8,000 | | |
| To Profit Transferred to Capital a/c : | | | | |
| Sita | 635 | | | |
| Gita | 635 | 1,270 | | |
| | | 18,000 | | 18,000 |

प्रश्न 7. एक फर्म की पूँजी ₹ 1 लाख है और वह ₹ 20 हजार औसत वार्षिक लाभ कमाती है। इस प्रकार के व्यापार में साधारणतया 10 प्रतिशत लाभ होता है। यदि ख्याति अधिलाभ के पूँजीकृत मूल्य के बराबर हो, तो फर्म की ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

हल : औसत लाभ = ₹ 20,000

सामान्य लाभ = 1,00,000 × 10% = ₹ 10,000

अधिलाभ = 20,000 – 10,000 = ₹ 10,000

$$\text{ख्याति} = \frac{\text{अधिलाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}}$$

$$= \frac{10,000 \times 100}{10} = ₹\ 1,00,000$$

**प्रश्न 8. एक फर्म की पूँजी ₹ 80,000 है। फर्म का औसत लाभ ₹ 9,000 है व्यापार पर $7\frac{1}{2}$% आय अपेक्षित है। यदि ख्याति का मूल्य पिछले 5 वर्षों के अ अधिलाभ के तीन वर्षों के क्रय के बराबर हो, तो ख्याति का मूल्य बताइए।**

हल : औसत लाभ = ₹ 9,000

$$\text{सामान्य लाभ} = \frac{80,000 \times 7{\cdot}5}{100} = 6,000$$

अधिलाभ = 9,000 – 6,000 = ₹ 3,000

ख्याति = अधिलाभ × 3

= 3,000 × 3 = ₹ 9,000

**प्रश्न 9. एक व्यापार में ₹ 40,000 पूँजी लगाई गई है। यह अनुमान किया गया है कि इस प्रकार के व्यापार में औसत लाभ 10% होता है। व्यापार का पाँच वर्षों का औसत लाभ ₹ 8,000 है।**

**यदि ख्याति का मूल्य पिछले पाँच वर्षों के औसत अधिलाभ के तीन वर्षों के क्रय के बराबर हो, तो ख्याति का मूल्य बताइए।**

हल : औसत लाभ = ₹ 8,000

सामान्य लाभ = 40,000 × 10% = ₹ 4,000

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ

= 8,000 – 4,000 = ₹ 4,000

ख्याति = 4,000 × 3 = ₹ 12,000

**प्रश्न 10. 1 जनवरी, 2018 को ख्याति का मूल्यांकन विगत पाँच वर्षों के औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय पर कीजिए। पाँच वर्षों के लाभ-हानि निम्नलिखित हैं— 2014 लाभ ₹ 20,000, 2015 लाभ ₹ 15,000, 2016 हानि ₹ 13,000, 2017 लाभ ₹ 30,000 और 2018 लाभ ₹ 38,000।**

हल : पिछले पाँच वर्षों का कुल लाभ = ₹ 20,000 + 15,000 – 13,000 + 30,000 + 38,000 *(2022)*

= ₹ 90,000

$$\text{औसत लाभ} = \frac{90,000}{5} = ₹\ 18,000$$

ख्याति = औसत लाभ × क्रय वर्ष

= 18,000 × 3

= ₹ 54,000

प्रश्न 11. एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹ 84,000 प्रति वर्ष है। व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹ 5,00,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय 12% है। साझेदारों को ₹ 12,000 पारिश्रमिक दिया जाता है। (2019, 20)

ख्याति की गणना अधिलाभ की पूँजीकरण विधि द्वारा कीजिए।

हल : विनियोजित पूँजी = ₹ 5,00,000

$$\text{सामान्य लाभ} = \frac{5,00,000 \times 12}{100} = ₹\ 60,000$$

$$\text{वास्तविक लाभ} = 84,000 - 12,000 = ₹\ 72,000$$

$$\text{अधिलाभ} = \text{वास्तविक लाभ} - \text{सामान्य लाभ}$$

$$= 72,000 - 60,000 = ₹\ 12,000$$

$$\text{ख्याति} = 12,000 \times 2$$

$$= ₹\ 24,000$$

प्रश्न 12. एक व्यापारिक फर्म की पूँजी ₹ 8,00,000 है। फर्म का औसत लाभ ₹ 90,000 है। ऐसे व्यापार में $7\frac{1}{2}\%$ सामान्य आय अपेक्षित है। अधिलाभ के पूँजीकृत मूल्य के आधार पर ख्याति निकालिए। (2019)

हल : व्यापार का सामान्य लाभ $= 8,00,000 \times 7\frac{1}{2}\%$

$$= ₹\ 60,000$$

$$\text{औसत लाभ} = ₹\ 90,000$$

$$\text{अधिलाभ} = 90,000 - 60,000$$

$$= ₹\ 30,000$$

$$\text{ख्याति} = \frac{\text{अधिलाभ}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times 100$$

$$= \frac{30,000}{7{\cdot}5} \times 100$$

$$= ₹\ 4,00,000$$

प्रश्न 13. एक फर्म ने ₹ 20,000, ₹ 6,000, ₹ 12,000 व ₹ 8,000 लाभ गत चार वर्षों में क्रमशः अर्जित किया। फर्म में ₹ 50,000 की पूँजी विनियोजित है। इस विनियोजित पूँजी पर 15% प्रति वर्ष की दर से आय अपेक्षित है।

ख्याति की गणना 3 वर्षों के क्रय के आधार पर अधिलाभ विधि द्वारा ज्ञात कीजिए।

हल : $$\text{औसत लाभ} = \frac{20,000 + 6,000 + 12,000 + 8,000}{4}$$

$$= \frac{46,000}{4} = ₹\ 11,500$$

$$\text{सामान्य लाभ} = \text{विनियोजित पूँजी} \times \text{प्रत्याय दर}$$

$$= 50,000 \times 15\% = ₹\ 7,500$$

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ
= 11,500 – 7,500 = 4,000
ख्याति = 4,000 × 3 = ₹ 12,000

प्रश्न 14. एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹ 42,000 प्रति वर्ष है। व्यवसाय में औसत विनियोजित पूँजी ₹ 2,00,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर ब्याज 12% है। साझेदार को ₹ 8,000 वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाता है। ख्याति की गणना 2 वर्ष के क्रय पर अधिलाभ द्वारा कीजिए।

हल : कुल विनियोजित पूँजी = ₹ 2,00,000

सामान्य लाभ = ₹ 2,00,000 × $\frac{12}{100}$ = ₹ 24,000

वास्तविक लाभ = 42,000 – 8,000 = ₹ 34,000
अधिलाभ = वास्तविक लाभ – सामान्य लाभ
= 34,000 – 24,000 = ₹ 10,000
ख्याति = 10,000 × 2 = ₹ 20,000

# अध्याय 3

# साझेदारी का पुनर्गठन : लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. विद्यमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन के कारण होगा–
(अ) साझेदारी फर्म का पुनर्गठन, (ब) साझेदारी फर्म का समापन,
(स) साझेदारी का समापन, (द) साझेदारी का विलय।

2. 'अ' व 'ब' दो साझेदार हैं जो लाभ-हानि को 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। भविष्य में समान अनुपात रखना तय किया गया। किस साझेदार द्वारा किस मात्रा में त्याग किया जायेगा ?
(अ) 'अ' द्वारा त्याग 1/10, (ब) 'ब' द्वारा त्याग 1/5,
(स) 'अ' द्वारा त्याग 1/5, (द) 'ब' द्वारा त्याग 1/10.

उत्तर–1. (अ), 2. (द)।

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. साझेदारी का ..... साझेदारों के बीच सम्बन्धों का परिवर्तन है। (2019)
2. त्याग अनुपात = ..... – नया अनुपात।
3. एक साझेदार द्वारा अन्य साझेदार के प्रति समर्पण किये गये लाभ का भाग ..... अनुपात कहलाता है।
4. प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात – .....

उत्तर—1. पुनर्गठन, 2. पुराना अनुपात, 3. त्याग, 4. पुराना अनुपात।

## ☞ सत्य/असत्य

1. किसी साझेदार की मृत्यु पर साझेदारी का पुनर्गठन हो सकता है।
2. किसी साझेदार का फर्म से अवकाश ग्रहण करने पर साझेदारी फर्म का पुनर्गठन सम्भव है।
3. साझेदारी ठहराव में किया गया परिवर्तन फर्म का पुनर्गठन कहलाता है। (2020)

उत्तर—1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | | 'ख' |
|---|---|---|
| 1. सामान्य लाभ | (2019) | (अ) नया अनुपात – पुराना अनुपात |
| 2. लाभ (नफे) का अनुपात | (2020) | (ब) अधिलाभ |
| 3. पुराना अनुपात – नया अनुपात | | (स) सम्पत्ति व दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन |
| 4. पुनर्मूल्यांकन खाता | | (द) त्याग अनुपात |
| 5. त्यागी साझेदार | (2019) | (य) क्षतिपूर्ति |

उत्तर—1. → (ब), 2. → (अ), 3. → (द), 4. → (स), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. पुराने और नये अनुपात का अन्तर क्या कहलाता है ? (2022)
2. क्या लाभानुपात में परिवर्तन के लिये ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है ? (2019)

उत्तर—1. त्याग अनुपात, 2. ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—साझेदारी व्यवसाय में जब साझेदारों के मध्य आपसी व्यावसायिक सम्बन्धों में परिवर्तन होता है, तो ऐसी स्थिति को साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहा जाता है।

**प्रश्न 2. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन के दो कारण लिखिए।**

उत्तर—साझेदारी फर्म के पुनर्गठन के प्रमुख कारण अग्र हैं—

(i) विद्यमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन

(ii) किसी साझेदार का साझेदारी व्यवसाय में प्रवेश

(iii) किसी साझेदार का साझेदारी व्यवसाय से अवकाश ग्रहण।

**प्रश्न 3. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर गणना किये जाने वाले दो अनुपातों की गणना कीजिए।**

उत्तर—साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर गणना किये जाने वाले दो अनुपात हैं—(i) त्याग अनुपात व (ii) प्राप्ति अनुपात।

**प्रश्न 4. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर संचयों व अवितरित लाभ-हानि का क्या व्यवहार किया जाता है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर संचयों एवं अवितरित लाभ-हानि को साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. त्याग का अनुपात क्या है ?** (2019, 20)

उत्तर—साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन के फलस्वरूप जब कोई एक या एक से ज्यादा साझेदार अन्य किसी साझेदार या साझेदारों के पक्ष में अपने लाभ के भाग का समर्पण करते हैं तो समर्पण किया गया भाग त्याग अनुपात कहलाता है।

**प्रश्न 2. लाभ-प्राप्ति का अनुपात किसे कहते हैं ?** (2020)

*अथवा*

**नफे के अनुपात का अर्थ लिखिए।** (2019, 20)

उत्तर—साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन होने पर यदि किसी साझेदार या साझेदारों के विद्यमान लाभ अनुपात में वृद्धि हो जाती है, तो यह अतिरिक्त बढ़ा हुआ भाग प्राप्ति अनुपात कहलाता है।

**प्रश्न 3. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर ख्याति का समायोजन किस प्रकार होता है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर लाभ को क्रय करने वाला साझेदार त्याग करने वाले साझेदार को आनुपातिक ख्याति देकर उसकी क्षतिपूर्ति करता है।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या आशय है ? इसके कारण बताइए।**

*अथवा*

**साझेदारी फर्म के पुनर्गठन के कोई चार ढंग/प्रकार लिखिए।** (2020)

उत्तर—साझेदारी व्यवसाय में जब साझेदारों के मध्य आपसी सम्बन्धों में परिवर्तन होता है, ऐसी दशा में साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहा जाता है। साझेदारी के पुनर्गठन पर साझेदारों के मध्य एक नया समझौता या ठहराव किया जाता है।

साझेदारी के पुनर्गठन के कई कारण हो सकते हैं। इनमें प्रमुख कारण निम्न हैं–

**(1) विद्यमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन**—जब विद्यमान साझेदार या एक से ज्यादा साझेदार अन्य विद्यमान साझेदार या साझेदारों से कोई हित प्राप्त करते हैं, तो इसे लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन कहते हैं। विद्यमान साझेदारों के लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन को साझेदारी का पुनर्गठन कहते हैं।

**(2) नये साझेदार के प्रवेश पर**—जब विद्यमान साझेदारी व्यवसाय में किसी नये साझेदार के प्रवेश की सहमति होती है, तो पुरानी साझेदारी समाप्त हो जाती है और एक नया ठहराव या समझौता पुराने व नये साझेदार के मध्य होता है। ऐसी दशा में साझेदारी का पुनर्गठन किया जाता है।

**(3) साझेदार की मृत्यु या अवकाश ग्रहण करने पर**—साझेदारी का पुनर्गठन तब भी होता है जब कोई विद्यमान साझेदार साझेदारी से सम्बन्ध विच्छेद करता है चाहे वह किसी भी कारण से क्यों न हो। ऐसी स्थिति में पुरानी साझेदारी समाप्त हो जाती है और शेष बचे साझेदार व्यवसाय का पुनर्गठन करते हैं।

**(4) साझेदार के दिवालिया होने पर**—जब फर्म का कोई साझेदार अपने ऋणों का भुगतान करने में असमर्थ हो, तो न्यायालय साझेदार को दिवालिया घोषित करते हैं ऐसी दशा में साझेदारी का समापन हो जाता है व शेष साझेदार साझेदारी फर्म का पुर्नगठन करते हैं।

**प्रश्न 2. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर विद्यमान सम्पत्तियों व दायित्वों का क्या व्यवहार किया जाता है ? इस सम्बन्ध में क्या लेखांकन प्रविष्टि की जाती है ?**

**उत्तर**—साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि साझेदारी के पुनर्गठन के समय सम्पत्तियाँ व दायित्व जिस मूल्य पर चिट्ठे पर प्रदर्शित होते हैं, पुनर्गठन के समय उनके उस वास्तविक मूल्य में परिवर्तन सम्भव हो सकता है। ऐसा सम्भव हो सकता है कि कुछ सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि हो गई हो व कुछ सम्पत्तियों के मूल्य में कमी। इसी प्रकार कुछ दायित्वों के मूल्यों में वृद्धि या कमी हो गयी हो। यह सम्भव है कि यह परिवर्तन पुनर्गठन के पूर्व हुए हों जिनका लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया हो। अत: सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन लाभ पुराने अनुपात में साझेदारों के मध्य बाँट दिया जाना चाहिए।

पुनर्गठन पर सम्पत्तियों व दायित्वों के सम्बन्ध में निम्न लेखांकन प्रविष्टि की जाती है–

(i) सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि

| | | |
|---|---|---|
| Assets a/c | Dr. | |
| To Revaluation | | |

(ii) सम्पत्तियों के मूल्य में कमी

| | | |
|---|---|---|
| Revaluation a/c | Dr. | |
| To Assets | | |

(iii) दायित्वों के मूल्य में वृद्धि

| | | |
|---|---|---|
| Revaluation a/c | Dr. | |
| To Liabilities | | |

(iv) दायित्वों के मूल्य में कमी

Liabilities a/c Dr.

To Revaluation

(v) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ–

Revaluation a/c Dr.

To Partners' Capital a/c

(vi) पुनर्मूल्यांकन पर हानि

Partners' Capital a/c Dr.

To Revaluation

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. 'अ', 'ब' तथा 'स' एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ-हानि को 3/8, 3/8 व 2/8 के अनुपात में बाँटते हैं। 1 जनवरी, 2017 से उन्होंने लाभ-हानि को समान अनुपात में बाँटने का निर्णय लिया। 'अ', 'ब' व 'स' के मध्य लाभ-हानि अनुपात परिवर्तन के कारण त्याग व प्राप्ति अनुपात की गणना कीजिए।

हल :

पुराना अनुपात $= \frac{3}{8}, \frac{3}{8}, \frac{2}{8}$ या 3 : 3 : 2

नया अनुपात $= 1 : 1 : 1$

'अ' द्वारा त्याग $= \frac{3}{8} - \frac{1}{3} = \frac{1}{24}$

'ब' द्वारा त्याग $= \frac{3}{8} - \frac{1}{3} = \frac{1}{24}$

'स' द्वारा प्राप्ति $= \frac{1}{3} - \frac{2}{8} = \frac{2}{24}$

इस प्रकार 'अ' और 'ब' प्रत्येक 1/24 भाग 'स' के प्रति त्याग करेंगे। 'ब' को 2/24 भाग की अतिरिक्त प्राप्ति होगी।

प्रश्न 2. X, Y तथा Z $\frac{4}{8} : \frac{3}{8} : \frac{1}{8}$ के अनुपात में लाभ बाँटने वाले साझेदार हैं। भविष्य में साझेदारों ने $\frac{5}{12} : \frac{4}{12} : \frac{3}{12}$ के अनुपात में लाभ बाँटने का निश्चय किया। अनुपात परिवर्तन के कारण प्रत्येक साझेदार को प्राप्त लाभ और त्याग की गणना कीजिए। (2019)

हल :

पुराना अनुपात $= \frac{4}{8} : \frac{3}{8} : \frac{1}{8}$

नया अनुपात $= \frac{5}{12} : \frac{4}{12} : \frac{3}{12}$

$X = \frac{4}{8} - \frac{5}{12} = \frac{12-10}{24} = \frac{2}{24}$ (त्याग)

$$Y = \frac{3}{8} - \frac{4}{12} = \frac{9-8}{24} = \frac{1}{24} \quad \text{(त्याग)}$$

$$Z = \frac{1}{8} - \frac{3}{12} = \frac{3-6}{24} = \frac{-3}{24} \quad \text{(प्राप्ति)}$$

प्रश्न 3. A तथा B क्रमशः 1 : 3 के अनुपात में एक फर्म में साझेदार हैं। वे भविष्य में अपना लाभ-विभाजन बराबर-बराबर रखने का निर्णय करते हैं। प्रत्येक साझेदार का नफे या त्याग का भाग ज्ञात कीजिए। (2020)

हल : नया अनुपात = 1 : 1

पुराना अनुपात = 1 : 3

'A' द्वारा प्राप्ति $= \frac{1}{4} - \frac{1}{2} = \frac{1-2}{4}$

$= \frac{1}{4}$ (प्राप्ति)

'B' द्वारा त्याग $= \frac{3}{4} - \frac{1}{2} = \frac{3-2}{4}$

$= \frac{1}{4}$ (त्याग)

प्रश्न 4. 'अ', 'ब' व 'स' एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ-हानि को 4 : 3 : 2 के अनुपात में बाँटते हैं। 1 अप्रैल, 2017 से उन्होंने लाभ-हानि को समान रूप से बाँटने का निर्णय लिया। उस तिथि को उनकी पुस्तकों में सामान्य संचय में ₹ 1,80,000 व कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष में ₹ 60,000 थे। लाभ-हानि खाते में डेबिट शेष ₹ 45,000 थे।

उपर्युक्त के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए जबकि इन खातों के शेष साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तान्तरित कर दिये जाते हैं।

हल : **Journal Entry**

| Date | Particulars | | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ₹ | ₹ |
| | General Reserve a/c | Dr. | | 1,80,000 | |
| | Workmen's Compensation Reserve a/c | Dr. | | 60,000 | |
| | To Profit & Loss a/c | | | | 45,000 |
| | To A's Capital a/c | | | | 86,667 |
| | To B's Capital a/c | | | | 65,000 |
| | To C's Capital a/c | | | | 43,333 |

❑

अध्याय 4

# नये साझेदार का प्रवेश

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. साझेदार के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन से हुए लाभ को अन्तरित किया जाता है—
   (अ) सभी साझेदारों के पूँजी खाते में, (ब) नये साझेदार के पूँजी खाते में
   (स) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में, (द) लाभ-हानि खाते में।
2. पुनर्मूल्यांकन खाता बनाते हैं—
   (अ) फर्म के विघटन पर, (ब) फर्म के लाभ होने पर,
   (स) नये साझेदार के प्रवेश पर, (द) व्यवसाय बन्द करने पर।
3. 'अ' और 'ब' लाभ-हानि का विभाजन 3 : 1 के अनुपात में करते हैं। वे 'स' को 1/4 भाग के लिये साझेदारी में प्रवेश देते हैं। 'अ' और 'ब' का त्याग अनुपात होगा— (2020)
   (अ) बराबर, (ब) 3 : 1,
   (स) 2 : 1, (द) 3 : 2.
4. यदि नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि रोकड़ में देता है, तो उस राशि को डेबिट करेंगे—
   (अ) ख्याति खाते में (प्रीमियम), (ब) नये साझेदार के पूँजी खाते में
   (स) रोकड़ खाते में, (द) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में
5. पुनर्मूल्यांकन पर होने वाला लाभ किस अनुपात में बाँटा जाता है ?
   (अ) नये लाभ-हानि अनुपात में, (ब) त्याग अनुपात में,
   (स) पुराने लाभ-हानि अनुपात में, (द) प्राप्ति अनुपात में।

   उत्तर—1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)।

### ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. ख्याति की राशि पर अधिकार ..... साझेदारों का होता है।

2. पुनर्मूल्यांकन खाता ..... का खाता है।
3. पुनर्मूल्यांकन के लाभ से ..... साझेदार को कोई सम्बन्ध नहीं रहता है।
4. किसी नये साझेदार के प्रवेश पर परिसम्पत्तियों में हुई मूल्य वृद्धि को ..... खाते में क्रेडिट किया जाता है। (2020)
5. दायित्वों में कमी फर्म का ..... होता है।

उत्तर—1. पुराने, 2. नाममात्र, 3. नये, 4. पुनर्मूल्यांकन, 5. लाभ।

## सत्य/असत्य

1. नये साझेदार द्वारा ख्याति प्रव्याजि देने पर उसे पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में उनके त्याग के अनुपात में स्थानान्तरित किया जाता है।
2. साझेदार के प्रवेश पर ख्याति की राशि को पुराने व नये साझेदार के मध्य बाँटा जाता है।
3. नये साझेदार के प्रवेश के समय यदि किसी सम्पत्ति का मूल्य घटता है, तो उसे पुनर्मूल्यांकन खाते में नाम किया जाता है।
4. पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति के विक्रय पर बनाते हैं।
5. पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति एवं दायित्वों के मूल्यों में परिवर्तन होने पर खोला जाता है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

## जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. पुनर्मूल्यांकन खाता | (अ) पुनर्मूल्यांकन लाभ-हानि का बँटवारा |
| 2. पुनर्मूल्यांकन लाभ | (ब) पुराने साझेदारों के मध्य |
| 3. पुराना लाभ-हानि अनुपात | (स) पूँजी खाते के डेबिट पक्ष में |
| 4. पुनर्मूल्यांकन खाते की हानि | (द) सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन |
| 5. लेखांकन प्रमाप-26 का सम्बन्ध है | (य) ख्याति |

उत्तर—1. → (द), 2. → (ब), 3. → (अ), 4. → (स), 5. → (य)।

## एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. पुराने और नये अनुपात का अन्तर है।
2. उस खाते का नाम बताइए जोकि सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में कमी या वृद्धि के लिये बनाया जाता है।
3. त्याग अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है ?
4. पुनर्मूल्यांकन खाते की लाभ-हानि को साझेदारों में किस अनुपात में बाँटा जाता है ?
5. लेखांकन प्रमाप-26 किससे सम्बन्धित है ?

उत्तर—1. त्याग अनुपात, 2. पुनर्मूल्यांकन खाता, 3. ख्याति को बाँटने के लिये, 4. पुराना लाभ-हानि अनुपात, 5. ख्याति (अमूर्त सम्पत्ति)।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. पुनर्मूल्यांकन खाता क्या है ? समझाइए।**

उत्तर—फर्म में नये साझेदार के प्रवेश एवं निवृत्ति पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों को उसके उचित मूल्य पर दर्शाने के लिये सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन कर जिस खाते में दिखाया जाता है, उसे पुनर्मूल्यांकन खाता कहते हैं।

**प्रश्न 2. फर्म में प्रवेश पर साझेदार ख्याति क्यों लाता है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म में प्रवेश करने पर नया साझेदार फर्म के लाभ-हानि में भागीदार बन जाता है। अत: फर्म के भविष्य के लाभों में लाभ प्राप्त करने के लिये नया साझेदार प्रतिफल के रूप में ख्याति लाता है।

**प्रश्न 3. लेखांकन प्रमाप-26 का सम्बन्ध किससे है ?**

उत्तर—लेखांकन प्रमाप-26 अमूर्त सम्पत्तियों, जैसे ख्याति के लेखांकन से सम्बन्धित है जिसमें साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु आदि की दशा में ख्याति के लेखा करने सम्बन्धी प्रावधान बताये गये हैं।

**प्रश्न 4. साझेदार के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन खाते का शेष किनमें व किस अनुपात में बाँटा जाता है ?**

उत्तर—फर्म में नये साझेदार के प्रवेश पर पुर्नमूल्यांकन खाते का शेष पुराने साझेदारों में उनके लाभ-हानि अनुपात में बाँट दिया जाता है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. फर्म में नये व्यक्ति को साझेदार क्यों बनाया जाता है ?**

*अथवा*

**साझेदारी फर्म में नये साझेदार के प्रवेश की आवश्यकता क्यों होती है ? कोई पाँच कारण लिखो।**

*अथवा*

**फर्म में नये साझेदार के प्रवेश के कोई चार कारण लिखिए।** (2022)

उत्तर—फर्म में नये व्यक्ति को साझेदार बनाने के कारण या दशाएँ निम्नलिखित हैं—

(1) जब फर्म में किसी योग्य एवं प्रभावशाली व्यक्ति की आवश्यकता हो।

(2) जब फर्म को स्थायी रूप से अधिक पूँजी की आवश्यकता हो।

(3) फर्म को किसी योग्य व्यक्ति के विशिष्ट ज्ञान या सेवाओं की आवश्यकता हो।

(4) फर्म के किसी कर्मचारी को प्रोत्साहित करने हेतु साझेदार बनाया जाये।

(5) फर्म के साझेदार के अवकाश ग्रहण करने या मृत्यु होने की दशा में उस फर्म में सिर्फ एक व्यक्ति रह गया हो।

**प्रश्न 2. कौन-कौन-सी दशाओं में पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार किया जाता है ?**

*अथवा*

**पुनर्मूल्यांकन खाता किसे कहते हैं ? यह खाता कब और क्यों तैयार किया जाता है ?**

*अथवा*

**पुनर्मूल्यांकन खाता किसे कहते हैं ? समझाइए।**

**उत्तर**—फर्म के संगठन में परिवर्तन होने पर अर्थात् साझेदारी फर्म में साझेदार के प्रवेश, अवकाश अथवा मृत्यु होने पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों का सही मूल्य जानने के लिये सम्पत्तियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है।

पुनर्मूल्यांकन का लेखा करने के लिये जो खाता खोला जाता है, वह पुनर्मूल्यांकन खाता होता है।

निम्नलिखित परिस्थितियों में पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार किया जाता है—

**(1) नये साझेदार के प्रवेश पर**—नया साझेदार सम्पत्तियों को उचित मूल्य पर लाने के लिये उनका पुनर्मूल्यांकन करवाता है। यदि पुराने साझेदारों ने सम्पत्तियों को बढ़ाकर दिखाया हो तो नया साझेदार मूल्य कम करके पुराने साझेदारों की पूँजियों को कम करा लेता है।

**(2) साझेदार के फर्म से निवृत्ति पर**—जब कोई साझेदार फर्म से अलग होता है या किसी साझेदार की मृत्यु हो जाती है, तब पुनर्मूल्यांकन खाता बनाते हैं ताकि उनकी पूँजी का भुगतान न तो कम हो और न अधिक मात्रा में हो।

**प्रश्न 3. त्याग अनुपात क्या है ? इसकी गणना क्यों की जाती है ?**

**उत्तर**—पुराने साझेदार जिस अनुपात में नये साझेदार के लाभ के लिये अपने भाग का अंशदान करते हैं, उस भाग को लेखांकन की भाषा में 'त्याग अनुपात' कहते हैं। त्याग अनुपात का प्रयोग नये साझेदार द्वारा लायी गयी ख्याति की राशि को पुराने साझेदारों में बाँटने हेतु किया जाता है।

**प्रश्न 4. लेखांकन प्रमाप-26 के अनुसार नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति के सम्बन्ध में क्या प्रावधान हैं ?**

**उत्तर**—लेखांकन प्रमाप-26 के अनुसार, ख्याति का लेखा पुस्तकों में तभी किया जायेगा जबकि उसका भुगतान मुद्रा या मुद्रा के रूप में किया जायेगा। इस प्रमाप के अनुसार साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु या लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन होने के कारण पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं खोला जायेगा, यदि उसके बदले में कोई प्रतिफल नहीं दिया जाता है। अत: केवल क्रय की गयी ख्याति का ही लेखा पुस्तकों में किया जाना चाहिए।

यदि नया साझेदार पूँजी के अतिरिक्त अपने भाग की ख्याति को नकद लाता है, तो यह राशि अधिमूल्य या प्रीमियम के रूप में स्वीकार की जायेगी व पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में त्याग अनुपात में बाँट दी जायेगी। इसी प्रकार यदि साझेदार के प्रवेश पर ख्याति का मूल्यांकन किया गया है, तो यह ख्याति पुस्तकों में नहीं लायी जायेगी।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. नये साझेदार को कौन-से प्रमुख अधिकार प्राप्त होते हैं ?** **(2022)**

**उत्तर**—एक नये साझेदार को वे सभी अधिकार प्राप्त होते हैं जो वर्तमान साझेदारों को होते हैं। संक्षेप में नये साझेदार को अग्र अधिकार प्राप्त हैं—

(1) नये साझेदार को व्यवसाय के प्रबन्ध एवं संचालन में भाग लेने का अधिकार है।

(2) नये साझेदार को परामर्श देने व सुने जाने का अधिकार है।

(3) नये साझेदार को व्यवसाय के समस्त प्रलेख, लेखा पुस्तकों को देखने का अधिकार है।

(4) नये साझेदार को कम्पनी के लाभों में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार है।

(5) नये साझेदार को फर्म की सम्पत्तियों पर संयुक्त रूप से स्वामित्व का अधिकार है।

(6) नये साझेदार द्वारा दी गई अतिरिक्त पूँजी पर ब्याज प्राप्त करने का अधिकार है।

**प्रश्न 2. नये साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति की विभिन्न दशाओं का वर्णन कीजिए। इस सम्बन्ध में लेखांकन प्रमाप-26 के अनुसार क्या प्रविष्टि की जाती है ?**

*अथवा*

**साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति के लेखांकन व्यवहार की विभिन्न विधियों को विस्तारपूर्वक बताइए।**

उत्तर—नये साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति की विभिन्न दशाएँ निम्नलिखित हो सकती हैं—

(1) नये साझेदार के प्रवेश पर नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति नकद ला सकता है और वह ख्याति व्यवसाय में ही बनी रह सकती है। इस स्थिति में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

| | | |
|---|---|---|
| (i) | Cash a/c | Dr. |
| | To Premium for Goodwill a/c | |
| | (Being goodwill brought in as premium) | |
| (ii) | Premium for Goodwill a/c | Dr. |
| | To Old Partners' Capital a/c | |
| | (Being premium credited to old partners' capital a/c in sacrificing ratio) | |

(2) नये साझेदार के प्रवेश पर नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति को नकद ला सकता है और पुराने साझेदार उसे व्यवसाय से निकालकर ले जा सकते हैं। इस दशा में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

| | | |
|---|---|---|
| (i) | Cash a/c | Dr. |
| | To Premium for Goodwill a/c | |
| | (Being goodwill brought in as premium) | |
| (ii) | Premium for Goodwill a/c | Dr. |
| | To Old Partners' Capital a/c | |
| | (Being premium credited to old Partners' Capital a/c) | |
| (iii) | Old Partners' Capital a/c | Dr. |
| | To Cash a/c | |
| | (Being goodwill withdrawn) | |

(3) नये साझेदार के प्रवेश पर नया साझेदार ख्याति की राशि नकद नहीं लाता है बल्कि ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है। ऐसी दशा में नये साझेदार के हिस्से की ख्याति की गणना की जाती है और इस सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती है—

New Partners' Capital a/c Dr.
To Old Partners' Capital a/c
(Being goodwill valued & credited to old Partners' Capital a/c)

(4) नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति का कुछ भाग नकद ला सकता है व कुछ भाग नकद के रूप में नहीं लाता है। इस दशा में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जायेंगी—

(i) Cash a/c Dr.
To Premium for Goodwill a/c
(Being goodwill received)

(ii) Premium for Goodwill a/c Dr.
To Old Partners' Capital a/c
(Being goodwill credited to old partners' capital a/c)

(iii) New Partner's Capital a/c Dr.
To Old Partners' Capital a/c
(Being unpaid goodwill credited)

(5) नये साझेदार के प्रवेश पर नया साझेदार ख्याति की राशि व्यवसाय के बाहर ही पुराने साझेदारों में बाँट सकता है। इस सम्बन्ध में ख्याति का पुस्तकों में कोई लेखा नहीं किया जाता है।

**प्रश्न 3. पुनर्मूल्यांकन खाता क्यों खोला जाता है ? फर्म के दायित्वों व सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के सम्बन्ध में क्या प्रविष्टियाँ की जाती हैं ?**

उत्तर—पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदार के प्रवेश या निवृत्ति पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों को पुनर्मूल्यांकित कर उसे उसके वास्तविक मूल्य पर दर्शाने हेतु खोला जाता है एवं पुनर्मूल्यांकन पर हुए लाभ-हानि को पुराने साझेदारों के मध्य बाँट दिया जाता है। सम्पत्ति व दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

(i) सम्पत्तियों का मूल्य बढ़ने व दायित्वों का मूल्य कम होने पर

Various Assets a/c Dr.
Various Liabilities a/c Dr.
To Revaluation a/c

(ii) सम्पत्तियों का मूल्य घटने व दायित्वों का मूल्य बढ़ने पर

Revaluation a/c Dr.
To Various Assets a/c
To Various Liabilities a/c

@mpbsePDF

(iii) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ

Revaluation a/c Dr.
To Old Partners' Capital a/c

(iv) पुनर्मूल्यांकन पर हानि

Old Partners' Capital a/c Dr.
To Revaluation a/c

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. 'A' और 'B' 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। उन्होंने 'C' को 1/4 हिस्से हेतु प्रवेश देने का निश्चय किया। सभी साझेदार ('A' एवं 'B') अपना अनुपात पूर्वानुसार ही रखना चाहते हैं। 'C' ख्याति के रूप में माल लाना चाहता है। 'C' अपने हिस्से की ख्याति हेतु सहमत हो गया, फर्म की कुल ख्याति ₹ 12,000 है।

नई फर्म की बही में ख्याति हेतु जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Goods a/c Dr. | | 3,000 | |
| | To Premium for Goodwill a/c | | | 3,000 |
| | (Being goodwill brought in form of goods) | | | |
| | Premium for Goodwill a/c Dr. | | 3,000 | |
| | To A's Capital a/c | | | 2,000 |
| | To B's Capital a/c | | | 1,000 |
| | (Being goodwill distributed) | | | |

प्रश्न 2. अनिल और विशाल साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 में करते हैं। वे सुमित को नये साझेदार के रूप में $\frac{1}{5}$ भाग के लिए प्रवेश देते हैं। अनिल, विशाल और सुमित के नये लाभ-विभाजन अनुपात की गणना कीजिए। (2020)

हल : सुमित का भाग = $\frac{1}{5}$

फर्म के लाभ का शेष भाग सुमित को देने के पश्चात् = $1-\frac{1}{5}=\frac{4}{5}$

शेष भाग में—

अनिल का भाग = $\frac{3}{5}\times\frac{4}{5}=\frac{12}{25}$

विशाल का भाग = $\frac{2}{5}\times\frac{4}{5}=\frac{8}{25}$

सुमित का भाग = $\frac{1}{5} \times \frac{5}{5} = \frac{5}{25}$

नया अनुपात = 12 : 8 : 5

प्रश्न 3. X, Y और Z साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था—

चिट्ठा

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| ऋणदाता | | 1,800 | मशीनरी | 1,200 |
| लाभ-हानि खाता | | 1,200 | फर्नीचर | 400 |
| पूँजी : | | | स्कन्ध | 2,650 |
| X | 2,000 | | ऋणी | 3,780 |
| Y | 1,750 | | रोकड़ | 220 |
| Z | 1,500 | 5,250 | | |
| | | 8,250 | | 8,250 |

1 अप्रैल, 2017 को वे A को बराबर की साझेदारी में प्रवेश देने को निम्न शर्तों पर सहमत होते हैं—

(1) वह ₹ 1,500 ख्याति के तथा ₹ 1,800 पूँजी के नकद लाए।

(2) मशीन और फर्नीचर का मूल्य क्रमश: ₹ 950 और ₹ 380 आँका जाए।

(3) स्कन्ध का मूल्य ₹ 450 से अधिक आँका जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता व साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल : **Revaluation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Machinery a/c | | 250 | By Stock a/c | 450 |
| To Furniture a/c | | 20 | | |
| To Profit : | | | | |
| X | 60 | | | |
| Y | 60 | | | |
| Z | 60 | 180 | | |
| | | 450 | | 450 |

**Partners' Capital Account**
**(As on 1st April, 2017)**

| Particulars | X | Y | Z | A | Particulars | X | Y | Z | A |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Balance c/d | 2,960 | 2,710 | 2,460 | 1,800 | By Balance b/d | 2,000 | 1,750 | 1,500 | — |
| | | | | | By Cash a/c | — | — | — | 1,800 |
| | | | | | By Premium for Good-will | 500 | 500 | 500 | — |
| | | | | | By Rev. a/c | 60 | 60 | 60 | — |
| | | | | | By P & L a/c | 400 | 400 | 400 | — |
| | 2,960 | 2,710 | 2,460 | 1,800 | | 2,960 | 2,710 | 2,460 | 1,800 |

प्रश्न 4. अजय और बल्देव एक फर्म में बराबर के साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को उनका चिट्ठा निम्नलिखित है :

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| बैंक अधिविकर्ष | 5,000 | रोकड़ | 10,000 |
| देय विपत्र | 7,000 | देनदार | 20,000 |
| लेनदार | 8,000 | स्टॉक | 10,000 |
| पूँजी : | | उपस्कर | 10,000 |
| अजय | 20,000 | | |
| बल्देव | 10,000 | | |
| | 50,000 | | 50,000 |

उन्होंने चेतन को $\frac{1}{4}$ भाग के लिये नया साझेदार बनाया। वह ₹ 8,000 पूँजी के एवं ₹ 6,000 ख्याति के लिए नकद लाया। फर्नीचर का मूल्य ₹ 16,000 और स्टॉक का मूल्य ₹ 8,000 आँका गया। लेनदारों पर 10% कटौती हेतु संचय किया गया। पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल :

**Revaluation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| To Stock | 2,000 | By Furniture | 6,000 |
| To Profit : | | By Provision on Creditors | 800 |
| Ajay's Capital a/c | 2,400 | | |
| Baldev's Capital a/c | 2,400 | | |
| | 6,800 | | 6,800 |

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | Ajay | Baldev | Chetan | Particulars | Ajay | Baldev | Chetan |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Balance c/d | 25,400 | 15,400 | 8,000 | By Balance b/d | 20,000 | 10,000 | – |
| | | | | By Cash a/c | – | – | 8,000 |
| | | | | By Premium for Good-will a/c | 3,000 | 3,000 | – |
| | | | | By Revaluation a/c | 2,400 | 2,400 | – |
| | 25,400 | 15,400 | 8,000 | | 25,400 | 15,400 | 8,000 |

प्रश्न 5. गोपाल और लीला एक फर्म में समान साझेदार हैं और 4 : 1 में लाभ-हानि बाँटते हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को उनका चिट्ठा इस प्रकार था—

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| लेनदार | 12,000 | फर्नीचर | 10,500 |
| सामान्य संचय | 4,000 | मशीन | 2,000 |
| लाभ-हानि खाता | 2,000 | भवन | 8,000 |
| पूँजी : | | स्टॉक | 4,500 |
| गोपाल | 9,000 | देनदार | 3,000 |
| लीला | 1,500 | रोकड़ | 500 |
| | 28,500 | | 28,500 |

इस तिथि पर उन्होंने सोनू को निम्नलिखित शर्तों पर साझेदार बनाने का निश्चय किया—

(i) सोनू का व्यवसाय में 1/2 भाग होगा जिसके लिये वह ₹ 17,500 पूँजी के रूप में देगी।

(ii) फर्नीचर का मूल्य 2% घटा दिया जाए और स्टॉक का मूल्य 6% बढ़ा दिया जाए।

(iii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 2,000 किया गया है।

(iv) अन्त में साझेदारी के पूँजी खाते सोनू की पूँजी के अनुपात में समायोजित किये जाएँ। जिसकी पूँजी अधिक है उसे लौटाई जाए एवं जिसकी कम है उससे नकद मँगाई जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं पूँजी खाता बनाइए।

हल : **Revaluation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Furniture | | 210 | By Stock a/c | 270 |
| To Profit : | | | | |
| Gopal | 48 | | | |
| Leela | 12 | 60 | | |
| | | 270 | | 270 |

**Partners' Capital Account**

| Particulars | Gopal | Leela | Sonu | Particulars | Gopal | Leela | Sonu |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Bank a/c | 1,448 | – | – | By Balance b/d | 9,000 | 1,500 | – |
| To Gopal Cap. a/c | – | – | 1,600 | By Cash a/c | – | – | 17,500 |
| To Leela Cap. a/c | – | – | 400 | By Gen. Res. a/c | 3,200 | 800 | – |
| To Balance c/d | 14,000 | 3,500 | 15,500 | By P & L a/c | 1,600 | 400 | – |
| | | | | By Revaluation a/c (profit) | 48 | 12 | – |
| | | | | By Sonu Cap. a/c | 1,600 | 400 | – |
| | | | | By Bank a/c | – | 388 | – |
| | 15,448 | 3,500 | 17,500 | | 15,448 | 3,500 | 17,500 |

प्रश्न 6. नीचे दिया गया चिट्ठा अ और ब का है जो 31 मार्च, 2017 को साझेदारी व्यापार चला रहे हैं तथा 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं। (2020)

चिट्ठा

(31 मार्च, 2017 को)

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| देय विपत्र | | 10,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 10,000 |
| विविध लेनदार | | 58,000 | बैंकस्थ रोकड़ | 40,000 |
| अदत्त व्यय | | 2,000 | विविध देनदार | 60,000 |
| पूँजी | | | स्टॉक | 40,000 |
| अ : | 1,80,000 | | संयंत्र एवं मशीनरी | 1,00,000 |
| ब : | 1,50,000 | 3,30,000 | भवन | 1,50,000 |
| | | 4,00,000 | | 4,00,000 |

उक्त तिथि को स को निम्न शर्तों पर साझेदार बनाया :

(1) स फर्म में $\frac{1}{4}$ भाग के लिए ₹ 1,00,000 और ख्याति के लिए ₹ 60,000 लायेगा।

(2) संयंत्र का मूल्य ₹ 1,20,000 आँका गया और भवन के मूल्य में 10% की वृद्धि हुई।

(3) स्टॉक ₹ 4,000 से कम किया गया।

(4) देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान बनाया जायेगा।

(5) ₹ 1,000 के लेनदारों का अभिलेखन नहीं हुआ।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल :

**Revaluation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| To Stock a/c | 4,000 | By Plant & Machinery a/c | 20,000 |
| To Provision for Doubtful Debts a/c | 3,000 | By Building a/c | 15,000 |
| To Creditors | 1,000 | | |
| To Profit Transferred to old Partners' capital a/c : | | | |
| A | 18,000 | | |
| B | 9,000 | | |
| | 35,000 | | 35,000 |

**Partners' Capital Account**

| Date | Particulars | A | B | C | Date | Particulars | A | B | C |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | ₹ | ₹ | ₹ | 2017 | | ₹ | ₹ | ₹ |
| Mar. 31 | By Bal. c/d | 2,38,000 | 1,79,000 | 1,00,000 | Mar. 31 | By Bal. b/d | 1,80,000 | 1,50,000 | – |
| | | | | | | By Bank a/c | – | – | 1,00,000 |
| | | | | | | By Securities Premium | 40,000 | 20,000 | – |
| | | | | | | By Revaluation a/c | 18,000 | 9,000 | – |
| | | 2,38,000 | 1,79,000 | 1,00,000 | | | 2,38,000 | 1,79,000 | 1,00,000 |

प्रश्न 7. राम व श्याम साझेदार हैं, जो क्रमश: $\frac{3}{5}$ व $\frac{2}{5}$ के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। उनका स्थिति-विवरण अग्रलिखित है—

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| लेनदार | | 400 | रोकड़ | | 650 |
| पूँजी : | | | देनदार | 1,000 | |
| राम | 2,000 | | *घटाया* : संचय | −400 | 600 |
| श्याम | 1,000 | 3,000 | स्टॉक | | 1,500 |
| | | | यंत्र | | 650 |
| | | 3,400 | | | 3,400 |

उन्होंने मोहन को, इस शर्त पर कि वह फर्म में ₹ 1,000 ख्याति के तथा नये फर्म की पूँजी का $\frac{1}{3}$ भाग प्राप्त करने के लिये यथेष्ट पूँजी देगा, फर्म में प्रवेश देने का निश्चय किया। यह भी निश्चित किया कि—

(1) डूबत ऋण के लिये संचय ₹ 100 तक घटा दिये जायें,

(2) स्टॉक ₹ 2,000 पर पुन: मूल्यांकित किया जाए, एवं

(3) यन्त्र का मूल्य ₹ 500 तक कर दिया जाए।

उपर्युक्त विवरण से आवश्यक खाते बनाइए।

हल :

**Revaluation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Machinery a/c | | 150 | By P. B. D. | 300 |
| To Partners' Capital a/c | | | By Stock a/c | 500 |
| Ram | 390 | | | |
| Shyam | 260 | 650 | | |
| | | 800 | | 800 |

**Partners' Capital Account**

| Particulars | Ram | Shyam | Mohan | Particulars | Ram | Shyam | Mohan |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Bal. c/d | 2,990 | 1,660 | 2,325 | By Bal. b/d | 2,000 | 1,000 | – |
| | | | | By Revaluation a/c | 390 | 260 | – |
| | | | | By Premium for Goodwill a/c | 600 | 400 | – |
| | | | | By Cash a/c | – | – | 2,325 |
| | 2,990 | 1,660 | 2,325 | | 2,990 | 1,660 | 2,325 |

मोहन की पूँजी की गणना—

राम व श्याम की कुल पूँजी (2,990 + 1,660) = ₹ 4,650 है जो कि नई फर्म की कुल पूँजी का 2/3 भाग है।

$\because$ $\frac{2}{3}$ भाग की पूँजी = ₹ 4,650

$\therefore$ 1 भाग की पूँजी = $\frac{4,650}{2/3}$ या $4,650 \times \frac{3}{2}$

$\therefore$ $\frac{1}{3}$ भाग की पूँजी = $4,650 \times \frac{3}{2} \times \frac{1}{3}$ = ₹ 2,325

नया अनुपात

फर्म की पूँजी 1 में से मोहन 1/3 प्राप्त करेगा।

अत: $1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$ शेष भाग पुराने साझेदार अपने पुराने अनुपात में बाँट लेंगे।

$\frac{2}{3}$ का $\frac{3}{5} = \frac{6}{15}$ राम लेगा

$\frac{2}{3}$ का $\frac{2}{5} = \frac{4}{15}$ श्याम लेगा

| अत: नया अनुपात | राम | श्याम | मोहन |
|---|---|---|---|
| | $\frac{6}{15}$ | $\frac{4}{15}$ | $\frac{1}{3} \times 5 = \frac{5}{15}$ |

या 6 : 4 : 5

**प्रश्न 8. मुखर्जी एवं चटर्जी साझेदारी का व्यापार करते हैं। वे लाभ-हानि विभाजन क्रमश: 2/5 : 3/5 के अनुपात में करते हैं। 1 अप्रैल, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था—**

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| लेनदार | 2,487 | रोकड़ शेष | 142 |
| पूँजी खाते : | | बैंक का शेष | 2,385 |
| मुखर्जी | 6,810 | देनदार | 1,100 |
| चटर्जी | 6,810 | स्कन्ध | 3,600 |
| | | फर्नीचर | 880 |
| | | भवन | 8,000 |
| | 16,107 | | 16,107 |

उसी तिथि को वे बनर्जी को साझेदारी में 1/3 हिस्सा देकर निम्नलिखित शर्तों पर साझेदार बनाते हैं—

(i) स्टॉक और फर्नीचर के मूल्य में $12\frac{1}{2}$% ह्रास लगाना है।

(ii) भवन का मूल्य ₹ 1,500 से बढ़ाना है।

(iii) देनदारों पर 5% अशोध्य ऋण संचिति बनाना है।

(iv) बनर्जी को ₹ 6,000 पूँजी के लिए तथा ₹ 4,000 ख्याति के लिए लाने हैं।

उपर्युक्त विवरण से आवश्यक खाते बनाइए।

हल :

**Revaluation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Stock a/c | | 450 | By Building a/c | 1,500 |
| To Furniture a/c | | 110 | | |
| To Bad Debt Reserve | | 55 | | |
| To Partners' Capital a/c : | | | | |
| Mukherjee | 354 | | | |
| Chatterjee | 531 | 885 | | |
| | | 1,500 | | 1,500 |

**Partners' Capital A/c**

| Particulars | Mukh. | Chatt. | Ban. | Particulars | Mukh. | Chatt. | Ban. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Balance c/d | 8,764 | 9,741 | 6,000 | By Balance b/d | 6,810 | 6,810 | |
| | | | | By Revaluation a/c | 354 | 531 | |
| | | | | By Cash a/c | – | – | 6,000 |
| | | | | By Prem. for Goodwill | 1,600 | 2,400 | |
| | 8,764 | 9,741 | 6,000 | | 8,764 | 9,741 | 6,000 |

**Balance Sheet**

| Liabilities | Amount | Assets | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| Creditors | 2,487 | Cash in Hand | 142 |
| Capital a/c : | | Cash at Bank | 8,385 |
| Mukherjee | 8,764 | Goodwill | 4,000 |
| Chatterjee | 9,741 | Debtors | 1,045 |
| Banerjee | 6,000 | Stock | 3,150 |
| | | Furniture | 770 |
| | | Building | 9,500 |
| | 26,992 | | 26,992 |

प्रश्न 9. B, R तथा K साझेदार हैं जो 3 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि का विभाजन करते हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को निम्नांकित चिट्ठा था—

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| | 58,500 | रोकड़ | 1,000 |
| लेनदार | | बैंक | 15,000 |
| पूँजी : | | | |
| B | 84,000 | भवन | 1,02,500 |
| R | 68,000 | स्टॉक | 1,15,000 |
| K | 48,000 | देनदार | 25,000 |
| | 2,58,500 | | 2,58,500 |

1 जनवरी, 2018 से उन्होंने P को साझेदार बनाया। P ₹ 60,000 ख्याति के जो व्यापार में रहती है और ₹ 60,000 अपने हिस्से की पूँजी देता है। भविष्य में साझेदार अपनी समायोजित पूँजी के आधार पर लाभ-विभाजन करते हैं। साझेदारों के पूँजी खाते तथा प्रारम्भिक चिट्ठा बनाइए। साझेदारों के मध्य नया लाभ-विभाजन अनुपात बताइए।

हल : **Partners' Capital Accounts**

| Particulars | B | R | K | P | Particulars | B | R | K | P |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Balance | | | | | By Bal. b/d | 84,000 | 68,000 | 48,000 | – |
| c/d | 1,20,000 | 80,000 | 60,000 | 60,000 | By Cash a/c | – | – | – | 60,000 |
| | | | | | By Premium for Good-will a/c | 36,000 | 12,000 | 12,000 | – |
| | 1,20,000 | 80,000 | 60,000 | 60,000 | | 1,20,000 | 80,000 | 60,000 | 60,000 |

**Balance Sheet**
**(As on 1st Jan., 2018)**

| Liabilities | Amount | Assets | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| Sundry Creditors | 58,500 | Cash (1,000 + 1,20,000) | 1,21,000 |
| Capital a/cs : | | Cash at Bank | 15,000 |
| B | 1,20,000 | Building | 1,02,500 |
| R | 80,000 | Stock | 1,15,000 |
| K | 60,000 | Sundry Debtors | 25,000 |
| P | 60,000 | | |
| | 3,78,500 | | 3,78,500 |

नया लाभ विभाजन अनुपात (पूँजी के अनुपात में)

| पूँजी क्रमशः | 1,20,000 | | 80,000 | | 60,000 | | 60,000 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नया अनुपात | 12 | : | 8 | : | 6 | : | 6 |
| या | 6 | : | 4 | : | 3 | : | 3 |

# अध्याय 5

# साझेदार का अवकाश ग्रहण/मृत्यु

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. साझेदार के अवकाश ग्रहण की दशा में ख्याति का बँटवारा किस अनुपात में होता है ?
   (अ) पुराना लाभ-हानि अनुपात, (ब) त्याग अनुपात,
   (स) लाभ अनुपात, (द) इनमें से कोई नहीं।
2. मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान न करने पर कितने प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देना पड़ता है ?
   (अ) 10%, (ब) 5%,
   (स) 6%, (द) 7%.
3. अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का भुगतान शीघ्र न होने पर उसको अन्तरित कर दिया जाता है—
   (अ) डूबत ऋण खाते में, (ब) चालू पूँजी खाते में,
   (स) ऋण खाते में, (द) इनमें से कोई नहीं।
4. किसी साझेदार की मृत्यु पर एकत्रित लाभ-हानि को साझेदार के पूँजी खाते में किस अनुपात में अन्तरित किया जाता है ?
   (अ) नये लाभ-हानि अनुपात, (ब) पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में,
   (स) पूँजी अनुपात, (द) इनमें से कोई नहीं।
5. किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति पर उसके पूँजी खाते को जमा किया जाएगा— (2020)

(अ) उसके भाग की ख्याति के साथ,

(ब) फर्म की ख्याति के साथ,

(स) शेष साझेदारों के भाग की ख्याति के साथ,

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर–1. (अ), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)।

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. नफे के अनुपात से पुराने साझेदारों के अनुपात में ..... होती है।
2. प्राप्ति का अनुपात = नया अनुपात – ..... अनुपात।
3. जीवन बीमा संचय कोष को हस्तान्तरित करेंगे ..... के पूँजी खाते में।
4. अवकाश ग्रहण करने के समय पुनर्मूल्यांकन लाभ को साझेदारों के पूँजी खातों में ..... अनुपात में अन्तरित किया जाता है।

उत्तर–1. वृद्धि, 2. पुराना, 3. साझेदारों, 4. लाभ-हानि।

## ☞ सत्य/असत्य

1. ख्याति की राशि पर निवृत्त साझेदार का कोई अधिकार नहीं होता है।
2. नया अनुपात – पुराना अनुपात = लाभ प्राप्ति अनुपात।
3. A, B और C क्रमशः 3 : 2 : 1 के साझेदार हैं। B निवृत्त होता है। A तथा C का नया अनुपात 3 : 2 होगा।
4. अवकाश ग्रहण करने की दशा में पुनर्मूल्यांकन लाभ शेष साझेदारों में बाँटा जाता है।
5. सेवानिवृत्त/मृत साझेदार को राशि का भुगतान एकमुश्त या किस्तों पर ब्याज सहित किया जाता है। (2020)

उत्तर–1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. साझेदार की मृत्यु पर उसके हिस्से का भुगतान (2022) | (अ) जब नकद भुगतान न हो |
| 2. साझेदार का ऋण खाता खोलना | (ब) कानूनी उत्तराधिकारी |
| 3. साझेदारी से अलग होने की लिखित सूचना | (स) मृत साझेदार का उत्तराधिकारी |
| 4. संचिति की राशि का भाग | (द) स्वेच्छारूपी साझेदारी |
| 5. फर्म से अवकाश लेना | (य) निवर्तमान |

उत्तर–1. → (ब), 2. → (अ), 3. → (द), 4. → (स), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. साझेदार को वार्षिकी द्वारा भुगतान करने पर कौन-सा खाता खोला जाता है ?

2. साझेदार की मृत्यु पर भुगतान किसको किया जाता है ?
3. मृत साझेदार की देय रकम का भुगतान किसे किया जाता है ?
4. अविका, माही एवं खुशी लाभ का भाग 5 : 3 : 2 में बाँटते हुए साझेदार हैं। माही फर्म से सेवानिवृत्त होती है। नया लाभ वितरण अनुपात क्या होगा ? (2020)
5. साझेदार फर्म से कब निवृत्त होता है ?

**उत्तर—1.** वार्षिकी उचन्त खाता, **2.** उत्तराधिकारी को, **3.** कानूनी उत्तराधिकारी को, **4.** 5 : 2, **5.** वृद्धावस्था या अस्वस्थता के कारण।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. फर्म से साझेदार की निवृत्ति का क्या आशय है ?**

**उत्तर**—फर्म से जब कोई एक या एक से अधिक साझेदार किसी विशेष परिस्थितिवश या कारणवश फर्म से सम्बन्ध-विच्छेद करने का निश्चय करता है, तो ऐसी स्थिति को साझेदार का फर्म से निवृत्ति या अवकाश कहते हैं।

**प्रश्न 2. साझेदार के अवकाश ग्रहण पर प्राप्ति अनुपात की गणना क्यों की जाती है ?**

**उत्तर**—फर्म से जब कोई साझेदार निवृत्त होता है, तो उस निवृत्त साझेदार के लाभ का हिस्सा शेष साझेदारों में बाँटा जाता है। जिस अनुपात में शेष साझेदार निवृत्त होने वाले साझेदार के हिस्से से लाभ प्राप्त करते हैं, उसे प्राप्ति अनुपात कहते हैं।

**प्रश्न 3. निवृत्त साझेदार को वार्षिकी द्वारा भुगतान विधि क्या है ?**

**उत्तर**—निवृत्त साझेदार को उसके अवकाश ग्रहण करने पर देय राशि को एक वार्षिक उचन्त खाते में हस्तान्तरित कर देते हैं जिसमें से एक पूर्व निश्चित रकम प्रत्येक वर्ष ब्याज सहित देने की व्यवस्था होती है।

**प्रश्न 4. साझेदार की मृत्यु पर देय रकम की गणना कैसे करते हैं ?**

**उत्तर**—साझेदार की मृत्यु पर देय रकम की गणना हेतु अन्तिम खाते तैयार कर उसकी पूँजी के अतिरिक्त पूँजी पर ब्याज, चालू खाते का शेष, ख्याति का भाग, पुनर्मूल्यांकन का लाभ या हानि, संयुक्त जीवन बीमा का भाग, मृत्यु की तिथि तक लाभ/हानि, आहरण एवं आहरण पर ब्याज, फर्म से लिया गया ऋण व उस पर ब्याज को समायोजित कर देय राशि की गणना की जाती है।

**प्रश्न 5. साझेदार की मृत्यु पर देय रकम का भुगतान किसको किया जाता है ?**

**उत्तर**—साझेदार की मृत्यु पर देय राशि का भुगतान उसके कानूनी उत्तराधिकारी को किया जाता है।

**प्रश्न 6. साझेदार के निष्कासन से क्या समझते हैं ?** (2022)

**उत्तर**—एक साझेदारी फर्म साझेदार को निष्कासित कर सकती है वशर्ते कि निष्कासन की शक्ति साझेदारों के मध्य अनुबन्ध में विद्यमान हो, अधिकांश भागीदार शक्ति का प्रयोग कर सकते हैं व शक्ति का उपयोग अच्छे विश्वास में किया जाता है। यदि इन शर्तों को पूरा

नहीं किया जाता है, तो निष्कासन व्यवसाय के हित में वास्तविक नहीं है। निष्कासन में निम्न पहलू महत्वपूर्ण है।

(i) निष्कासन साझेदारी के हित में होना।

(ii) साझेदार के निष्कासन से पूर्व उसे सूचना देना।

(iii) निष्कासित हो रहे साझेदार को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अधिकार।

उपर्युक्त के अभाव में निष्कासन व्यर्थ होगा।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. निवृत्त भागी को देय राशि के भुगतान की किन्हीं दो विधियों को पंजी प्रविष्टियों सहित समझाइए।**

*अथवा*

**निवृत्तमान साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार की जाती है ? (2020)**

*अथवा*

**सेवानिवृत साझेदारों को भुगतान करने की विभिन्न विधियों को समझाइए।**

**उत्तर**—निवृत्त होने वाले साझेदार को दी जाने वाली राशि का भुगतान करने की अनेक विधियाँ प्रचलित हैं, परन्तु उनमें से प्रमुख विधियाँ निम्नलिखित हैं—

(1) रोकड़ में भुगतान, (2) किस्तों में भुगतान, (3) वार्षिकी द्वारा भुगतान।

**(1) कुल राशि को रोकड़ में देना**—निवृत्त साझेदार को उसके अवकाश ग्रहण करने पर देय राशि रोकड़ की उपलब्धता होने पर नकद भुगतान कर दी जाती है। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती है—

| | | |
|---|---|---|
| Retiring Partner's Capital a/c | Dr. | |
| To Cash a/c | | |
| (Being amount paid) | | |

**(2) किस्तों में भुगतान करना**—अवकाश ग्रहण करने पर साझेदार को रोकड़ के अभाव में एकमुश्त भुगतान करना सम्भव नहीं होता है, तो ऐसी परिस्थिति में उसको देय राशि ऋण खाते में अन्तरित कर दी जाती है जिसका भुगतान निश्चित किस्तों में ब्याज सहित कर दिया जाता है।

इस सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | Retiring Partner's Capital a/c | Dr. | |
| | To Retiring Partner's Loan a/c | | |
| | (Being amount transferred to loan a/c) | | |
| (ii) | Interest a/c | Dr. | |
| | To Retiring Partner's Loan a/c | | |
| | (Being interest due) | | |
| (iii) | Retiring Partner's Loan a/c | Dr. | |
| | To Bank a/c | | |
| | (Being amount paid) | | |

**प्रश्न 2. साझेदार के अवकाश ग्रहण करने के क्या कारण हो सकते हैं ?**

*अथवा*

**किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है ?** (2022)

उत्तर—एक साझेदार फर्म से निम्नलिखित कारणों से अवकाश ग्रहण कर सकता है—

(1) वृद्धावस्था के कारण,

(2) अस्वस्थता के कारण,

(3) साझेदारों में मतभेद के कारण,

(4) फर्म के अन्य साझेदारों द्वारा कानून सम्मत कार्य न करने पर,

(5) व्यवसाय को हानि होने पर,

(6) साझेदार द्वारा स्थायी रूप से शहर से जाने पर आदि।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. फर्म से अवकाश लेने वाले साझेदार को देय राशि की गणना आप किस प्रकार करेंगे ?**

*अथवा*

**निवृतमान साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार की जाती है ?** (2020)

*अथवा*

**साझेदार की मृत्यु पर उसके वैधानिक प्रतिनिधि को देय राशि की गणना आप किस प्रकार करेंगे ? समझाइए।**

*अथवा*

**आप मृत साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार करेंगे?**

उत्तर—पृथक् होने वाले साझेदार को अथवा मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना निम्न प्रकार की जाती है और फिर निवृत्तमान साझेदार अथवा मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को उसकी बकाया कुल राशि का भुगतान करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाता है—

(1) साझेदार के पूँजी खाते की उस वर्ष की प्रारम्भिक बाकी।

(2) पूँजी पर यदि ब्याज का प्रावधान है तो अवकाश या मृत्यु दिनांक तक ब्याज।

(3) अवकाश या मृत्यु दिनांक तक का लाभ तथा संचय में से हिस्सा।

(4) वेतन, कमीशन अथवा अन्य किसी पारिश्रमिक का प्रावधान हो, तो मृत्यु या अवकाश ग्रहण तक के दिनांक तक की राशि।

(5) ख्याति का मूल्यांकन करके उसमें से उसके भाग की ख्याति।

(6) यदि फर्म ने साझेदारों का संयुक्त बीमा कराया है, तो निवृत्तमान साझेदार अथवा मृतक साझेदार के हिस्से की राशि।

(7) सम्पत्तियों या दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर प्राप्त लाभ अथवा हानि में से उसका भाग उसके पूँजी खाते में स्थानान्तरित किया जाये।

(8) यदि साझेदार ने कोई राशि अथवा माल का आहरण किया हो, तो उसे कुल देय राशि में से घटा दें।

प्रश्न 2. त्याग अनुपात एवं लाभ-प्राप्ति अनुपात में कोई पाँच अन्तर बताइए।

*अथवा*

त्याग अनुपात तथा अधिलाभ अनुपात में अंतर स्पष्ट कीजिए।

*अथवा*

त्याग के अनुपात एवं नफा के अनुपात में अन्तर लिखिए। (2019)

उत्तर—त्याग अनुपात एवं लाभ-प्राप्ति अनुपात में अन्तर निम्न प्रकार हैं—

| अन्तर का आधार | त्याग अनुपात | लाभ-प्राप्ति (नफा) अनुपात |
|---|---|---|
| 1. साझेदारों से सम्बन्ध | त्याग अनुपात का सम्बन्ध पुराने साझेदारों से होता है जो अपना हित नये साझेदार के प्रति त्याग करते हैं। | लाभ-प्राप्ति अनुपात में फर्म से अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का भाग विद्यमान साझेदारों के मध्य बाँटा जाता है। |
| 2. प्रयोग | त्याग अनुपात का प्रयोग नये साझेदार द्वारा लायी गयी ख्याति को पुराने साझेदारों के मध्य बाँटने के लिए किया जाता है। | लाभ-प्राप्ति अनुपात के आधार पर अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के हिस्से की ख्याति को विद्यमान साझेदारों में डेबिट करते हैं। |
| 3. आवश्यकता | त्याग अनुपात की गणना फर्म में नये साझेदार के प्रवेश पर की जाती है। | लाभ-प्राप्ति अनुपात की गणना साझेदार के अवकाश ग्रहण पर की जाती है। |
| 4. सूत्र | त्याग अनुपात = पुराना लाभ-हानि अनुपात – नया लाभ-हानि अनुपात | नया लाभ-हानि अनुपात – पुराना लाभ-हानि अनुपात = प्राप्ति अनुपात |
| 5. हित | त्याग अनुपात में पुराने साझेदार अपने हित का त्याग नये साझेदार के लाभ के लिये करते हैं। | इस अनुपात के द्वारा शेष साझेदार निवृत्त होने वाले साझेदार के हिस्से से लाभ प्राप्त करते हैं। |

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. साझेदार रजत 31 मार्च, 2014 को फर्म से निवृत्त हो गया। उस दिन उसके पूँजी खाते का शेष ₹ 20,000 था। यह व्यवस्था की गयी कि इसका भुगतान ₹ 5,000 की वार्षिक किस्तों में किया जायेगा। अदत्त राशि पर 5% ब्याज लगाया जाए। पहली किस्त 31 मार्च, 2015 को दी गई थी और आगामी भुगतान प्रति वर्ष 31 मार्च को किये गये। फर्म की पुस्तकों में रजत का ऋण खाता दर्शाइए।

हल : **Rajat's Loan Account**

| Date | Particulars | Amt. | Date | Particulars | Amt. |
|---|---|---|---|---|---|
| 2015 | | ₹ | 2014 | | ₹ |
| 31 Mar. | By Bank a/c (5,000 + 1,000) | 6,000 | 1 April | By Rajat Capital a/c | 20,000 |
| | | | 2015 | | |
| 31 Mar. | By Balance c/d | 15,000 | 31 Mar. | By Interest a/c | 1,000 |
| | | 21,000 | | | 21,000 |
| 2016 | | | 2015 | | |
| 31 Mar. | By Bank a/c (5,000 + 750) | 5,750 | 1 April | By Balance b/d | 15,000 |
| 31 Mar. | By Balance c/d | 10,000 | 2016 31 Mar. | By Interest a/c | 750 |
| | | 15,750 | | | 15,750 |
| 2017 | | | 2016 | | |
| 31 Mar. | By Bank a/c (5,000 + 500) | 5,500 | 1 April | By Balance b/d | 10,000 |
| 31 Mar. | By Balance c/d | 5,000 | 2017 | | |
| | | | 31 Mar. | By Interest a/c | 500 |
| | | 10,500 | | | 10,500 |
| 2018 | | | 2017 | | |
| 31 Mar. | By Bank a/c (5,000 + 250) | 5,250 | 1 April | By Balance b/d | 5,000 |
| | | | 2018 | | |
| | | | 31 Mar. | By Interest a/c | 250 |
| | | 5,250 | | | 5,250 |

प्रश्न 2. श्योपुर की फर्म अग्रवाल एण्लायन्सेज के तीन साझेदार गर्ग, प्रधान एवं जैन हैं। वे 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। प्रधान ने 31 दिसम्बर, 2017 को अवकाश ग्रहण किया। इस दिन साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमश: ₹ 6,000, ₹ 5,000 और ₹ 4,000 थे। उसके भाग की ख्याति का मूल्य ₹ 4,500 आँका गया। पुनर्मूल्यांकन के आधार पर मशीन ₹ 1,200 तथा स्कन्ध ₹ 800 से कम कर दिया गया। संदिग्ध ऋणों के लिए ₹ 280 संचित किये गये। लेनदारों की राशि ₹ 600 कम कर दी गई और पेटेन्ट जिसका पुस्तकीय मूल्य ₹ 300 था, निर्मूल्य हो गया।

लाभ-हानि समायोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल : **Profit & Loss Adjustment Account**

| Particulars | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| To Machine a/c | 1,200 | By Creditors | | 600 |
| To Stock a/c | 800 | By Partners' Capital a/c : | | |
| To Prov. for Doubtful Debts a/c | 280 | Garg | 990 | |
| To Patents | 300 | Pradhan | 660 | |
| | | Jain | 330 | 1,980 |
| | 2,580 | | | 2,580 |

**Partners' Capital Account**

| Particulars | Garg | Pra-dhan | Jain | Particulars | Garg | Pra-dhan | Jain |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Profit & Loss Adj. a/c | 990 | 660 | 330 | By Balance b/d | 6,000 | 5,000 | 4,000 |
| To Pradhan Cap. a/c | 3,375 | – | 1,125 | By Garg Cap. a/c | – | 3,375 | – |
| To Cash a/c | – | 8,840 | – | By Jain Cap. a/c | – | 1,125 | – |
| To Balance b/d | 1,635 | – | 2,545 | | | | |
| | 6,000 | 9,500 | 4,000 | | 6,000 | 9,500 | 4,000 |

प्रश्न 3. संजय, मनोज व शेखर एक फर्म में साझेदार हैं। वे अपना लाभ-हानि 1 : 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था—

चिट्ठा

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| पूँजी : | | | भवन | 60,000 |
| संजय | 24,000 | | फर्नीचर | 16,000 |
| मनोज | 20,000 | | देनदार | 20,000 |
| शेखर | 16,000 | 60,000 | रोकड़ | 4,000 |
| सामान्य संचय | | 18,000 | | |
| लेनदार | | 22,000 | | |
| | | 1,00,000 | | 1,00,000 |

शेखर ने 1 जनवरी, 2018 को अवकाश ग्रहण किया। फर्म की ख्याति ₹ 30,000 आँकी गई है। शेखर को दी जाने वाली राशि उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कीजिए। उक्त विवरण से साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल : Partners' Capital Accounts

| Particulars | Sanjay | Manoj | She-khar | Particulars | Sanjay | Manoj | She-khar |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Shekhar's Capital a/c | 5,000 | 10,000 | – | By Balance b/d | 24,000 | 20,000 | 16,000 |
| To Shekhar's Loan a/c | – | – | 40,000 | By General Reserve | 3,000 | 6,000 | 9,000 |
| To Balance c/d | 22,000 | 16,000 | – | By Sanjay's Capital a/c | – | – | 5,000 |
| | | | | By Manoj's Capital a/c | – | – | 10,000 |
| | 27,000 | 26,000 | 40,000 | | 27,000 | 26,000 | 40,000 |

Share of Shekhar in Goodwill = $30,000 \times \frac{3}{6}$ = ₹ 15,000

प्रश्न 4. मनोज, सुरेश और सोनू जो समान साझेदार हैं, का 31 दिसम्बर, 2016 को चिट्ठा निम्नलिखित था—

| देयताएँ | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| ऋणदाता | 2,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 300 |
| सामान्य संचिति | 3,300 | बैंक | 5,000 |
| पूँजी : | | ऋणी | 6,000 |
| मनोज | 10,000 | स्कन्ध | 4,000 |
| सुरेश | 5,000 | भवन | 10,000 |
| सोनू | 5,000 | | |
| | 25,300 | | 25,300 |

31 मार्च, 2017 को सुरेश की मृत्यु हो गयी। समझौते के अनुसार मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को निम्नलिखित अधिकार थे—

(अ) मृत साझेदार की पूँजी।

(ब) मृत साझेदार के अंश की ख्याति जो पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के दुगुने पर आधारित थी।

(स) पिछले अन्तिम खाते से मृत्यु-तिथि तक का लाभांश जिसकी गणना पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर करनी थी।

(द) पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमश: ₹ 5,000, ₹ 7,000 और ₹ 6,000 थे।

सुरेश का खाता बनाइए।

हल :

**Account of Suresh**

| Particulars | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| | | By Balance b/d | 5,000 |
| To Amount Due to Suresh's heir | 10,600 | By Manoj's Capital a/c | 2,000 |
| | | By Sonu's Capital a/c | 2,000 |
| | | By General Reserve a/c | 1,100 |
| | | By Profit | 500 |
| | 10,600 | | 10,600 |

नोट : (A) ख्याति की गणना :

गत वर्षों का लाभ 5,000 + 7,000 + 6,000 = 18,000 ÷ 3 = ₹ 6,000

= 6,000 × 2

= ₹ 12,000

सुरेश का हिस्सा 12,000 ÷ 3 = ₹ 4,000

(B) लाभ की गणना :

गत वर्ष का लाभ ₹ 6,000; सुरेश का हिस्सा ₹ 2,000 (पूरे वर्ष के लिए) तीन माह के लिए $2,000 \times \frac{3}{12}$ = ₹ 500।

प्रश्न 5. 'अ', 'ब' और 'स' 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। 31 दिसम्बर, 2016 को उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 4,800; ₹ 2,500 और ₹ 1,500 है।

28 फरवरी, 2017 को 'अ' की मृत्यु हो गयी। उसका पूँजी खाता इन समायोजनों को ध्यान में रखते हुए तैयार कीजिए—

(i) फर्म के साझेदारों का ₹ 5,400 का संयुक्त बीमा है।

(ii) पूँजी पर 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देय है।

(iii) 'अ' की मृत्यु तिथि तक उसका आहरण ₹ 600 है।

(iv) ख्याति का मूल्य पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के दुगने के बराबर होगा। पिछले 3 वर्षों का लाभ क्रमश: ₹ 4,600; ₹ 3,700 और ₹ 4,300 था।

(v) चालू वर्ष के लिए 'अ' के लाभ का भाग पिछले तीन वर्षों के औसत के अनुसार निकाला जाय।

'अ' के प्रतिनिधि को दी जाने वाली राशि निकालिए।

हल : **A's Executor Capital Account**

| Particulars | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| To Drawings a/c | 600 | By Balance b/d | 4,800 |
| To Balance Due to A's Executor | 11,490 | By Interest on Capital a/c | 40 |
| | | By Joint Life Policy a/c | 2,700 |
| | | By B's Capital a/c | 2,800 |
| | | By C's Capital a/c | 1,400 |
| | | By Share of Profit | 350 |
| | 12,090 | | 12,090 |

नोट : ख्याति की गणना :

लाभ = 4,600 + 3,700 + 4,300 = 12,600 ÷ 3 = ₹ 4,200

औसत लाभ × 2 = ₹ 8,400 ख्याति

'अ' का हिस्सा = $\frac{8,400 \times 3}{6}$ = ₹ 4,200

लाभ की गणना :

$\frac{4,200 \times 1}{2} \times \frac{2}{12}$ = ₹ 350

❑

# अध्याय 6

# साझेदारी फर्म का समापन

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. वसूली खाता है–

(अ) व्यक्तिगत खाता, (ब) नाममात्र का खाता,

(स) लाभ-हानि खाता, (द) साझेदार का खाता।

2. साझेदारी फर्म के समापन पर अवितरित (संचित) लाभों व संचयों को हस्तान्तरित किया जाता है— (2019, 20)
(अ) रोकड़ खाते में/वसूली खाते में, (ब) बैंक खाते में,
(स) साझेदारों के पूँजी खाते में, (द) लाभ-हानि खाते में/ऋण खाते में।

3. फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष खाते को हस्तान्तरित किया जाता है—
(अ) रोकड़ खाते में, (ब) वसूली खाते में,
(स) पूँजी खाते में, (द) पुनर्मूल्यांकन खाते में।

4. फर्म के विघटन पर साझेदार के ऋण खाते को हस्तान्तरित किया जाता है—
(अ) वसूली खाते में, (ब) साझेदारों के पूँजी खाते में,
(स) साझेदारों के चालू खाते में, (द) इनमें से कोई नहीं।

5. साझेदार का दिवालिया होना किस प्रकार के समापन का अंग है ?
(अ) समझौते द्वारा समापन, (ब) अनिवार्य समापन,
(स) संयोग द्वारा समापन, (द) न्यायालय द्वारा समापन।

उत्तर—1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (अ).

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. वसूली खाता एक प्रकार का ..... खाता है।
2. फर्म के समापन पर ..... खोला जाता है।
3. फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष को ..... खाते में हस्तांतरित करते हैं। (2020)
4. फर्म के विघटन के पश्चात् साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं। (2019)
5. फर्म के समापन पर ..... का समापन हो जाता है।

उत्तर—1. नाममात्र का, 2. वसूली खाता, 3. वसूली, 4. व्यवसाय, 5. साझेदारी।

## ☞ सत्य/असत्य

1. फर्म के विघटन और साझेदारी के विघटन में कोई अन्तर नहीं है।
2. वसूली खाता फर्म के जीवन काल में कई बार बनाया जाता है।
3. फर्म के विघटन पर लेनदारों को किया गया भुगतान वसूली खाते में डेबिट किया जाता है।
4. फर्म के समापन पर चिट्ठा बनाया जाता है।
5. फर्म के विघटन की दशा में व्यापार बन्द हो जाता है।
6. फर्म के विघटन पर अलिखित सम्पत्ति से प्राप्त रकम वसूली खाते में दर्शायी जाती है। (2019)

उत्तर—1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य, 6. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | | 'ख' |
|---|---|---|
| 1. वसूली खाता | | (अ) वसूली खाता डेबिट |
| 2. वसूली खाते में सम्पत्तियाँ | (2020) | (ब) फर्म के समापन पर खोला जाता है |
| 3. विघटन के पश्चात् प्रथम भुगतान | (2022) | (स) तृतीय पक्ष की |
| 4. अलिखित दायित्व का भुगतान | | (द) पुस्तक मूल्य पर दर्शायी जाती हैं |
| 5. फर्म का बाह्य दायित्व | (2022) | (य) बैंक से ऋण |

उत्तर—1. → (ब), 2. → (द), 3. → (स), 4. → (अ), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. क्या साझेदारी के विघटन पर फर्म का विघटन आवश्यक है ? (2019)
2. सभी साझेदारों का दिवालिया होना किस प्रकार का समापन है ? (2020)
3. किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति होने पर फर्म का समापन किस प्रकार का समापन है ?
4. वसूली खातों में सम्पत्तियों को किस कीमत पर हस्तान्तरित किया जाता है ?
5. वसूली खाता कब खोला जाता है ?

उत्तर—1. नहीं, 2. अनिवार्य समापन, 3. संयोग द्वारा समापन, 4. पुस्तक मूल्य पर, 5. साझेदारी फर्म के समापन पर।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. साझेदारी फर्म के समापन से क्या आशय है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म के समापन से अभिप्राय साझेदारी व्यवसाय को पूर्ण रूप से बन्द कर साझेदारों के मध्य आपसी सम्बन्धों को समाप्त कर व्यवसाय के पूर्ण निपटारे से होता है।

**प्रश्न 2. साझेदारी का समापन किसे कहते हैं ?** (2022)

उत्तर—साझेदारी के समापन से आशय साझेदारों के मध्य आपसी सम्बन्धों में परिवर्तन से होता है, परन्तु व्यवसाय निरन्तर चलता रहता है।

**प्रश्न 3. वसूली खाते में हस्तान्तरित न किये जाने वाले कोई दो मद लिखिए।**

उत्तर—साझेदारी फर्म के समापन पर बनाये जाने वाले वसूली खाते में अवितरित लाभ व संचय खाते व साझेदारों के ऋण खातों को वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं करते हैं।

**प्रश्न 4. वसूली खाता कब बनाया जाता है ?**

उत्तर—वसूली खाता साझेदारी फर्म के समापन की दशा में बनाया जाता है। यह व्यवसाय के जीवनकाल में एक बार बनाया जाता है।

**प्रश्न 5. वसूली खाते की प्रकृति बताइए।**

उत्तर—वसूली खाता नाममात्र खाते की प्रकृति का होता है। इस कारण यह सम्पत्ति व दायित्वों से वसूली के लाभ-हानि को दर्शाता है।

**प्रश्न 6. वसूली खाते के लाभ-हानि को किस अनुपात में बाँटते हैं ?**

उत्तर—वसूली खाते के लाभ-हानि को साझेदारों के मध्य लाभ-हानि अनुपात में बाँटते हैं।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. वसूली खाता क्या है ?** (2020)

*अथवा*

**वसूली खाता किसे कहते हैं ?**

उत्तर—वसूली खाता साझेदारी फर्म के समापन पर बनाया जाता है जिसके अन्तर्गत सम्पत्ति एवं दायित्वों को हस्तान्तरित कर दिया जाता है। सम्पत्तियों को बेचकर दायित्वों का भुगतान इस खाते के माध्यम से किया जाता है एवं इस खाते के शेष को अर्थात् वसूली पर लाभ-हानि को साझेदारों के मध्य बाँट दिया जाता है।

**प्रश्न 2. वसूली खाता व पुनर्मूल्यांकन खाते में अन्तर बताइए।** (2019)

*अथवा*

**पुनर्मूल्यांकन खाता एवं वसूली खाते में अन्तर लिखिए। (कोई तीन)** (2022)

उत्तर— **वसूली खाता व पुनर्मूल्यांकन खाते में अन्तर**

| अन्तर का आधार | वसूली खाता | पुनर्मूल्यांकन खाता |
|---|---|---|
| 1. बनाने का समय | वसूली खाता फर्म के समापन या विघटन के समय बनाया जाता है। | यह खाता साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति या मृत्यु होने के समय बनाया जाता है। |
| 2. उद्देश्य | समापन के समय सम्पत्तियों के विक्रय एवं दायित्वों के भुगतान से होने वाले लाभ या हानि का पता लगाने के लिए बनाया जाता है। | यह साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति या मृत्यु की दशा में सम्पत्ति व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन करने हेतु बनाया जाता है ताकि उक्त अवसर पर किसी को कोई हानि न हो। |
| 3. लाभ-हानि का बँटवारा | वसूली खाते के लाभ-हानि को समस्त विद्यमान साझेदारों में बाँटा जाता है। | पुनर्मूल्यांकन खाते के लाभ-हानि को प्रवेश करने वाले साझेदार के अतिरिक्त अन्य साझेदारों में बाँटा जाता है। |
| 4. प्रभाव | इस खाते को बनाने पर शेष सभी खाते बन्द होकर व्यापार समाप्त हो जाता है। | इस खाते को बनाने के बाद फर्म का व्यवसाय चालू रहता है, बन्द नहीं होता। |

प्रश्न 3. फर्म का विघटन व साझेदारी का विघटन में अन्तर लिखिए। (2019)

*अथवा*

साझेदारी के विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में क्या अन्तर है ?

*अथवा*

साझेदारी का विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में अंतर लिखिए। (कोई तीन) (2020)

उत्तर– फर्म के समापन व साझेदारी के समापन में अन्तर

| अन्तर का आधार | साझेदारी का समापन | फर्म का समापन |
|---|---|---|
| 1. सम्बन्ध | इसमें एक या दो साझेदारों के फर्म से अलग होने पर साझेदारी का समापन होता है। | इसमें सभी साझेदारों का आपसी सम्बन्ध समाप्त हो जाता है। |
| 2. व्यापार की समाप्ति | इसमें व्यापार का समाप्त होना आवश्यक नहीं है। | इसमें पूरा व्यवसाय ही समाप्त हो जाता है। |
| 3. विघटन | साझेदारी के समापन के लिए फर्म का समापन आवश्यक नहीं है। | फर्म के समापन के साथ साझेदारी अनिवार्य रूप से समाप्त हो जाती है। |

**प्रश्न 4. साझेदारी समापन के कारण लिखिए।**

उत्तर—साझेदारी के समापन के मुख्य कारण निम्न हैं—

(1) साझेदारी का गठन किसी निश्चित अवधि के लिये किया गया हो और वह अवधि पूर्ण हो गई हो।

(2) साझेदारी का गठन किसी विशेष कार्य हेतु किया गया हो और वह कार्य पूर्ण हो गया हो।

(3) किसी साझेदार की मृत्यु पर।

(4) किसी साझेदार के दिवालिया घोषित होने पर।

**प्रश्न 5. फर्म के अनिवार्य समापन की दशाएँ बताइए।**

*अथवा*

**अनिवार्य विघटन को समझाइए।** (2020)

उत्तर—फर्म का अनिवार्य समापन निम्नलिखित परिस्थितियों में किया जाता है—

(1) फर्म के सभी साझेदार अथवा एक को छोड़कर अन्य सभी दिवालिया घोषित हो जाएँ।

(2) फर्म का व्यवसाय किसी घटना के घटित होने पर अवैधानिक घोषित हो जाने से फर्म का समापन हो जाता है।

(3) किसी घटना के घटित होने पर साझेदारी अवैधानिक घोषित हो जाये।

**प्रश्न 6. फर्म का संयोग द्वारा समापन कब होता है ?**

उत्तर—फर्म का संयोग द्वारा समापन अग्र परिस्थितियों में हो सकता है—

(1) यदि फर्म का गठन किसी निश्चित अवधि के लिए किया गया हो तथा वह अवधि समाप्त हो जाये तो फर्म का समापन स्वयं ही हो जायेगा।
(2) किसी साझेदार की मृत्यु हो जाए।
(3) कोई साझेदार दिवालिया हो जाए।
(4) फर्म का गठन किसी निश्चित कार्य के लिए किया गया हो और वह कार्य पूर्ण हो जाये तो फर्म का समापन स्वयं हो जायेगा।

**प्रश्न 7. किन परिस्थितियों में न्यायालय द्वारा फर्म का समापन हो जाता है ?**

*अथवा*

**कोई तीन दशाओं को लिखिए जिनके अन्तर्गत न्यायालय फर्म के विघटन का आदेश दे सकता है।**

उत्तर—किसी भी साझेदार द्वारा वाद प्रस्तुत करने की दशा में न्यायालय निम्नलिखित परिस्थितियों में फर्म को भंग करने का आदेश दे सकता है—
(1) यदि कोई साझेदार पागल हो जाए।
(2) यदि कोई साझेदार स्थायी रूप से अयोग्य हो जाए।
(3) यदि कोई साझेदार दुराचारी घोषित हो जाए।
(4) किसी साझेदार द्वारा समझौते के विपरीत कार्य किया जाए।
(5) व्यवसाय में स्थायी हानि निरन्तर हो रही हो।
(6) साझेदारों के हितों का हस्तान्तरण करना हो या अन्य कोई न्यायोचित कारण हो।

**प्रश्न 8. फर्म के समापन पर कौन-कौन से खाते खोले जाते हैं ? वसूली खाते को समझाइए।**

*अथवा*

**वसूली विघटन पर खातों के भुगतान का क्रम लिखें।**

*अथवा*

**फर्म के समापन पर कौन-कौन से खाते खोले जाते हैं ?** (2022)

उत्तर—फर्म के समापन पर वसूली खाता, साझेदारों का पूँजी खाता, साझेदारों का ऋण खाता, रोकड़ या बैंक खाता आदि खोला जाता है। *वसूली खाता से आशय हेतु प्रश्न संख्या। देखें।*

**प्रश्न 9. फर्म के समापन पर सम्पत्तियों को वसूली खाते में हस्तान्तरित करने के क्या नियम हैं ?**

उत्तर—फर्म के समापन पर सम्पत्तियों को वसूली खाते में हस्तान्तरित करने के नियम निम्न हैं—
(1) सम्पत्तियों को वसूली खाते के डेबिट पक्ष में हस्तान्तरित करते हैं।
(2) सम्पत्तियों को उसके पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते में हस्तान्तरित करते हैं।
(3) रोकड़ व बैंक शेष को वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं किया जाता है।
(4) कृत्रिम सम्पत्तियों को वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं किया जाता है।
(5) सम्पत्तियों पर किसी रूप के प्रावधान को अलग से वसूली खाते में क्रेडिट पक्ष में हस्तान्तरित करते हैं।

**प्रश्न 10. फर्म के समापन पर दायित्वों को वसूली खाते में हस्तान्तरित करने के क्या प्रावधान हैं ?**

उत्तर—फर्म के समापन पर दायित्वों को वसूली खाते में हस्तान्तरित करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित नियम हैं—

(1) समस्त बाहरी ऋणों एवं दायित्वों को उनके पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते के क्रेडिट पक्ष में हस्तान्तरित करते हैं।

(2) दायित्वों के सम्बन्ध में यदि कोई प्रावधान है, तो उन्हें वसूली खाते में पृथक् रूप से डेबिट पक्ष में हस्तान्तरित करते हैं।

(3) साझेदारों के पूँजी खाते, साझेदारों के ऋण खाते एवं संचित लाभों को वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं करते।

(4) दायित्वों को उनके पुस्तक मूल्य पर हस्तान्तरित करते हैं।

**प्रश्न 11. साझेदारी फर्म के समापन पर सम्पत्तियों का निस्तारण किस रूप में किया जा सकता है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म के समापन पर सम्पत्तियों का निस्तारण निम्न प्रकार किया जा सकता है—

(1) सम्पत्तियों का विक्रय कर धनराशि को लेनदारों के भुगतान में प्रयोग किया जा सकता है।

(2) फर्म की सम्पत्तियों को फर्म का कोई लेनदार अपने दायित्व के भुगतान हेतु सम्पत्ति को निश्चित मूल्य पर ले सकता है।

(3) फर्म का साझेदार सम्पत्ति को एक निश्चित मूल्य पर ले सकता है या वह अपने ऋणों के भुगतान के बदले ले सकता है।

**प्रश्न 12. साझेदारी फर्म के समापन पर दायित्वों का निबटारा किस प्रकार हो सकता है ?**

उत्तर—साझेदारी फर्म के समापन पर दायित्वों का निबटारा निम्न में से किसी एक प्रकार से किया जा सकता है—

(1) सम्पत्तियों के विक्रय पर प्राप्त राशि का प्रयोग लेनदारों के भुगतान के लिये प्रयोग कर सकते हैं।

(2) फर्म का कोई साझेदार फर्म के किसी ऋण या लेनदार का भुगतान करने का दायित्व तयशुदा मूल्य पर कर सकता है।

(3) फर्म के किसी लेनदार का भुगतान नकद न करके एक तयशुदा मूल्य पर पूर्ण या आंशिक रूप से भुगतान सम्पत्ति देकर किया जा सकता है।

**प्रश्न 13. साझेदारी के समापन पर साझेदारों के पूँजी खाते में किन व्यवहारों का लेखा किया जाता है ?**

उत्तर—साझेदारी के समापन पर साझेदारों के पूँजी खाते में निम्न व्यवहारों का लेखा किया जाता है—

(1) पूँजी खाते में वसूली खाते में प्रकट होने वाले लाभ को क्रेडिट पक्ष में तथा हानि को डेबिट पक्ष में हस्तान्तरित करते हैं।

(2) संचयों, कोषों एवं लाभ-हानि का क्रेडिट शेष को पूँजी खाते में क्रेडिट पक्ष में हस्तान्तरित किया जाता है।

(3) गत वर्षों की हानि एवं कृत्रिम सम्पत्तियों को साझेदारी के पूँजी खाते के डेबिट पक्ष में लिखते हैं।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. फर्म के समापन की प्रमुख विधियाँ समझाइए। किन्हीं पाँच का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**फर्म के विघटन की रीतियाँ लिखिए। (कोई तीन)** (2019)

*अथवा*

**उन छः परिस्थितियों के बारे में लिखिए जब न्यायालय द्वारा फर्म के विघटन का आदेश दिया जा सकता है।**

*अथवा*

**न्यायालय द्वारा फर्म विघटित करने का आदेश कब दिया जाता है ?**

[ संकेत– *लघु उत्तरीय प्रश्न संख्या 7 का उत्तर देखें।*]

उत्तर—एक साझेदारी फर्म के समापन की विभिन्न विधियों में प्रमुख विधियाँ निम्न हैं—

**(1) ठहराव द्वारा समापन**—जिस प्रकार साझेदारी की स्थापना ठहराव द्वारा होती है, ठीक उसी प्रकार सभी साझेदारों की सहमति से आपसी समझौते के द्वारा फर्म का समापन कर सकते हैं।

**(2) अनिवार्य समापन**—फर्म का अनिवार्य समापन निम्न दो दशाओं में हो सकता है—प्रथम, फर्म के सभी साझेदारों को दिवालिया घोषित कर दिया जाय। दूसरा, यदि फर्म का व्यवसाय अवैधानिक घोषित हो जाय या फिर फर्म के व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया हो या फिर फर्म के साथ व्यवसाय करने वाले देश शत्रु राष्ट्र घोषित हो गये हों।

**(3) संयोग द्वारा समापन**—साझेदारों के बीच किसी अनुबन्ध के अभाव में फर्म का समापन निम्न परिस्थितियों में हो सकता है—

(अ) यदि फर्म की स्थापना किसी निश्चित अवधि अथवा विशेष कार्य को पूर्ण करने के लिए की गयी हो तथा वह अवधि या कार्य पूर्ण हो जाए।

(ब) किसी साझेदार के दिवालिया होने अथवा मृत्यु हो जाने पर।

**(4) सूचना द्वारा समापन**—ऐच्छिक साझेदारी फर्म का कोई भी साझेदार लिखित रूप में फर्म भंग करने की सूचना अन्य साझेदारों को देकर फर्म का समापन कर सकता है।

**(5) न्यायालय द्वारा समापन**—किसी भी साझेदार द्वारा न्यायालय में निम्न कारणोंवश वाद प्रस्तुत करने की दशा में फर्म का समापन हो सकता है। जैसे—किसी साझेदार के पागल होने पर, साझेदार के स्थायी रूप से अयोग्य होने पर, साझेदार के दुराचारी होने के कारण अथवा समझौते के विपरीत कार्य करने पर।

**प्रश्न 2. वसूली खाता क्या है ? इसे किस प्रकार तैयार किया जाता है ?**

उत्तर—वसूली खाता साझेदारी फर्म के समापन पर तैयार किया जाता है। यह साझेदारी फर्म के विघटन या समापन पर सम्पत्तियों व दायित्वों के वसूली व भुगतान के पश्चात् लाभ-हानि को दर्शाता है।

वसूली खाते में फर्म की समस्त सम्पत्तियों को (रोकड़ व बैंक शेष को छोड़कर) वसूली खाते में नाम पक्ष में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसी प्रकार फर्म के समस्त बाहरी दायित्वों का हस्तान्तरण (साझेदारों के ऋण व अवितरित लाभ व संचय को छोड़कर) वसूली खाते के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है। तत्पश्चात् सम्पत्तियों को बेच दिया जाता है जिसकी राशि

को वसूली खाते के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है। सम्पत्ति की वसूली पर प्राप्त राशि से फर्म के दायित्वों का भुगतान कर दिया जाता है। वसूली खातों से सम्बन्धित अन्य लेखे जैसे वसूली व्यय, साझेदारों द्वारा सम्पत्ति या दायित्वों के लिये जाने के लेखे करने के उपरान्त वसूली खाते का शेष निकाला जाता है। वसूली खाते का शेष वसूली पर लाभ-हानि को दर्शाता है जिसे साझेदारों के मध्य उनके लाभ-हानि अनुपात में बाँट दिया जाता है।

**प्रश्न 3. फर्म के समापन पर बनाये जाने वाले वसूली खाते हेतु जर्नल के लेखे बताइये।**

उत्तर—फर्म के समापन पर बनाये जाने वाले वसूली खाते में निम्न जर्नल के लेखे किये जाते हैं—

**(i) सम्पत्तियों के हस्तान्तरण पर (पुस्तकीय मूल्य पर)**

| | | |
|---|---|---|
| Realisation a/c | Dr. | |
| To Sundry Assets | | |
| (Being assets transferred to Realisation a/c) | | |

**(ii) दायित्वों का हस्तान्तरण :**

| | | |
|---|---|---|
| Sundry Liabilities a/c | Dr. | |
| To Realisation a/c | | |
| (Being liabilities transferred to Realisation a/c) | | |

**(iii) सम्पत्तियों का विक्रय**

| | | |
|---|---|---|
| Cash/Bank a/c | Dr. | |
| To Realisation a/c | | |
| (Being cash received on the sale of assets) | | |

**(iv) सम्पत्तियों का किसी साझेदार द्वारा लेने पर :**

| | | |
|---|---|---|
| Partner's Capital a/c | Dr. | |
| To Realisation a/c | | |
| (Being assets taken over by partner or partners) | | |

**(v) दायित्वों के भुगतान पर**

| | | |
|---|---|---|
| Realisation a/c | Dr. | |
| To Cash/Bank a/c | | |
| (Being liabilities paid) | | |

**(vi) दायित्व का किसी साझेदार द्वारा भुगतान पर**

| | | |
|---|---|---|
| Realisation a/c | Dr. | |
| To Partners' Capital a/c | | |
| (Being liabilities taken over by partner) | | |

**(vii) वसूली व्ययों का भुगतान करने पर**

| | | |
|---|---|---|
| Realisation a/c | Dr. | |
| To Cash/Bank a/c | | |
| (Being realisation expenses paid) | | |

**(viii) कमीशन के भुगतान करने पर :** साझेदार को समापन कार्य करने पर कमीशन का भुगतान किया जाता है।

Realisation a/c Dr.
To Partners' Capital a/c
(Being commission paid)

**(ix) वसूली पर लाभ-हानि का बँटवारा**

**वसूली पर लाभ होने पर :**

Realisation a/c Dr.
To Partners' Capital a/c
(Being profit on realisation paid)

**वसूली पर हानि होने पर :**

Partners' Capital a/c Dr.
To Realisation a/c
(Being loss on realisation distributed)

**प्रश्न 4. वसूली खाते का प्रारूप बनाइए।**

उत्तर—वसूली खाते का प्रारूप निम्न है—

**वसूली खाता**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To Sundry Assets | | | By Sundry Liabilities | | |
| Debtors | — | | Creditors | — | |
| Plant & Machinery | — | | Investment fluct. fund | — | |
| Furniture | — | | Bills Payable | — | |
| Bills Receivable | — | | Reserve for Bad Debts | — | — |
| Goodwill | — | | By Partners' Capital a/c | | |
| Investment | — | | (Assets taken over) | | — |
| Stock | — | — | By Bank a/c (Sale of Assets) | | — |
| To Partners' Capital a/c | | | By Loss transferred to | | — |
| (Liability taken over) | | — | Partners' capital a/c | | |
| To Cash a/c (Realisation expenses a/c) | | — | | | |
| To Cash (Creditors paid) | | — | | | |
| To Profit transferred to Partners' capital a/c | | — | | | |
| | | — | | | — |

## क्रियात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. स्नेहा, सानू, शिवानी क्रमशः 3 : 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को फर्म के विघटन के लिये सहमत हुए। उक्त तिथि को उनका चिट्ठा अग्रानुसार था—**

## चिट्ठा

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| पूँजी : | | | मशीनरी | | 1,21,500 |
| स्नेहा | 1,20,000 | | स्टॉक | | 22,650 |
| सानू | 60,000 | 1,80,000 | निवेश | | 44,490 |
| नीरज का ऋण | | 30,000 | जीवन बीमा पॉलिसी | | 42,000 |
| लेनदार | | 55,500 | देनदार | 27,900 | |
| जीवन बीमा कोष | | 42,000 | (–) प्रावधान | 1,800 | 26,100 |
| | | | बैंक में रोकड़ | | 16,260 |
| | | | शिवानी का पूँजी खाता | | 34,500 |
| | योग | 3,07,500 | | योग | 3,07,500 |

जीवन बीमा पॉलिसी ₹ 36,000 में समर्पित की गई। विनियोग स्नेहा द्वारा ₹ 52,500 में लिये गये, उसके द्वारा नीरज के ऋण का भुगतान करने का उत्तरदायित्व लिया गया। सानू ने स्टॉक ₹ 21,000 में तथा ₹ 15,000 के देनदार ₹ 12,000 में ले लिये। मशीन ₹ 1,65,000 में बेची गई। शेष देनदारों से 50% राशि प्राप्त हुई, वसूली व्यय ₹ 1,800 के हुए। ₹ 19,000 के विनियोग जो पुस्तकों में नहीं लिखे गये थे, लेनदारों द्वारा लिये गये। वसूली खाता बनाइए।

हल :

**Realisation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| To Sundry Assets : | | | By Sundry Liabilities : | | |
| Machinery | | 1,21,500 | Neeraj loan | | 30,000 |
| Stock | | 22,650 | Creditors | | 55,500 |
| Investments | | 44,490 | Life Insurance Fund | | 42,000 |
| Joint Life Policy | | 42,000 | Prov. for Doubtful Debt. | | 1,800 |
| Debtors | | 27,900 | By Bank (LIC) | | 36,000 |
| To Sneha's Cap. a/c (Neeraj Loan) | | 30,000 | By Sneha's Cap. a/c (Investment) | | 52,500 |
| To Bank a/c (Real-Exp.) | | 1,800 | By Sanu's Cap. a/c | | |
| To Bank a/c (Creditors) | | 36,500 | Stock | 21,000 | |
| To Profit & Loss a/c : | | | Debtors | 12,000 | 33,000 |
| Sneha's Cap. a/c | 47,705 | | By Bank (Machinery) | | 1,65,000 |
| Sanu's Cap. a/c | 31,803 | | By Bank (Debtors) | | 6,450 |
| Shivani's Cap. a/c | 15,902 | 95,410 | | | |
| | | 4,22,250 | | | 4,22,250 |

प्रश्न 2. A तथा B एक फर्म में 3 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2018 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है— (2019)

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| | | 45,000 | देनदार | 20,000 |
| लेनदार | | 20,000 | विविध सम्पत्तियाँ | 70,000 |
| 'A' का ऋण | | | | |
| पूँजी खाते : | | | | |
| A | 10,000 | | | |
| B | 15,000 | 25,000 | | |
| | | 90,000 | | 90,000 |

उन्होंने उक्त तिथि को फर्म के विघटन का निर्णय किया। देनदारों से ₹ 15,000 तथा विविध सम्पत्तियों से ₹ 60,000 वसूल हुए। वसूली खाता तैयार कीजिए।

हल : **Realisation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| To Sundry Assets : | | | By Sundry Creditors | | 45,000 |
| Sundry Debtors | 20,000 | | By Cash a/c (Debtors) | | 15,000 |
| Sundry Assets | 70,000 | 90,000 | By Cash a/c (Sundry Assets) | | 60,000 |
| To Cash a/c (Creditors) | | 45,000 | By Loss : A | 11,250 | |
| | | | B | 3,750 | 15,000 |
| | | 1,35,000 | | | 1,35,000 |

प्रश्न 3. 'A' और 'B' ने 31 दिसम्बर, 2017 को अपने व्यवसाय के समापन का निर्णय लिया। उस तिथि को उनका चिट्ठा निम्न था :

| दायित्व | | राशि | सम्पत्तियाँ | राशि |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| लेनदार | | 12,000 | रोकड़ | 2,000 |
| 'A' का ऋण खाता | | 16,000 | देनदार | 10,000 |
| पूँजी खाते : | | | स्कन्ध | 40,000 |
| 'A' | 40,000 | | प्लाण्ट | 20,000 |
| 'B' | 20,000 | 60,000 | फिक्सचर्स | 8,000 |
| | | | ख्याति | 8,000 |
| | | 88,000 | | 88,000 |

साझेदार पूँजी के अनुपात में लाभ-हानि विभाजन करते हैं। विविध देनदारों से ₹ 7,400 वसूल हुए, स्कन्ध से ₹ 37,000 प्लाण्ट एवं फिक्सचर्स से उनके पुस्तकीय मूल्य का 80% और ख्याति से ₹ 12,000 वसूल हुए। लेनदारों को 5% कटौती पर भुगतान किया और समापन की लागत ₹ 1,200 हुई। वसूली खाता और साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

हल :

**Realisation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| To Sundry Assets : | | | By Sundry Liabilities (Creditors) | | 12,000 |
| Debtors | 10,000 | | By Cash a/c : | | |
| Stock | 40,000 | | Debtors | 7,400 | |
| Plant | 20,000 | | Stock | 37,000 | |
| Fixtures | 8,000 | | Plant | 16,000 | |
| Goodwill | 8,000 | 86,000 | Fixtures | 6,400 | |
| To Cash a/c (Creditors) | | 11,400 | Goodwill | 12,000 | 78,800 |
| To Cash a/c (Expenses) | | 1,200 | By Loss : | | |
| | | | A's Capital a/c | 5,200 | |
| | | | B's Capital a/c | 2,600 | 7,800 |
| | | 98,600 | | | 98,600 |

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | A | B | Particulars | A | B |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| To Realisation a/c | 5,200 | 2,600 | By Balance b/d | 40,000 | 20,000 |
| To Balance c/d | 34,800 | 17,400 | | | |
| | 40,000 | 20,000 | | 40,000 | 20,000 |

प्रश्न 4. काला, गोरा तथा भूरा साझेदार हैं जो 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हैं। 1 जनवरी, 2017 को उनका स्थिति विवरण निम्नानुसार था—

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| विविध लेनदार | | 12,000 | बैंक में रोकड़ | | 12,200 |
| सामान्य कोष | | 5,000 | देनदार | 8,000 | |
| पूँजी खाते : | | | *घटाया* : संचय | 200 | 7,800 |
| काला | 15,000 | | स्टॉक | | 6,000 |
| गोरा | 12,000 | | फर्नीचर | | 2,000 |
| भूरा | 6,000 | 33,000 | भवन | | 22,000 |
| | | 50,000 | | | 50,000 |

उक्त तिथि को साझेदारी का विघटन किया तथा सम्पत्तियों की वसूली निम्नानुसार हुई—देनदार ₹ 7,000; स्कन्ध ₹ 5,000; फर्नीचर ₹ 1,000; भवन ₹ 25,000; लेनदार ₹ 11,000 में तय हुए यह ज्ञात हुआ कि नुकसान के कारण ₹ 3,000 के एक दायित्व का भुगतान करना है। विघटन के व्यय ₹ 1,000 हैं।

वसूली खाता व पूँजी खाते बनाइए।

हल :

**Realisation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| To Debtors a/c | 8,000 | By Prov. for Bad debts a/c | | 200 |
| To Stock a/c | 6,000 | By Sundry Creditors a/c | | 12,000 |
| To Furniture a/c | 2,000 | By Cash a/c | | 38,000* |
| To Building a/c | 22,000 | By Loss Transferred to : | | |
| To Cash a/c (Creditors) | 11,000 | Kala's Capital a/c | 1,120 | |
| To Cash a/c (Liabilities) | 3,000 | Gora's Capital a/c | 1,120 | |
| To Cash a/c (Expenses) | 1,000 | Bhura's Capital a/c | 560 | 2,800 |
| | 53,000 | | | 53,000 |

* 7,000 + 5,000 + 1,000 + 25,000 = ₹ 38,000.

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | Kala | Gora | Bhura | Particulars | Kala | Gora | Bhura |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Realisation a/c (loss) | 1,120 | 1,120 | 560 | By Balance a/c | 15,000 | 12,000 | 6,000 |
| | | | | By General Reserve a/c | 2,000 | 2,000 | 1,000 |
| To Cash a/c | 15,880 | 12,880 | 6,440 | | | | |
| | 17,000 | 14,000 | 7,000 | | 17,000 | 14,000 | 7,000 |

प्रश्न 5. अंजना, पद्मा और पार्वती एक फर्म में साझेदार हैं। इनके लाभ-हानि अनुपात 3 : 2 : 1 हैं। 31 दिसम्बर, 2017 को उन्होंने फर्म का विघटन करने का निश्चय किया। उस दिन उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था—

(31 दिसम्बर, 2017 को)

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| लेनदार | 35,000 | भूमि व भवन | | 52,000 |
| अंजना का ऋण | 25,000 | स्टॉक | | 48,000 |
| सामान्य संचय | 2,400 | विनियोग | | 10,000 |
| पूँजी खाते : अंजना | 45,000 | देनदार | 55,000 | |
| पद्मा | 37,000 | – संचय | 5,000 | 50,000 |
| पार्वती | 18,000 | रोकड़ | | 2,400 |
| | 1,62,400 | | | 1,62,400 |

(1) स्टॉक और देनदारों से क्रमश: ₹ 33,000 और ₹ 42,000 वसूल हुए।

(2) भूमि व भवन का विक्रय ₹ 40,000 में किया गया।

(3) पद्मा ने विनियोग ₹ 8,400 में रख लिए।

(4) लेनदारों को ₹ 33,000 पूर्ण भुगतान में किए।

(5) अदत्त व्यय ₹ 5,000 चुकाये गये जो पुस्तकों में नहीं थे।

वसूली खाता एवं पूँजी खाता बनाइए।

हल : **Realisation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| To Land & Building | 52,000 | By Creditors | | 35,000 |
| To Stock | 48,000 | By Provision for Doubtful Debts | | 5,000 |
| To Investment | 10,000 | By Cash a/c | | 1,15,000 |
| To Debtors | 55,000 | By Padma's Capital a/c (Investment) | | 8,400 |
| To Cash (Creditors) | 33,000 | By Loss on Realisation : | | |
| To Cash (Out. Exp.) | 5,000 | Anjana | 19,800 | |
| | | Padma | 13,200 | |
| | | Parwati | 6,600 | 39,600 |
| | 2,03,000 | | | 2,03,000 |

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | Anjana | Padma | Parwati | Particulars | Anjana | Padma | Parwati |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ | ₹ |
| To Realisa. a/c | 19,800 | 13,200 | 6,600 | By Balance b/d | 45,000 | 37,000 | 18,000 |
| To Realisa. a/c | – | 8,400 | – | By General Reserve a/c | 1,200 | 800 | 400 |
| To Cash a/c | 24,600 | 16,200 | 11,800 | | | | |
| | 46,200 | 37,800 | 18,400 | | 46,200 | 37,800 | 18,400 |

प्रश्न 6. P और J एक फर्म में साझेदार हैं और 4 : 3 के अनुपात में लाभालाभ का वितरण करते हैं। उन्होंने साझेदारी फर्म के समापन का निश्चय किया। उक्त तिथि पर P की पूँजी ₹ 65,000 तथा J की पूँजी ₹ 35,000 थी। लेनदार ₹ 15,000 और रोकड़ शेष ₹ 1,270 था। रोकड़ के अतिरिक्त शेष सम्पत्तियों से ₹ 1,09,000 वसूल हुए। समापन पर किये गये खर्च ₹ 1,250 थे। विघटन की तिथि पर चिट्ठा तैयार कीजिए एवं वसूली खाता एवं पूँजी खाता तैयार कीजिए।

हल :

**Realisation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| To Sundry Assets | 1,13,730 | By Creditors | | 15,000 |
| To Cash a/c (Creditors) | 15,000 | By Cash a/c (Assets realised) | | 1,09,000 |
| To Cash a/c (Dis. Exp.) | 1,250 | By Loss transferred to Partner's Capital a/c : | | |
| | | P | 3,417 | |
| | | J | 2,563 | 5,980 |
| | 1,29,980 | | | 1,29,980 |

**Old Balance Sheet**

| Liabilities | | Amount | Assets | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| Capital : | | | Cash | 1,270 |
| P | 65,000 | | Sundry Assets (Bal. figure) | 1,13,730 |
| J | 35,000 | 1,00,000 | | |
| Creditors | | 15,000 | | |
| | | 1,15,000 | | 1,15,000 |

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | P | J | Particulars | P | J |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| To Realisation a/c (Loss) | 3,417 | 2,563 | By Balance b/d | 65,000 | 35,000 |
| To Cash a/c | 61,583 | 32,437 | | | |
| | 65,000 | 35,000 | | 65,000 | 35,000 |

प्रश्न 7. A और B एक फर्म में समान साझेदार थे। उन्होंने 31 दिसम्बर, 2017 को साझेदारी को समाप्त करने का निश्चय किया। उनकी आर्थिक स्थिति निम्न प्रकार है–

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| लेनदार | 2,700 | बैंक में रोकड़ | 3,000 |
| सामान्य संचय | 3,000 | देनदार | 1,000 |
| B का ऋण | 3,000 | प्लांट | 4,700 |
| पूँजी खाते : | | स्टॉक | 15,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| A | 12,000 | | भवन | 6,000 |
| B | 12,000 | 24,000 | फर्नीचर | 3,000 |
| | | 32,700 | | 32,700 |

भवन ₹ 6,300 में, फर्नीचर ₹ 3,300 में, स्टॉक ₹ 13,800 में बेचा गया। देनदार से केवल ₹ 800 प्राप्त, प्लांट से ₹ 4,800, लेनदारों को कुल भुगतान में ₹ 2,600 दिये, वसूली व्यय ₹ 500।

(i) वसूली खाता

(ii) साझेदारों का पूँजी खाता बनाइए।

हल :

**Realisation Account**

| Particulars | Amount | Particulars | | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| To Debtors | 1,000 | By Creditors | | 2,700 |
| To Plant | 4,700 | By Cash (Building) | | 6,300 |
| To Stock | 15,000 | By Cash (Furniture) | | 3,300 |
| To Building | 6,000 | By Cash (Stock) | | 13,800 |
| To Furniture | 3,000 | By Cash (Debtors) | | 800 |
| To Cash (Creditors) | 2,600 | By Cash (Plant) | | 4,800 |
| To Cash (exp.) | 500 | By Loss Transferred to | | |
| | | Partners' Capital A/c : | | |
| | | A | 550 | |
| | | B | 550 | 1,100 |
| | 32,800 | | | 32,800 |

**Partners' Capital Accounts**

| Particulars | A | B | Particulars | A | B |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| To Realisation a/c | 550 | 550 | By Balance b/d | 12,000 | 12,000 |
| To Cash a/c | 12,950 | 12,950 | By General Reserve | 1,500 | 1,500 |
| | 13,500 | 13,500 | | 13,500 | 13,500 |

प्रश्न 8. सुप्रिया और मोनिका साझेदार हैं। उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा अग्र है : (2020)

## सुप्रिया और मोनिका का चिट्ठा
(31 मार्च, 2017 को)

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| | 32,500 | रोकड़ और बैंक | | 40,500 |
| सुप्रिया की पूँजी | 11,500 | स्टॉक | | 7,500 |
| मोनिका की पूँजी | 48,000 | विविध देनदार : | 21,500 | |
| विविध लेनदार | 13,500 | – प्रावधान : | 500 | 21,000 |
| संचय कोष | | स्थायी सम्पत्तियाँ | | 36,500 |
| | 1,05,500 | | | 1,05,500 |

31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन हो गया। निम्न सूचनाओं से वसूली खाता बनाइए :

(1) देनदारों से 5% छूट पर वसूली हुई।
(2) स्टॉक से ₹ 7,000 वसूल हुए।
(3) स्थायी सम्पत्तियों से ₹ 42,000 वसूल हुए।
(4) वसूली व्यय ₹ 1,500।
(5) लेनदारों को पूर्ण भुगतान कर दिया गया।

हल : **Realisation Account**

| Particulars | | Amount | Particulars | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| To Sundry Assets | | | By Sundry Liabilities | |
| Stock | | 7,500 | Sundry Creditors | 48,000 |
| Sundry Debtors | | 21,500 | Provision on Debtors | 500 |
| Fixed Assets | | 36,500 | By Cash a/c | |
| To Cash a/c (Real-exp) | | 1,500 | Debtors | 19,950 |
| To Cash a/c (Creditors) | | 48,000 | Stock | 7,000 |
| To Profit on Realisation | | | Fixed Assets | 42,000 |
| Supriya | 1470 | | | |
| Monika | 980 | 2,450 | | |
| | | 1,17,450 | | 1,17,450 |

❑

# अध्याय 7

# अंश पूँजी लेखे

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. अंशों का हरण करते समय अंश पूँजी खाते को नामे किया जाता है। (2022)
   (अ) अंकित मूल्य से, (ब) माँगी गई राशि से,
   (स) चुकाये गये मूल्य से, (द) निर्गमित मूल्य से।
2. अवशिष्ट याचना पर सारणी 'A' के अनुसार ब्याज की दर होती है— (2019)
   (अ) 6% वार्षिक, (ब) 10% वार्षिक,
   (स) 8% वार्षिक, (द) 5% वार्षिक।
3. अग्रिम याचना पर कम्पनी ब्याज किस दर से देती है ?
   (अ) 6%, (ब) 12% वार्षिक,
   (स) 5%, (द) 5% वार्षिक।
4. अंशों के हरण पर जब्त की गयी राशि किस खाते में हस्तान्तरित की जाती है ?
   (अ) अंश प्रीमियम खाते में, (ब) अंश हरण खाते में,
   (स) अंश आवेदन खाते में, (द) अंश याचना खाते में।
5. जब्त अंशों के पुनर्निर्गमन करने पर अंश हरण खाते का शेष कहाँ हस्तान्तरित करते हैं ?
   (अ) अंश पूँजी खाते में, (ब) अंश आबंटन खाते में,
   (स) लाभ-हानि खाते में, (द) पूँजीगत संचय खाते में।

उत्तर—1. (ब), 2. (ब), 3. (ब), 4. (ब), 5. (द).

### ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. प्रतिभूति प्रीमियम ..... प्रकृति का लाभ है। (2022)
2. कम्पनी के समापन पर ..... अंशधारियों को पूँजी सबसे पहले लौटायी जाती है।
3. ..... कम्पनी के स्वामी माने जाते हैं।
4. कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक ..... है। (2019)
5. अंशों का हरण करने से पूर्व उसकी सूचना देना ..... है। (2022)

उत्तर—1. पूँजीगत, 2. पूर्वाधिकार, 3. समता अंशधारी, 4. कृत्रिम व्यक्ति, 5. अनिवार्य।

## ☞ सत्य/असत्य

1. अंशों के समर्पण का अधिकार अंशधारी का होता है। (2022)
2. समता अंशधारियों को लाभ होने पर लाभांश देना अनिवार्य है।
3. कम्पनी में अंशधारियों का दायित्व असीमित होता है।
4. अंश प्रीमियम एक पूँजीगत लाभ है।
5. एक निजी कम्पनी प्रविवरण जारी नहीं करती है। (2019, 20)

उत्तर–1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. समता अंशधारी | (अ) कम्पनी के स्वामी |
| 2. पूर्वाधिकार अंश | (ब) पूँजी वापसी की प्राथमिकता |
| 3. अंश हरण खाते का शेष | (स) कम्पनी का समापन |
| 4. अंशों के हरण पर जब्त राशि | (द) अंश हरण खाते |
| 5. संचित पूँजी (2019) | (य) पूँजीगत संचय |

उत्तर–1. → (अ) 2. → (ब), 3. → (य), 4. → (द), 5. → (स)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. जब अंशों का निर्गमन अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर किया जाये तो यह कैसा निर्गमन कहलाता है ?
2. जब अंशों को उसके अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया जाये तो आधिक्य राशि क्या कहलाती है ?
3. निर्गमित अंशों से कम के लिये प्रार्थना–पत्र आते हैं, तो यह स्थिति क्या कहलाती है ?
4. कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं ? (2019)
5. क्रय प्रतिफल – शुद्ध सम्पत्ति।

उत्तर–1. अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन, 2. अंशों पर प्रीमियम, 3. अल्प अभिदान, 4. प्रवर्तक, 5. ख्याति।

# अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. अंशों द्वारा सीमित कम्पनी से क्या आशय है ?**

उत्तर–अंशों द्वारा सीमित कम्पनी से आशय ऐसी कम्पनी से होता है जिसमें कम्पनी के प्रत्येक सदस्यों का दायित्व उसके द्वारा लिये गये अंशों के मूल्य तक सीमित होता है। अंशधारी द्वारा अंशों का मूल्य चुका देने पर उन अंशों पर उसका कोई दायित्व नहीं रह जाता।

**प्रश्न 2. संचित पूँजी क्या होती है ?**

उत्तर—निर्गमित पूँजी का वह भाग जो अंशधारियों द्वारा केवल कम्पनी के समापन पर ही माँगा जाता है, उस पूँजी को संचित पूँजी कहते हैं।

**प्रश्न 3. न्यूनतम अभिदान क्या है ?**

उत्तर—न्यूनतम अभिदान राशि वह राशि है जिसके प्राप्त न होने पर कम्पनी अपने अंशों का आबंटन नहीं कर सकती है। न्यूनतम अभिदान की राशि कम्पनी के प्रविवरण में वर्णित रहती है जिसका निर्धारण अन्तर्नियमों के अन्तर्गत किया जाता है।

**प्रश्न 4. अंशों के हरण का अंशधारी पर प्रभाव लिखिए।** (2022)

उत्तर—अंशों के हरण के पश्चात् अंशधारी का नाम कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाता है और वह कम्पनी का सदस्य नहीं रहता है। अंशों के जब्त होने के पश्चात् भी अंशधारी का दायित्व बकाया राशि पर रहता है। कम्पनी यदि अंशों के हरण के पश्चात् एक वर्ष के अन्दर समापन की ओर जाती है, तो ऐसे अंशधारक का नाम योगदानकर्ताओं की सूची 'बी' में रहता है।

**प्रश्न 5. अग्रिम याचना किसे कहते हैं ?** (2022)

उत्तर—कम्पनी द्वारा माँगी गयी राशि से अधिक राशि का प्राप्त होना अग्रिम याचना कहलाती है। अर्थात् वह राशि जो कम्पनी को देय नहीं हुई या माँगी नहीं गई है, परन्तु अंशधारी ने उसका भुगतान कर दिया है, अग्रिम याचना कहलाती है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. पूर्वाधिकार अंशों की विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर—पूर्वाधिकार अंशपत्रों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) अन्य अंशधारियों की तुलना में इन अंशधारियों को पहले लाभांश मिलता है।

(2) लाभांश की दर पूर्व निश्चित रहती है।

(3) कम्पनी के उन्हीं प्रस्तावों पर मत दे सकते हैं, जिनका उनसे सम्बन्ध होता है।

(4) कम्पनी के समापन की दशा में इनकी पूँजी का भुगतान समता अंशधारियों से पहले होता है।

**प्रश्न 2. साधारण अंशों के लक्षण बताइए।**

*अथवा*

**समता अंशों की विशेषताएँ लिखिए। (कोई दो)** (2019, 22)

उत्तर—समता अंश या साधारण अंशों में निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

(1) लाभांश की दर बदलती रहती है।

(2) पूर्वाधिकार अंशधारियों को लाभांश देने के बाद इनको लाभांश मिलता है।

(3) लाभ होने पर प्रति वर्ष लाभांश देना अनिवार्य नहीं है।

(4) कम्पनी के समापन पर इनकी पूँजी का भुगतान सबसे अन्त में होता है।

(5) प्रत्येक प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार।

(6) समता अंशधारी कम्पनी के वास्तविक मालिक होते हैं।

**प्रश्न 3. अंश प्रीमियम से क्या आशय है ? अंश प्रीमियम का उपयोग किन कार्यों के लिये किया जा सकता है ?**

*अथवा*

**उन उद्देश्यों का वर्णन करें जिनके लिये कम्पनी अधिमूल्य खाते का प्रयोग कर सकती है।**

**उत्तर**—जब कोई कम्पनी अपने अंशों को उसके सममूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमन करती है, तो इस निर्गमन को प्रीमियम पर निर्गमन कहा जाता है। भारतीय कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार अंश प्रीमियम का प्रयोग निम्नलिखित कार्यों के लिये किया जा सकता है—

(1) प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित करने हेतु।

(2) किसी अंश या ऋणपत्रों के शोधन पर देय प्रीमियम हेतु।

(3) अंशधारियों को बोनस शेयर देने हेतु।

**प्रश्न 4. 'कम्पनी' शब्द का क्या अर्थ है ? कम्पनी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**कम्पनी की किन्हीं दो/चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (2020, 22)

**उत्तर—कम्पनी**—कम्पनी से आशय व्यक्तियों के एक ऐसे समूह से है जिनका समामेलन किसी अधिनियम के अन्तर्गत लाभ कमाने के उद्देश्य से किया गया है जिसे कृत्रिम व्यक्तित्व प्राप्त है तथा जिसकी पूँजी अंशों में विभक्त है।

**कम्पनी की विशेषताएँ**—कम्पनी की निम्न विशेषताएँ हैं—

**(1) कृत्रिम व्यक्तित्व**—कम्पनी अधिनियम के अनुसार कम्पनी को वैधानिक कृत्रिम व्यक्ति का स्वरूप प्राप्त है।

**(2) सार्व मुद्रा**—कम्पनी की अपनी एक सार्व मुद्रा होती है जो सर्वमान्य है और जहाँ भी उसका प्रयोग किया जाता है वहाँ कम्पनी अपने को अनुबंध से बाँटती है। यह अब अनिवार्य नहीं है।

**(3) सीमित दायित्व**—कम्पनी के प्रत्येक अंशधारी का दायित्व उसके द्वारा खरीदे गये अंशों की राशि तक सीमित होता है।

**(4) अंश पूँजी**—कम्पनी की अंश पूँजी विभिन्न अंशों में विभक्त रहती है। ये अंश समता या पूर्वाधिकार अंश हो सकते हैं। समता अंशधारी कम्पनी के स्वामी होते हैं।

**प्रश्न 5. अति अभिदान क्या है ?**

**उत्तर**—अति अभिदान से आशय उस स्थिति से है जबकि कम्पनी को उसके द्वारा जनता में निर्गमित अंशों की संख्या से ज्यादा अंश आवेदन-पत्र प्राप्त हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में कम्पनी सभी प्रार्थियों का आनुपातिक आबंटन कर सकती है या कुछ को छोड़कर अन्य आवेदकों को अंशों का आबंटन नहीं किया जाता है।

**प्रश्न 6. अंशों के हरण की वैध दशाओं की चर्चा कीजिए।**

**उत्तर—अंशों के हरण की दशाएँ**—निम्नलिखित शर्तों का पालन आवश्यक है—

(1) हरण का अधिकार अन्तर्नियमों द्वारा दिया जाना, (2) हरण का उपयुक्त कारण हो, (3) हरण का प्रस्ताव संचालकों की सभा द्वारा पारित हो, (4) हरण के पूर्व अंशधारी को सूचना

हो, (5) हरण का प्रस्ताव पारित कर इनकी सूचना अंशधारियों को दी जाये, (6) निर्धारित नियमों के अनुसार उचित मूल्य पर पुन:निर्गमन।

**प्रश्न 7. संचयी एवं असंचयी पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—संचयी पूर्वाधिकार अंशों से तात्पर्य उन अंशों से है जिन पर किसी वर्ष व्यवसाय में लाभ न होने की दशा में उन अंशों पर लाभांश संचित कर आने वाले आगामी वर्षों के लाभ में से लाभांश प्राप्त करने का अधिकार होता है। असंचयी पूर्वाधिकार अंश वे अंश होते हैं जिन्हें पर्याप्त लाभ की दशा में लाभांश दिया जाता है। अपर्याप्त लाभ होने की दशा में यदि संस्था लाभांश देने में असमर्थ है, तो उस वर्ष का लाभांश आगे के वर्षों के देय होने हेतु संचित नहीं किये जाते हैं।

**प्रश्न 8. परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या आशय है ?**

उत्तर—**परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश** वे अंश हैं जिनको यह अधिकार प्राप्त होता है कि एक निश्चित समय के उपरान्त ये अपने अंशों को समता अंशों में या ऋणपत्रों में परिवर्तित करा सकते हैं।

**अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश** वे पूर्वाधिकार अंश हैं जिन्हें समता अंशों में या अन्य किसी प्रतिभूति में बदला नहीं जा सकता।

**प्रश्न 9. भागयुक्त एवं अभागयुक्त पूर्वाधिकार अंश क्या हैं ?**

उत्तर—**भागयुक्त पूर्वाधिकार अंश,** वे अंश हैं जिन्हें व्यवसाय में लाभ होने पर एक पूर्व निश्चित दर से लाभांश दिया जाता है और यदि समस्त अंशधारियों को लाभांश देने के उपरान्त लाभ बचता है, तो इस बचे भाग में भी लाभांश का भाग प्राप्ति का अधिकार होता है। इसके विपरीत **अभागयुक्त पूर्वाधिकार अंश,** वे अंश हैं जिन्हें सामान्य लाभांश को पाने का तो अधिकार है, परन्तु बचे हुये लाभ में से अतिरिक्त भाग प्राप्त करने का अधिकार नहीं होता।

**प्रश्न 10. शोधनीय एवं अशोधनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—**शोधनीय पूर्वाधिकार अंश,** वे अंश हैं जिनकी अंश पूँजी कुछ निश्चित शर्तों के अनुसार वापस लौटायी जा सकती है, ऐसे अंशों को शोध्य या विमोचनशील पूर्वाधिकार अंश कहते हैं।

**अविमोचनशील पूर्वाधिकार अंश,** वे पूर्वाधिकार अंश हैं जिनका विमोचन या शोधन नहीं किया जा सकता है, ऐसे अंशों को अविमोचनशील या अशोध्य पूर्वाधिकार अंश कहते हैं।

**प्रश्न 11. प्रविवरण के उद्देश्य बताइए। (कोई चार)** (2019)

उत्तर—प्रविवरण बनाने या निर्माण करने के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) कम्पनी की विनियोग नीति एवं योजना एवं विनियोग के उद्देश्यों से जनता को अवगत कराना।

(2) कम्पनी की प्रकृति एवं भविष्य की योजनाओं का ज्ञान कराना।

(3) कम्पनी की सम्पत्ति एवं दायित्वों की सूचना प्रदान कराना।

(4) कम्पनी के प्रबन्ध संचालक, संचालक, प्रवर्तक, बैंकर्स, अभिगोपकों आदि की सूचना प्रदान करना।

**प्रश्न 12. अंश प्रमाणपत्र व अंश अधिपत्र में अन्तर कीजिए।**

उत्तर—दोनों प्रपत्रों में महत्वपूर्ण अन्तर निम्नलिखित हैं—

| क्र. सं. | अंश प्रमाण-पत्र | अंश अधि-पत्र |
|---|---|---|
| 1. | अंश प्रमाण-पत्र प्रत्येक व्यक्ति के लिए निर्गमित किया जाता है जिसे अंशों का आबंटन किया गया है। | अंश अधिपत्र केवल पूर्णदत्त अंशों के सम्बन्ध में निर्गमित किये जाते हैं। |
| 2. | अंश प्रमाण-पत्र में उल्लिखित अंशों का हस्तान्तरण केवल उचित रूप से लिखित हस्तान्तरण प्रपत्र के द्वारा किया जा सकता है। | अंश अधिपत्रों का हस्तान्तरण स्वामित्व का वैधानिक हस्तान्तरण माना जाएगा, क्योंकि यह विनिमय साध्य प्रलेख है। |
| 3. | अंश प्रमाण-पत्र के धारक का नाम सदस्यों के रजिस्टर में लिखा होना चाहिए। | अंश अधिपत्र के धारक का नाम सदस्यों के रजिस्टर से अलग कर दिया जाता है। |
| 4. | अंश प्रमाण-पत्र धारी कम्पनी का सदस्य होता है तथा उसे सदस्यों के समस्त अधिकार प्राप्त रहते हैं। | अधिपत्र धारक कम्पनी का सदस्य नहीं होता है। जब तक कि कम्पनी के अन्तर्नियमों में इसकी व्यवस्था नहीं है। |
| 5. | अंश प्रमाण-पत्र पब्लिक कम्पनी द्वारा भी निर्गमित किये जाते हैं। | अंश अधिपत्र प्राइवेट कम्पनी द्वारा निर्गमित नहीं किये जा सकते हैं। |

**प्रश्न 13. श्रम साध्य साधारण अंश से क्या तात्पर्य है ?**

*अथवा*

**कर्मचारी स्कन्ध विकल्प योजना से क्या आशय है ?**

उत्तर—कर्मचारी स्कन्ध विकल्प योजना जिसे श्रम साध्य साधारण अंश भी कहा जाता है, का आशय कम्पनी द्वारा अपने कर्मचारियों तथा कर्मचारी-संचालकों को कम्पनी के साधारण अंश बाजार मूल्य से कम मूल्य पर क्रय करने के लिये विकल्प उपलब्ध किये जाते हैं जिनके लिये कर्मचारी या कर्मचारी संचालक अपनी स्वीकृति प्रदान करते हैं।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. समता अंश और पूर्वाधिकारी अंश में कोई पाँच अन्तर बताइए।**

*अथवा*

**पूर्वाधिकार अंशों तथा समता अंशों में अन्तर समझाइए।** (2019)

उत्तर—साधारण अंश तथा पूर्वाधिकारी अंश में निम्न अन्तर हैं—

| अन्तर का आधार | साधारण (समता) अंश | पूर्वाधिकारी अंश |
|---|---|---|
| 1. अंश राशि | साधारण अंश कम मूल्य पर होते हैं। | साधारण अंशों की तुलना में इन अंशों का मूल्य अधिक होता है। |
| 2. मताधिकार | प्रत्येक प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार है। | सम्बन्धित प्रस्तावों पर मत दे सकते हैं। |
| 3. लाभांश की दरें | लाभांश की दर घटती-बढ़ती है। | निश्चित दर से लाभांश मिलता रहता है। |
| 4. लाभांश में प्राथमिकता | साधारण अंश को पूर्वाधिकार अंश के बाद में लाभांश दिया जाता है। | इन्हें सबसे पहले लाभांश दिया जाता है। |
| 5. अंश पूँजी की वापसी | कम्पनी के समापन पर अंश पूँजी सबसे अंत में यदि शेष हो, तो मिलती है। | अंशधारियों में सर्वप्रथम पूँजी इन्हें वापस मिलती है। |
| 6. जोखिम | इनकी जोखिम अधिक होती है, क्योंकि अधिक हानि होने पर लाभांश तो दूर पूँजी भी नहीं मिलती। | जोखिम कम होती है, क्योंकि लाभांश की दर निश्चित होती है तथा पूँजी वापसी में प्राथमिकता होती है। |

प्रश्न 2. अंश और स्कंध में कोई तीन अन्तर लिखिए। (2020)

उत्तर— **अंश व स्कन्ध में अन्तर**

| अन्तर का आधार | अंश | स्कन्ध |
|---|---|---|
| 1. अंकित मूल्य | अंश का अपना अंकित मूल्य होता है। | स्कन्ध का कोई अंकित मूल्य नहीं होता। |
| 2. पूर्ण चुकता होने की आवश्यकता | अंश का पूर्ण चुकता होना आवश्यक नहीं है। | स्कन्ध का पूर्ण चुकता होना आवश्यक है। |
| 3. हस्तान्तरण | अंश पूर्ण रूप में ही हस्तान्तरित किया जा सकता है। | स्कन्ध टुकड़ों में हस्तान्तरित किया जा सकता है। |
| 4. सदस्यता | अंशधारी कम्पनी का सदस्य होता है। | स्कन्धधारी को कम्पनी का सदस्य होना जरूरी नहीं है। |
| 5. क्रमांक | प्रत्येक अंश का एक क्रमांक रहता है। | स्कन्ध के लिए ऐसी कोई संख्या नहीं होती। |
| 6. मूल्य | एक प्रकार के अंशों का अंकित मूल्य समान रहता है। | स्कन्ध को विभिन्न टुकड़ों में बाँटा जा सकता है जिनके मूल्य भिन्न-भिन्न होते हैं। |

**प्रश्न 3. अंशों के हरण की पद्धति को संक्षेप में लिखिए।**

*अथवा*

**अंशों के हरण की विधि लिखिए।** (2019, 22)

*अथवा*

**अंशों के हरण से आप क्या समझते हैं ? अंशों के हरण से सम्बन्धित चार वैधानिक व्यवस्था लिखिए।**

*अथवा*

**अंशों के हरण से क्या आशय है ? अंश हरण के लिये क्या कार्यवाही की जाती है ?**

**उत्तर**—अंशों के हरण से आशय कम्पनी द्वारा किसी अंशधारी के आबंटित अंशों को जब्त कर लेना है। अंशों का हरण कम्पनी द्वारा उसी दशा में किया जाता है जब अंशधारी द्वारा किसी याचना आदि का भुगतान नहीं किया जाता है।

**हरण की विधि**—(1) सर्वप्रथम कम्पनी सचिव द्वारा ऐसे अंशधारियों की सूची का निर्माण किया जाता है जिन्होंने निर्धारित तिथि तक अंशों पर याचना राशि का भुगतान नहीं किया है।

(2) संचालक मंडल उस सूची पर हरण की आज्ञा देता है।

(3) इसके बाद उन अंशधारियों को, जिनके अंशों का हरण होना है, नोटिस दिया जाता है कि वे 14 दिनों के अन्दर शेष याचना राशि का भुगतान करें अन्यथा उनके अंशों का हरण किया जायेगा।

(4) पहले नोटिस के जवाब में यदि अंशधारी कोई जवाब नहीं देता है, तो उसे दूसरा नोटिस भेजते हैं।

(5) यदि फिर भी याचना राशि का भुगतान नहीं आता है, तो संचालक मंडल हरण का प्रस्ताव पारित करते हैं।

(6) प्रस्ताव पारित करने के बाद दोषी अंशधारी को पत्र भेजते हैं कि आपके अंशों का हरण कर लिया गया है तथा उससे अंश प्रमाण वापस माँग लेते हैं।

(7) फिर दोषी अंशधारी का नाम सदस्य सूची में से हटा देते हैं जिसकी सूचना समाचार-पत्रों में दी जाती है ताकि उन अंशों को बाजार में न बेचा जा सके।

(8) हरण किये अंशों की जितनी राशि अंशधारी ने चुका दी है, उसे अंश हरण खाते में हस्तान्तरित कर देते हैं। इससे कम्पनी की चुकता पूँजी कम हो जाती है। कम्पनी चाहे तो उन अंशों को पुनर्निर्गमित कर सकती है।

**प्रश्न 4. उन मुख्य श्रेणियों का संक्षिप्त में वर्णन करें जिनमें कम्पनी की अंश पूँजी वर्गीकृत होती है।** (2020)

**उत्तर**—कम्पनी की अंश पूँजी को मुख्य रूप से निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है—

**(1) अधिकृत पूँजी**—अधिकृत पूँजी वह पूँजी है जिससे कम्पनी का पंजीकरण हुआ है और इसका वर्णन पार्षद सीमानियम में वर्णित होता है। कम्पनी इस पूँजी से अधिक पूँजी निर्गमित नहीं कर सकती है। इसे पंजीकृत पूँजी भी कहते हैं।

**(2) निर्गमित पूँजी**—यह पूँजी अधिकृत पूँजी का वह भाग जो मुख्यत: जनता में पूँजी के आवेदन हेतु निर्गमित की जाती है। वह पूँजी जिसके लिये जनता को आवेदन हेतु नहीं दिया जाता उसे अनिर्गमित पूँजी कहते हैं।

(3) प्रार्थित पूँजी—निर्गमित पूँजी का वह भाग जिसके लिये जनता से आवेदन प्राप्त हो चुका है एवं उसके लिये पूँजी प्राप्त हो चुकी है प्रार्थित पूँजी कहलाती है।

(4) माँगी गयी पूँजी—यह प्रार्थिक पूँजी का वह भाग है जिसे जनता से प्रति अंश माँगा गया है। अर्थात् यदि अंश का मूल्य ₹ 10 है और जनता से ₹ 8 माँगा गया है, तो माँगी गयी पूँजी प्रति अंश ₹ 8 होगी।

(5) चुकता पूँजी—माँगी गयी पूँजी प्रति अंश का वह भाग जिसे जनता ने चुकता कर दिया है चुकता पूँजी कहलाती है।

**प्रश्न 5. पूर्वाधिकार अंश किसे कहते हैं ? इनके किन्हीं चार प्रकारों का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**पूर्वाधिकार अंश से क्या आशय है ? पूर्वाधिकार अंशों के विभिन्न प्रकारों को समझाइए।**

*अथवा*

**पूर्वाधिकार अंश के प्रकार लिखिए।** (2019, 22)

उत्तर—*उत्तर हेतु लघु उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 7, 8, 9 व 10 देखें।*

**प्रश्न 6. अंशों के निर्गमन सम्बन्धी जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।** (2022)

उत्तर—अंशों के निर्गमन पर निम्न लेखे किये जाते हैं—

(i) आवेदन के समय

(अ) आवेदन राशि प्राप्त होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Bank a/c | Dr. | |
| To Share Application a/c | | |
| (Being application money received) | | |

(ब) आवेदन राशि को पूँजी खाते में हस्तान्तरण पर

| | | |
|---|---|---|
| Share Application a/c | Dr. | |
| To Share Capital a/c | | |
| (Being application money transferred to Share Capital a/c) | | |

(ii) आबंटन के समय

(अ) आबंटन देय होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Share Allotment a/c | Dr. | |
| To Share Capital a/c | | |
| (Being allotment money due) | | |

(ब) आबंटन राशि प्राप्त होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Bank a/c | Dr. | |
| To Share Allotment a/c | | |
| (Being allotment money received) | | |

(iii) याचना के समय

(अ) प्रथम याचना देय पर

| | | |
|---|---|---|
| Share First Calls a/c | Dr. | |
| To Share Capital a/c | | |
| (Beng share first call amount become due) | | |

(ब) प्रथम याचना की राशि प्राप्त होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Bank a/c | Dr. | |
| To Share First Call a/c | | |
| (Being amount received on First call) | | |

(स) द्वितीय व अन्तिम याचना प्राप्त होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Share Second & Final Calls a/c | Dr. | |
| To Share Capital a/c | | |
| (Being share second call amount become due) | | |

(द) द्वितीय व अन्तिम याचना प्राप्त होने पर

| | | |
|---|---|---|
| Bank a/c | Dr. | |
| To Share Second & Final Call a/c | | |
| (Being amount received on second call) | | |

## क्रियात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. दीपशिखा कं., इन्दौर ने ₹ 80,000 में एक मशीन प्रतीक मशीनरी स्टोर्स, इन्दौर द्वारा क्रय की, उन्होंने ₹ 30,000 नकद चुकाये तथा शेष रकम के लिये ₹ 10 वाले ₹5,000 पूर्णदत्त समता अंश निर्गमित किए। दीपशिखा कं., इन्दौर की पुस्तक में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।**

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | | L. F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Machine a/c | Dr. | | 80,000 | |
| | To Prateek Machinery Stores | | | | 80,000 |
| | (Being machinery purchased) | | | | |
| 2. | Prateek Machinery Stores a/c | Dr. | | 30,000 | |
| | To Cash a/c | | | | 30,000 |
| | (Being cash paid) | | | | |
| 3. | Prateek Machinery Stores a/c | Dr. | | 50,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | | 50,000 |
| | (Being share issued) | | | | |
| | | | | 1,60,000 | 1,60,000 |

**प्रश्न 2. एक सीमित कम्पनी ने जनता में ₹ 50 वाले 80,000 समता अंश निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि आवेदन पर एकमुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।** **(2020)**

हल :

**In the Books of Company**

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| 1. | Bank a/c Dr. | | 4,00,000 | |
| | To Equity Shareholders' a/c | | | 4,00,000 |
| | (Being application money received) | | | |
| 2. | Equity Shareholders' a/c Dr. | | 4,00,000 | |
| | To Equity Share Capital a/c | | | 4,00,000 |
| | (Being application money due) | | | |
| | **Grand Total** | | 8,00,000 | 8,00,000 |

प्रश्न 3. महाजन लि. ने जनता में ₹ 10 वाले 30,000 समता अंश निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। (2022)

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| 1. | Bank a/c Dr. | | 3,00,000 | |
| | To Equity Shareholders' a/c | | | 3,00,000 |
| | (Being share application money received in full on 30.000 shares) | | | |
| 2. | Equity Shareholders' a/c Dr. | | 3,00,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 3,00,000 |
| | (Being application money transferred to share capital a/c) | | | |

प्रश्न 4. अरविंद लि. ने 20,000 समता अंश प्रत्येक ₹ 20 का 10% प्रीमियम पर जारी करने हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये। सम्पूर्ण राशि आवेदन पर देय थी। सभी अंशों के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त हुए। जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

हल : **In the books of Arvind Ltd.**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| 1. | Bank a/c Dr. | | 4,40,000 | |
| | To Equity Shareholders' a/c | | | 4,40,000 |
| | (Being share application money received along with Security premium) | | | |
| 2. | Equity Shareholders' a/c Dr. | | 4,40,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 4,00,000 |
| | To Securities Premium a/c | | | 40,000 |
| | (Being application money transferred to share capital a/c) | | | |
| | **Grand Total** | | 8,80,000 | 8,80,000 |

प्रश्न 5. हिन्दुस्तान लिमिटेड ने ₹ 10 वाले ₹ 2,000 अंश ₹ 12 के हिसाब से निम्न प्रकार निर्गमित किये—₹ 2 प्रार्थना-पत्रों पर, ₹ 5 आबंटन पर (₹ 2 प्रीमियम सहित), ₹ 5 प्रथम व अन्तिम याचना पर। समस्त अंशों के लिए प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए और आबंटन किया गया। समस्त राशि यथासमय प्राप्त हो गयी है।

हिन्दुस्तान लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **In the Journal of Hindustan Ltd.**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| 1. | Bank a/c Dr. | | 4,000 | |
| | To Share Application a/c | | | 4,000 |
| | (Being application money received) | | | |
| 2. | Share Application a/c Dr. | | 4,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 4,000 |
| | (Being share application money transferred to share capital a/c) | | | |
| 3. | Share Allotment a/c Dr. | | 10,000 | |
| | To Share Capital a/c (2,000 × 3) | | | 6,000 |
| | To Securities Premium a/c (2,000 × 2) | | | 4,000 |
| | (Being allotment money due with premium) | | | |
| 4. | Bank a/c Dr. | | 10,000 | |
| | To Share Allotment a/c | | | 10,000 |
| | (Being allotment money received) | | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | Share First & Final Call a/c Dr.<br>To Share Capital a/c<br>(Being first & final call money due) | | | 10,000 | 10,000 |
| 6. | Bank a/c Dr.<br>To Share First & Final Call a/c<br>(Being first & final call money received) | | | 10,000 | 10,000 |

प्रश्न 6. मोहन लिमिटेड की अधिकृत पूँजी ₹ 2,00,000 है जो ₹ 10 वाले ₹ 20,000 समता अंशों में विभाजित है। कम्पनी ने ₹ 10,000 समता अंश निर्गमित किये तथा जनता से ₹ 8,000 अंशों के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त हुए। राशियाँ इस प्रकार से देय हैं—₹ 2 आवेदन पर; ₹ 3 आबंटन पर; ₹ 2 प्रथम याचना पर तथा ₹ 3 द्वितीय याचना पर।

मोहन लिमिटेड कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| 1. | Bank a/c Dr.<br>To Equity Share Application a/c (8,000 × 2)<br>(Being application money received on shares) | | 16,000 | 16,000 |
| 2. | Equity Share Application a/c Dr.<br>To Equity Share Capital a/c<br>(Being application money transferred to capital a/c) | | 16,000 | 16,000 |
| 3. | Equity Share Allotment a/c (8,000 × 3) Dr.<br>To Equity Share Capital a/c<br>(Being allotment money due on 8,000 shares) | | 24,000 | 24,000 |
| 4. | Bank a/c Dr.<br>To Equity Share Allotment a/c<br>(Being allotment money received) | | 24,000 | 24,000 |
| 5. | Equity Share First Call a/c (8,000 × 2) Dr.<br>To Equity Share Capital a/c<br>(Being first call money due on 8,000 shares) | | 16,000 | 16,000 |
| 6. | Bank a/c Dr.<br>To Equity Share First Call a/c<br>(Being first call money received) | | 16,000 | 16,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7. | Equity Share Second & Final Call a/c (8,000 × 3) Dr. | | 24,000 | |
| | To Equity Share Capital a/c | | | 24,000 |
| | (Being second & final call money due) | | | |
| 8. | Bank a/c Dr. | | 24,000 | |
| | To Equity Share Second & Final Call a/c | | | 24,000 |
| | (Being second & final call money received) | | | |
| | **Grand Total** | | 1,60,000 | 1,60,000 |

प्रश्न 7. यश लिमिटेड कम्पनी ने ₹ 10 वाले 40,000 अंश जनता में निर्गमित किए। इन पर देय राशियाँ निम्नानुसार हैं—आवेदन पर ₹ 4, आबंटन पर ₹ 3 और शेष याचना पर। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Bank a/c Dr. | | 1,60,000 | |
| | To Share Application a/c | | | 1,60,000 |
| | (Being application money received) | | | |
| 2. | Share Application a/c Dr. | | 1,60,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 1,60,000 |
| | (Being application money transferred to Share Capital a/c) | | | |
| 3. | Share Allotment a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being allotment money due) | | | |
| 4. | Bank a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To Share Allotment a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being allotment money received) | | | |
| 5. | Share First & Final Call a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being first call due) | | | |
| 6. | Bank a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To Share First & Final Call a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being first call money received) | | | |
| | **Grand Total** | | 8,00,000 | 8,00,000 |

प्रश्न 8. कुमार लिमिटेड ने भानु ऑयल लिमिटेड से ₹ 6,30,000 की सम्पत्ति क्रय की। कुमार लिमिटेड ने समझौते के अनुसार ₹ 100 वाले पूर्णदत्त अंशों का निर्गमन किया। कौन-सी रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जायेगी यदि अंशों का

(i) सममूल्य पर निर्गमन हो और

(ii) 20% प्रीमियम पर हो।

हल : **Journal Entries** (2020)

| Date | Particulars | L.F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| **Case I** | | | | |
| (i) | Sundry Assets a/c Dr. | | 6,30,000 | |
| | To Bhanu Oil Ltd. a/c | | | 6,30,000 |
| | (Being Shares purchased from Bhanu Oil Ltd.) | | | |
| (ii) | Bhanu Oil Ltd. a/c Dr. | | 6,30,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 6,30,000 |
| | (Being 6,300 shares issued at par to Bhanu Oil Ltd.) | | | |
| **Case II** | Sundry Assets a/c Dr. | | 6,30,000 | |
| | To Bhanu Oil Ltd. a/c | | | 6,30,000 |
| | (Being assets purchased from Bhanu Oil Ltd.) | | | |
| | Bhanu Oil Ltd. a/c Dr. | | 6,30,000 | |
| | To Share Capital a/c | | | 5,25,000 |
| | To Securities Premium a/c | | | 1,05,000 |
| | (Being 5,250 shares issued at 20% premium to Bhanu Oil Ltd. in connection of assets purchased) | | | |

$$\text{No. of shares} = \frac{6,30,000}{120} = 5,250 \text{ shares}$$

प्रश्न 9. मनन के पास ₹ 10 वाले 25 समता अंश थे जिसमें से उसने ₹ 2 आवेदन पत्र के दिये लेकिन आबंटन के ₹ 3 और प्रथम याचना के ₹ 2 नहीं दे पाया। संचालकों ने प्रथम याचना के बाद अंशों का हरण कर लिया। अंशों के हरण से सम्बन्धित नकल प्रविष्टि कीजिए।

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| | Share Capital a/c Dr. | | 175 | |
| | To Share Allotment a/c | | | 75 |
| | To Share First Call a/c | | | 50 |
| | To Share Forfeiture a/c | | | 50 |
| | (Being shares forfeited) | | | |

प्रश्न 10. पूजा जिसके पास 1,000 अंश हैं जिनका निर्गमित मूल्य ₹ 120 प्रति अंश (अंकित मूल्य ₹ 100 प्रति अंश) है। उसने द्वितीय एवं अंतिम माँग (याचना) जो कि ₹ 20 प्रति अंश है का भुगतान नहीं किया। कम्पनी द्वारा इन अंशों का हरण कर लिया गया। अंशों के हरण की आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए।

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| | Share Capital a/c Dr. | | 1,00,000 | |
| | To Second & Final Call a/c | | | 20,000 |
| | To Share Forfeiture a/c | | | 80,000 |
| | (Being shares forfeited) | | | |

**Note :** Securities Premium has been assumed to be paid on allotment.

प्रश्न 11. एक कम्पनी ने ₹ 10 वाले 2,000 अंश इस प्रकार निर्गमित किये : आवेदन पर ₹ 3 प्रति अंश, आबंटन पर ₹ 3 प्रति अंश तथा याचना पर ₹ 4 प्रति अंश। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गईं, किन्तु 300 अंशों के एक धारी ने याचना राशि नहीं चुकाई। अतः संचालकों ने उसके अंश जब्त कर लिये तथा इन अंशों को ₹ 2,800 में नकद बेच दिया।

कम्पनी की पुस्तकों में अंश हरण, पुनर्निर्गमन एवं हस्तान्तरण के जर्नल के लेखे कीजिए।

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount ₹ | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| | Share Capital a/c Dr. | | 3,000 | |
| | To Share Call a/c | | | 1,200 |
| | To Share Forfeiture a/c | | | 1,800 |
| | (Being 300 shares forfeited) | | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | Bank a/c | Dr. | | 2,800 | |
| | Share Forfeiture a/c | Dr. | | 200 | |
| | To Share Capital a/c | | | | 3,000 |
| | (Being forfeited shares re-issued) | | | | |
| | Share Forfeiture a/c | Dr. | | 1,600 | |
| | To Capital Reserve a/c | | | | 1,600 |
| | (Being balance of share forfeiture transferred to capital reserve a/c) | | | | |

प्रश्न 12. अनुपम लि. ने ₹ 10 वाले 2,000 अंश ₹ 2 प्रीमियम पर निर्गमित किए, जिसमें ₹ 2 प्रार्थना-पत्र पर, ₹ 5 आबंटन पर (प्रीमियम सहित), ₹ 3 प्रथम याचना पर व ₹ 2 अन्तिम याचना पर देय थे। मिस्टर रवि जिनके पास 100 अंश थे, आबंटन व याचना राशि का भुगतान न कर सके। अन्तिम याचना के उपरान्त उनके अंशों का हरण कर लिया गया। समस्त हरित अंश ₹ 11 पूर्णदत्त की दर से पुनर्निर्गमित कर दिए गए।

हरण व पुनर्निर्गमन के लेखे दीजिए।

हल :

**Journal Entries**

| Date | Particulars | | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ₹ | ₹ |
| | Share Capital a/c | Dr. | | 1,000 | |
| | Share Premium a/c | Dr. | | 200 | |
| | To Forfeited Shares a/c | | | | 200 |
| | To Share Allotment a/c | | | | 500 |
| | To Share First Call a/c | | | | 300 |
| | To Share Final Call a/c | | | | 200 |
| | (Being 100 shares of Ravi forfeited) | | | | |
| | Bank a/c | Dr. | | 1,100 | |
| | Forfeited Shares a/c | Dr. | | 100 | |
| | To Share Capital a/c | | | | 1,000 |
| | To Share Premium a/c | | | | 200 |
| | (Being all forfeited shares re-issued) | | | | |
| | Forfeited Shares a/c | Dr. | | 100 | |
| | To Capital Reserve a/c | | | | 100 |
| | (Being balance of forfeited shares account transferred to capital reserve) | | | | |

प्रश्न 13. सोनल के पास बिट्टू लिमिटेड के ₹ 20 वाले 50 समता अंश थे जो 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये थे। उसमें ₹ 6 आवेदन में, ₹ 6 आवंटन में दिये, किन्तु प्रथम याचना के ₹ 5 व अन्तिम याचना के ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका। उसके अंशों का हरण कर लिया गया। अंश हरण की जर्नल प्रविष्टि लिखिए। (2019)

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ₹ | ₹ |
| | Share Capital a/c | Dr. | | 1,000 | |
| | To Share Forfeiture a/c | | | | 500 |
| | To Share First call a/c | | | | 250 |
| | To Share Second call a/c | | | | 250 |
| | (Being 50 shares forfeited for which call money was unpaid) | | | | |

प्रश्न 14. रितिक लिमिटेड ने एक अंशधारी के ₹ 10 वाले पूर्ण याचित 30 अंशों को जब्त कर लिया। अंशधारी ने आवेदन-पत्र के ₹ 3 प्रति अंश तो दे दिये थे, लेकिन आबंटन के ₹ 4 एवं अन्तिम याचना के ₹ 3 प्रति अंश न दे सका। ये अंश निश्चल को ₹10 प्रति अंश के अंकित मूल्य पर पुन: निर्गमित कर दिये गये।

अंशों के हरण और पुनर्निर्गमन की पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ₹ | ₹ |
| | Equity Share Capital a/c | Dr. | | 300 | |
| | To Forfeited Share a/c | | | | 90 |
| | To Share Allotment a/c | | | | 120 |
| | To Share First & Final Call a/c | | | | 90 |
| | (Being share forfeited) | | | | |
| | Bank a/c | Dr. | | 300 | |
| | To Share Capital a/c | | | | 300 |
| | (Being forfeited shares re-issued) | | | | |
| | Forfeited Share a/c | Dr. | | 90 | |
| | To Capital Reserve a/c | | | | 90 |
| | (Being forfeited share account transferred to capital reserve) | | | | |

❑

अध्याय 8

# ऋणपत्र सम्बन्धी लेखे

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. ऋणपत्रों के प्रतिफलस्वरूप ऋणपत्रधारी को प्राप्त होता है—
   (अ) लाभांश, (ब) ब्याज,
   (स) कमीशन, (द) कुछ भी नहीं।
2. ऋणपत्रों पर ब्याज के भुगतान की अवधि है—
   (अ) तीन माह, (ब) छः माह,
   (स) एक वर्ष, (द) किसी भी समय।
3. ऋणपत्रों के प्रकार हैं—
   (अ) एक, (ब) तीन,
   (स) चार, (द) दो।
4. ऋणपत्रधारी कम्पनी के होते हैं—
   (अ) स्वामी, (ब) लेनदार,
   (स) देनदार, (द) कर्मचारी।
5. ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती की राशि है—
   (अ) पूँजीगत हानि, (ब) आगमगत हानि,
   (स) पूँजीगत व्यय, (द) आगमगत व्यय।

**उत्तर—1.** (ब), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (ब), **5.** (अ).

### ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. साधारणतया ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान हर ..... महीने की समाप्ति पर किया जाता है।
2. ऋणपत्रधारी कम्पनी के ..... में हस्तक्षेप नहीं करते हैं।

   *अथवा*

   ऋणपत्रधारी को कम्पनी के ..... में भाग लेने का अधिकार नहीं होता है।
3. ऋणपत्रधारियों को ऋण वापसी के लिए ..... पर प्राथमिकता दी जाती है।
4. ऋणपत्र, ऋण का एक लिखित ..... है।

(2022)

5. ऋणपत्रधारी को ..... देने का अधिकार नहीं होता है।

उत्तर–1. छः, 2. प्रबन्धन, 3. अंशधारियों, 4. प्रमाणपत्र, 5. मत।

## ☞ सत्य/असत्य

1. ऋणपत्रधारी को कम्पनी का अंशधारी भी कहते हैं। (2020)
2. ऋणपत्र अल्पकालीन ऋण की प्रकृति के होते हैं।
3. ऋणपत्रों का निर्गमन रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले भी किया जाता है।
4. बंधक ऋणपत्र सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं। (2022)

उत्तर–1. असत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. अंशपत्र में परिवर्तन | (अ) कृत्रिम सम्पत्ति |
| 2. ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती (2020) | (ब) परिवर्तनीय ऋणपत्र |
| 3. ऋणपत्रों पर प्रीमियम | (स) पूँजीगत लाभ |
| 4. सम्पत्ति बन्धक | (द) सुरक्षित ऋणपत्र |
| 5. ऋणपत्रधारी | (य) कम्पनी के ऋणदाता |

उत्तर–1. → (ब), 2. → (अ), 3. → (स) 4. → (द), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. उस ऋणपत्र का नाम बताइए जिसका भुगतान केवल कम्पनी के समापन पर किया जाता है।
2. ₹ 100 अंकित मूल्य का ऋणपत्र ₹ 95 में निर्गमित किया तो ₹ 5 का अन्तर कहलायेगा।
3. किन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है ? (2020)
4. एक कम्पनी ने ₹ 5 लाख में एक भवन क्रय किया इस हेतु वह ₹ 100 वाले कितने ऋणपत्र निर्गमित करेगी ?
5. ऋणपत्र का प्रतिफल क्या कहलाता है ? (2022)

उत्तर–1. अशोधनीय ऋणपत्र, 2. छूट या बट्टा, 3. वाहक ऋणपत्र, 4. 5,000 ऋणपत्र, 5. ब्याज।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. ऋणपत्र से क्या आशय है ?**

*अथवा*

**एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—ऋणपत्र कम्पनी द्वारा लिये गये ऋणों का एक प्रमाणपत्र है। ऋणपत्र कम्पनी और ऋणदाताओं के मध्य एक अनुबन्ध का प्रतीक है जिसके अनुसार कम्पनी ऋणपत्रधारी को एक निश्चित अवधि के पश्चात् ऋणपत्र की राशि ब्याज सहित अदा करने का वचन देती है।

**प्रश्न 2. ऋणपत्र को परिभाषित कीजिए।**

उत्तर—कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार, "ऋणपत्र में कम्पनी के ऋणपत्र स्टॉक, बॉण्ड व अन्य ऐसा कोई प्रपत्र शामिल है जो कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण का प्रमाण हो, चाहे उसका कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार है या नहीं।"

**प्रश्न 3. ऋणपत्रधारी की वैधानिक स्थिति बताइए।**

उत्तर—ऋणपत्रधारी की कम्पनी में वैधानिक स्थिति दीर्घकालीन लेनदार की है।

**प्रश्न 4. नग्न ऋणपत्र क्या होते हैं ?**

उत्तर—नग्न ऋणपत्र, वे ऋणपत्र होते हैं जिन पर कम्पनी मूलधन व ब्याज के भुगतान के लिये कोई सम्पत्ति प्रतिभूति या गिरवी के रूप में नहीं रखती है। ये असुरक्षित ऋणपत्र होते हैं जिनका भुगतान पूँजी की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

**प्रश्न 5. प्रीमियम पर ऋणपत्रों के निर्गमन का क्या आशय है ?**

उत्तर—जब ऋणपत्रों को उनके पुस्तक मूल्य या सम मूल्य से ज्यादा मूल्य पर निर्गमित किया जाता है, तो यह ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन कहलाता है।

**प्रश्न 6. ऋणपत्रों के निर्गमन पर दिये गये बट्टे का क्या व्यवहार किया जाता है?**

उत्तर—ऋणपत्रों के निर्गमन पर दिया गया बट्टा एक पूँजीगत हानि है और इसे आर्थिक चिट्ठे में विविध व्ययों के शीर्षक में दिखाते हैं और वर्ष दर वर्ष इसे अपलिखित कर दिया जाता है।

**प्रश्न 7. ऋणपत्रों का निर्गमन कब किया जाता है ?**

उत्तर—कम्पनी को जब दीर्घकालीन ऋण की आवश्यकता होती है, तो ऋणपत्रों का निर्गमन किया जाता है।

**प्रश्न 8. अशोध्य ऋणपत्र किसे कहते हैं ?** (2022)

उत्तर—*उत्तर हेतु दीर्घउत्तरीय प्रश्न क्रमांक* 1 देखें।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. ऋणपत्र की विशेषताएँ लिखिए। (कोई दो)** (2019, 22)

*अथवा*

**ऋणपत्रों के आवश्यक लक्षण लिखिए।**

उत्तर—ऋणपत्रों की विशेषताएँ—

(1) **प्रमाण-पत्र**—यह कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण का एक प्रमाण-पत्र होता है जो ऋण ऋणपत्रधारी ने कम्पनी को दिया है।

(2) **ऋण का भुगतान शर्तानुसार**—ऋणपत्रों के ऋण की राशि का भुगतान अनुबंध की शर्तों के अनुसार निश्चित अवधि के बाद किया जाता है।

(3) प्रतिफल में ब्याज—ऋण पर दिया जाने वाला प्रतिफल ब्याज है जो एक अवधि के बाद दिया जाता है।

(4) ऋणपत्रों के साथ ब्याज दर—ऋणपत्र के साथ ब्याज की दर उसके नाम के साथ जुड़ी होती है, जैसे—6% ऋणपत्र।

(5) परिवर्तनीय ऋणपत्रों को अंशों में या नये ऋणपत्रों में बदला जा सकता है।

(6) प्रभार ऋणपत्रों का कम्पनी की सम्पत्ति पर प्रभार रहता है।

**प्रश्न 2. ऋणपत्रों के निर्गमन करने का क्या उद्देश्य है ?**

उत्तर—ऋणपत्र निर्गमन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) ऋणपत्रों के द्वारा कम्पनी को प्रचुर मात्रा में दीर्घकालीन पूँजी की प्राप्ति होती है।

(2) ऋणपत्रों पर निश्चित दर से प्रति वर्ष ब्याज की प्राप्ति होती है। लाभ के बढ़ने पर ब्याज की मात्रा स्थिर रहती है।

(3) ऋणपत्र पर दिये गये ब्याज पर आयकर का लाभ कम्पनी को होता है।

(4) ऋणपत्र के द्वारा कम्पनी अपनी वित्तीय व्यवस्था में पूँजी संरचना का अनुकूलतम स्तर निर्धारित करती है।

**प्रश्न 3. रोकड़ के अलावा प्रतिफल हेतु ऋणपत्र का निर्गमन से क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—जब ऋणपत्रों का निर्गमन रोकड़ प्राप्त न करने के उद्देश्य से किसी सम्पत्ति के क्रय के बदले किया जाता है, तो इसे रोकड़ के अलावा प्रतिफल हेतु ऋणपत्र का निर्गम कहते हैं। इस दशा में सम्पत्ति के विक्रेता को ऋणपत्र निर्गमन कर उसका भुगतान कर दिया जाता है अर्थात् ऋणपत्र निर्गमन के बदले विक्रेता से रोकड़ न लेकर उसके प्रतिफल के बदले ऋणपत्र निर्गमित किये जाते हैं। ये ऋणपत्र सम मूल्य, प्रीमियम या कटौती पर निर्गमित किये जा सकते हैं।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. ऋणपत्र कितने प्रकार के होते हैं ? किन्हीं पाँच को समझाइए।**

*अथवा*

**परिवर्तनीय ऋणपत्र क्या हैं ?** *अथवा*

**ऋणपत्र के चार प्रकारों का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**शोध्य एवं अशोध्य ऋणपत्र क्या हैं ?**

*अथवा*

**एक वाहक ऋणपत्र से क्या आशय है ?**

*अथवा*

**एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है ? विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों की व्याख्या कीजिये।**

उत्तर–ऋणपत्रों को मुख्य रूप से चार प्रकारों से विभाजित किया जाता है जो निम्न हैं–

(i) सुरक्षा के दृष्टिकोण अनुसार।

(ii) अभिलेख के दृष्टिकोण अनुसार।

(iii) स्थायित्व के दृष्टिकोण अनुसार।

(iv) अन्य दृष्टिकोण से इन ऋणपत्रों को निम्न प्रकार विभाजित किया जाता है–

**(1) सुरक्षित ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिन पर कम्पनी की सम्पत्ति प्रभार के रूप में रखी गयी है, उन्हें सुरक्षित ऋणपत्र कहते हैं। कम्पनी यदि अपने ऋणपत्रों का भुगतान करने में असमर्थ होती है, तो सुरक्षा के रूप में रखी गयी सम्पत्ति को बेचकर ऋण का भुगतान किया जा सकता है।

**(2) असुरक्षित ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिन पर कम्पनी की कोई भी सम्पत्ति सुरक्षा के तौर पर नहीं रखी जाती, वे असुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं।

**(3) वाहक ऋणपत्र**–वाहक ऋणपत्र वे होते हैं जिसके मूलधन व ब्याज का लेखा उस व्यक्ति को किया जाता है जिसके पास वह ऋणपत्र होता है। वाहक ऋणपत्रों के धारकों के नाम कम्पनी के रजिस्टर में नहीं लिखे जाते हैं। इन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण अन्य व्यक्ति को ऋणपत्र की सुपुर्दगी मात्र से ही हो जाता है।

**(4) रजिस्टर्ड ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिनके धारकों के नाम कम्पनी के रजिस्टर में दर्ज होते हैं, रजिस्टर्ड ऋणपत्र कहलाते हैं।

**(5) शोध्य ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिनका भुगतान कम्पनी द्वारा एक निश्चित समय पश्चात् कर दिया जायेगा, वे शोध्य ऋणपत्र कहलाते हैं।

**(6) अशोध्य ऋणपत्र**–अशोध्य ऋणपत्र वे होते हैं जिनका भुगतान कम्पनी के जीवनकाल में नहीं होता, वे अशोध्य ऋण-पत्र कहलाते हैं।

**(7) परिवर्तनशील ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिन्हें एक निश्चित अवधि के पश्चात् अंशों में बदला जा सकता है, उन्हें परिवर्तनशील ऋणपत्र कहते हैं।

**(8) अपरिवर्तनशील ऋणपत्र**–वे ऋणपत्र जिन्हें कम्पनी किसी भी प्रकार के अंशों में परिवर्तित नहीं कर सकती, वे अपरिवर्तनशील ऋणपत्र कहलाते हैं।

**प्रश्न 2. अंशपत्र एवं ऋणपत्र में चार अन्तर लिखिए।** (2020)

*अथवा*

**अंशपत्रधारी और ऋणपत्रधारी में क्या अन्तर है ?**

*अथवा*

**ऋणपत्र एवं अंश के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर–अंश व ऋणपत्र में निम्नलिखित अन्तर हैं–

| अन्तर का आधार | अंशपत्र | ऋणपत्र |
|---|---|---|
| 1. आशय | कम्पनी की पूँजी के छोटे भाग को अंश कहते हैं। | कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण का प्रमाण-पत्र ही ऋणपत्र कहलाता है। |

| | | |
|---|---|---|
| 2. स्थिति | अंशपत्रधारी कम्पनी का स्वामी होता है। | ऋणपत्रधारी कम्पनी का लेनदार होता है। |
| 3. प्रबन्ध में भाग लेने का अधिकार | अंशपत्रधारी को कम्पनी के प्रबन्ध एवं संचालन में भाग लेने का अधिकार होता है। | ऋणपत्रधारी को कम्पनी के प्रबन्ध एवं संचालन में भाग लेने का कोई अधिकार नहीं होता। |
| 4. प्रतिफल | अंशपत्रधारी लाभांश पाने का अधिकारी होता है। | ऋणपत्रधारी को केवल व्याज मिलता है। |
| 5. पूँजी या ऋण | अंशों के द्वारा कम्पनी को प्राप्त राशि पूँजी कहलाती है। | ऋणपत्रों के द्वारा प्राप्त राशि ऋण कहलाती है। |
| 6. मताधिकार | इनके धारक को कम्पनी के प्रत्येक प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार है। | इनके धारकों को ऐसा कोई अधिकार नहीं है। |
| 7. भुगतान | कम्पनी के समापन पर ही इनकी राशि, सवसे अन्त में शेष रहने पर दी जाती है। | अनुवन्ध के आधार पर इनकी राशि निश्चित अवधि के वाद अथवा समापन पर सर्वप्रथम लौटायी जाती है। |

**प्रश्न 3. ऋणपत्रों के निर्गमन पर निम्नलिखित की क्या प्रविष्टि होगी—**

(1) ऋणपत्रों को निर्गमन पर रकम एकमुश्त प्राप्त होना।

(2) ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमन करना।

(3) ऋणपत्रों को प्रीमियम पर निर्गमन करना।

**उत्तर—(1) ऋणपत्रों के निर्गमन पर रकम एकमुश्त प्राप्त होना**

| | |
|---|---|
| Bank a/c | Dr. |
| To Debenture a/c | |
| (Being money received on lump sum) | |

**(2) ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमन करना**—जब ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित किया जाता है तो साधारणतया बट्टे की राशि आबंटन पर समायोजित की जाती है। इस हेतु निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती है—

| | |
|---|---|
| Debenture Allotment a/c | Dr. |
| Discount on Issue of Debenture a/c | Dr. |
| To Debenture a/c | |
| (Being allotment due & discount adjusted) | |

**(3) ऋणपत्रों को प्री[illegible] करना**—[illegible] को प्रीमियम पर निर्गमित किया जाता है, तो [illegible]। इस सम्बन्ध में अग्रलिखित [illegible]

Debenture Allotment a/c Dr.
To Debenture a/c
To Security Premium a/c
(Being allotment due with premium)

प्रश्न 4. ऋणपत्रों के निर्गमन पर की जाने वाली प्रविष्टियाँ लिखिए।

उत्तर—ऋणपत्र के निर्गमन पर की जाने वाली प्रविष्टियाँ निम्नलिखित हैं—

(A) ऋणपत्रों पर एकमुश्त राशि प्राप्त होना :

Bank a/c Dr.
To Debenture a/c
(Being money received as lump sum)

(B) ऋणपत्रों पर रोकड़ किस्तों में प्राप्त होना :

1. ऋणपत्रों के आवेदन-पत्र प्राप्त होने पर :

Bank a/c Dr.
To Debenture Application a/c
(Being application money received)

2. ऋणपत्र आवेदन की राशि ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरित करने पर :

Debenture Application a/c Dr.
To Debenture a/c
(Being debenture application amount transferred to debenture a/c)

3. आवेदन राशि वापस करने पर (आबंटन नहीं देने पर) :

Debenture Application a/c Dr.
To Bank a/c
(Being debenture application money returned to non-allottees)

4. अति-अभिदान की दशा में आवेदन राशि के आधिक्य का हस्तान्तरण करने पर :

Debenture Application a/c Dr.
To Debenture Allotment a/c
(Being excess application money used on allotment)

5. आबंटन राशि देय होने पर :

Debenture Allotment a/c Dr.
To Debenture a/c
(Being allotment money due)

6. आबंटन राशि प्राप्त होने पर :

Bank a/c Dr.
To Debenture Allotment a/c
(Being allotment money received)

7. याचनाएँ देय होने पर :

Debenture Calls a/c Dr.
To Debenture a/c
(Being debenture calls due)

8. याचना राशि प्राप्त होने पर :

Bank a/c
To Debenture Calls a/c
(Being debenture call money received)

प्रश्न 5. संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋण-पत्र के तात्पर्य का वर्णन कीजिए। खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम हेतु लेखांकन व्यवहार बताइए।

उत्तर—संपार्श्विक प्रतिभूति का तात्पर्य ऋणों के लिये अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने से है। जब कोई कम्पनी किसी बैंक या बीमा कम्पनी से ऋण प्राप्त करती है तब कम्पनी अपने ही ऋणपत्र को ऋण प्रदान करने वाले ऋण के बदले संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित कर सकती है। यह संपार्श्विक प्रतिभूति ऋणपत्रों पर की गयी सामान्य प्रतिभूति के अतिरिक्त दी जाती है। इस दशा में ऋण प्रदान करने वाले का ऋणपत्रों पर पूर्ण अधिकार होता है जब तक कि ऋण को चुका नहीं दिया जाता। ऋण की वापसी पर ऋण प्रदान करने वाले को ये ऋणपत्र कम्पनी को वापस करने होते हैं। ऋण की राशि की वापसी न होने पर ऋण प्रदान करने वाले को ऐसे ऋणपत्र को रोकने का अधिकार रहता है। ऐसे ऋणपत्र के धारक को केवल दिये गये ऋण पर ब्याज पाने का हक होता है, इन ऋणपत्रों का ब्याज नहीं है। इस प्रकार के ऋणपत्रों के निर्गमन को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन कहलाता है।

@mpbsePDF

संपार्श्विक प्रतिभूति के निर्गमन के लेखांकन के सम्बन्ध में अलग-अलग विचारधाराएँ हैं। एक मान्यता के अनुसार संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन पर कोई भी लेखे नहीं किये जाते, केवल चिट्ठे में नोट के रूप में ऋण खाते में उसका उल्लेख कर दिया जाता है। दूसरी अवधारणा के अन्तर्गत यदि संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन का लेखांकन व्यवहार किया जाता है, तो निम्न लेखांकन प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

**(i) संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन पर (On Issue of Debentures as Collateral Security)—**

Debentures Suspense A/c Dr.
To Debentures a/c

उपर्युक्त स्थिति में Debentures Suspense खाता चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्शाया जायेगा व ऋणपत्र खाता दायित्व पक्ष में।

**(ii) ऋण के भुगतान होने पर ऋणपत्र के निस्तारण या रिहाई पर (On Repayment of the Loan and Release of Debenture)—**

Debenture a/c Dr.
To Debenture Suspense a/c

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. कमल लि. ने 8,000, 13% ऋणपत्र ₹ 100 वाले निर्गमित किये। ऋणपत्रों पर समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Bank a/c Dr. | | 8,00,000 | |
| | To 13% Debentureholders' a/c | | | 8,00,000 |
| | (Being money received) | | | |
| | Debentureholders' a/c Dr. | | 8,00,000 | |
| | To 13% Debenture a/c | | | 8,00,000 |
| | (Being money due) | | | |
| | Total | | 16,00,000 | 16,00,000 |

प्रश्न 2. सोनिया लिमिटेड ने ₹ 100 वाले 4,000, 6% ऋणपत्र निर्गमित किये। आवेदन पर ₹ 10, आबंटन पर ₹ 30 तथा याचना पर ₹ 60 प्रति ऋणपत्र राशि मँगाई, सभी राशियाँ समय पर प्राप्त हो गयीं।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Bank a/c Dr. | | 40,000 | |
| | To 6% Debenture Application a/c | | | 40,000 |
| | (Being application money received) | | | |
| | 6% Debenture Application a/c Dr. | | 40,000 | |
| | To 6% Debenture a/c | | | 40,000 |
| | (Being application money transferred) | | | |
| | 6% Debenture Allotment a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To 6% Debenture a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being debenture allotment money due) | | | |
| | Bank a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To 6% Debenture Allotment a/c | | | |
| | (Being debenture allotment money received) | | | |

प्रश्न 4. एक्स वाई जेड इन्डस्ट्रीज लि. ने प्रति ऋणपत्र ₹ 100 पर 2,000, 10% ऋणपत्रों को ₹ 10 प्रीमियम पर निर्गमित किया जो निम्नानुसार देय है :

आवेदन पर ..... ₹ 50

आबंटन पर ..... ₹ 60

सभी राशियाँ समय पर प्राप्त हो गयीं। कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियां कीजिए।

हल : **Journal Entries** (2020)

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Bank a/c Dr. | | 1,00,000 | |
| | To 10% Debenture Application a/c | | | 1,00,000 |
| | (Being debenture application money received) | | | |
| | 10% Debenture Application a/c Dr. | | 1,00,000 | |
| | To 10% Debentures a/c | | | 1,00,000 |
| | (Being debentures application money transferred to debenture a/c) | | | |
| | 10% Debenture Allotment a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To 10% Debentures a/c | | | 1,00,000 |
| | To Securities Premium Reserve a/c | | | 20,000 |
| | (Being debenture allotment money due) | | | |
| | Bank a/c Dr. | | 1,20,000 | |
| | To Debenture Allotment a/c | | | 1,20,000 |
| | (Being debenture allotment money received) | | | |

प्रश्न 5. एक्स लिमिटेड ने एक व्यवसाय ₹ 4,40,000 में क्रय किया। क्रय मूल्य का भुगतान 6% ऋणपत्रों द्वारा किया गया और इस हेतु ₹ 4,00,000 के ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये। एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल के लेखे कीजिए।

हल : **Journal Entries**

| Date | Particulars | L. F. | Amount | Amount |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| | Business Purchase a/c Dr. | | 4,40,000 | |
| | To Vendor's a/c | | | 4,40,000 |
| | (Being purchase of business) | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Vendor's a/c | Dr. | | 4,40,000 | |
| To 6% Debenture a/c | | | | 4,00,000 |
| To Securities Premium a/c | | | | 40,000 |
| (Being issue of 4,000 debentures against payment to vendor) | | | | |
| **Total** | | | 8,80,000 | 8,80,000 |

# भाग (ख) : वित्तीय विवरण विश्लेषण

## अध्याय 9

# कम्पनी के वित्तीय विवरण

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. चिट्ठे में दिखायी जाने वाली गैर चालू सम्पत्तियों का कौन-सा क्रम सही है ?
   (अ) स्थायी सम्पत्ति, गैर-चालू निवेश, आस्थगित आस्तियाँ, दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम।
   (ब) स्थायी सम्पत्ति, गैर-चालू निवेश, दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम, आस्थगित सम्पत्तियाँ।
   (स) स्थायी सम्पत्ति, दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम, गैर-चालू निवेश, आस्थगित आस्तियाँ,
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
2. चिट्ठे में दिखाये जाने वाले दायित्वों का सही क्रम है–
   (अ) शेयरधारकों की निधि, आबंटन के लिये लंबित शेयर आवेदन राशि, गैर-चालू दायित्व, चालू दायित्व,
   (ब) शेयरधारकों की निधि, आबंटन के लिये लंबित शेयर आवेदन राशि, चालू दायित्व, गैर-चालू दायित्व,

(स) शेयरधारकों की निधि, गैर चालू दायित्व, आवंटन के लिये लंबित शेयर आवेदन राशि, चालू दायित्व,

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

3. कौन-सी मद चालू सम्पत्ति नहीं है ?

(अ) देनदार, (ब) स्टॉक,

(स) अदत्त व्यय, (द) पूर्वदत्त व्यय।

4. स्थायी सम्पत्तियों पर किया गया व्यय होता है—

(अ) पूँजीगत व्यय, (ब) आयगत व्यय,

(स) स्थगित आयगत व्यय, (द) इनमें से कोई नहीं।

5. अन्तरिम लाभांश—

(अ) वर्ष के अन्त में दिया जाता है,

(ब) वर्ष के अन्त में अतिरिक्त लाभ से दिया जाता है,

(स) वर्ष के मध्य दिया जाता है,

(द) गत वर्ष का लाभांश चालू वर्ष में दिया जाता है।

उत्तर—1. (अ), 2. (अ), 3. (स), 4. (अ), 5. (स).

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. अयाचित लाभांश ..... पक्ष में दर्शाया जाता है। (2022)
2. चालू दायित्व वे दायित्व होते हैं जो ..... वर्ष के अन्दर भुगतान किये जाते हैं।
3. माँगी गयी पूँजी में से ..... की रकम घटाकर दिखायी जाती है।
4. आधिक्य, आर्थिक चिट्ठे में ..... मद के अन्तर्गत दर्शाते हैं।
5. फर्नीचर को चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष में ..... शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाते हैं।

उत्तर—1. दायित्व, 2. एक, 3. अदत्त याचना, 4. आस्तियाँ एवं अधिशेष/संचय एवं आधिक्य, 5. मूर्त परिसम्पत्तियाँ/गैर चालू सम्पत्ति।

## ☞ सत्य/असत्य

1. आर्थिक चिट्ठा व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को केवल वर्ष के अन्तिम दिन की स्थिति ही को दर्शाता है।
2. लाभांश का भुगतान पूँजी में से बाँटा जा सकता है।
3. स्थायी सम्पत्ति वे सम्पत्ति हैं जो पुन: विक्रय के उद्देश्य से क्रय की गयी हैं।
4. कम्पनी के चिट्ठे में अधिकृत पूँजी को दर्शाने की आवश्यकता नहीं होती है। (2022)
5. माँग पर देय ऋणों को चिट्ठे में चालू दायित्वों में दर्शाया जाता है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
| --- | --- |
| 1. कॉपीराइट व पेटेण्ट | (अ) सत्य एवं उचित |
| 2. अदत्त व्यय | (ब) अमूर्त सम्पत्तियाँ |
| 3. आर्थिक चिट्ठा | (स) चालू दायित्व |
| 4. पूर्वदत्त व्यय | (द) चालू सम्पत्ति |
| 5. ऋणपत्र | (य) दीर्घकालीन उधार |

उत्तर—1. → (ब), 2. → (स), 3. → (अ), 4. → (द), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. वे दायित्व जिनका भुगतान एक वर्ष के अन्दर किया जाना है, कहलाते हैं।
2. दो अवधि के आर्थिक चिट्ठे के अन्दर दिया जाने वाला लाभांश क्या कहलाता है ?
3. कम्पनी के लाभ-हानि को अनुसूची के अनुसार कौन-से शीर्षक में दिखाया जाता है ? (2022)
4. लाभ-हानि खाते का शेष क्या कहलाता है ?
5. प्रारम्भिक व्यय को किस वित्तीय विवरण में दर्शायेंगे ?

उत्तर— 1. चालू दायित्व, 2. अन्तरिम लाभांश, 3. संचय एवं आधिक्य, 4. आधिक्य/कमी, 5. आर्थिक चिट्ठा।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. आर्थिक चिट्ठा क्या दर्शाता है ?**

**उत्तर**—आर्थिक चिट्ठा वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन की वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। इस वित्तीय स्थिति का आकलन चिट्ठे में दर्शायी गयी सम्पत्तियों एवं दायित्वों के माध्यम से किया जाता है।

**प्रश्न 2. वित्तीय विवरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर**—वित्तीय विवरण से आशय उन वित्तीय विवरणों से है जो वित्तीय वर्ष के अन्त में कम्पनी की लाभ-हानि एवं आर्थिक स्थिति की सही एवं उचित स्थिति प्रकट करने हेतु लेखांकन प्रमाप के अनुसार बनाये जाते हैं। वित्तीय विवरण विभिन्न खातों का सारांश है जो किसी निश्चित समय पर बनाये जाते हैं।

**प्रश्न 3. वित्तीय विवरण में किन विवरणों को शामिल करते हैं ?**

**उत्तर**—वित्तीय विवरणों में आय विवरण, आर्थिक चिट्ठा, रोकड़ बहाव विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण एवं टिप्पणी व अन्य प्रकटीकरण शामिल हैं।

**प्रश्न 4. अंशधारकों/शेयरधारकों की निधि से क्या आशय है ?**

**उत्तर**—अंशधारकों की निधि में वह राशि दर्शायी जाती है जो अंशधारियों से सम्बन्धित होती है। इसमें मुख्य रूप से सामान्य व पूर्वाधिकार अंशों की राशि व आरक्षिती व अधिशेष (संचय व आ[illegible]) के शेष दर्शाते हैं।

**प्रश्न 5. गैर-चालू दायित्व क्या हैं ?**

उत्तर—गैर-चालू दायित्व कम्पनी की दीर्घकालीन वित्तीय देयताएँ होती हैं जो चालू वित्तीय वर्ष में देय नहीं होतीं।

**प्रश्न 6. दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ?** (2019)

उत्तर—दीर्घकालीन ऋण वे ऋण हैं जो लम्बी अवधि के लिये (पाँच वर्ष या इससे अधिक) लिये गये हैं एवं इनकी वापसी एक से अधिक वर्षों में एक निश्चित अवधि तक की जाती है।

**प्रश्न 7. वित्तीय विवरण की दो सीमाएँ लिखिए।** (2022)

उत्तर—*उत्तर हेतु दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक* 4 देखिए।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. सुरक्षित व असुरक्षित ऋणों को समझाइए। इन्हें चिट्ठे में किस प्रकार दर्शाते हैं ?**

उत्तर—सुरक्षित ऋण वे ऋण होते हैं जिन्हें लेते समय कम्पनी अपनी सम्पत्तियों को बन्धक या जमानत के रूप में ऋण के बदले रखती है। कम्पनी यदि ऋणों का भुगतान करने में असफल होती है, तो इन सम्पत्तियों को बेचकर ऋणों का भुगतान कर दिया जाता है। ऋणपत्र इस प्रकार के ऋण का प्रमुख रूप है।

असुरक्षित ऋण वे ऋण होते हैं जिनके पीछे कम्पनी किसी भी प्रकार की सम्पत्ति बन्धक या जमानत के तौर पर नहीं रखती है। ये ऋण अल्पकालीन या दीर्घकालीन हो सकते हैं।

आर्थिक चिट्ठे में इन ऋणों को दायित्व पक्ष में दर्शाते हैं।

**प्रश्न 2. चालू सम्पत्तियों से क्या अभिप्राय है ? चालू सम्पत्ति के उदाहरण दीजिए।**

*अथवा*

**चालू सम्पत्तियों के पाँच उदाहरण दीजिए।**

*अथवा*

**चालू सम्पत्तियों में कौन-कौन सी मदें सम्मिलित की जाती हैं ?**

उत्तर—चालू सम्पत्ति से आशय उन सम्पत्तियों से होता है जिनको कि एक वर्ष के अन्दर रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अन्तर्गत हस्तस्थ रोकड़, बैंक में रोकड़, स्टॉक, देनदार, प्राप्य बिल, पूर्वदत्त व्यय आदि को शामिल करते हैं।

**प्रश्न 3. स्थायी सम्पत्ति क्या होती है ? इन्हें चिट्ठे में किस मूल्य पर दर्शाते हैं ?**

*अथवा*

**स्थायी सम्पत्ति का क्रय किस उद्देश्य से किया जाता है ? स्थायी सम्पत्ति के उदाहरण दीजिए।**

*अथवा*

**गैर-चालू सम्पत्तियाँ क्या होती हैं ?**

उत्तर—स्थायी सम्पत्ति या गैर-चालू सम्पत्तियाँ वह सम्पत्ति हैं जो व्यवसाय में इस उद्देश्य से क्रय की जाती हैं कि उनका प्रयोग वस्तु के उत्पादन या सेवाएँ प्रदान करने में किया जायेगा। ये

सम्पत्तियाँ पुन: विक्रय के उद्देश्य से नहीं खरीदी जाती हैं। गैर- चालू या स्थायी सम्पत्ति को निम्न में मूल लागत पर दर्शाया जाता है। वर्ष का वार्षिक ह्रास इसकी लागत में से घटा दिया जाता है। कुछ प्रमुख स्थायी सम्पत्तियाँ निम्नलिखित हैं—(i) भवन, (ii) मशीन, (iii) फर्नीचर, (iv) भूमि, (v) ख्याति, (vi) प्लाण्ट, (vii) पेटेण्ट, (viii) वाहन आदि।

**प्रश्न 4. अमूर्त सम्पत्तियाँ क्या होती हैं ? उदाहरण सहित बताइए।**

उत्तर—अमूर्त सम्पत्तियाँ वे सम्पत्तियाँ हैं जिनको स्पर्श व देखा नहीं जा सकता है। ख्याति, पेटेण्ट, ट्रेडमार्क, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, कॉपीराइट आदि अमूर्त सम्पत्ति के उदाहरण हैं। अमूर्त सम्पत्तियाँ गैर-चालू सम्पत्तियाँ होती हैं।

**प्रश्न 5. चालू दायित्व क्या होते हैं ? उदाहरण दीजिए।**

उत्तर—चालू दायित्व किसी संस्था या कम्पनी के वे ऋण या दायित्व हैं जो एक वर्ष के अन्दर देय होते हैं। प्राय: ये वे दायित्व हैं जो लेनदारों या माल के पूर्तिकर्त्ताओं को देय होते हैं। चालू दायित्वों में देय बिल, लेनदार, अदत्त व्ययों को शामिल किया जाता है।

**प्रश्न 6. कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के भाग I के अनुसार एक कम्पनी के चिट्ठे में निम्न मदों को किन-किन मुख्य तथा उपशीर्षकों में लिखा जाएगा ?**

(1) व्यापारिक लेनदार,

(2) कर के लिये प्रावधान,

(3) लाभ तथा हानि के विवरण का शेष (डेबिट),

(4) लाभ तथा हानि के विवरण का आधिक्य।

उत्तर—

| S. No. | Item | Major head | Sub-head |
|---|---|---|---|
| 1. | Trade Payables | Current Liabilities | ..... |
| 2. | Provision for Tax | Current Liabilities | Short-term Provisions |
| 3. | Surplus, *i.e.*, Balance in Statement of Profit and Loss (Dr.) | Shareholders' Funds | Reserve and Surplus (As negative amount) |
| 4. | Surplus, *i.e.*, Balance in Statement of Profit & Loss | Shareholders' Funds | Reserve and Surplus |

**प्रश्न 7. एक कम्पनी के चिट्ठे के 'समता एवं दायित्व' के किस मुख्य शीर्षक व उपशीर्षक में निम्नांकित मदें अनसूची III के अनुसार लिखी जायेगी—**

(1) ऋणपत्र,

(2) जन निक्षेप,

(3) सिक्यूरिटीज प्रीमियम रिजर्व,

(4) पूँजीगत संचय,

उत्तर–

| S. No. | Item | Main head | Sub-head |
|---|---|---|---|
| 1. | Debentures | Non-current Liabilities | Long-term Borrowings |
| 2. | Public Deposits | Non-current Liabilities | Long-term Borrowings |
| 3. | Securities Premium Reserve | Shareholders' Funds | Reserves and Surplus |
| 4. | Capital Reserve | Shareholders' Funds | Reserves and Surplus |
| 5. | Forfeited Share Account | Shareholders' Funds | Subscribed Capital (Shown by way of addition) |

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। (कोई चार) (2019, 20)**

उत्तर–वित्तीय विवरण के निर्माण के निम्न उद्देश्य हैं–

**(1) व्यवसाय के संचालन के परिणाम का निर्धारण करना (Ascertaining the Results of Business Operation)**–प्रत्येक व्यापारी या व्यवसाय का स्वामी अपने व्यवसाय के संचालन के परिणाम को लाभ या हानि के रूप में जानना चाहता है। आय विवरण या लाभ-हानि खाता इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।

**(2) वित्तीय स्थिति का निर्धारण (Ascertaining the Financial Position)**–वित्तीय विवरण किसी भी व्यापारिक संस्था की वित्तीय स्थिति को एक निश्चित तिथि पर दर्शाता है जो मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष का अन्तिम दिन होता है। आर्थिक चिट्ठा या तुलन पत्र इस उद्देश्य हेतु वनाया जाता है।

**(3) सूचना का स्रोत (Source of Information)**–वित्तीय विवरण व्यवसाय के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और वित्त सम्बन्धी सूचनाएँ एक वित्तीय प्रबन्धक को वित्तीय क्रियाओं के सम्बन्ध में योजना बनाने एवं फण्ड के उत्तम प्रयोग में सहायक होती हैं।

**(4) प्रबन्धकीय निर्णयन में सहायक (Helpful in Managerial Decision Making)**–प्रवन्धक कम्पनी की लाभदायकता का तुलनात्मक अध्ययन गत वर्ष व चालू वर्ष के परिणामों से कर सकता है जो कि वित्तीय विवरणों द्वारा उपलब्ध हो जाते हैं एवं अपने प्रवन्धकीय निर्णय ले सकते हैं।

**(5) शोधन का सूचक (An Index of Solvency)**–वित्तीय विवरण व्यवसाय की दीर्घकालीन व अल्पकालीन शोधन क्षमता को प्रकट करता है। ये सूचनाएँ व्यवसाय को बैंकों व वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेने में सहायक होती हैं।

**प्रश्न 2. वित्तीय विवरणों के महत्व के बारे में विस्तार से व्याख्या कीजिए।**

*अथवा*

**वित्तीय विवरणों का निम्नलिखित के लिये महत्व बताइए–**

**(i) अंशधारक, (ii) लेनदार, (iii) सरकार, (iv) निवेशक।**

*अथवा*

**वित्तीय विवरण की उपयोगिता या महत्त्व लिखिए।** (2019)

उत्तर—वित्तीय विवरणों का महत्व इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि वह किस प्रकार विभिन्न व्यवसाय से सम्बन्धित पक्षकारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। वित्तीय विवरणों के महत्व की चर्चा निम्नलिखित बिन्दुओं पर की जा सकती है—

**(1) प्रबन्धक के लिये महत्व (Importance to Management)**—प्रबन्धकों को अपने विभिन्न व्यावसायिक क्रियाओं व प्रबन्धकीय निर्णयन हेतु तत्कालीन वित्तीय आँकड़ों की सही एवं व्यवस्थित रूप में आवश्यकता होती है। वित्तीय विवरण उन्हें आवश्यक सूचनाएँ प्रदान करता है जिनसे वे व्यवसाय की स्थिति, प्रगति व भावी सम्भावनाओं का अध्ययन तथा विश्लेषण कर सकते हैं। वित्तीय समंकों व सूचनाओं के आधार पर वे भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं का निर्माण करते हैं।

**(2) अंशधारियों के लिये महत्व (Importance to the Shareholders)**—अंशधारी कम्पनी के स्वामी होते हैं। वे कम्पनी की प्रबन्ध व्यवस्था में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले सकते। अत: वित्तीय विवरणों के माध्यम से उन्हें व्यवसाय के परिणाम, आर्थिक स्थिति एवं प्रगति से अवगत कराया जाता है। वित्तीय विवरणों के माध्यम से अंशधारियों को प्रबन्ध तन्त्र की कार्यक्षमता एवं प्रभावपूर्णता का ज्ञान होता है। वित्तीय विवरणों के माध्यम से अंशधारी कम्पनी के लाभ व आय अर्जित करने की क्षमता का विश्लेषण कर सकते हैं।

**(3) लेनदारों के लिये महत्व (Importance to the Creditors)**—वित्तीय विवरण वर्तमान एवं भावी माल व सेवाओं की पूर्तिकर्त्ताओं के लिये मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। वित्तीय विवरणों के विश्लेषणात्मक परीक्षण से लेनदार कम्पनी की तरलता स्थिति, लाभदायकता व दीर्घकालीन क्षमता का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे वे भविष्य में सेवाओं को प्रदान करने के विकल्प पर विचार करते हैं।

**(4) श्रमिकों के लिए महत्व (Importance to Labour)**—श्रमिक भी वित्तीय विवरण द्वारा दर्शाये गये लाभ के आधार पर अपने पारिश्रमिक वृद्धि एवं बोनस की माँग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे कर्मचारी कल्याण के लिये विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करा सकते हैं।

**(5) समाज के लिए महत्व (Importance to Society)**—वित्तीय विवरणों का महत्व समाज के विभिन्न वर्गों के लिये महत्वपूर्ण है। चूँकि व्यवसाय समाज के विभिन्न संसाधनों का प्रयोग कर लाभ कमाता है। अत: उसके बदले में व्यवसाय समाज को किस प्रकार लाभान्वित करता है इसकी पुष्टि वित्तीय विवरणों से होती है।

**(6) राष्ट्र के लिए महत्व (Importance to Nation)**—कम्पनियों की प्रगति देश के आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। कम्पनियों द्वारा देय कर व अन्य योजनाएँ, रोजगार के अवसर आदि का ज्ञान वित्तीय विवरणों से होता है।

**प्रश्न 3. एक अच्छे वित्तीय विवरण के आवश्यक गुण लिखिए। (कोई तीन)** (2022)

उत्तर—एक अच्छे वित्तीय विवरण के आवश्यक गुण अग्रलिखित हैं—

(1) प्रासंगिकता—जो वित्तीय बनाये जाये वे अपने उद्देश्य के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाओं को प्रकट करने वाले होने चाहिए। वित्तीय विवरण में से कोई भी प्रासंगिक तथ्य छूटने नहीं चाहिए अन्यथा वित्तीय विवरण से निकाले गये निष्कर्ष गलत होंगे।

(2) तुलनात्मकता—वित्तीय विवरण को बनाने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य तुलना करना होता है, इस कारण इस विवरण से प्राप्त सूचनाएँ ऐसी होनी चाहिए कि उनकी वर्तमान व गत वर्ष व उसके पूर्व के वर्षों से तुलना की जा सके।

(3) विश्वसनीयता—वित्तीय विवरणों में दी गयी सूचनाएँ यथार्थ होती हैं, तो वित्तीय विवरण विश्वसनीय होते हैं। विश्वसनीय वित्तीय विवरण निर्णयन के लिये अधिक मान्य होते हैं एवं निर्णयन के लिये प्रयोग किये जाते हैं।

**प्रश्न 4. वित्तीय विवरणों की सीमाओं का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**वित्तीय विवरणों की सीमाएँ लिखिए। (कोई चार)** (2020)

उत्तर—वित्तीय विवरणों के निम्न दोष या सीमाएँ हैं—

(1) **केवल रिपोर्ट मात्र**—वित्तीय विवरण कम्पनी की स्थिति को पूर्ण रूप से व्यक्त नहीं करता है क्योंकि इसमें कुछ तथ्य अनुमानित होते हैं जिनकी वास्तविक स्थिति समापन के समय ज्ञात होती है।

(2) **वित्तीय स्थिति नहीं दर्शाता**—वित्तीय विवरण कम्पनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति को नहीं दर्शाता क्योंकि इसके अन्तर्गत दर्शाये जाने वाली सम्पत्तियों व दायित्वों का मूल्य विभिन्न आधारों पर मूल्यांकित होता है जो वास्तविक मूल्य से भिन्न होते हैं।

(3) **सारांश मात्र**—वित्तीय विवरण पूर्ण रूप से विस्तृत नहीं होता है। यह एक सारांश मात्र होता है।

(4) **ऐतिहासिक लागत**—वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत पर आधारित होता है जिसमें मूल्य परिवर्तनों का समावेश नहीं होता है। कम्पनी के आय विवरण में दर्शाये गये लाभ वास्तविक नहीं होते क्योंकि इसमें कुछ ऐसी मदों का समावेश होता है जिनका रोकड़ी व्यय नहीं है।

(5) **अनिवार्य सूचना का अभाव**—वित्तीय विवरणों में दर्शायी गयी सूचना प्रबन्धकों पर निर्भर करती है। कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों का प्रकटीकरण वे वित्तीय विवरणों में नहीं करते।

(6) **गैर-वित्तीय कारकों का समावेश नहीं**—कम्पनी की वास्तविक स्थिति व व्यापारिक परिणाम कई गैर-वित्तीय कारणों से प्रभावित होते हैं जिनका समावेश वित्तीय विवरणों में नहीं होता।

**प्रश्न 5. कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे का प्रारूप बनाइए।**

उत्तर—कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे का प्रारूप अग्रलिखित है—

कम्पनी के वित्तीय विवरण

## तुलन पत्र (Balance Sheet)
## 31 मार्च, 20..... को
## (as at 31st March, 20.....)

| Particulars | Note No. | Figure as at the end of Current reporting period | Figure as at the end of Previous reporting period |
|---|---|---|---|
| **I. Equity and Liabilities** | | | |
| (1) Shareholder's Funds | | | |
| (a) Share Capital | | | |
| (b) Reserves and Surplus | | | |
| (c) Money received against share warrants | | | |
| (2) Share Application money pending allotment | | | |
| (3) Non-current Liabilities | | | |
| (a) Long term borrowings | | | |
| (b) Deferred tax liabilities (net) | | | |
| (c) Other long-term liabilities | | | |
| (d) Long-term provisions | | | |
| (4) Current Liabilities | | | |
| (a) Short-term borrowings | | | |
| (b) Trade payables | | | |
| (c) Other current liabilities | | | |
| (d) Short-term provisions | | | |
| **Total** | | | |
| **II. Assets** | | | |
| (1) Non-Current Assets | | | |
| (a) Fixed assets | | | |
| (i) Tangible assets | | | |
| (ii) Intangible assets | | | |
| (iii) Capital work-in-progress | | | |
| (iv) Intangible assets underdevelopment | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (b) Non-current investments | | |
| | (c) Deferred tax assets (net) | | |
| | (d) Long-term loans and advances | | |
| | (e) Other non-current assets | | |
| (2) | Current Assets | | |
| | (a) Current investments | | |
| | (b) Inventories | | |
| | (c) Trade receivables | | |
| | (d) Cash and cash equivalents | | |
| | (e) Short-term loans and advances | | |
| | (f) Other current assets | | |
| | **Total** | | |

प्रश्न 6. कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी के लाभ-हानि खाते का प्रारूप बनाइए।

उत्तर—कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी के लाभ-हानि खाते का प्रारूप निम्न प्रकार है—

**Statement of Profit and Loss for the year ended.....**

| | Particulars | Note No. | Figure as at the end of Current reporting period | Figure as at the end of Previous reporting period |
|---|---|---|---|---|
| I. | Revenue from operations | | | |
| II. | Other income | | | |
| III. | Total Revenue (I + II) | | | |
| IV. | Expenses : | | | |
| | Cost of materials consumed | | | |
| | Purchases of stock-in-trade | | | |
| | Changes in inventories of finished goods | | | |
| | Work-in-progress and stock-in-trade | | | |
| | Employee benefits expense | | | |
| | Finance costs | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | Depreciation and amortisation Expenses | | | |
| | Other expenses | | | |
| | Total expenses | | | |
| V. | Profit before extraordinary items and tax (III–IV) | | | |
| VI. | Exceptional items | | | |
| VII. | Profit before extraordinary items and tax (V–VI) | | | |
| VIII. | Extraordinary items | | | |
| IX. | Profit before tax (VII–VIII) | | | |
| X. | Tax expense : | | | |
| | (1) Current tax | | | |
| | (2) Deferred tax | | | |
| XI. | Profit/(Loss) for the period from continuing operations (IX–X) | | | |
| XII. | Profit/(Loss) from discontinuing operations | | | |
| XIII. | Tax expense of discontinuing operations | | | |
| XIV. | Profit/(Loss) from Discontinuing operations (after tax) (XII–XIII) | | | |
| XV. | Profit/(Loss) for the period (XI + XIV) | | | |
| XVI. | Earnings per equity share : | | | |
| | (1) Basic | | | |
| | (2) Diluted | | | |

प्रश्न 7. कम्पनी के चिट्ठे में अनुसूची-III के अनुसार स्थायी सम्पत्तियों के उप-शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली 5 मूर्त सम्पत्तियों और 5 अमूर्त सम्पत्तियों के नाम लिखिए। (2019)

कम्पनी के वित्तीय विवरणों में प्रमुख रूप से दर्शायी जाने वाली मूर्त व अमूर्त सम्पत्ति निम्न हैं–

| मूर्त स्थायी सम्पत्तियाँ | अमूर्त स्थायी सम्पत्तियाँ |
|---|---|
| (i) भूमि व भवन | (i) ख्याति |
| (ii) प्लान्ट/उपकरण व मशीनरी | (ii) ब्रॉण्ड/ट्रेडमार्क |
| (iii) फर्नीचर व फिक्सचर्स | (iii) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर |
| (iv) वाहन | (iv) लाइसेंस व फ्रेंचाइज |
| (v) कार्यालय उपकरण | (v) कॉपीराइट/पेटेण्ट |

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित सूचना से जैम लि. का तुलन-पत्र बनाइए–

रहतिया ₹ 7,00,000; समता अंश पूँजी ₹ 16,00,000; संयंत्र एवं मशीनरी ₹ 8,00,000; अधिमान अंश पूँजी ₹ 6,00,000; सामान्य संचय ₹ 6,00,000; देय विपत्र ₹ 1,50,000; कराधान हेतु प्रावधान ₹ 2,50,000; भूमि व भवन ₹ 16,00,000; गैर-चालू निवेश ₹ 10,00,000; बैंक में रोकड़ ₹ 5,00,000; लेनदार ₹ 2,00,000; 12% ऋण-पत्र ₹ 12,00,000.

हल :

**Balance Sheet**
**(As At March 31, 2017)**

| Particulars | Note No. | Amount |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| **I. Equity and Liabilities** | | |
| **1. Shareholders' Funds** | | |
| (a) Share capital | 1 | 22,00,000 |
| (b) Reserves and Surplus | 2 | 6,00,000 |
| **2. Non-Current Liabilities** | | |
| (a) Long-term Borrowings | 3 | 12,00,000 |
| (b) Trade Payables | 4 | 3,50,000 |
| (c) Short-term Provisions | 5 | 2,50,000 |
| **Total** | | 46,00,000 |
| **II. Assets** | | |
| **1. Non-Current Assets** | | |
| (a) Fixed Assets | | |
| (i) Tangible Assets | 6 | 24,00,000 |
| (b) Non-Current Investment | | 10,00,000 |

| | | |
|---|---|---|
| 2. Current Assets | | |
| (a) Inventories | | [illegible],00,000 |
| (b) Cash and Cash Equivalents | | 8,00,000 |
| Total | | 46,00,000 |

## Notes to Account

| 1. Share Capital | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Equity Share Capital | 16,00,000 |
| Preference Share Capital | 6,00,000 |
| Total | 22,00,000 |

| 2. Reserves and Surplus | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| General Reserve | 6,00,000 |

| 3. Long-term Borrowings | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| 12% Debentures | 12,00,000 |

| 4. Trade Payables | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Creditors | 2,00,000 |
| Bills Payable | 1,50,000 |
| Total | 3,50,000 |

| 5. Short-term Provisions | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Provision for Taxation | 2,50,000 |

| 6. Tangible Assets | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Land and Building | 16,00,000 |
| Plant and Machinery | 8,00,000 |
| Total | 24,00,000 |

7. Cash and Cash Equivalents

| | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Bank | 5,00,000 |

प्रश्न 2. निम्नलिखित सूचना से गीतांजलि लि. का तुलन-पत्र बनाइए—

रहतिया ₹ 14,00,000; समता अंश पूँजी ₹ 20,00,000; संयंत्र एवं मशीनरी ₹ 10,00,000; अधिमानी अंश पूँजी ₹ 12,00,000; ऋणपत्र शोधन कोष ₹ 6,00,000; अदत्त व्यय ₹ 3,00,000; प्रस्तावित लाभांश ₹ 5,00,000; भूमि व भवन ₹ 20,00,000; चालू निवेश ₹ 8,00,000; रोकड़ तुल्यांक ₹ 10,00,000; जावेरी लि. (ट्विलाईट लि. की एक सहायक कम्पनी) से अल्पावधि ऋण ₹ 4,00,000; सार्वजनिक जमा ₹ 12,00,000।

हल :

**Balance Sheet**
**(As at March 31, 2017)**

| Particulars | Note No. | Amount |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| **I. Equity and Liabilities** | | |
| **1. Shareholders' Funds** | | |
| (a) Share Capital | 1 | 32,00,000 |
| (b) Reserves and Surplus | 2 | 6,00,000 |
| **2. Non-Current Liabilities** | | |
| (a) Long-term Borrowings | 3 | 12,00,000 |
| **3. Current Liabilities** | | |
| (a) Other Current Liabilities | 4 | 3,00,000 |
| (b) Short-term Borrowings | 5 | 4,00,000 |
| (c) Short-term Provisions | 6 | 5,00,000 |
| **Total** | | 62,00,000 |
| **II. Assets** | | |
| **1. Non-Current Assets** | | |
| (a) Fixed Assets | | |
| (i) Tangible Assets | 7 | 30,00,000 |
| (ii) Intangible Assets | | |
| (b) Non-Current Investments | | |
| **2. Current Assets** | | |
| (a) Inventories | | 14,00,000 |
| (b) Current Investments | | 8,00,000 |
| (c) Cash and Cash Equivalents | | 10,00,000 |
| **Total** | | 62,00,000 |

## Notes to Account

| 1. Share Capital | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Equity Share Capital | 20,00,000 |
| Preference Share Capital | 12,00,000 |
| **Total** | **32,00,000** |

| 2. Reserves and Surplus | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Debenture Redemption Reserve | 6,00,000 |

| 3. Long-term Borrowings | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Public Deposits | 12,00,000 |

| 4. Other Current Liabilities | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Outstanding Expenses | 3,00,000 |

| 5. Short-term Borrowings | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Loan from Zaveri Ltd. | 4,00,000 |

| 6. Short-term Provisions | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Proposed Dividend | 5,00,000 |

| 7. Tangible Assets | Amount |
|---|---|
| | ₹ |
| Land and Building | 20,00,000 |
| Plant and Machinery | 10,00,000 |
| **Total** | **30,00,000** |

# अध्याय 10

# वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरणों का विश्लेषण का प्रयोग करते हैं—
   (अ) प्रबन्धक, (ब) अंशधारी, (स) लेनदार, (द) उक्त सभी।
2. निम्न में से कौन-सा वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उपकरण नहीं है ? (2019, 22
   (अ) तलपट, (ब) तुलनात्मक विवरण,
   (स) अनुपात विश्लेषण (द) सम आकार विवरण।

उत्तर—1. (द), 2. (अ)।

### ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. वित्तीय विश्लेषण गुणात्मक एवं संख्यात्मक पहलुओं का ..... करता है।
2. व्यवसाय की वित्तीय स्थिति की जानकारी उसके ..... से प्राप्त होती है।
3. वित्तीय विवरण का विश्लेषण वित्तीय विवरणों की ..... व्याख्या है।

उत्तर—1. मापन, 2. वित्तीय विवरण, 3. आलोचनात्मक।

### ☞ सत्य/असत्य

1. वित्तीय विश्लेषण विवरणों को बनाना कानून द्वारा अनिवार्य नहीं है।
2. वित्तीय विश्लेषण केवल लेनदारों द्वारा प्रयोग में लाये जाते हैं। (2022)
3. वित्तीय विश्लेषण का अध्ययन व्यवसाय की लाभदायकता, शोधन क्षमता, तरलता व वित्तीय स्थिति का मापक है।
4. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से व्यवसाय की वर्तमान उपार्जन क्षमता का निर्धारण किया जा सकता है।

उत्तर—1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य।

### ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. वित्तीय विश्लेषण | (अ) उपार्जन क्षमता का निर्धारण |
| 2. एकरूपता का अभाव | (ब) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण |

उत्तर—1. → (अ), 2. → (ब)।

## एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. वित्तीय विवरणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना क्या कहलाता है ?

उत्तर–1. वित्तीय विश्लेषण।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का अर्थ लिखिए।** (2019)

उत्तर–वित्तीय विश्लेषण से आशय वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित विभिन्न वित्तीय सूचनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन है ताकि इससे प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विभिन्न वित्तीय निर्णय लिये जा सकें।

**प्रश्न 2. वित्तीय विश्लेषण की तकनीकों को बताइए।**

*अथवा*

**वित्तीय विश्लेषण के विभिन्न उपकरणों के नाम लिखिए। (कोई दो)** (2020)

उत्तर–वित्तीय विश्लेषण के कुछ प्रमुख उपकरण या तकनीकें निम्नलिखित हैं–

(1) तुलनात्मक पत्रक,
(2) सम-आकार विवरण,
(3) प्रवृत्ति विश्लेषण,
(4) अनुपात विश्लेषण,
(5) फण्ड बहाव विवरण,
(6) रोकड़ बहाव विवरण।

**प्रश्न 3. वित्तीय विश्लेषण का प्रयोग किन पक्षकारों के लिए रुचिकर होता है ?**

उत्तर–वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में व्यवसाय से सम्बन्धित विभिन्न पक्षकार अपने हितों के सम्बन्ध जानने में रुचि रखते हैं। ये पक्षकार मुख्य रूप से अंशधारी, ऋणपत्रधारी, भावी निवेशक, लेनदार, बैंक, वित्तीय संस्थाएँ, सरकार, कर विभाग आदि हैं।

**प्रश्न 4. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से लेनदार को क्या लाभ हैं ?**

उत्तर–वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से व्यवसाय के लेनदार फर्म की अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन ऋणों की अदायगी की स्थिति का विश्लेषण कर अपने ऋणों व उस पर देय ब्याज के भुगतान की क्षमता की सूचना प्राप्त करते हैं।

**प्रश्न 5. वित्तीय विश्लेषण के दो प्रकारों के नाम बताइए।**

उत्तर–वित्तीय विश्लेषण के प्रकार हैं–क्षैतिज विश्लेषण, शीर्ष विश्लेषण, प्रवृत्ति विश्लेषण आदि।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. वित्तीय विश्लेषण की दो सीमाएँ लिखिए।** (2020)

*अथवा*

**वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सीमाएँ समझाइए। (कोई चार)**

उत्तर—वित्तीय विवरण के विश्लेषण की सीमाएँ निम्नलिखित हैं—

**(1) वित्तीय विवरण की सीमाएँ**—वित्तीय विवरण की अपने आप में अनेक सीमाएँ हैं। वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत पर आधारित होता है। यह भविष्य में होने वाले परिवर्तनों को सम्मिलित नहीं करता। चिट्ठे में प्रदर्शित मदों के मूल्यांकन की विधियों में भी भिन्नता रहती है।

**(2) गुणात्मकता का अभाव**—व्यवसाय के गुणात्मक तत्वों को वित्तीय विवरण में शामिल नहीं किया जाता है; जैसे—प्रबन्धकों का ज्ञान, तकनीकी विशेषता, मानवीय संसाधन की गुणवत्ता आदि।

**(3) वित्तीय विवरण बोलने में अक्षम**—वित्तीय विवरण में प्रदर्शित समंक स्वयं बोलने में असमर्थ होते हैं। इन समंकों का बोलना विशेषज्ञ की सोच व ज्ञान पर निर्भर करता है।

**(4) एकरूपता का अभाव**—वित्तीय विवरण के निर्माण में अपनायी गयी विभिन्न विधियों व तकनीकों में चुनाव की सुविधा के कारण वित्तीय विवरणों में एकरूपता का अभाव रहता है।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. वित्तीय विश्लेषण क्या है ? वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्यों को समझाइए।**

*अथवा*

**वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**वित्तीय विवरण के विश्लेषण के उद्देश्य लिखिए।** (2022)

उत्तर—वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से तात्पर्य वित्तीय विवरणों में दर्शायी गयी विभिन्न वित्तीय सूचनाओं का विधिवत् रूप से आलोचनात्मक मूल्यांकन करना है जिसके आधार पर वित्तीय निर्णय लिये जा सकें। वित्तीय विश्लेषण से व्यवसाय की लाभदायकता, क्रियात्मक एवं शोधन क्षमता व व्यवसाय की प्रगति का विश्लेषण किया जा सकता है।

वित्तीय विवरण के विश्लेषण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

**(1) उपार्जन क्षमता का निर्धारण**—वित्तीय विवरण के विश्लेषण का एक प्रमुख उद्देश्य उपार्जन क्षमता का निर्धारण करना है। उपार्जन क्षमता का निर्धारण विभिन्न लाभदायकता अनुपातों की गणना करके किया जा सकता है।

**(2) क्रियात्मक क्षमता का निर्धारण**—व्यवसाय के गत वर्ष व चालू वर्षों के उत्पादन विक्रय, वितरण एवं अन्य व्ययों के [illegible] तुलना कर क्रियात्मक क्षमता का पता लगाया जा सकता है।

(3) **वित्तीय सुदृढ़ता**—अनुपात विश्लेषण के माध्यम से व्यवसाय की अल्पकालीन व दीर्घकालीन वित्तीय सुदृढ़ता का पता लगाया जा सकता है। वित्तीय विश्लेषण में लेनदार व विनियोजक गहन रुचि रखते हैं।

(4) **बजट निर्माण**—वित्तीय विवरणों का परीक्षण एवं विश्लेषण करके भविष्य की प्रवृत्तियों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है एवं इन पूर्वानुमानों के आधार पर विभिन्न प्रकार के बजटों का निर्माण सम्भव है।

(5) **आर्थिक विकास की सूचना**—वित्तीय विश्लेषण के माध्यम से सरकार द्वारा देश में हो रहे आर्थिक विकास का निर्धारण किया जा सकता है। इस विश्लेषण के आधार पर सरकार नीतियों का निर्माण, करों का निर्धारण, प्राथमिक क्षेत्रों के निर्धारण पर विचार कर सकती है।

(6) **मजदूर संघ**—वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के द्वारा मजदूर संघ व्यवसाय की लाभदायकता का पता लगाकर अपने वेतन, बोनस एवं अन्य सुविधाओं के लिये माँग कर सकते हैं।

**प्रश्न 2. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्व समझाइए। (कोई चार)**

*अथवा*

**वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्व किन्हीं चार बिन्दुओं पर समझाइए।**

*अथवा*

**वित्तीय विश्लेषण के महत्व का वर्णन कीजिए।**

उत्तर—वित्तीय विवरणों का विश्लेषण विभिन्न पक्षकारों के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस तथ्य की पुष्टि निम्नलिखित तथ्यों से प्रकट होती है—

(1) प्रबन्धक—व्यवसाय के प्रबन्धक वित्तीय विवरण के विश्लेषण के द्वारा व्यवसाय की लाभदायकता, वित्तीय स्थिति एवं वित्तीय सफलता आदि का अध्ययन कर व्यवसाय की कमियों का पता लगाकर उपयुक्त नीतियों का निर्माण करते हैं।

(2) अंशधारी—वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा अंशधारी लाभांश की दर से विनियोग की वृद्धि का अनुमान लगा सकते हैं एवं व्यवसाय की प्रगति का पता व दर का अनुमान लगाया जा सकता है।

(3) लेनदार—व्यावसायिक लेनदार वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से व्यवसाय की ऋण भुगतान क्षमता का निर्धारण कर अपने ऋणों व ब्याज की सुरक्षा का पता लगा सकते हैं।

(4) सरकार—वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के द्वारा सरकार आर्थिक नीतियों, उद्योगों की सफलता व आर्थिक विकास की नीतियों के बनाने में सहायता प्राप्त करती है। इन विश्लेषणों के द्वारा सरकार संसाधनों का आवंटन कर सकती है।

(5) कर्मचारी—कर्मचारी वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के माध्यम से अपने वेतन वृद्धि, बोनस व अन्य सुविधाओं की माँग नियोक्ताओं से कर सकते हैं।

❑

# अध्याय 11

# लेखांकन अनुपात

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. सकल लाभ अनुपात में सकल लाभ का सम्बन्ध स्थापित करते हैं—
   (अ) कुल पूँजी से, (ब) कार्यशील पूँजी से,
   (स) शुद्ध विक्रय से, (द) अंश पूँजी से।
2. तरल अनुपात में तरल सम्पत्ति है—
   (अ) केवल रोकड़, (ब) रोकड़ व बैंक में रोकड़,
   (स) शुद्ध चालू सम्पत्ति, (द) चालू सम्पत्ति-स्टॉक।
3. तरल अनुपात का प्रमाप है—
   (अ) 2 : 1, (ब) 1 : 1,
   (स) 3 : 1, (द) इनमें से कोई नहीं।
4. आवर्त अनुपात द्वारा क्रियाशीलता की जाँच की जाती है—
   (अ) दायित्वों की, (ब) सम्पत्तियों की,
   (स) आगम की, (द) इनमें से कोई नहीं।
5. यदि चालू दायित्व ₹ 3,00,000 है व चालू अनुपात 1·5 : 1 है, तो चालू सम्पत्ति होगी—
   (अ) ₹ 4,00,000, (ब) ₹ 3,50,000,
   (स) ₹ 4,50,000, (द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (द), 5. (स).

### ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. आदर्श चल अनुपात ..... माना जाता है। (2020)
2. चालू अनुपात में चालू सम्पत्ति का ..... से सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।
3. ऋण-समता अनुपात ..... शोधन क्षमता की जाँच करता है।
4. अनुपात विश्लेषण दो मदों के मध्य ..... सम्बन्ध को अभिव्यक्त करता है। (2022)

5. ...... अनुपात अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान की क्षमता का माप है।

उत्तर—1. 2 : 1, 2. चालू दायित्व, 3. दीर्घकालीन, 4. परिमाणात्मक/मात्रात्मक, 5. तरलता।

## सत्य/असत्य

1. सकल लाभ अनुपात में कमी होना उत्पादन लागत में वृद्धि का संकेत है।
2. आवर्त अनुपात में आवर्त से आशय विक्रय से है।
3. बहुत ऊँचा स्टॉक आवर्त अनुपात व्यवसाय के लिये सदैव अच्छा माना जाता है।
4. औसत वसूली अवधि में कमी देनदारों से शीघ्र वसूली को दर्शाता है।
5. स्टॉक में वृद्धि से तरल अनुपात में कमी होगी।

उत्तर—1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. असत्य।

## जोड़ी मिलाइए

| 'क' | | 'ख' |
|---|---|---|
| 1. स्वामित्व कोष | (2019) | (अ) दीर्घकालीन ऋण भुगतान का मापक |
| 2. ऋण-समता अनुपात | | (ब) चालू दायित्व |
| 3. लेनदार | (2019) | (स) तरल सम्पत्ति |
| 4. चालू सम्पत्ति-स्टॉक | | (द) स्वामित्व अनुपात |
| 5. 2 : 1 प्रमाप | | (य) चालू अनुपात |

उत्तर—1. → (द), 2. → (अ), 3. → (ब), 4. → (स), 5. → (य)।

## एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. शुद्ध विक्रय पर कुल लाभ का उपान्त किस अनुपात द्वारा प्रदर्शित होता है ?
2. गैर-संचालन व्यय एवं आयों का समायोजन किस अनुपात की गणना के लिये किया जाता है ?
3. उधार विक्रय की वसूली किस अनुपात के द्वारा प्रकट होती है ?
4. तरलता अनुपात में किस प्रकृति की सम्पत्तियों को शामिल करते हैं ?
5. कुल लागत कुल विक्रय के बराबर कहाँ होती है ? (2019, 22)

उत्तर—1. सकल लाभ अनुपात, 2. शुद्ध लाभ अनुपात, 3. औसत वसूली अवधि, 4. तरल सम्पत्ति, 5. जहाँ न लाभ है न हानि (सम-विच्छेद बिन्दु)।

# अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. अनुपात विश्लेषण से आपका क्या तात्पर्य है ?**

उत्तर—दो या दो से अधिक मदों के मध्य नियमबद्ध एवं तर्कयुक्त सम्बन्ध स्थापित कर विश्लेषण करना अनुपात विश्लेषण कहलाता है। जब ये म[illegible] [illegible]रण से ली हैं, तो इन्हें लेखांकन अनुपात कहते हैं।

**प्रश्न 2. सकल लाभ अनुपात से क्या आशय है ?** (2020)

**उत्तर**—सकल लाभ अनुपात व्यवसाय की प्रमुख व्यावसायिक क्रिया से आय अर्जित करने की क्षमता दर्शाता है। सकल लाभ अनुपात में वृद्धि उत्पादन लागत में कमी को दर्शाता है, इसके विपरीत यह अनुपात कम होने पर उत्पादन लागत बढ़ने का संकेत होता है।

**प्रश्न 3. त्वरित अनुपात क्या है ?** (2020)

**उत्तर**—त्वरित अनुपात, जिसे एसिड-टेस्ट अनुपात के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार का तरलता अनुपात है जो किसी कम्पनी की अपनी नकदी या त्वरित परिसम्पत्तियों का उपयोग अपनी वर्तमान देनदारियों की तुरंत निबटान करने की क्षमता को मापता है।

**प्रश्न 4. बेचे गये माल की लागत किस प्रकार ज्ञात करते हैं ?** (2020)

**उत्तर**—बेचे गये माल की लागत को निम्न प्रकार ज्ञात किया जा सकता है—

बेचे गये माल की लागत = प्रा. स्टॉक + क्रय + क्रय सम्बन्धित व्यय – अन्तिम स्टॉक।

**प्रश्न 5. दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ?** (2020)

**उत्तर**—दीर्घकालीन ऋण वह ऋण है जो लम्बी अवधि के लिये ऋण के रूप में लिये जाते हैं जो एक विस्तारित अवधि के पश्चात् चुकाये जाते हैं। इन ऋणों को प्राय: तीन वर्ष की अवधि के पश्चात् चुकाया जाता है।

**प्रश्न 6. लेखांकन अनुपात के कोई दो लाभ या उपयोग लिखिए।** (2019)

**उत्तर**—लेखांकन अनुपात के दो लाभ निम्न हैं—

(i) लेखांकन अनुपात के द्वारा व्यवसाय के उन कमजोर क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है जहाँ समस्याएँ हैं एवं उनमें सुधार करना अति आवश्यक है।

(ii) लेखांकन अनुपात व्यवसाय द्वारा लिये गये विभिन्न निर्णयों की सार्थकता एवं कार्यक्षमता का पता लगाया जा सकता है।

**प्रश्न 7. चालू अनुपात क्या है ? इसकी गणना कैसे की जाती है ?**

*अथवा*

**चालू अनुपात किसे कहते हैं ?** (2022)

**उत्तर**—चालू अनुपात में कम्पनी के अल्पकालीन दायित्वों के समय पर भुगतान करने की क्षमता को माप करने के लिये प्रयोग किया जाता है। इस अनुपात की गणना हेतु चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्वों में सम्बन्ध स्थापित करते हैं। इस अनुपात का सूत्र है—

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$$

**प्रश्न 8. शुद्ध लाभ अनुपात का क्या महत्व है ?**

**उत्तर**—शुद्ध लाभ अनुपात व्यवसाय की कार्यशील क्षमता को प्रदर्शित करता है। शुद्ध लाभ अनुपात जितना अधिक होगा, उतना ही अच्छा प्रबन्ध का व्यवसाय पर नियन्त्रण व संचालन क्षमता में वृद्धि का प्रतीक है।

**प्रश्न 9. तरल सम्पत्ति से क्या आशय है ?**

*अथवा*

**शीघ्र सम्पत्ति क्या है ?**

**उत्तर**–तरल, त्वरित या शीघ्र सम्पत्ति, वे सम्पत्तियाँ होती हैं जो एक अल्प अवधि या ांश ही बिना किसी मूल्य हानि के रोकड़ में परिवर्तित की जा सकती हैं। इस सम्पत्ति में नकद रोकड़, रोकड़ बैंक में, लेनदार, प्राप्य बिल व अल्पकालीन विनियोग जो कि तरल माने जाते ं शामिल किये जाते हैं।

**प्रश्न 10. ऋण समता अनुपात क्या दर्शाता है ?**

**उत्तर**–ऋण समता अनुपात दीर्घकालीन ऋण व स्वामित्व की पूँजी के मध्य सम्बन्ध थापित करता है और बताता है कि कुल पूँजी का कितना भाग स्वामी की पूँजी व कितना भाग र्णों के माध्यम से संग्रहीत किया गया है।

**प्रश्न 11. चालू अनुपात में चालू सम्पत्तियों से क्या अभिप्राय है ?**

**उत्तर**–चालू अनुपात में चालू सम्पत्तियों से तात्पर्य उन सम्पत्तियों से है जो एक वर्ष के दर रोकड़ में परिवर्तित की जा सकती हैं।

**प्रश्न 12. लेखांकन अनुपात के कोई दो उद्देश्य लिखिए।** (2019)

**उत्तर**–*कृपया दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर देखें।*

**प्रश्न 13. अनुपात के प्रकार या वर्गीकरण को समझाइए।** (2019)

**उत्तर**–लेखांकन अनुपात के प्रमुख प्रकार निम्न हैं–

(1) **लाभदायकता अनुपात**–व्यवसाय की लाभ कमाने की क्षमता व लाभदायकता ति का ज्ञान प्राप्त करने के लिये इस अनुपात की गणना की जाती है, जैसे–सकल लाभ पात, शुद्ध लाभ अनुपात।

(2) **क्रियाशीलता अनुपात**–विभिन्न संसाधनों का किस कुशलता एवं लाभदायकता योग किया गया है कि माप हेतु इस अनुपात की गणना की जाती है, जैसे–स्टॉक आवर्त ात, स्थायी सम्पत्ति आवर्त अनुपात आदि।

(3) **तरलता अनुपात**–अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता की माप हेतु ता अनुपात की गणना की जाती है, जैसे–चालू अनुपात, तरल अनुपात आदि।

(4) **शोधन क्षमता अनुपात**–दीर्घकालीन बाहरी दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता ाप हेतु इस अनुपात की गणना की जाती है, जैसे शोधन क्षमता अनुपात, ऋण-समता ात।

**प्रश्न 14. ऋण-पूँजी विनियोजन अनुपात क्या है ?**

**उत्तर**–ऋण-पूँजी विनियोजन अनुपात संस्था की दीर्घकालीन ऋण व पूँजी विनियोजन ध्य के सम्बन्ध को दर्शाता है एवं संस्था के वित्तीय उत्तोलन को दर्शाता है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. सकल लाभ अनु**

उत्तर—**सकल लाभ अनुपात**—यह सकल लाभ व विक्रय के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है और दर्शाता है कि सकल लाभ व अनुपात जितना अधिक होगा, वह संचालन एवं अन्य व्ययों को पूरा करने के बाद उतना ही अंशदान शुद्ध लाभ के रूप में देगा।

$$\text{Gross Profit Ratio} = \frac{\text{Gross Profit}}{\text{Sales}} \times 100$$

**प्रश्न 2. चालू अनुपात और तरल अनुपात में अन्तर बताइए।**

उत्तर—चालू अनुपात और तरल अनुपात में निम्न अन्तर हैं—

| अन्तर का आधार | चालू अनुपात | तरल अनुपात |
|---|---|---|
| 1. आशय | यह अनुपात अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता का मापक है। | यह अनुपात व्यवसाय की तरलता को वास्तविक रूप में दर्शाता है। |
| 2. गणना | इस अनुपात की गणना हेतु चालू सम्पत्तियों को चालू दायित्वों से विभाजित करते हैं। | इस अनुपात की गणना के लिये तरल सम्पत्ति को चालू दायित्व से विभाजित करते हैं। |
| 3. प्रमाप | इस अनुपात का प्रमाप 2 : 1 श्रेष्ठ माना जाता है। | इस अनुपात का प्रमाप 1 : 1 श्रेष्ठ माना जाता है। |
| 4. सम्पत्ति | चालू सम्पत्ति में समस्त चालू सम्पत्ति को शामिल करते हैं जो एक वर्ष के अन्तर्गत रोकड़ में परिवर्तित किये जा सकते हैं। | तरल सम्पत्ति की गणना हेतु चालू सम्पत्ति में स्टॉक के पूर्वदत्त व्यय को शामिल नहीं करते। |

**प्रश्न 3. लेखांकन अनुपात की सीमाएँ लिखिए।** (2019)

उत्तर—लेखांकन अनुपात की चार सीमाएँ निम्नलिखित हैं—

(1) लेखांकन अनुपातों कीं गुणवत्ता वित्तीय समंकों की वैधता व शुद्धता पर निर्भर करती है। अगर वित्तीय समंक शुद्ध व पूर्ण नहीं होंगे तो अनुपातों की गणना व उसके आधार पर निकाले गये निष्कर्ष गलत होंगे।

(2) विभिन्न लेखांकन अनुपातों के प्रमाप के अभाव में लेखांकन अनुपातों का विश्लेषण करना कठिन होता है।

(3) वित्तीय लेखांकन का विश्लेषण मानवीय स्वभाव, व्यवहार, ज्ञान आदि के द्वारा प्रभावित होता है।

(4) छोटी फर्मों के लिये उपयुक्त नहीं क्योंकि इस कार्य को करने के लिये विशेष अनुभव व ज्ञान प्राप्त व्यक्ति की आवश्यकता होती है जिनका पारिश्रमिक अधिक होता है।

**प्रश्न 4. फर्म की ऋण शोधन क्षमता का अध्ययन कैसे करेंगे ?**

उत्तर—फर्म की ऋण शोधन क्षमता के अध्ययन हेतु निम्नलिखित अनुपातों की गणना की जाती है—

**(1) ऋण-समता अनुपात**—यह अनुपात दीर्घकालीन ऋण व समता पूँजी के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है और यह दर्शाता है कि कुल सम्पत्तियों का प्रबन्धन किस प्रकार किया

गया है अर्थात् कितना ऋण पूँजी से व कितना समता पूँजी से किया गया है। यदि स्वामित्व पूँजी का भाग ऋण पूँजी से अधिक है, तो संस्था के दीर्घकालीन लेनदार सुरक्षित हैं।

**(2) ऋण अनुपात**—यह अनुपात बाहरी दायित्वों व कुल सम्पत्ति के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है कि सम्पत्तियों की मात्रा कुल बाहरी दायित्वों के भुगतान हेतु पर्याप्त है।

**(3) ब्याज आवर्त अनुपात**—ब्याज आवर्त अनुपात का प्रयोग ऋणों पर व्याज भुगतान करने की क्षमता को पता लगाने के लिये किया जाता है। यह अनुपात बताता है कि यदि फर्म ऋणों पर ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है, तो वह फर्म भारी ऋणों से ग्रस्त है।

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. लेखांकन अनुपात के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।**

*अथवा*

**वित्तीय अनुपात विश्लेषण के उपयोगकर्ता कौन हैं ? उनके लिये अनुपात विश्लेषण के महत्व की व्याख्या कीजिए।**

*अथवा*

**लेखांकन अनुपातों का महत्व बताइए। (कोई छः बिन्दु)**

**उत्तर**—वित्तीय अनुपात विश्लेषण के उपयोगकर्ताओं में बाहरी उपयोगकर्त्ताओं के साथ-साथ आन्तरिक उपयोगकर्ता भी निर्णय लेते हैं। इनमें कम्पनी के प्रबन्धकों के स्थान विनियोगकर्ता, निवेशक, सरकारी एजेन्सियाँ भी रुचि रखते हैं। अनुपात विश्लेषण मुख्य रूप से निम्नलिखित उद्देश्यों/महत्वों हेतु प्रयोग किये जाते हैं—

**(1) लाभदायकता की माप**—अनुपात विश्लेषण के द्वारा विभिन्न लाभदायकता अनुपातों की गणना कर व्यवसाय का लाभ कमाने की क्षमता का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं एवं इनमें सुधार लाने हेतु कार्यवाही की जा सकती है।

**(2) शोधन क्षमता की माप**—अनुपात विश्लेषण के द्वारा व्यवसाय की शोधन क्षमता की जाँच की जा सकती है और इस तथ्य का पता लगाया जा सकता है कि क्या फर्म पर अपने अल्पकालीन व दीर्घकालीन ऋणों व दायित्वों का भुगतान करने के लिये पर्याप्त मात्रा में साधन उपलब्ध हैं या नहीं।

**(3) संचालन क्षमता की जाँच**—अनुपात विश्लेषण के विभिन्न अनुपातों के द्वारा व्यवसाय की संचालन लागत एवं संचालन क्रियाओं का पता लग सकता है। संचालन क्षमता का अनुमान अनुपात विश्लेषण से करके संचालन क्रियाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

**(4) वित्तीय स्थिति का अनुमान**—वित्तीय स्थिति का ज्ञान अनुपातों के द्वारा किया जा सकता है। वित्तीय संस्थाएँ एवं बैंक वित्तीय स्थिति का विश्लेषण अनुपातों के द्वारा करके वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय ले सकते हैं।

**(5) वित्तीय पूर्वानुमान**—कई वर्षों के अनुपातों की गणना करके वित्तीय स्थिति की प्रवृत्ति का ज्ञान कराया जा सकता है। इस प्रवृत्ति के द्वारा भविष्य की वित्तीय स्थिति का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।

(6) तुलनात्मक अध्ययन—विभिन्न वर्षों के अनुपात की गणना का आपस में, ए फर्म का अन्य फर्म में तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

(7) नियन्त्रण में सहायक—अनुपात विश्लेषण के द्वारा व्यवसाय की विभिन्न क्रियाओं के परिणाम ज्ञात कर उन पर नियन्त्रण किया जा सकता है।

**प्रश्न 2. तरलता अनुपात के अन्तर्गत कौन-कौनसे मुख्य अनुपातों की गणना की जाती है ? सूत्र सहित समझाइए।** *अथवा*

**तरलता अनुपात से आप क्या समझते हैं ? इसके अन्तर्गत कौन-कौनसे अनुपातों की गणना की जाती है ?** *अथवा*

**चालू अनुपात और तरल अनुपात को समझाइए।**

**उत्तर**—तरलता अनुपात संस्था की अल्पकालीन वित्तीय स्थिति की सुदृढ़ता की जाँच के लिये की जाती है। यह अनुपात संस्था के अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता की माप करने के लिये प्रयोग किया जाता है। तरलता अनुपात के अन्तर्गत मुख्य रूप से निम्नलिखित तीन अनुपातों की गणना की जाती है—

**(1) चालू अनुपात**—चालू अनुपात फर्म के अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान करने की क्षमता की माप करने के लिये प्रयोग किया जाता है। इस अनुपात में चालू सम्पत्ति का चालू दायित्वों से सम्बन्ध स्थापित कर यह जाँच की जाती है कि क्या फर्म की चालू सम्पत्तियाँ फर्म के अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने के लिये पर्याप्त हैं अथवा नहीं। चालू सम्पत्ति का आदर्श अनुपात 2 : 1 माना गया है। यदि चालू अनुपात अधिक है, तो फर्म के लेनदार पूर्ण सुरक्षित माने जाते हैं। यदि यह अनुपात बहुत अधिक ऊँचा है, तो यह चालू सम्पत्ति में अति विनियोग को दर्शाता हैं। चालू अनुपात को निम्नलिखित सूत्र द्वारा ज्ञात कर सकते हैं—

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}} = \frac{(CA)}{(CL)}$$

**(2) तरल अनुपात**—तरल अनुपात या त्वरित अनुपात व्यवसाय की वास्तविक तरलता का मापक है। तरल अनुपात के द्वारा एक फर्म इस तथ्य का अनुमान लगा सकती है कि चालू दायित्वों का एक निश्चित समय पर कितना भुगतान कर सकती है। इस अनुपात के अन्तर्गत तरल सम्पत्ति का सम्बन्ध चालू सम्पत्ति से होता है। इस अनुपात का वैधानिक अनुपात 1 : 1 है। तरल सम्पत्ति में चालू सम्पत्ति से स्टॉक व पूर्वदत्त व्ययों को हटा दिया जाता है। तरल अनुपात की गणना करने का निम्नलिखित सूत्र है—

$$\text{तरल अनुपात} = \frac{\text{तरल सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}} = \frac{\text{Quick Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

**(3) अधि तरल अनुपात**—यह अनुपात पूर्ण तरल सम्पत्तियों एवं तरल दायित्वों के मध्य सम्बन्ध को दर्शाता है। तरल सम्पत्तियों में रोकड़, बैंक में रोकड़ व अतिशीघ्र विक्रय योग्य अल्पकालीन प्रतिभूतियों को शामिल करते हैं। तरल दायित्वों में बैंक अधिविकर्ष को छोड़कर शेष दायित्वों को शामिल करते हैं। इसका सूत्र है—

$$\text{अधि तरल अनुपात} = \frac{\text{पूर्ण तरल सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}} = \frac{\text{Super Quick Asset}}{\text{Liquid Liabilities}}$$

**प्रश्न 3. लाभदायकता अनुपात तथा बिक्री अनुपात से आप क्या समझते हैं ?**

उत्तर—लाभदायकता अनुपात व्यवसाय की लाभार्जन शक्ति अर्थात् लाभ कमाने की क्षमता का अध्ययन करता है। लाभदायकता अनुपात की गणना को व्यवसाय के विक्रय की मात्रा से सम्बन्धित किया जा सकता है एवं लाभदायकता की माप व्यवसाय में विनियोजित पूँजी की मात्रा पर की जा सकती है। बिक्री पर आधारित लाभदायकता अनुपात, संस्था द्वारा किये गये विक्रय की मात्रा पर होने वाले लाभ की गणना करता है। इस हेतु लाभदायकता अनुपात की गणना सकल लाभ एवं शुद्ध लाभ पर की जाती है। सकल लाभ पर आधारित लाभदायक अनुपात व्यवसाय के प्रत्यक्ष व्ययों के उपरान्त होने वाले लाभ की मात्रा बताता है जबकि शुद्ध लाभ पर आधारित लाभ समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्ययों के भुगतान के पश्चात् होने वाले लाभ का अनुपात बताता है। सकल लाभ अनुपात व्यवसाय की आय अर्जित करने की क्षमता को दर्शाता है जबकि शुद्ध लाभ व्यवसाय की संचालन क्षमता को प्रदर्शित करता है।

## क्रियात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. निम्नलिखित से चालू अनुपात ज्ञात कीजिए—** **(2022)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| लेनदार | 1,00,000 | स्थायी सम्पत्तियाँ | 7,50,000 |
| अदत्त वेतन | 12,000 | स्टॉक | 2,50,000 |
| देय विपत्र | 88,000 | देनदार | 75,000 |
| पूर्वदत्त | 5,000 | बैंक में रोकड़ | 2,70,000 |

हल : $\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

Current Assets = 2,50,000 (Stock) + 75,000 (Debtors) + 2,70,000 (Cash at Bank)

= ₹ 5,95,000

Current Liabilities = 1,00,000 (Creditors) + 12,000 (Outstanding Salary) + 88,000 (Bills Payable) + 5,000 (Prepaid Exp.)

= ₹ 2,05,000

$$\text{Current Ratio} = \frac{5,95,000}{2,05,000} = 2{\cdot}902 \text{ times}$$

**प्रश्न 2. निम्नांकित सूचनाओं से चालू अनुपात, तरल अनुपात एवं अति तरल अनुपात ज्ञात कीजिए—**

अंश पूँजी ₹ 15,000; ऋणपत्र ₹ 6,000; लेनदार ₹ 3,000; देय बिल ₹ 2,600; बैंक अधिविकर्ष ₹ 2,000; अदत्त वेतन ₹ 1,400; भवन ₹ 10,000; व्यापारिक विनियोग ₹ 2,500; प्राप्य बिल ₹ 3,000; देनदार ₹ 4,000; रहतिया ₹ 2,000; रोकड़ ₹ 500; ख्याति ₹ 8,000।

हल :

(i) $$\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

$$= \frac{2,500 + 3,000 + 4,000 + 2,000 + 500}{3,000 + 2,600 + 2,000 + 1,400}$$

$$= \frac{12,000}{9,000} = 1{\cdot}33 : 1$$

(ii) $$\text{Liquid Ratio} = \frac{\text{Quick Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

$$= \frac{2,500 + 3,000 + 4,000 + 500}{3,000 + 2,600 + 2,000 + 1,400}$$

$$= \frac{10,000}{9,000} = 1{\cdot}11 : 1$$

(iii) Absolute Liquidity

$$\text{Ratio} = \frac{\text{Absolute Liquid Assets}}{\text{Liquid Liabilities}}$$

Absolute Liquid Assets = 2,500 (Invst.) + 500 (Cash) = 3,000

Liquid Liabilities = 3,000 (Crs.) + 2,600 (B/P) + 1,400 (O. Exp.)

$$= \frac{3,000}{7,000} = 0{\cdot}43 : 1$$

**प्रश्न 3. निम्नलिखित सूचनाओं से ऋण समता अनुपात ज्ञात कीजिए—**

| | ₹ |
|---|---|
| (1) समता अंश पूँजी | 1,00,000 |
| (2) सामान्य संचय | 80,000 |
| (3) 10% ऋणपत्र | 75,000 |
| (4) चालू दायित्व | 50,000 |
| (5) प्रारम्भिक व्यय | 5,000 |

हल : $$\text{ऋण समता अनुपात} = \frac{\text{बाहरी दायित्व (External Liabilities)}}{\text{आन्तरिक दायित्व (Internal Liabilities)}}$$

$$= \frac{75,000}{1,80,000}$$

$$= 0{\cdot}41 : 1$$

**प्रश्न 4. निम्नलिखित विवरण से सकल लाभ की राशि का निर्धारण कीजिए :**

| | |
|---|---|
| औसत रहतिया | ₹ 50,000 |
| स्टॉक आवर्त अनुपात | 5 गुना |
| बिक्री कीमत | लागत पर 25% लाभ जोड़कर |

हल : Inventory Turnover Ratio $= \frac{\text{Cost of Goods Sold}}{\text{Average Stock}}$

$$5 = \frac{\text{Cost of Goods Sold}}{50,000}$$

Cost of Goods Sold = 2,50,000

Selling Price = Cost of goods sold + 25% above cost
= 2,50,000 + 25% of cost
= 2,50,000 + 62,500

Selling Price = 3,12,500

Gross Profit = Sales – Cost of Goods Sold
= 3,12,500 – 2,50,000
= 62,500

**प्रश्न 5. यदि औसत स्टॉक ₹ 20,000 व अन्तिम स्टॉक ₹ 2,000 प्रारम्भिक स्टॉक से ज्यादा है, तो प्रारम्भिक व अन्तिम स्टॉक की गणना कीजिए।**

हल :

Average Stock = ₹ 20,000

Closing Stock = ₹ 2,000 more than opening stock

$$\text{Average Stock} = \frac{\text{Opening Stock} + \text{Closing Stock}}{2}$$

Let Opening Stock = $x$

∴ Closing Stock = $x + 2,000$

$$20,000 = \frac{x + x + 2,000}{2}$$

$$40,000 = 2x + 2,000$$

$$2x = 38,000$$

$$x = 19,000$$

Or

Hence, Opening Stock = ₹ 19,000

Closing Stock = 19,000 + 2,000
= ₹ 21,000

**प्रश्न 6. निम्न सूचनाओं के आधार पर ज्ञात कीजिए—(i) चालू अनुपात (ii) तरलता अनुपात : लेनदार ₹ 1,60,000; देय बिल ₹ 40,000; अदत्त व्यय ₹ 20,000; रोकड़ ₹ 1,00,000; देनदार ₹ 2,00,000; बैंक में रोकड़ ₹ 50,000; रहतिया ₹ 90,000; पूर्वदत्त व्यय ₹ 30,000; प्राप्य बिल ₹ 50,000।**

हल : Current Assets = ₹ 1,00,000 (Cash) + ₹ 2,00,000 (Debtors) + ₹ 50,000 (Bank) + ₹ 50,000 (B/R) + ₹ 30,000 (Prepaid Exp.) + ₹ 90,000 (Stock)
= ₹ 5,20,000

Current Liabilities = ₹ 1,60,000 (Creditors) + ₹ 40,000 (B/P)
+ ₹ 20,000 (O/S Exp.)
= ₹ 2,20,000

Liquid Assets = ₹ 5,20,000 – ₹ 90,000 (Stock)
– ₹ 30,000 (Prepaid Exp.)
= ₹ 5,20,000 – ₹ 1,20,000
= ₹ 4,00,000

(i) चालू अनुपात (Current Ratio) $= \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

$= \frac{5,20,000}{2,20,000} = 2{\cdot}36 : 1$

(ii) तरलता अनुपात (Liquidity Ratio) $= \frac{\text{Liquid Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

$= \frac{4,00,000}{2,20,000} = 1{\cdot}8 : 1$

**प्रश्न 7. सुनील इण्डस्ट्रीज का तरलता अनुपात 2 : 1 है। यदि स्टॉक ₹ 20,000 और कुल चालू दायित्व ₹ 50,000 के हैं, तो चालू अनुपात बताइए।**

हल : तरलता अनुपात $= \frac{\text{तरल सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}} = \frac{2}{1}$

तरलता सम्पत्ति = 50,000 × 2 = ₹ 1,00,000

चालू सम्पत्ति = तरल सम्पत्ति + स्टॉक
= 1,00,000 + 20,000 = ₹ 1,20,000

चालू अनुपात $= \frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$

$= \frac{1,20,000}{50,000} = 2{\cdot}4 : 1$

**प्रश्न 8. नीचे दी गई जानकारी से निम्न अनुपात परिकलित कीजिए—**

**(i) चालू अनुपात, (ii) तरल अनुपात, (iii) प्रचालन अनुपात, (iv) सकल लाभ अनुपात।**

| | ₹ |
|---|---|
| चालू परिसम्पत्तियाँ | 35,000 |
| चालू दायित्व | 17,500 |
| रहतिया | 15,000 |
| प्रचालन व्यय | 20,000 |
| प्रचालन से आगम | 60,000 |
| प्रचालन से आगम की लागत | 30,000 |

हल :

(i) $$\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}} = \frac{35,000}{17,500} = 2 : 1$$

(ii) $$\text{Liquid ratio or Acid Test Ratio} = \frac{\text{Liquid Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

$$\text{Liquid Assets} = \text{Current Assets} - \text{Stock}$$
$$= 35,000 - 15,000 = ₹\ 20,000$$

$$\text{Acid Test Ratio} = \frac{20,000}{17,500} = \frac{1{\cdot}14}{1} = 1{\cdot}14 : 1$$

(iii) Operating Ratio

$$= \frac{\text{Cost of Goods Sold} + \text{Operating Expenses}}{\text{Net Sales}} \times 100$$

$$= \frac{30,000 + 20,000}{60,000} \times 100$$

$$= \frac{50,000}{60,000} \times 100 = 83{\cdot}3\%$$

(iv) $$\text{Gross Profit Ratio} = \frac{\text{Gross Profit}}{\text{Net Sales}} \times 100$$

$$\text{Gross Profit} = \text{Sales} - \text{Cost of Goods Sold}$$
$$= 60,000 - 30,000 = ₹\ 30,000$$

$$\text{Gross Profit Ratio} = \frac{30,000}{60,000} \times 100 = \frac{300}{6} = 50\%$$

प्रश्न 9. नीचे दी गई सूचना के आधार पर निम्न अनुपात ज्ञात कीजिए—

(i) सकल लाभ अनुपात,
(ii) चालू अनुपात,
(iii) तरल अनुपात,
(iv) रहतिया आवर्त अनुपात,
(v) स्थायी परिसम्पत्तियाँ आवर्त अनुपात,
(vi) शुद्ध सम्पत्ति आवर्त अनुपात।

| | ₹ |
|---|---|
| सकल लाभ | 50,000 |
| प्रचालन से आगम | 1,00,000 |
| रहतिया | 15,000 |
| व्यापारिक प्राप्य | 27,500 |
| रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | 17,500 |
| चालू दायित्व | 40,000 |
| भूमि एवं भवन | 50,000 |
| संयंत्र एवं मशीनरी | 30,000 |
| फर्नीचर | 20,000 |
| अंश पूँजी | 25,000 |
| ऋण | 15,000 |

हल :

(i) Gross Profit Ratio = $\frac{\text{Gross Profit}}{\text{Net Sales}} \times 100 = \frac{50,000}{1,00,000} = 50\%$

(ii) Current Ratio = $\frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}} = \frac{60,000}{40,000} = 1{\cdot}5 : 1$

Current Assets = Stock + Trade Receivables Cash & Cash Equivalents

= 15,000 + 27,500 + 17,500 = 60,000

(iii) Acid Test/Liquid Ratio = $\frac{\text{Liquid Assets}}{\text{Current Liabilities}} = \frac{45,000}{40,000}$

= 1·125 : 1

Liquid Assets = Current Assets – Stock

= 60,000 – 15,000 = 45,000

(iv) Stock Turnover Ratio = $\frac{\text{Cost of Goods Sold/Sales}}{\text{Average Stock}}$

Cost of Goods Sold = Sales – Gross Profit = 1,00,000 – 50,000

= $\frac{50,000}{15,000}$ = 3·33 times

(v) Fixed Assets Turnover Ratio = $\frac{\text{Net Sales}}{\text{Net Fixed Assets}}$

= $\frac{1,00,000}{1,00,000} = 1 : 1$

Fixed Assets = Land & Building + Plant & Machinery + Furniture

= 50,000 + 30,000 + 20,000 = 1,00,000

(vi) Net Assets Turnover Ratio = $\frac{\text{Net Revenue from Operation}}{\text{Capital Employed}}$

= $\frac{1,00,000}{40,000}$ = 2·5 times

प्रश्न 10. तरल त्वरित अनुपात = **1 : 1**

चालू सम्पत्तियाँ = ₹ **1,00,000**

चालू दायित्व = ₹ **50,000**

स्टॉक का मूल्य बताइए। *(2019)*

हल : Liquid Quick Ratio = $\frac{\text{Quick Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

$\frac{1}{1} = \frac{x}{50,000}$

$$1x = 50,000$$

$$x = \frac{50,000}{1} = ₹\ 50,000$$

Thus. Quick Assets is ₹ 50,000.

Stock = Current Assets – Quick Assets

= 1,00,000 – 50,000

Stock = ₹ 50,000

**प्रश्न 11. निम्नलिखित सूचना से तरल अनुपात ज्ञात कीजिए :**

**चालू दायित्व = ₹ 50,000, चालू सम्पत्तियाँ = ₹ 80,000, स्टॉक = ₹ 20,000, पूर्वदत्त व्यय = ₹ 10,000.** (2020)

हल : $\text{Liquidity Ratio} = \frac{\text{Quick Assets or Liquid Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

Quick Assets = Current Assets – (Inventories + Prepaid Expenses)

Quick Assets = 80,000 – ( 20,000 + 10,000)

= 80,000 – 30,000

= 50,000

$$\text{Liquidity Ratio} = \frac{50,000}{50,000} = 1 : 1$$

**प्रश्न 12. चालू अनुपात 3·5 : 1 है। कार्यशील पूँजी ₹ 90,000। चालू सम्पत्तियाँ तथा चालू दायित्वों की राशि ज्ञात कीजिए।** (2020)

हल : $\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets (CA)}}{\text{Current Liabilities (CL)}}$

$$3{\cdot}5 = \frac{CA}{CL} \Rightarrow 3{\cdot}5\ CL = CA \quad ...(i)$$

Working Capital = Current Assets – Current Liabilities

∴ 90,000 = 3·5 CL – CL [From eqn. (i)]

90,000 = 2·5 CL

$$CL = \frac{90,000}{2{\cdot}5} = ₹\ 36,000$$ Ans.

Now CA = WC + CL

= 90,000 + 36,000

= ₹ 1,26,000 Ans.

**प्रश्न 13. आगे दिये गये चिट्ठे के आधार पर ज्ञात कीजिए—**

**(i) चालू अनुपात, (ii) तरल अनुपात, (iii) पूर्णतया तरल अनुपात, (iv) ऋण-पूँजी विनियोजन अनुपात।**

## आर्थिक चिट्ठा
(31 मार्च, 2017 को)

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|---|
| (A) | समता एवं देयताएँ | | ₹ |
| 1. | अंशधारक निधि | | |
| | (a) अंश पूँजी | | 15,000 |
| 2. | गैर-चालू देयताएँ | | |
| | (a) दीर्घकालिक उधार (ऋण-पत्र) | (1) | 6,000 |
| 3. | चालू देयताएँ | | |
| | (a) अल्पकालिक उधार | (2) | 2,000 |
| | (b) व्यापारिक देय | (3) | 7,000 |
| | योग | | 30,000 |
| (B) | परिसम्पत्तियाँ | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | |
| | (a) स्थायी परिसम्पत्तियाँ | | |
| | (i) मूर्त परिसम्पत्तियाँ | (4) | 18,000 |
| 2. | चालू सम्पत्तियाँ | | |
| | (a) चालू विनियोग | | 2,500 |
| | (b) रहतिया | | 2,000 |
| | (c) व्यापारिक प्राप्तियाँ | (5) | 7,000 |
| | (d) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | 500 |
| | योग | | 30,000 |

### लेखांकन टिप्पणियाँ

| 1. | दीर्घकालिक उधार | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | ऋण-पत्र | 6,000 |
| | योग | 6,000 |

| 2. | अल्पकालिक उधार | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | (i) माँग पर देय ऋण | |
| | बैंक अधिविकर्ष | 2,000 |
| | योग | 2,000 |

| 3. | व्यापारिक देय | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | (i) विविध देनदार | 3,000 |
| | (ii) देय बिल | 2,600 |
| | (iii) अदत्त व्यय | 1,400 |
| | योग | 7,000 |

| 4. | मूर्त सम्पत्तियाँ | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | (i) भूमि व भवन | 10,000 |
| | (ii) प्लाण्ट | 8,000 |
| | योग | 18,000 |

| 5. | व्यापारिक प्राप्तियाँ | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | (i) विविध देनदार | 4,000 |
| | (ii) प्राप्य बिल | 3,000 |
| | योग | 7,000 |

@mpbsePDF

(i) $\text{Current Ratio} = \frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Liabilities}}$

$= \frac{2,500 + 3,000 + 4,000 + 2,000 + 500}{3,000 + 2,600 + 1,400 + 2,000}$

$= \frac{12,000}{9,000} = 1{\cdot}33 : 1$

(ii) $$\text{Liquid Ratio} = \frac{\text{Liquid/Quick Assets}}{\text{Current Liabilities}}$$

$$= \frac{2,500 + 3,000 + 4,000 + 500}{3,000 + 2,600 + 1,400 + 2,000}$$

$$= \frac{10,000}{9,000} = 1{\cdot}11 : 1$$

(iii) $$\text{Absolute Liquidity Ratio} = \frac{\text{Absolute Liquid Assets}}{\text{Liquid Liabilities}}$$

Absolute Liquid Assets = ₹ 2,500 (Investments) + ₹ 500 (Cash)
= ₹ 3,000

Liquid Liabilities = ₹ 3,000 (S. Creditors) + 2,600 (B/P)
+ ₹ 1,400 (O/S Exp.)
= ₹ 7,000

$$\text{A.L.R.} = \frac{3,000}{7,000} = 0{\cdot}43 : 1$$

(iv) $$\text{Debt to Capital Employed Ratio} = \frac{\text{Debt}}{\text{Current Employed}}$$

$$= \frac{6,000}{15,000} = 0{\cdot}4 : 1$$

**प्रश्न 14. नीचे दिये गये विवरणों के आधार पर निम्न अनुपातों को ज्ञात कीजिए–**

**(i) स्वामित्व अनुपात, (ii) ऋण समता अनुपात,**

**(iii) शोधन क्षमता अनुपात, (iv) ब्याज आवर्त अनुपात।**

**आर्थिक चिट्ठा**

**(31 मार्च, 2017 को)**

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|---|
| | | | ₹ |
| (A) | समता एवं देयताएँ | | |
| 1. | अंशधारक निधि | | |
| | (a) अंश पूँजी | | 2,00,000 |
| | (b) आरक्षित एवं अधिशेष | | 1,69,000 |
| 2. | गैर-चालू देयताएँ | | |
| | (a) दीर्घकालिक उधार | (1) | 2,00,000 |
| 3. | चालू देयताएँ | | |
| | (a) व्यापारिक देय | (2) | 45,000 |
| | योग | | 6,14,000 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (B) | परिसम्पत्तियाँ | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | |
| | (a) स्थायी परिसम्पत्तियाँ | | |
| | (i) मूर्त सम्पत्तियाँ | | 4,39,620 |
| 2. | चालू परिसम्पत्तियाँ | | 98,980 |
| | (a) रहतिया | | 23,400 |
| | (b) व्यापारिक प्राप्तियाँ | | 52,000 |
| | (c) रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य | | 6,14,000 |
| | योग | | |

**लेखांकन टिप्पणियाँ**

| 1. | दीर्घकालिक उधार | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | 6% ऋण-पत्र | 2,00,000 |
| | योग | 2,00,000 |

| 2. | व्यापारिक देयताएँ | 31 मार्च, 2017 |
|---|---|---|
| | | ₹ |
| | (i) लेनदार | 13,000 |
| | (ii) देय बिल | 32,000 |
| | योग | 45,000 |

कर व ब्याज से पूर्व लाभ ₹ 75,000 था।

हल :

(i) $$\text{Proprietory Ratio} = \frac{\text{Owner's Funds}}{\text{Total Assets}}$$

$$= \frac{₹\ 3,69,000}{₹\ 6,14,000} = 0{\cdot}6$$

$$\text{Owner's Funds} = \text{Share Capital} + \text{Reserves}$$

$$= ₹\ 2,00,000 + ₹\ 1,69,000 = ₹\ 3,69,000$$

(ii) $$\text{Debt Equity Ratio} = \frac{\text{External Liabilities}}{\text{Internal Liabilities}}$$

$$= \frac{₹\ 2,00,000}{₹\ 3,69,000} = 0{\cdot}54$$

(iii) Solvency Ratio $= \frac{\text{Total External Liabilities}}{\text{Total Assets}}$

$= \frac{2,45,000}{6,14,000} = 0{\cdot}399$

(iv) Interest Coverage Ratio $= \frac{\text{Earning before Interest and Tax}}{\text{Interest Expenses}}$

$= \frac{75,000}{12,000}$

$= 6{\cdot}25$ Times.

# अध्याय 12

# रोकड़ प्रवाह विवरण

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### ☞ बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. रोकड़ प्रवाह विवरण में 'रोकड़' शब्द का तात्पर्य है—
   (अ) हस्तस्थ रोकड़,
   (ब) हस्तस्थ रोकड़ व बैंक में रोकड़,
   (स) रोकड़ व रोकड़ तुल्य सम्पत्ति,
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
2. रोकड़ प्रवाह विवरण सम्बन्धित है— *(2022)*
   (अ) लेखांकन प्रमाप-3 से, (ब) लेखांकन प्रमाप-6 से,
   (स) लेखांकन प्रमाप-9 से, (द) लेखांकन प्रमाप-12 से।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण लेखांकन की किस पद्धति पर आधारित है ?
   (अ) उधार लेखांकन, (ब) उपार्जित लेखांकन पद्धति,
   (स) इकहरा लेखांकन पद्धति, (द) रोकड़ पद्धति।
4. निम्न में से कौन-सी मद गैर-रोकड़ मद है ?
   (अ) वार्षिक ह्रास, (ब) कर का भुगतान,
   (स) व्याज का भुगतान, (द) इनमें से कोई नहीं।

5. निम्न में से कौन-सा रोकड़ प्रवाह का प्रयोग नहीं है ?
(अ) दीर्घकालीन ऋणों में वृद्धि, (ब) ऋणपत्रों का शोधन,
(स) विनियोगों का क्रय, (द) संचालन पर हानि।
उत्तर–1. (स), 2. (अ), 3. (द), 4. (अ), 5. (अ).

## ☞ रिक्त स्थान पूर्ति

1. लेखांकन प्रमाप-3 के अनुसार रोकड़ क्रियाओं को ..... भागों में बाँटा गया है।
2. व्यवसाय की पूँजी संरचना एवं ऋणों में परिवर्तन ..... क्रियाएँ हैं।
3. दीर्घकालीन सम्पत्तियों का क्रय-विक्रय ..... क्रिया है।
4. लेखांकन प्रमाप-3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की विधियाँ हैं– ..... एवं ..... विधि।
5. संचालन से रोकड़ प्राप्ति की गणना में चालू सम्पत्तियों में वृद्धि को ..... लाभ में से घटाया जाता है।
उत्तर–1. तीन, 2. वित्तीय, 3. विनियोग, 4. प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष; 5. संचालन।

## ☞ सत्य/असत्य

1. संचालन से प्राप्त रोकड़ की गणना में गैर-व्यावसायिक आयों को घटाया जाता है।
2. अपलिखित की गयी ख्याति को विनियोग क्रियाओं में दर्शाते हैं।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ शब्द का आशय रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य दीर्घकालीन प्रतिभूतियों से है।
4. वार्षिक ह्रास गैर-रोकड़ मद है।
5. चालू दायित्वों में वृद्धि को संचालन क्रियाओं में जोड़ा जाता है।
उत्तर–1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य।

## ☞ जोड़ी मिलाइए

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| 1. स्थायी सम्पत्ति का क्रय (2020) | (अ) संचालन से प्राप्त रोकड़ में जोड़ा जाता है |
| 2. विनियोगों के विक्रय पर लाभ | (ब) गैर-नकद मद |
| 3. वार्षिक ह्रास | (स) संचालन से प्राप्त रोकड़ में से घटाया जाता है |
| 4. स्थायी सम्पत्ति के विक्रय पर हानि | (द) विनियोग क्रिया |
| 5. अंशों का शोधन | (य) वित्तीय क्रियाएँ |

उत्तर–1. → (द), 2. → (स), 3. → (ब), 4. → (अ), 5. → (य)।

## ☞ एक शब्द/वाक्य में उत्तर

1. ऋणपत्रों का शोधन किस प्रकार की क्रिया का रोकड़ बहाव है ?
2. अंशों का निर्गमन किस प्रकार की क्रिया है ?
3. ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ कौन-सी क्रियाओं का रोकड़ प्रवाह है ?
4. रोकड़ प्रवाह विवरण में प्रारम्भिक व्ययों का क्या व्यवहार करते हैं ? (2019)
5. गैर-संचालन व्ययों का समायोजन किस राशि के निर्धारण में किया जाता है ?

उत्तर—1. वित्तीय क्रियाएँ, 2. वित्तीय क्रिया, 3. संचालन क्रियाओं का, 4. संचालन से रोकड़ की गणना में जोड़ा जाता है, 5. संचालन से प्राप्त रोकड़।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. रोकड़ प्रवाह विवरण में 'रोकड़' शब्द से क्या अभिप्राय है ?**

उत्तर—रोकड़ प्रवाह विवरण में 'रोकड़' शब्द का अभिप्राय रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य अल्पकालीन प्रतिभूतियों से है। रोकड़ में रोकड़ हस्तस्थ व बैंक में रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य में अल्पकालीन विनियोग शामिल किये जाते हैं।

**प्रश्न 2. रोकड़ प्रवाह क्या है ?**

उत्तर—रोकड़ प्रवाह से तात्पर्य व्यवसाय की विभिन्न गतिविधियों या क्रियाओं के माध्यम से रोकड़ का व्यवसाय में आने व जाने से होता है अर्थात् रोकड़ का भुगतान व प्राप्ति से है।

**प्रश्न 3. रोकड़ तुल्य से आप क्या समझते हैं ?**

उत्तर—रोकड़ तुल्य से आशय ऐसे अल्पकालीन विनियोगों से है जिनको बिना किसी मूल्य हानि के शीघ्र ही रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है।

**प्रश्न 4. वित्तीय क्रियाओं से क्या आशय है ?**

उत्तर—वित्तीय क्रियाओं से आशय उन वित्तीय व्यवहारों या क्रियाओं से है जिसके कारण व्यवसाय की पूँजी संरचना एवं ऋणों में परिवर्तन हो जाता है।

**प्रश्न 5. रोकड़ प्रवाह विवरण क्या है ?**

*अथवा*

**रोकड़ बहाव विवरण किसे कहते हैं ?** (2022)

उत्तर—रोकड़ प्रवाह विवरण एक ऐसा विवरण है जो एक वित्तीय वर्ष के अन्दर रोकड़ के बहाव अर्थात् व्यवसाय में रोकड़ का आना एवं जाना दर्शाता है। रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ के नियोजन, नीतियों का निर्माण तरलता की जाँच हेतु बनाया जाता है।

**प्रश्न 6. गैर-रोकड़ मदें क्या हैं ?**

उत्तर—गैर-रोकड़ मदें व्यय या आय की वे मदें होती हैं जिनमें वास्तविक रूप से रोकड़ का आदान-प्रदान नहीं होता अर्थात् रोकड़ का बहाव नहीं होता। ये मदें हैं—ह्रास, ख्याति का अपलेखन आदि।

**प्रश्न 7. कब विनियोग रोकड़ तुल्य माना जाता है ?**

**उत्तर**—रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ का अर्थ रोकड़ तुल्य अल्पकालीन प्रतिभूतियों से है। जब कोई विनियोग अल्पकालीन प्रतिभूतियों में किये जाते हैं एवं उन्हें बिना किसी मूल्य हानि के शीघ्र रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है, तो ऐसे विनियोग रोकड़ तुल्य माने जा सकते हैं।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1. रोकड़ प्रवाह विवरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर**—रोकड़ प्रवाह विवरण से तात्पर्य ऐसे विवरण से है जो एक निश्चित लेखांकन अवधि में व्यवसाय के अन्तर्गत रोकड़ व रोकड़ तुल्य प्रतिभूतियों में होने वाले रोकड़ बहाव को दर्शाता है अर्थात् यह विवरण दर्शाता है कि किन-किन मदों के द्वारा व्यवसाय ने रोकड़ अर्जित की व किन मदों पर रोकड़ व्यय की गयी है। रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ का आगमन (अर्थात् स्रोत) व रोकड़ का बहिर्गमन (अर्थात् प्रयोग) को दर्शाता है। यहाँ रोकड़ का अर्थ रोकड़ व रोकड़ तुल्य अल्पकालीन प्रतिभूतियों से है। रोकड़ के अन्तर्गत हस्तक्षेप व बैंक में रोकड़ को शामिल किया जाता है व रोकड़ तुल्य में ऐसी अल्पकालीन प्रतिभूतियों को शामिल किया जाता है जिनको बिना किसी मूल्य हानि के शीघ्र ही रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है।

**प्रश्न 2. रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ के स्रोतों को लिखिए।**

**उत्तर**—रोकड़ के प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं—

(1) व्यवसाय के संचालन से प्राप्त रोकड़।
(2) अंशों के निर्गमन पर प्राप्त रोकड़।
(3) ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्राप्त रोकड़।
(4) दीर्घकालीन ऋणों से अर्जित रोकड़।
(5) स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर प्राप्त रोकड़।
(6) विनियोगों के विक्रय पर प्राप्त रोकड़।
(7) लाभांश प्राप्त, ब्याज आदि की प्राप्ति।

**प्रश्न 3. रोकड़ प्रवाह विवरण में दर्शाये जाने वाले रोकड़ के प्रयोग लिखिए।**

*अथवा*

**रोकड़ प्रवाह विवरण के अन्तर्गत रोकड़ के प्रमुख उपयोग लिखिए।**

**उत्तर**—रोकड़ प्रवाह विवरण में दर्शाये जाने वाले रोकड़ के प्रयोग निम्नलिखित हैं—

(1) संचालन पर हानि की पूर्ति।
(2) अंशों का शोधन में प्रयोग।
(3) ऋणपत्रों का शोधन में प्रयोग।
(4) दीर्घकालीन ऋणों का भुगतान करना।
(5) करों के भुगतान में प्रयोग।
(6) लाभांश के भुगतान में प्रयोग।
(7) स्थायी सम्पत्तियों का क्रय।
(8) विनियोगों का क्रय आदि।

**प्रश्न 4. संचालन क्रियाओं को समझाइए।**

उत्तर—संचालन क्रियाओं से आशय उन क्रियाओं से है जो व्यवसाय में आय अर्जित करने के लिए की जाती हैं। इन क्रियाओं में निम्नलिखित मदों की रोकड़ प्राप्ति शामिल की जाती है—

(1) उत्पाद या माल की बिक्री से प्राप्त रोकड़।

(2) सेवा प्रदान करने से प्राप्त रोकड़।

(3) माल तथा सेवा के लिये पूर्तिकर्ताओं को भुगतान।

(4) कर्मचारियों को या अन्य को उनके बदले भुगतान।

(5) रॉयल्टी, फीस, कमीशन आदि की आयगत प्राप्ति।

(6) बीमा कम्पनी के प्रीमियम, दावों, वार्षिकी व अन्य पॉलिसी के लाभों से रोकड़ प्राप्ति व रोकड़ी भुगतान।

(7) आयकरों का भुगतान या वापसी जब तक कि वे स्पष्ट रूप से वित्तीय या विनियोग क्रियाओं के रूप में नहीं पहचाने जायें।

(8) भावी अनुबन्ध, वायदे के सौदे, स्वैप (Swap) आदि।

**प्रश्न 5. रोकड़ बहाव विवरण तथा रोकड़ बजट में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई चार)**

उत्तर—रोकड़ बहाव विवरण तथा रोकड़ बजट में निम्न अन्तर है—

| अन्तर का आधार | रोकड़ बहाव विवरण | रोकड़ बजट |
|---|---|---|
| 1. समय | रोकड़ बहाव विवरण वित्तीय वर्ष के अन्त में बनाया जाता है। | रोकड़ बजट वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में बनाया जाता है। |
| 2. क्रियाएँ | रोकड़ बहाव विवरण में रोकड़ के बहाव को संचालन क्रियाओं, विनियोग क्रियाओं, वित्तीय क्रियाओं में विभाजित कर दर्शाया जाता है। | रोकड़ बजट में रोकड़ के बहाव को रोकड़ प्राप्ति व भुगतान के रूप में दर्शाया जाता है। |
| 3. लेखांकन प्रमाप | रोकड़ बहाव विवरण का अपना एक अलग लेखांकन प्रमाप AS-3 है, जिसके अनुसार रोकड़ बहाव विवरण बनाया जाता है। | रोकड़ बजट बनाने का कोई लेखांकन प्रमाप नहीं है। |
| 4. अनिर्वायता अंग | रोकड़ बहाव विवरण, वित्तीय विवरणों का एक अनिवार्य अंग है और इसका बनाया जाना अनिवार्य है। | रोकड़ बजट वित्तीय विवरण का अंग नहीं है एवं इसका बनाना कम्पनी पर निर्भर करता है। |
| 5. अवधि | रोकड़ बहाव विवरण 12 माह की अवधि के लिये बनाया जाता है। | रोकड़ बजट मासिक, प्रत्येक माह के लिये पूर्व में बना लिया जाता है। |

## दीर्घ उत्तरीय/विश्लेषणात्मक प्रश्न

**प्रश्न 1. रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या हैं ?**

*अथवा*

**रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने के उद्देश्य और महत्व लिखिए।** *(2019)*

*अथवा*

**रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने का महत्व लिखिए।** *(2022)*

उत्तर—रोकड़ प्रवाह विवरण प्राय: निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बनाया जाता है—

**(1) रोकड़ स्थिति का विश्लेषण**—रोकड़ प्रवाह विवरण द्वारा रोकड़ की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण प्राप्त किया जा सकता है और यह निर्धारित किया जा सकता है कि व्यवसाय में रोकड़ की कमी है या आधिक्य। इस आधिक्य व कमी के कारणों का विश्लेषण रोकड़ के आगमन व प्रयोग के स्रोतों से पता लगाया जा सकता है।

**(2) रोकड़ का नियोजन**—रोकड़ प्रवाह विवरण द्वारा व्यवसाय में रोकड़ की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर यह निर्णय लिया जा सकता है कि रोकड़ आधिक्य का प्रयोग किस प्रकार किया जाये व यदि व्यवसाय में रोकड़ में कमी है, तो इस कमी को कहाँ से व किस स्रोत से कितनी मात्रा में पूरा किया जाये।

**(3) नीतियों का निर्धारण**—रोकड़ प्रवाह विवरण के विश्लेषण द्वारा व्यावसायिक नीतियों का निर्माण किया जा सकता है। विभिन्न वित्तीय नीतियों के निर्माण का आधार रोकड़ प्रवाह विवरण होता है। लाभांश नीति, व्यवसाय का विकास व फैलाव, दीर्घकालीन ऋणों की वापसी, सम्पत्तियों का प्रतिस्थापन आदि की नीति का निर्माण सम्भव है।

**(4) तरलता की जाँच**—रोकड़ प्रवाह विवरण द्वारा व्यावसायिक लेनदार बैंक, वित्तीय संस्थाएँ आदि व्यवसाय की तरलता की जाँच कर अपने ऋणों व ब्याज के भुगतान की क्षमता व सुरक्षा की जाँच कर सकते हैं।

**(5) विभिन्न क्रियाओं द्वारा रोकड़ प्रवाह का निर्धारण**—जब रोकड़ प्रवाह विवरण लेखांकन प्रमाप-3 के अनुसार बनाया जाता है, तो इस विवरण द्वारा व्यवसाय के संचालन, विनियोग व वित्तीय क्रियाओं के कारण होने वाले रोकड़ प्रवाह की जानकारी प्राप्त हो जाती है।

**प्रश्न 2. रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाएँ बताइए।**

उत्तर—रोकड़ बहाव विवरण की कुछ प्रमुख सीमाएँ निम्नलिखित हैं—

(1) रोकड़ बहाव विवरण को आय विवरण का स्थानापन्न नहीं समझना चाहिए। ये रोकड़ से सम्बन्धित कुछ अतिरिक्त सूचनाएँ मात्र उपलब्ध करता है।

(2) यह ऐतिहासिक प्रकृति का है। कुछ सीमा तक यह भविष्य से सम्बन्धित सूचना प्रदान कर सकता है, परन्तु वह सूचना भी एकदम सही नहीं कही जा सकती है।

(3) रोकड़ बहाव विवरण अल्पकालीन निर्णय के लिये सूचना प्रदान कर सकते हैं, परन्तु इससे दीर्घकालीन निर्णय नहीं लिये जा सकते हैं।

(4) यह विवरण केवल रोकड़ में होने वाले परिवर्तनों तक ही सीमित है जो चालू सम्पत्ति का मात्र एक अंग है।

(5) लेखांकन प्रमाप-3 के अनुसार प्रत्यक्ष विधि से बनाये जाने वाला रोकड़ बहाव विवरण का प्रयोग संस्थाएँ प्राय: नहीं करतीं।

(6) रोकड़ बहाव विवरण केवल रोकड़ के प्रवाह को दर्शाता है। यह संस्था की वास्तविक तरलता को सही रूप से प्रकट करने में असमर्थ है।

(7) रोकड़ बहाव विवरण गैर-रोकड़ मदों का समावेश नहीं करता जिस कारण शुद्ध लाभ व संचालन से रोकड़ में बहुत अन्तर होता है।

**प्रश्न 3. वित्तीय क्रियाकलापों से प्रमुख रोकड़ अंतर्वाह एवं बहिर्वाह की व्याख्या करें।**

उत्तर—वित्तीय क्रियाकलापों या क्रियाओं का सम्बंध दीर्घकालिक निधियों या पूँजी से होता है। वित्तीय क्रियाओं से तात्पर्य उन वित्तीय क्रियाओं से है जिनके परिणामस्वरूप स्वामित्व पूँजी व दीर्घकालीन ऋणों की संरचना में परिवर्तन होता है। अर्थात् अंश पूँजी व ऋणपत्रों के निर्गमन व उनके शोधन पर रोकड़ बहाव को वित्तीय क्रियाकलापों में सम्मिलित किया जाता है।

वित्तीय क्रियाकलापों के अन्तर्गत रोकड़ बहाव के प्रमुख उदाहरण निम्न हैं—

**वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह—**

(i) अंशों के निर्गमन से रोकड़ प्राप्ति।

(ii) ऋणपत्रों एवं बॉण्डों व अग्रिम से रोकड़ प्राप्ति।

(iii) दीर्घकालिक ऋणों से रोकड़ प्राप्ति।

**वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ बहिर्वाह :**

(i) अंश पूँजी पर लाभांश का भुगतान

(ii) ऋणपत्रों, बॉण्ड्स, अग्रिम व दीर्घकालिक ऋणों पर ब्याज का भुगतान।

(iii) ऋणपत्रों का शोधन।

(iv) दीर्घकालिक ऋणों व अग्रिमों पर पूँजी की वापसी।

**प्रश्न 4. निवेश (या विनियोग) क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह एवं बहिर्वाह की व्याख्या करें।**

उत्तर—निवेश क्रियाकलापों या विनियोग क्रियाकलापों के अन्तर्गत स्थायी सम्पत्तियों या दीर्घकालीन सम्पत्तियों के क्रय-विक्रय से प्राप्त एवं भुगतान की जाने वाली रोकड़ को दर्शाते हैं। निवेश क्रियाकलापों में दीर्घकालिक निवेशों के विनियोगों को भी शामिल किया जाता है। इन निवेशों में रोकड़ तुल्यांकों में निवेश को शामिल नहीं किया जाता है।

निवेश क्रियाकलापों को रोकड़ प्रवाह विवरण में पृथक रूप से दर्शाया जाता है। भविष्य की आय एवं रोकड़ प्रवाह को उत्पन्न करने के संसाधनों में अर्जित व्ययों को निवेश क्रियाकलापों में शामिल किया जाता है। निवेश या विनियोग क्रियाओं से रोकड़ बहिर्वाह व अंतर्वाह के स्रोत अग्रलिखित हैं—

निवेश/विनियोग क्रियाओं से रोकड़ बहिर्वाह–

(i) स्थायी सम्पत्तियों का नकद क्रय।

(ii) अन्य संस्थानों के ऋणपत्रों में अंशपत्रों में विनियोग जो रोकड़ तुल्य के अतिरिक्त है।

(iii) अन्य पक्षकारों को दीर्घकालीन ऋण व अग्रिम प्रदान करना।

निवेश/विनियोग क्रियाओं से रोकड़ अंतर्वाह–

(i) मूर्त एवं अमूर्त सम्पत्तियों के विक्रय पर प्राप्त राशि।

(ii) ऋणों व अग्रिमों पर प्राप्त ब्याज की राशि।

(iii) अन्य संस्थाओं के अंशों में निवेश पर प्राप्त लाभांश।

(iv) ऋणपत्रों व अग्रिमों के शोधन पर प्राप्त रोकड़।

प्रश्न 5. रोकड़ प्रवाह विवरण एवं कोष प्रवाह विवरण में अन्तर लिखिए। (कोई पाँच) (2019)

उत्तर–रोकड़ प्रवाह विवरण एवं कोष प्रवाह विवरण में निम्न अन्तर हैं–

| क्र. सं. | अन्तर का आधार | रोकड़ प्रवाह विवरण | कोष प्रवाह विवरण |
|---|---|---|---|
| 1. | आशय | रोकड़ प्रवाह विवरण वह विवरण है जो रोकड़ व रोकड़ तुल्य के अन्तर प्रवाह व बाह्य प्रवाह को एक निर्धारित अवधि में दर्शाता है। | कोष प्रवाह विवरण वह विवरण है जो वित्तीय वर्षों में हुए वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों को दर्शाता है। |
| 2. | बनाने का उद्देश्य | लेखांकन वर्ष के प्रारम्भ व अन्त में रोकड़ में हुए परिवर्तनों के कारणों को दर्शाता है। | गत लेखांकन वर्ष व चालू लेखांकन वर्ष के मध्य वित्तीय स्थिति में हुए परिवर्तनों के कारणों को दर्शाता है। |
| 3. | लेखांकन का आधार | लेखांकन के रोकड़ आधार पर आधारित। | लेखांकन के उपार्जन आधार पर आधारित। |
| 4. | प्रकटीकरण | रोकड़ के अन्तर्प्रवाह व बहिप्रर्वाह का प्रकटीकरण। | कोष के स्रोत व प्रयोगों का प्रकटीकरण। |
| 5. | रोकड़ का प्रारम्भिक व अन्तिम शेष | यह विवरण रोकड़ व रोकड़ तुल्य के प्रारम्भिक व अन्तिम शेष को दर्शाता है। | यह विवरण रोकड़ व रोकड़ तुल्य के प्रारम्भिक व अन्तिम शेष को नहीं दर्शाता। |
| 6. | वित्तीय विवरण का हिस्सा | यह विवरण वित्तीय वर्ष के अन्त में बनाये जाने वाले वित्तीय विवरणों का अंग है। | यह विवरण वित्तीय वर्ष के अन्त में बनाये जाने वाले वित्तीय विवरणों का अंग नहीं है। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | लेखांकन प्रभाव | रोकड़ प्रवाह विवरण के बनाने हेतु पृथक् रूप में लेखांकन प्रभाव 3 विद्यमान है। | इस विवरण के लिये कोई लेखांकन प्रमाप का नि नहीं किया गया है। |

प्रश्न 6. संचालन क्रियाओं एवं विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में किन-किन मदों को शामिल किया जाता है ? (20

उत्तर— *उत्तर हेतु लघु उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 4 व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 4 देखें।*

प्रश्न 7. रोकड़ के अन्तर्बहाव और बाह्यबहाव के 5-5 उदाहरण दीजिए। (20

उत्तर— *उत्तर हेतु लघु उत्तरीय प्रश्न संख्या 2 व 3 देखें।*

## क्रियात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. निम्न सूचनाओं से अप्रत्यक्ष विधि से संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए—

| | ₹ |
|---|---|
| शुद्ध लाभ | 7,5 |
| वेतन | 5,0 |
| प्लाण्ट पर ह्रास | 1,8 |
| प्लाण्ट के विक्रय पर हानि | 7( |
| ब्याज प्राप्त | 2,5( |
| विनियोगों के विक्रय पर लाभ | 2,5( |
| चालू दायित्व में वृद्धि | 20,00 |
| चालू सम्पत्ति में वृद्धि | 10,00 |

हल :

**Calculation of Net Cash Flows from Operating Activities**
**(Indirect Method)**

| | ₹ | ₹ |
|---|---|---|
| Net Profit before Tax | | 7,500 |
| *Add* : Non-cash and Non-operating Charges : | | |
| Depreciation on Plant | 1,800 | |
| Loss on Sale of Plant | 700 | 2,500 |
| | | 10,000 |
| *Less* : Non-cash and Non-operating Credits : | | |
| Interest Received | 2,500 | |
| Profit on Sale of Long-term Investment | 2,500 | 5,000 |

| | | |
|---|---|---|
| Operating Profit before Working Capital Changes | | 5,000 |
| *Add* : Increase in Current Liabilities | | 20,000 |
| | | 25,000 |
| *Less* : Increase in Current Assets | | 10,000 |
| Net Cash Flows from Operating Activities | | 15,000 |

**प्रश्न 2. निम्न सूचनाओं से संचालन क्रियाओं से प्राप्त रोकड़ की गणना कीजिए—**

| विवरण | 31-03-17 | 31-03-18 |
|---|---|---|
| | ₹ | ₹ |
| लाभ-हानि खाता | 1,20,000 | 1,10,000 |
| देनदार | 62,000 | 50,000 |
| अदत्त किराया | 42,000 | 24,000 |
| पूर्वदत्त बीमा | 4,000 | 8,000 |
| लेनदार | 38,000 | 26,000 |
| ख्याति | 76,000 | 80,000 |

**हल :**

| Cash from operations : | | ₹ |
|---|---|---|
| Profit & Loss a/c 2018 | | 1,10,000 |
| Profit & Loss a/c 2017 | | 1,20,000 |
| | | (10,000) |
| *Less* : Goodwill raised | | 4,000 |
| | | (14,000) |
| *Add* : Decrease in debtors | | 12,000 |
| | | (2,000) |
| *Less* : Decrease in O/s rent | 18,000 | |
| Decrease in creditors | 12,000 | |
| Increase in prepaid Ins. | 4,000 | 34,000 |
| Loss from operation | | 36,000 |

[नोट— ख्याति को विनियोग क्रिया में शामिल किया जा सकता है। यदि विनियोग क्रिया मानते हैं, तो इसे संचालन से रोकड़ में शामिल नहीं करेंगे।]

**प्रश्न 3. निम्न सूचना से संचालन से रोकड़ की गणना कीजिए—**

| | ₹ |
|---|---|
| वर्ष 2017 में लाभ हुआ | 50,000 |
| सामान्य संचय में उदाहरण | 10,000 |
| ह्रास काटा गया | 20,000 |
| फर्नीचर की बिक्री पर लाभ | 20,000 |

| | | |
|---|---|---|
| मशीन की बिक्री से हानि | | 10,000 |
| प्रारम्भिक व्ययों का अपलेखन | | 10,000 |

अतिरिक्त सूचनाएँ–

| विवरण | 2016 | 2017 |
|---|---|---|
| | ₹ | ₹ |
| देनदार | 10,000 | 15,000 |
| प्राप्य बिल | 7,000 | 5,000 |
| रहतिया | 15,000 | 18,000 |
| पूर्वदत्त व्यय | 2,000 | 3,000 |

हल : **Calculation of Cash from Operations**

| | | |
|---|---|---|
| Net profit after | | 50,000 |
| *Add* : Depreciation | 20,000 | |
| Loss on Sale of Machine | 10,000 | |
| Preliminary Expenses Written off | 10,000 | |
| Transfer to General Reserve | 10,000 | 50,000 |
| | | 1,00,000 |
| *Less* : Profit on Sale of Furniture | 5,000 | 5,000 |
| | | 95,000 |
| *Add* : Decrease in B/R | 2,000 | 2,000 |
| | | 97,000 |
| *Less* : Increase in Debtors | 5,000 | |
| Increase in Stock | 3,000 | |
| Increase in Prepaid Exp. | 1,000 | 9,000 |
| Cash from operations | | 88,000 |

प्रश्न 4. ए लि. के वर्ष 2016 व 2017 के चिट्ठे निम्न हैं–

आर्थिक चिट्ठा

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| (A) | समता एवं देयताएँ | | | |
| 1. | अंशधारक निधि | | | |
| | (a) अंश पूँजी | | 2,00,000 | 4,00,000 |
| | (b) आरक्षित एवं अधिशेष | (1) | 2,00,000 | 1,00,000 |
| 2. | चालू देयताएँ | | | |
| | (a) व्यापारिक देय | (2) | 34,000 | 45,000 |
| | योग | | 4,34,000 | 5,45,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (B) | परिसम्पत्तियाँ | | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) स्थायी परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (i) मूर्त परिसम्पत्तियाँ | (3) | 2,90,000 | 3,60,000 |
| 2. | चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) रहतिया | | 76,000 | 55,000 |
| | (b) व्यापारिक प्राप्तियाँ | (4) | 28,000 | 30,000 |
| | (c) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | 40,000 | 1,00,000 |
| | योग | | 4,34,000 | 5,45,000 |

## लेखांकन टिप्पणियाँ

| 1. | आरक्षित एवं आधिक्य | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | लाभ-हानि विवरण | 2,00,000 | 1,00,000 |
| | योग | 2,00,000 | 1,00,000 |

| 2. | व्यापारिक देय | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | लेनदार | 30,000 | 40,000 |
| | देय बिल | 4,000 | 5,000 |
| | योग | 34,000 | 45,000 |

| 3. | मूर्त सम्पत्तियाँ | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | भवन | 2,40,000 | 3,00,000 |
| | मशीनरी | 50,000 | 60,000 |
| | योग | 2,90,000 | 3,60,000 |

| 4. | व्यापारिक प्राप्तियाँ | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | देनदार | 28,000 | 30,000 |
| | योग | 28,000 | 30,000 |

संचालन से रोकड़ की गणना कीजिए।

हल :

*Cash from Operations* :

| | | |
|---|---|---|
| Balance as per Profit & Loss a/c (Net Profit) (2,00,000 – 1,00,000) | | 1,00,000 |
| *Add* : Depreciation on Building | | 60,000 |
| Depreciation on Machinery | | 10,000 |
| | | 1,70,000 |
| *Add* : Decrease in Debtors | | 2,000 |
| | | 1,72,000 |
| *Less* : Increase in Stock | 21,000 | |
| Decrease in Creditors | 10,000 | |
| Decrease in B/P | 1,000 | 32,000 |
| Cash from Operations | | 1,40,000 |

प्रश्न 5. मोहन लि. के निम्न आर्थिक चिट्ठे से रोकड़ प्रवाह विवरण बनाइए–

आर्थिक चिट्ठा

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2015 | 31 मार्च, 2014 |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| (I) | समता एवं देयताएँ | | | |
| 1. | अंशधारक निधि | | | |
| | (a) समता अंश पूँजी | | 3,00,000 | 2,00,000 |
| | (b) आरक्षित एवं अधिशेष | | 2,00,000 | 1,60,000 |
| 2. | गैर–चालू देयताएँ | | | |
| | (a) दीर्घकालीन उधार | (1) | 80,000 | 1,00,000 |
| 3. | चालू देयताएँ | | | |
| | व्यापारिक देयताएँ | | 1,20,000 | 1,40,000 |
| | अल्पकालीन प्रावधान | (2) | 70,000 | 60,000 |
| | योग | | 7,70,000 | 6,60,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (II) | परिसम्पत्तियाँ | | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | स्थायी परिसम्पत्तियाँ | (3) | 5,00,000 | 3,20,000 |
| 2. | चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) स्टॉक | | 1,50,000 | 1,30,000 |
| | (b) व्यापारिक प्राप्तियाँ | (4) | 90,000 | 1,20,000 |
| | (c) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | (5) | 30,000 | 90,000 |
| | योग | | 7,70,000 | 6,60,000 |

## लेखांकन टिप्पणियाँ

| | 2015 | 2014 |
|---|---|---|
| 1. दीर्घकालीन उधार | | |
| बैंक ऋण | 80,000 | 1,00,000 |
| 2. अल्पकालीन प्रावधान | | |
| प्रस्तावित लाभांश | 70,000 | 60,000 |
| 3. स्थायी परिसम्पत्तियाँ | 6,00,000 | 4,00,000 |
| *घटाइए :* संचित ह्रास | 1,00,000 | 80,000 |
| स्थिर परिसम्पत्तियाँ | 5,00,000 | 3,20,000 |
| 4. व्यापारिक प्राप्तियाँ | | |
| देनदार | 60,000 | 1,00,000 |
| प्राप्य विपत्र | 30,000 | 20,000 |
| | 90,000 | 1,20,000 |
| 5. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | |
| बैंक | 30,000 | 90,000 |

*अतिरिक्त सूचनाएँ*

मशीन की लागत ₹ 80,000 है तथा उस पर संचित मूल्य ह्रास ₹ 50,000 था और वह ₹ 20,000 में बेची गई।

हल : **Cash Flow Statement**

| | ₹ | ₹ |
|---|---|---|
| Cash flow from Operating Activities | | |
| Profits as per B/S (2,00,000 – 1,60,000) | 40,000 | |
| Proposed dividend | 70,000 | |

| | | |
|---|---|---|
| Net Profit before Taxation and Extraordinary Items | | 1,10,000 |
| Adjustments : | | |
| Depreciation | 70,000 | |
| Loss on Sale of Machine | 10,000 | 80,000 |
| Operating Profit before Working Capital Changes | | 1,90,000 |
| (+) Decrease in Current Assets | | |
| Debtors | 40,000 | 40,000 |
| | | 2,30,000 |
| (–) Increase in Current Assets | | |
| Stock | 20,000 | |
| Bills Receivable | 10,000 | |
| (–) Decrease in Current Liabilities | | |
| Creditors | 20,000 | (50,000) |
| **Net Cash from Operations** | | 1,80,000 |
| Cash Flow from Investing Activities | | |
| Proceeds from Sale of Fixed Assets | | 20,000 |
| Purchase of Fixed Assets | | (2,80,000) |
| **Net Cash Outflow from Investing Activity** | | (2,60,000) |
| Cash Flow from Financing Activities | | |
| Issue of Shares | | 1,00,000 |
| Bank Loan Paid | | (20,000) |
| Dividend Paid | | (60,000) |
| **Net Cash from Financing Activities** | | (20,000) |
| Net Decrease in Cash and Cash Equivalents (A + B + C) | | (60,000) |
| (+) Cash and Cash Equivalents in the Beginning | | 90,000 |
| **Cash and Cash Equivalents at the End** | | 30,000 |

**Fixed Assets Account**

| Date | Particulars | J. F. | Amt. | Date | Particulars | J. F. | Amt. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | | | | ₹ |
| | To Balance b/d | | 4,00,000 | | By Bank | | 20,000 |
| | To Bank (Purchase Balancing Figure) | | 2,80,000 | | By Profit and Loss (Loss on Sale) | | 10,000 |
| | | | | | By Accumulated Depreciation | | 50,000 |
| | | | | | By Balance c/d | | 6,00,000 |
| | | | 6,80,000 | | | | 6,80,000 |

## Accumulated Depreciation Account

| Date | Particulars | J. F. | Amt. | Date | Particulars | J. F. | Amt. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | | | | ₹ |
| | To Fixed Assets | | 50,000 | | By Balance b/d | | 80,000 |
| | To Balance c/d | | 1,00,000 | | By Profit and Loss (Balancing Figure) | | 70,000 |
| | | | 1,50,000 | | | | 1,50,000 |

प्रश्न 6. टाइगर सुपर स्टील लि. के निम्न आर्थिक चिट्ठे से रोकड़ प्रवाह विवरण बनाइए—

### आर्थिक चिट्ठा

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2015 | 31 मार्च, 2014 |
|---|---|---|---|---|
| | | | ₹ | ₹ |
| (I) | समता एवं देयताएँ | | | |
| 1. | अंशधारक निधि | | | |
| | (a) अंश पूँजी | (1) | 1,40,000 | 1,20,000 |
| | (b) आरक्षित एवं अधिशेष | (2) | 22,800 | 15,200 |
| 2. | चालू देयताएँ | | | |
| | (a) व्यापारिक देय | (3) | 21,200 | 14,000 |
| | (b) अन्य चालू देयताएँ | (4) | 2,400 | 3,200 |
| | (c) अल्पकालीन प्रावधान | (5) | 28,400 | 22,400 |
| | योग | | 2,14,800 | 1,74,800 |
| (II) | परिसम्पत्तियाँ | | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) स्थायी परिसम्पत्तियाँ | (6) | 96,400 | 76,000 |
| | (i) मूर्त परिसम्पत्तियाँ | | 18,800 | 24,000 |
| | (ii) अमूर्त परिसम्पत्तियाँ | | 14,000 | 4,000 |
| | (b) गैर-चालू विनियोग | | | |
| 2. | चालू परिसम्पत्तियाँ | | 31,200 | 34,000 |
| | (a) स्टॉक | | 43,200 | 30,000 |
| | (b) व्यापारिक प्राप्तियाँ | | 11,200 | 6,800 |
| | (c) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | | |
| | योग | | 2,14,800 | 1,74,800 |

## लेखांकन टिप्पणियाँ

| | 2015 | 2014 |
|---|---|---|
| 1. अंश पूँजी | | |
| समता अंश पूँजी | 1,20,000 | 80,000 |
| 10% अधिमान अंश पूँजी | 20,000 | 40,000 |
| योग | 1,40,000 | 1,20,000 |
| 2. आरक्षित एवं अधिशेष | | |
| सामान्य आरक्षित | 12,000 | 8,000 |
| लाभ–हानि विवरण का शेष | 10,800 | 7,200 |
| योग | 22,800 | 15,200 |
| 3. व्यापारिक देयताएँ | | |
| प्राप्य विपत्र | 21,200 | 14,000 |
| 4. अन्य चालू देयताएँ | | |
| बकाया व्यय | 2,400 | 3,200 |
| 5. अल्पकालीन प्रावधान | | |
| कराधान हेतु प्रावधान | 12,800 | 11,200 |
| प्रस्तावित लाभांश | 15,600 | 11,200 |
| योग | 28,400 | 22,400 |
| 6. मूर्त परिसम्पत्तियाँ | | |
| भूमि व भवन | 20,000 | 40,000 |
| संयंत्र | 76,400 | 36,000 |
| योग | 96,400 | 76,000 |

*अतिरिक्त सूचनाएँ*

चालू वर्ष में भूमि एवं भवन पर मूल्य ह्रास प्रभार ₹ 20,000 तथा संयंत्र पर ₹ 10,000 है।

हल : **Cash Flow Statement**

| | ₹ | ₹ |
|---|---|---|
| **Cash Flow from Operating Activities** | | |
| Profit as per the Balance Sheet (10,800 – 7,200) | 3,600 | |
| General Reserve | 4,000 | |
| Proposed Dividend | 15,600 | |
| Provision for Taxation | 12,800 | |
| Net Profit before Taxation and Extraordinary Items | | 36,000 |

| | | |
|---|---|---|
| **Items to be Added** | | |
| Depreciation on Land and Building | 20,000 | |
| Depreciation on Plant | 10,000 | |
| Goodwill Written-off | 5,200 | 35,200 |
| Operating Profit before Working Capital Changes | | 71,200 |
| Bills Payable | 7,200 | |
| (+) Decrease in Current Assets | 2,800 | 10,000 |
| Stock | | 81,200 |
| (–) Increase in Current Assets | | |
| Debtors | 13,200 | |
| (–) Decrease in Current Liabilities | | |
| Outstanding Expenses | 800 | (14,000) |
| Cash Generated from Operating Activities | | 67,200 |
| (–) Income Tax paid | | (11,200) |
| **Net Cash from Operating Activities** | | 56,000 |
| Cash Flow from Investing Activities | | |
| Purchase of Plant | | (50,400) |
| Purchase of Investment | | (10,000) |
| **Net Cash used in Investing Activities** | | (60,400) |
| **Cash Flow from Financing Activities** | | |
| Issue of Equity Shares | | 40,000 |
| Dividend Paid | | (11,200) |
| Redemption of 10% Preference Shares | | (20,000) |
| **Net Cash from Financing Activities** | | 8,800 |
| Net Increase in Cash and Cash Equivalent | | 4,400 |
| (+) Cash and Cash Equivalents in the Beginning | | 6,800 |
| **Cash and Cash Equivalents at the End** | | 11,200 |

**Plant Account**

**Dr.** **Cr.**

| Date | Particulars | J. F | Amt. (₹) | Date | Particulars | J. F. | Amt. (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | To Balance b/d | | 36,000 | | By Depreciation | | 10,000 |
| | To Bank a/c (Purchase-Balancing Figure) | | 50,400 | | By Balance c/d | | 76,400 |
| | | | 86,400 | | | | 86,400 |

प्रश्न 7. निम्न सूचना से Y. K. लिमिटेड का रोकड़ बहाव विवरण तैयार कीजिए–

आर्थिक चिट्ठा

| | विवरण | नोट नं. | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|---|
| (A) | समता एवं देयताएँ | | ₹ | ₹ |
| 1. | अंशधारक निधि | | | |
| | (a) अंश पूँजी | | 63,500 | 55,000 |
| | (b) आरक्षित एवं अधिशेष | | 19,500 | 15,000 |
| 2. | गैर-चालू देयताएँ | | | |
| | (a) दीर्घकालिक उधार ऋण-पत्र | | 22,000 | 22,000 |
| | (b) दीर्घकालीन प्रावधान | | 2,800 | 5,000 |
| 3. | चालू देयताएँ | | 32,000 | 30,000 |
| | योग | | 1,39,800 | 1,27,000 |
| (B) | परिसम्पत्तियाँ | | | |
| 1. | गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) स्थायी परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (i) मूर्त परिसम्पत्तियाँ | (1) | 57,000 | 59,000 |
| | (ii) अमूर्त परिसम्पत्तियाँ | (2) | 900 | 1,000 |
| | (b) अन्य गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ | (3) | 1,800 | 2,000 |
| 2. | चालू परिसम्पत्तियाँ | | | |
| | (a) रहतिया | | 15,000 | 15,000 |
| | (b) व्यापारिक प्राप्तियाँ | | 20,700 | 10,000 |
| | (c) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | 44,400 | 40,000 |
| | योग | | 1,39,800 | 1,27,000 |

लेखांकन टिप्पणियाँ

| 1. | मूर्त परिसम्पत्तियाँ | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | प्लाण्ट | 17,000 | 15,000 |
| | भवन | 16,000 | 20,000 |
| | भूमि | 24,000 | 24,000 |
| | योग | 57,000 | 59,000 |

| 2. | अमूर्त परिसम्पत्तियाँ | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | पेटेण्ट | 900 | 1,000 |
| | योग | 900 | 1,000 |

| 3. | अन्य गैर-चालू सम्पत्ति | 31 मार्च, 2017 | 31 मार्च, 2016 |
|---|---|---|---|
| | | ₹ | ₹ |
| | ऋण-पत्रों पर बट्टा | 1800 | 2,000 |
| | योग | 1,800 | 2,000 |

*अतिरिक्त सूचनाएँ :*

(अ) अवधि के लिए आय ₹ 12,000 थी।

(ब) एक भवन, जिसकी लागत ₹ 4,000 थी और जिसका पुस्त-मूल्य ₹ 1,000 था, ₹ 1,400 में बेचा गया।

(स) अवधि के लिए ह्रास का चार्ज ₹ 800 था।

(द) अंशों का निर्गमन ₹ 5,000 का था।

(य) ₹ 4,000 का रोकड़ लाभांश और ₹ 3,500 का अंश लाभांश घोषित किया गया और चुकता किया गया।

हल :

| | ₹ | ₹ |
|---|---|---|
| (A) *Net Cash flow from Operating Activities* | | |
| Net profit before tax & extraordinary items | 12,000 | |
| *Add* : Non-cash and Non-operating Charges | | |
| Depreciation | 800 | |
| Discount on Debenture written off | 200 | |
| Patents written-off | 100 | |
| *Less* : Non-Cash & Non-operating income | | |
| Profit on sale of Building | (400) | |
| Operating Profit before Working Capital Changes | 12,700 | |
| *Add* : Increase in current liabilities | 2,000 | |
| *Less* : Increase in sundry debtors | (10,700) | |
| Net cash generated from operating activity | | 4,000 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (B) | *Cash from Investing Activities* | | |
| | Purchase of plant | (2,000) | |
| | Sale of Building | 1,400 | |
| | Net Cash from Investing Activities | | (600) |
| (C) | *Cash from Financing Activities* | | |
| | Issue of shares | 5,000 | |
| | Dividend paid | (4,000) | |
| | Net cash flow from Financing Activities | | 1,000 |
| | Net increase in cash and cash equivalents (A + B + C) | | 4,400 |
| | Cash & cash equivalent items at the beginning of the year | | 40,000 |
| | Cash & cash equivalents at the end of the period | | 44,400 |

# बहीखाता : कक्षा XII

## बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2019

समय : 3 घण्टा ] [ पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। जिनके अन्तर्गत *सही विकल्प चुनिए, एक शब्द में उत्तर दीजिए, रिक्त स्थानों की पूर्ति, सही जोड़ी बनाइए* एवं *सत्य/असत्य* प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

(iii) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अतिरिक्त सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

---

**प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए—** $1 \times 5 = 5$

**(a) लाभ न कमाने वाली संस्थाएँ बनाती हैं—**

(i) आय-व्यय खाता, (ii) लाभ-हानि खाता,

(iii) व्यापार खाता, (iv) निर्माण खाता।

**(b) साझेदारी संलेख तैयार किया जाना—**

(i) अनिवार्य है, (ii) ऐच्छिक है,

(iii) अंशत: अनिवार्य है, (iv) अनावश्यक है।

**(c) अवितरित लाभों व संचयों को हस्तान्तरित किया जाता है—**

(i) रोकड़ खाते में, (ii) बैंक खाते में,

(iii) साझेदारों के पूँजी खातों में, (iv) लाभ-हानि खाते में।

**(d) अवशिष्ट याचना पर सारणी 'A' के अनुसार ब्याज की दर होती है—**

(i) 6% वार्षिक, (ii) 10 वार्षिक,

(iii) 8% वार्षिक, (iv) 5% वार्षिक।

**(e) कौन-सा वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उपकरण नहीं है ?**

(i) तलपट, (ii) तुलनात्मक विवरण,

(iii) अनुपात विश्लेषण, (iv) सम आकार विवरण।

**उत्तर—(a) (i), (b) (ii), (c) (iii), (d) (ii), (e) (i).**

**प्रश्न 2. सत्य/असत्य लिखिए—** $1 \times 5 = 5$

**(i)** आय-व्यय खाता व्यक्तिगत खाता है।

(ii) साझेदारी फर्म में साझेदारी अधिनियम, 1932 लागू होता है।

(iii) ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है।

(iv) फर्म के विघटन पर अलिखित सम्पत्ति से प्राप्त रकम वसूली खाते में दर्शायी जाती है।

(v) एक निजी कम्पनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।

**उत्तर**—(i) असत्य, (ii) सत्य, (iii) सत्य, (iv) सत्य, (v) सत्य।

**प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—** $1 \times 5 = 5$

(i) प्राप्ति-भुगतान खाते का अन्तिम शेष ..... प्रदर्शित करता है।

(ii) साझेदारी का जन्म ..... से होता है।

(iii) साझेदारी का ..... साझेदारों के बीच सम्बन्धों को परिवर्तन है।

(iv) फर्म के विघटन के पश्चात् साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं।

(v) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक ..... है।

**उत्तर**—(i) रोकड़ हस्तस्थ/शेष (अंतिम), (ii) अनुबंध/ठहराव/समझौता, (iii) पुनर्गठन, (iv) व्यवसाय, (v) कृत्रिम व्यक्ति।

**प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—** $1 \times 5 = 5$

(i) क्या लाभानुपात में परिवर्तन के लिये ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक है ?

(ii) क्या साझेदारी के विघटन पर फर्म का विघटन आवश्यक है ?

(iii) कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं ?

(iv) कुल लागत कुल विक्रय के बराबर कहाँ होती है ?

(v) ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ कौन-सी क्रियाओं का रोकड़ प्रवाह है ?

**उत्तर**—(i) हाँ, (ii) नहीं, (iii) प्रवर्तक, (iv) जहाँ न लाभ है न हानि (सम-विच्छेद बिन्दु), (v) संचालन क्रियाओं का।

**प्रश्न 5. सही जोड़ी बनाइए—** $1 \times 5 = 5$

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| (i) सामान्य लाभ | (क) क्षतिपूर्ति |
| (ii) त्यागी साझेदार | (ख) अधिलाभ |
| (iii) संचित पूँजी | (ग) चालू दायित्व |
| (iv) स्वामित्व कोष | (घ) कम्पनी का समापन |
| (v) लेनदार | (ङ) स्वामित्व अनुपात। |

**उत्तर**—(i) → (ख), (ii) → (क), (iii) → (घ), (iv) → (ङ), (v) → (ग)।

**प्रश्न 6.** आय-व्यय खाते से क्या आशय है ? 2

*अथवा*

प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना का सूत्र लिखिए।

**प्रश्न 7.** त्याग का अनुपात क्या है ? 2

*अथवा*

नफा का अनुपात का अर्थ समझाइए।

**प्रश्न 8.** लेखांकन अनुपात के कोई दो उद्देश्य लिखिए। 2

*अथवा*

दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ?

**प्रश्न 9.** वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का अर्थ लिखिए। 2

*अथवा*

लेखांकन अनुपात के कोई दो लाभ या उपयोग लिखिए।

**प्रश्न 10.** लेखांकन अनुपात की सीमाएँ लिखिए। (कोई दो) 2

*अथवा*

अनुपात के प्रकार या वर्गीकरण को समझाइए।

**प्रश्न 11.** साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम लिखिए। (कोई तीन) 3

*अथवा*

साझेदार के क्या-क्या अधिकार होते हैं ?

**प्रश्न 12.** फर्म के विघटन की रीतियाँ लिखिए। (कोई तीन) 3

*अथवा*

A तथा B एक फर्म में क्रमश: 3 : 1 के अनुपात में साझेदार थे। उनका चिट्ठा 31 मार्च, 2018 को निम्न प्रकार था। उक्त तिथि को उन्होंने फर्म के विघटन का निर्णय किया। देनदारों से ₹ 15,000 तथा विविध सम्पत्तियों से ₹ 60,000 वसूल हुए। वसूली खाता तैयार कीजिए।

**चिट्टा 31-3-2018**

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| लेनदार | | 45,000 | देनदार | 20,000 |
| A का ऋण | | 20,000 | विविध सम्पत्तियाँ | 70,000 |
| पूँजी खाते : | | | | |
| A | 10,000 | | | |
| B | 15,000 | 25,000 | | |
| | | 90,000 | | 90,000 |

**प्रश्न 13.** फर्म का विघटन व साझेदारी का विघटन में अन्तर लिखिए। 3

*अथवा*

पुनर्मूल्यांकन खाता व वसूली खाते में अन्तर लिखिए। (कोई तीन)

**प्रश्न 14.** पूर्वाधिकार अंशों तथा समता अंशों में अन्तर समझाइये। (कोई तीन) 3

*अथवा*

Y लिमिटेड ने ₹ 10 वाले 15,000 समता अंश जनता में निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि एक मुश्त प्राप्त हो गई। Y कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

**प्रश्न 15.** साझेदारी की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 4

*अथवा*

स्थिर एवं परिवर्तनशील पूँजी खातों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई चार)

**प्रश्न 16.** X, Y तथा Z $\frac{4}{8}:\frac{3}{8}:\frac{1}{8}$ के अनुपात में लाभ बाँटने वाले साझेदार हैं। भविष्य में साझेदारों ने $\frac{5}{12}:\frac{4}{12}:\frac{3}{12}$ के अनुपात में लाभ बाँटने का निश्चय किया। अनुपात परिवर्तन के कारण प्रत्येक साझेदार को प्राप्त लाभ और त्याग की गणना कीजिए। 4

*अथवा*

ख्याति की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

**प्रश्न 17.** एक व्यापारिक फर्म की पूँजी ₹ 8,00,000 है। फर्म का औसत लाभ ₹ 90,000 है। ऐसे व्यापार में $7\frac{1}{2}$% सामान्य आय अपेक्षित है। अधिलाभ के पूँजीकृत मूल्य के आधार पर ख्याति निकालिए। 4

*अथवा*

ख्याति उत्पन्न होने के कारण लिखिए। (कोई चार)

**प्रश्न 18.** समता अंशों की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार) 4

*अथवा*

प्रविवरण के उद्देश्य बताइए। (कोई चार)

**प्रश्न 19.** पूर्वाधिकार अंश के प्रकार लिखिए। 4

*अथवा*

ऋणपत्रों के शोधन की विधियाँ लिखिए।

**प्रश्न 20.** ऋणपत्र की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार) 4

*अथवा*

सोनल के पास बिट्टू लिमिटेड के ₹ 20 वाले 50 समता अंश थे जो 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये थे। उनमें ₹ 6 आवेदन में ₹ 6 आवंटन में दिये, किन्तु प्रथम याचना के ₹ 5 व अन्तिम याचना के ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका। उसके अंशों का हरण कर लिया गया। अंश हरण की जर्नल प्रविष्टि लिखिए।

**प्रश्न 21.** वित्तीय विवरण के उद्देश्य लिखिए। (कोई चार) 4

*अथवा*

तरल त्वरित अनुपात = 1 : 1

चालू सम्पत्तियाँ = ₹ 1,00,000

चालू दायित्व = ₹ 50,000

स्टॉक का मूल्य बताइए।

**प्रश्न 22.** गैर-व्यापारिक संस्थाओं द्वारा रखी जाने वाली पुस्तकें कौन-कौन सी हैं ? 5

*अथवा*

प्राप्ति एवं भुगतान खाता किसी संस्था की आर्थिक स्थिति का द्योतक नहीं है। समझाइए।

**प्रश्न 23.** एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹ 84,000 प्रति वर्ष है। व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹ 5,00,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय 12% है। साझेदारों को ₹ 12,000 पारिश्रमिक दिया जाता है। ख्याति की गणना अधिलाभ की पूँजीकरण विधि द्वारा कीजिए। 5

*अथवा*

त्याग के अनुपात एवं नफा के अनुपात में अन्तर लिखिए।

**प्रश्न 24.** अंशों के हरण की विधि लिखिए। 5

*अथवा*

A लिमिटेड कम्पनी ने ₹ 9,00,000 की सम्पत्ति B लिमिटेड से खरीदी। प्रतिफल में ₹ 100 वाले पूर्ण प्रदत्त समता अंश देय थे। निम्नलिखित दशाओं में A लिमिटेड की पुस्तक में नकल प्रविष्टि दीजिए, जबकि अंश निर्गमित किये गये :

(i) सम मूल्य पर

(ii) 25% प्रीमियम पर।

**प्रश्न 25.** वित्तीय विवरण की उपयोगिता या महत्व लिखिए। 5

*अथवा*

कम्पनी के चिट्ठे में अनुसूची-III के अनुसार स्थायी सम्पत्तियों के उप-शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली 5 मूर्त सम्पत्तियों और 5 अमूर्त सम्पत्तियों के नाम लिखिए।

**प्रश्न 26.** रोकड़ प्रवाह विवरण एवं कोष प्रवाह विवरण में अन्तर लिखिए। (कोई पाँच) 5

*अथवा*

रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने के उद्देश्य और महत्व लिखिए। (कोई पाँच)

## बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2020

**प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिए–** $1 \times 5 = 5$

**(अ) आय एवं व्यय खाता बनाया जाता है–**

(i) फर्म द्वारा,

(ii) गैर-व्यापारिक संस्थाओं द्वारा,

(iii) एकाकी व्यापारी द्वारा,

(iv) कम्पनी द्वारा।

(ब) सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य कहलाता है—
(i) औसत लाभ, (ii) सामान्य लाभ,
(iii) आकस्मिक लाभ, (iv) अधिलाभ।

(स) अ और ब लाभ और हानि का विभाजन 3 : 1 में करते हैं, स $\frac{1}{4}$ भाग के लिए प्रवेश करता है। अ और ब का त्याग अनुपात होगा—
(i) बराबर, (ii) 3 : 1,
(iii) 2 : 1, (iv) 3 : 2.

(द) किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति पर उसके पूँजी खाते को जमा किया जायेगा—
(i) उसके भाग की ख्याति के साथ,
(ii) फर्म की ख्याति के साथ,
(iii) शेष साझेदारों के भाग की ख्याति के साथ,
(iv) इनमें से कोई नहीं।

(इ) संचित लाभ और संचय का हस्तातरण किया जायेगा—
(i) वसूली खाते में,
(ii) साझेदारों के पूँजी खाते में,
(iii) बैंक खाते में,
(iv) ऋण खाते में।

उत्तर—(अ) (ii), (ब) (iv), (स) (ii), (द) (i), (इ) (ii)।

**प्रश्न 2. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—** $1 \times 5 = 5$

(अ) आय व्यय खाता किस खाते की सहायता से बनाया जाता है ?

(ब) फर्म द्वारा साझेदारों की पूँजी पर ब्याज कब दिया जाता है ?

(स) अविका, माही एवं खुशी लाभ का भाग 5 : 3 : 2 में बाँटते हुए साझेदार हैं। माही फर्म से सेवानिवृत्त होती है। नया लाभ वितरण अनुपात क्या होगा ?

(द) सभी साझेदारों का दिवालिया होना किस प्रकार का समापन है ?

(इ) किन ऋणपत्रों का हस्तांतरण केवल सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है ?

उत्तर—(अ) प्राप्ति एवं भुगतान खाता, (ब) साझेदारी संलेख में वर्णित होने पर, (स) 5 : 2, (द) अनिवार्य समापन, (इ) वाहक ऋणपत्र।

**प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :** $1 \times 5 = 5$

(अ) गुणनफल विधि द्वारा ..... पर ब्याज की गणना की जाती है।

(ब) किसी नये साझेदार के प्रवेश पर परिसंपत्तियों में हुई मूल्य वृद्धि को ..... खाते में क्रेडिट किया जाता है।

(स) दायित्वों में कमी फर्म का ..... होती है।

(द) फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष को ..... खाते में हस्तांतरित करेंगे।

(इ) आदर्श चल अनुपात ..... माना जाता है।

उत्तर—(अ) आहरण, (ब) पुनर्मूल्यांकन, (स) लाभ, (द) वसूली, (इ) 2 : 1.

प्रश्न 4. सही जोड़ी बनाइए— $1 \times 5 = 5$

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| (अ) केवल व्यक्ति ही | (i) पुस्तक मूल्य पर दर्शायी जाती हैं। |
| (ब) लाभ (नफे) का अनुपात | (ii) विनियोग क्रिया |
| (स) वसूली खाते में सम्पत्तियाँ | (iii) कृत्रिम सम्पत्ति |
| (द) स्थायी सम्पत्ति का क्रय | (iv) नया अनुपात – पुराना अनुपात |
| (इ) ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती | (v) साझेदार बन सकते हैं। |
| | (vi) पुराना अनुपात – नया अनुपात |

उत्तर—(अ) → (v), (ब) → (iv), (स) → (i), (द) → (ii), (इ) → (iii)।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य लिखिए— $1 \times 5 = 5$

(अ) प्राप्ति और भुगतान खाता सभी पूँजीगत प्राप्तियों और भुगतानों का सारांश है।

(ब) साझेदारी ठहराव में किया गया परिवर्तन फर्म का पुनर्गठन कहलाता है।

(स) सेवानिवृत्त/मृत साझेदार को राशि का भुगतान एकमुश्त या किश्तों में ब्याज सहित किया जाता है।

(द) एक निजी कम्पनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।

(इ) ऋणपत्रधारी को कम्पनी का अंशधारी भी कहते हैं।

उत्तर—(अ) असत्य, (ब) सत्य, (स) सत्य, (द) सत्य, (इ) असत्य।

प्रश्न 6. 'गैर-व्यावसायिक संस्था' का अर्थ लिखिए। 2

*अथवा*

पेशेवर व्यक्ति किसे कहते हैं ?

प्रश्न 7. त्याग का अनुपात क्या है ? 2

*अथवा*

नफे के अनुपात का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 8. त्वरित अनुपात क्या है ? 2

*अथवा*

दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 9. वित्तीय विश्लेषण के विभिन्न उपकरणों के नाम लिखिए। (कोई दो) 2

*अथवा*

वित्तीय विश्लेषण की दो सीमाएँ लिखिए।

प्रश्न 10. सकल लाभ अनुपात से क्या आशय है ? 2

*अथवा*

बेचे गये माल की लागत किस प्रकार ज्ञात करते हैं ?

प्रश्न 11. स्थिर पूँजी तथा परिवर्तनशील पूँजी खातों में कोई तीन अन्तर लिखिए। 3

*अथवा*

काजल एवं कामिनी एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ एवं हानि के विभाजन के साझेदार हैं। वे राहुल को 1/4 भाग के लिए साझेदार बनाते हैं और लाभ में से कम-से-कम ₹ 50,000 देने की गारंटी देते हैं। 31 मार्च, 2015 को फर्म को ₹ 1,60,000 का लाभ हुआ। इसके लिए लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

प्रश्न 12. साझेदारी का विघटन एवं साझेदारी फर्म के विघटन में अंतर लिखिए। (कोई तीन) 3

*अथवा*

सुप्रिया और मोनिका साझेदार हैं। उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न है :

**सुप्रिया और मोनिका का चिट्ठा**

**(31 मार्च, 2017 को)**

| दायित्व | रकम | सम्पत्तियाँ | | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | | | ₹ |
| सुप्रिया की पूँजी | 32,500 | रोकड़ और बैंक | | 40,500 |
| मोनिका की पूँजी | 11,500 | स्टॉक | | 7,500 |
| विविध लेनदार | 48,000 | विविध देनदार : | 21,500 | |
| संचय कोष | 13,500 | – प्रावधान : | 500 | 21,000 |
| | | स्थायी सम्पत्तियाँ | | 36,500 |
| | 1,05,500 | | | 1,05,500 |

31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन हो गया। निम्न सूचनाओं से वसूली खाता वनाइए :

(1) देनदारों से 5% छूट पर वसूली हुई।

(2) स्टॉक से ₹ 7,000 वसूल हुए।

(3) स्थायी सम्पत्तियों से ₹ 42,000 वसूल हुए।

(4) वसूली व्यय ₹ 1,500।

(5) लेनदारों को पूर्ण भुगतान कर दिया गया।

**प्रश्न 13.** अनिवार्य विघटन को समझाइए। 3

*अथवा*

वसूली खाता क्या है ?

**प्रश्न 14.** अंश और स्कंध में कोई तीन अंतर लिखिए। 3

*अथवा*

एक सीमित कम्पनी ने जनता में ₹ 50 वाले 80,000 समता अंश निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि आवेदन पर एकमुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

**प्रश्न 15.** साझेदारी की मुख्य चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4

*अथवा*

रवि एवं रोहित बराबर के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 40,000 तथा ₹ 80,000 थी। वर्ष के अंत में खाते तैयार करने के बाद पता चला कि साझेदारों को पूँजी पर 5% वार्षिक दर से ब्याज नहीं दिया गया, जबकि संलेख में देना तय था। यह तय किया गया कि अगले वर्ष के आरंभ में एक समायोजन प्रविष्टि तैयार की जाए। आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

**प्रश्न 16.** अनिल और विशाल साझेदार हैं। वे लाभ का विभाजन 3 : 2 में करते हैं। वे सुमित को नये साझेदार के रूप में 1/5 भाग के लिए प्रवेश देते हैं। अनिल, विशाल और सुमित के नये लाभ-विभाजन अनुपात की गणना कीजिए। 4

*अथवा*

A तथा B क्रमश: 1 : 3 के अनुपात में एक फर्म में साझेदार हैं। वे भविष्य में अपना लाभ-विभाजन बराबर-बराबर रखने का निर्णय करते हैं। प्रत्येक साझेदार का नफे या त्याग का भाग ज्ञात कीजिए।

**प्रश्न 17.** साझेदारी फर्म के पुनर्गठन के कोई चार ढंग (प्रकार) लिखिए। 4

*अथवा*

एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹ 84,000 प्रति वर्ष है। व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹ 5,00,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय 12% है। साझेदारों को ₹ 12,000 वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाता है। ख्याति की गणना अधिलाभ की पूँजीकरण विधि द्वारा कीजिए।

**प्रश्न 18.** कम्पनी की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4

*अथवा*

यश लिमिटेड कम्पनी ने ₹ 10 वाले 40,000 अंश जनता में निर्गमित किए। इन पर देय राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्रश्न 19. अंशपत्र एवं ऋणपत्र में चार अंतर लिखिए। 4

*अथवा*

एक्स वाई जेड इन्डस्ट्रीज लि. ने प्रति ऋणपत्र ₹ 100 पर 2,000, 10% ऋणपत्रों को ₹ 10 प्रीमियम पर निर्गमित किया। जो निम्नानुसार देय है :

आवेदन पर ..... ₹ 50

आबंटन पर ..... ₹ 60

सभी राशियाँ समय पर प्राप्त हो गईं। कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

**प्रश्न 20.** ऋणपत्र के शोधन की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए। 4

*अथवा*

पूजा जिसके पास 1,000 अंश हैं जिनका निर्गमित मूल्य ₹ 120 प्रति अंश (अंकित मूल्य ₹ 100 प्रति अंश) है। उसने द्वितीय एवं अंतिम मांग (याचना) जो कि ₹ 20 प्रति अंश है का भुगतान नहीं किया। कम्पनी द्वारा इन अंशों का हरण कर लिया गया। अंशों के हरण की आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए।

**प्रश्न 21.** वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। (कोई चार) 4

*अथवा*

वित्तीय विवरणों की सीमाएँ लिखिए। (कोई चार)

**प्रश्न 22.** प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में पाँच अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

*अथवा*

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, नीचे दिए गए क्लीन दिल्ली क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय-व्यय खाता बनाइए।

**प्राप्ति एवं भुगतान खाता**
**(31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)**

| प्राप्तियाँ | रकम | भुगतान | रकम |
|---|---|---|---|
| | ₹ | | ₹ |
| शेष आगे लाये (प्रा. रोकड़ शेष) | 3,200 | वेतन | 1,500 |
| चंदा | 22,500 | किराया | 800 |
| प्रवेश शुल्क | 1,250 | बिजली | 3,500 |
| दान | 2,500 | कर | 1,700 |
| हॉल का किराया | 750 | छपाई व लेखनसामग्री | 380 |
| विनियोगों का विक्रय | 3,000 | विविध व्यय | 920 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | पुस्तकों का क्रय | 7,500 |
| | | सरकारी बाण्डस का क्रय | 10,000 |
| | | बैंक में स्थायी जमा (31-3-2018 को) | 5,000 |
| | | शेष आगे ले गए | 1,900 |
| | 33,200 | | 33,200 |

प्रश्न 23. निवृत्तमान साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार की जाती है ? 5

*अथवा*

नीचे दिया गया चिट्ठा अ और ब का है। जो 31 मार्च, 2017 को साझेदारी व्यापार चला रहे हैं तथा 2 : 1 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं।

चिट्ठा 31 मार्च, 2017 का

| दायित्व | | रकम | सम्पत्तियाँ | रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | ₹ |
| देय विपत्र | | 10,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 10,000 |
| विविध लेनदार | | 58,000 | बैंकस्थ रोकड़ | 40,000 |
| अदत्त व्यय | | 2,000 | विविध देनदार | 60,000 |
| पूँजी | | | स्टॉक | 40,000 |
| अ : | 1,80,000 | | संयंत्र एवं मशीनरी | 1,00,000 |
| ब : | 1,50,000 | 3,30,000 | भवन | 1,50,000 |
| | | 4,00,000 | | 4,00,000 |

उक्त तिथि को स को निम्न शर्तों पर साझेदार बनाया :

(1) स फर्म में 1/4 भाग के लिए ₹ 1,00,000 और ख्याति के लिए ₹ 60,000 लायेगा।

(2) संयंत्र का मूल्य ₹ 1,20,000 आँका गया और भवन के मूल्य में 10% की वृद्धि हुई।

(3) स्टॉक ₹ 4,000 से कम किया गया।

(4) देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान बनाया जायेगा।

(5) ₹ 1,000 के लेनदारों का अभिलेखन नहीं हुआ।

पुनर्मूल्याँकन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

**प्रश्न 24.** उन मुख्य श्रेणियों का संक्षिप्त में वर्णन करें जिनमें कम्पनी की अंशपूँजी वर्गीकृत होती है।

*अथवा*

कुमार लिमिटेड ने भानु ऑयल लिमिटेड से ₹ 6,30,000 की सम्पत्तियाँ क्रय की। कुमार लिमिटेड ने समझौते के अनुसार ₹ 100 वाले पूर्णदत्त अंशों का निर्गमन किया। कौन-सी रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जायेंगी यदि अंशों का (i) सममूल्य पर निर्गमन हो और (ii) 20% प्रीमियम पर हो। 5

**प्रश्न 25.** निम्नलिखित सूचना से तरल अनुपात ज्ञात कीजिए : 5

चालू दायित्व = ₹ 50,000, चालू सम्पत्तियाँ = ₹ 80,000

स्टॉक = ₹ 20,000, पूर्वदत्त व्यय = ₹ 10,000.

*अथवा*

चालू अनुपात 3·5 : 1 है। कार्यशील पूँजी ₹ 90,000। चालू सम्पत्तियाँ तथा चालू दायित्वों की राशि ज्ञात कीजिए।

**प्रश्न 26.** संचालन क्रियाओं एवं विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में किन-किन मदों को शामिल किया जाता है ? 5

*अथवा*

रोकड़ के अन्तर्बहाव और रोकड़ के बाह्यबहाव के 5-5 उदाहरण लिखिए।

## बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2021

**विशेष :** *कोरोना बीमारी के चलते माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा वहीखाता : कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा 2021 निरस्त कर दी गई थी।*

## बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र : 2022

समय : 3 घण्टा ] [ पूर्णांक : 80

**प्रश्न 1.** सही विकल्प चुनिए— $1 \times 6 = 6$

(i) आय-व्यय खाते से होता है—

(अ) सकल लाभ, (ब) शुद्ध लाभ,

(स) आधिक्य या कमी, (द) नगद शेष।

(ii) अंशों का हरण करते समय अंश पूँजी को नामे किया जाता है—

(अ) अंकित मूल्य से, (ब) माँगी गई राशि से,

(स) चुकाया गया मूल्य से, (द) निर्गमित मूल्य से।

(iii) साझेदारी का अनिवार्य अंग है–
(अ) हानि को बाँटना,
(ब) हानि तथा लाभ दोनों को बाँटना,
(स) लाभों को बाँटना,
(द) सम्पत्तियों को बाँटना।

(iv) रोकड़ प्रवाह विवरण सम्बन्धित है–
(अ) लेखांकन प्रमाप-3 से, (ब) लेखांकन प्रमाप-6 से,
(स) लेखांकन प्रमाप-9 से, (द) लेखांकन प्रमाप-12 से।

(v) निम्न में से कौन-सा वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उपकरण नहीं है ?
(अ) तलपट, (ब) तुलनात्मक विवरण,
(स) अनुपात विश्लेषण, (द) समाकार विवरण।

(vi) ख्याति–
(अ) एक चल सम्पत्ति है, (ब) एक स्थायी सम्पत्ति है,
(स) एक मूर्त सम्पत्ति है, (द) एक कृत्रिम सम्पत्ति है।

उत्तर–(i) (स), (ii) (ब), (iii) (ब), (iv) (अ), (v) (अ), (vi) (ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– $1 \times 7 = 7$

(i) अयाचित लाभांश.....पक्ष में दर्शाया जाता है।
(ii) अनुपात विश्लेषण दो मदों के मध्य.....सम्बन्ध को अभिव्यक्त करता है।
(iii) ऋणपत्र, ऋण का एक लिखित.....है।
(iv) अंशों का हरण करने से पूर्व उसकी सूचना देना.....है।
(v) प्रतिभूति प्रीमियम.....प्रकृति का लाभ है।
(vi) प्राप्ति-भुगतान खाता.....व्यवहारों का सारांश है।
(vii) आय-व्यय खाता एक.....खाता है।

उत्तर–(i) दायित्व, (ii) परिमाणात्मक/मात्रात्मक, (iii) प्रमाण, (iv) अनिवार्य, (v) पूँजीगत, (v) सभी रोकड़/रोकड़ बही, (vii) नाममात्र।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए– $1 \times 6 = 6$

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| (i) विघटन के पश्चात् प्रथम भुगतान | (अ) साझेदार का ऋण |
| (ii) साझेदार की मृत्यु पर उसके हिस्से का भुगतान | (ब) अनिवार्य नहीं है |
| (iii) फर्म का आन्तरिक दायित्व | (स) कानूनी उत्तराधिकारी को |
| (iv) फर्म का बाह्य दायित्व | (द) पेशेवर व्यक्ति |
| (v) साझेदारी संलेख बनाना | (इ) तृतीय पक्ष को |
| (vi) चिकित्सक | (फ) बैंक ऋण |

उत्तर–(i) → (इ), (ii) → (स), (iii) → (अ), (iv) → (फ), (v) → (ब), (vi) → (द)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए— $1 \times 7 = 7$

(i) आय-व्यय खाता किस खाते की सहायता से बनाया जाता है ?

(ii) कम्पनी के लाभ-हानि को अनुसूची के अनुसार कौन-से शीर्षक में दिखाया जाता है ?

(iii) कुल लागत, कुल विक्रय के बराबर कहाँ होती है ?

(iv) ऋणपत्र का प्रतिफल क्या कहलाता है ?

(v) पुराने और नये अनुपात का अन्तर क्या कहलाता है ?

(vi) ख्याति के मूल्यांकन का आधार क्या है ?

(vii) कौन-सी ख्याति हमेशा बदलती रहती है ?

उत्तर—(i) प्राप्ति एवं भुगतान खाता, (ii) संचय एवं आधिक्य, (iii) सम विच्छेद बिन्दु, (iv) ब्याज, (v) त्याग अनुपात, (vi) क्रय के वर्ष व लाभ का रूप, (vii) चूहा ख्याति।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य लिखिए— $1 \times 6 = 6$

(i) कम्पनी के चिट्ठे में अधिकृत पूँजी को दर्शाने की आवश्यकता नहीं होती है।

(ii) वित्तीय विश्लेषण केवल लेनदारों द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं।

(iii) तुलनात्मक विवरण क्षैतिज विश्लेषण का एक रूप है।

(iv) बन्धक ऋणपत्र सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं।

(v) अंशों के समर्पण का अधिकार अंशधारी का होता है।

(vi) साझेदारी अनुबन्ध सदैव लिखित होता है।

उत्तर—(i) असत्य, (ii) असत्य, (iii) सत्य, (iv) सत्य, (v) सत्य, (vi) असत्य।

प्रश्न 6. गैर-व्यापारिक संस्थाओं के उदाहरण लिखिए। (कोई चार) 2

*अथवा*

प्राप्ति-भुगतान खाता किसे कहते हैं ?

प्रश्न 7. साझेदारी अधिनियम 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा लिखिए। 2

*अथवा*

लाभ-हानि नियोजन खाता किसे कहते हैं ?

प्रश्न 8. ख्याति की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। 2

*अथवा*

नये साझेदार को कौन-से प्रमुख अधिकार प्राप्त होते हैं ?

प्रश्न 9. साझेदार के निष्कासन से क्या समझते हैं ? 2

*अथवा*

लाभ प्राप्ति का अनुपात किसे कहते हैं ?

प्रश्न 10. साझेदारी का समापन किसे कहते हैं ? 2

*अथवा*

फर्म के समापन पर कौन-कौन से खाते खोले जाते हैं ?

**प्रश्न 11.** कम्पनी की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। 2

*अथवा*

अग्रिम याचना किसे कहते हैं ?

**प्रश्न 12.** समता अंशों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। 2

*अथवा*

अंशों के हरण का अंशधारी पर प्रभाव लिखिए।

**प्रश्न 13.** ऋणपत्रों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। 2

*अथवा*

अशोध्य ऋणपत्र किसे कहते हैं ?

**प्रश्न 14.** वित्तीय विवरण की कोई दो सीमाएँ लिखिए। 2

*अथवा*

तुलनात्मक वित्तीय विवरण किसे कहते हैं ?

**प्रश्न 15.** चालू अनुपात किसे कहते हैं ? 2

*अथवा*

रोकड़ बहाव विवरण किसे कहते हैं ?

**प्रश्न 16.** आय-व्यय खाते की विशेषताएँ लिखिए। 3

*अथवा*

निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर 31 दिसम्बर, 2018, डी. बी. क्लब का प्राप्ति - भुगतान खाता बनाइए–

1 जनवरी, 2018 रोकड़ शेष ₹ 20,000, प्रवेश शुल्क ₹ 5,000, वेतन दिया ₹ 2,000, पुस्तकों का क्रय ₹ 5,000, विविध व्यय ₹ 2,500।

**प्रश्न 17.** किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है ? 3

*अथवा*

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं वसूली खाते में अन्तर लिखिए। **(कोई तीन)**

**प्रश्न 18.** पूर्वाधिकार अंशों के प्रकार लिखिए। 3

*अथवा*

महाजन लि. ने जनता में ₹ 10 वाले 30,000 समता अंश निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गयी। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

**प्रश्न 19.** एक अच्छे वित्तीय विवरण के आवश्यक गुण लिखिए। **(कोई तीन)** 3

*अथवा*

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के उद्देश्य लिखिए। (कोई तीन)

**प्रश्न 20.** साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियमों का उल्लेख कीजिए। 4

(कोई चार)

*अथवा*

कुमुद, सुमुद तथा कीर्ति ने 1-4-2016 को साझेदारी प्रारम्भ की। उनका लाभालाभ अनुपात क्रमश: 4 : 3 : 3 है। कुमुद ने व्यक्तिगत रूप से कीर्ति को गारण्टी दी है कि पूँजी पर

5% वार्षिक ब्याज लगाने के बाद उसका लाभ का भाग ₹ 40,000 से कम किसी भी वर्ष में नहीं होगा। उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 3,00,000, ₹ 2,00,000 और ₹ 1,50,000 थी। 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ ₹ 1,60,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

**प्रश्न 21.** 1 जनवरी, 2018 को ख्याति का मूल्यांकन विगत पाँच वर्षों के औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय पर कीजिए। पाँच वर्षों के लाभ-हानि निम्नलिखित हैं— 4

2014 लाभ ₹ 20,000, 2015 लाभ ₹ 15,000, 2016 हानि ₹ 13,000, 2017 लाभ ₹ 30,000 और 2018 लाभ ₹ 38,000।

*अथवा*

फर्म में नये साझेदार के प्रवेश के कोई चार कारण लिखिए।

**प्रश्न 22.** अंशों के हरण की विधि लिखिए। 4

*अथवा*

अंशों के निर्गमन सम्बन्धी जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

**प्रश्न 23.** निम्नलिखित से चालू अनुपात ज्ञात कीजिए— 4

| | | | |
|---|---|---|---|
| लेनदार | 1,00,000 | स्थायी सम्पत्तियाँ | 7,50,000 |
| अदत्त वेतन | 12,000 | स्टॉक | 2,50,000 |
| देय विपत्र | 88,000 | देनदार | 75,000 |
| पूर्वदत्त व्यय | 5,000 | बैंक में रोकड़ | 2,70,000 |

*अथवा*

रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने का महत्व लिखिए।

2023 परीक्षा में सर्वोच्च सफलता हेतु अवश्य पढ़िए

# परीक्षा अध्ययन

पुस्तकें

@mpbsePDF

कक्षा 12 के सभी विषयों पर

www.shivalal.com

# MPBSE PDF 2023-24

public channel

**Description**

MP Board Paper 2023-24 Class 9th 10th 11th 12th @mpbsepdf पर आपको सभी पीडीएफ फ़ाइल डाउनलोड करने को मिलेगी।

t.me/mpbsepdf
Invite Link

Notifications
On

**Members**

Subscribers 637

Administrators 1

Media | Files | Links

12th Maths Pariksha Bodh Pdf By Tel...
60.7 MB, 23.09.23 at 9:19 PM

12th English pariksha bodh By Telegr...
58.3 MB, 23.09.23 at 9:17 PM

12th Hindi Pariksha Bodh By Telegra...